# ७७। इस न १८ द्वेट कुत न तुना स सि।

इंट्रिंक

सह्रामार्से|

मुल ळंग ५ म स मेन केना

चारिं त्यार्वाता विकास

### नावे न'क़ुत्रा

क्षृ र्श्चिणायार्थाः प्रिंद्याः श्रुवाः वाश्चाः अवस्त्र विष्यः विषयः विष्यः विषयः वि

धुरः दक्षेत jgedun98@gmail.com

শ্ল্বদ্বীৰ্" jgedun

र्श्वे क्ष्मियान्यो प्रमुव विषा

### ৴৸৴.ড়ঀ৸৻ঀঀঀ৾ঀ৾৵৻য়৾৾৾

শ্লবশ'ৰি'ব। শ্ৰুঁস'ঘ'বৰি' ক্ৰুম'ঘ'ম'বপ্'ব'ব।	1
ढ़ ॻऻढ़ॖ॓ॺॱय़ॱॾॗॕॖॕॕॕॕॕॕॱॱॸॱॸढ़ॎऀॱक़ॗॺॱय़ॸॱॸॺॖॸ॔ॱय़ॱॴ॒ॸॸॸॱॸॖॱॸॖ॓ॸॱय़ॱक़ॗॖॱढ़ॼॺॱॸॕॱऻॸॸॖॺॱय़ॱॹॗॱढ़ॼॺॱॺॕ	1
དང་ऍ་(དབང་ད་རྡེད་བ་རྒྱ་འབྲས་)ᠬ། དབང་ད་བྱེད་པའི་རྒྱུ་ནམ་गॖऻॖན་དང་། འབྲས་བུ་རྡེ་མོᡘ་སྡོསུ་བཚ། ।	1
५८-स्.(५४८-२.३५-४४-४४-४४) त.चीया पडीया पडीया पश्चा अळ्यका ह्यूप्ता पडीया पडीया पडीया प्राप्ता अळ्यका ह्यूप्ता पडीया पडीया पडीया पडीया पडीया पडीया अळ्यका ह्यूप्ता पडीया पडीया पडीया पडीया पडीया अळ्यका ह्यूप्ता पडीया पडीया पडीया पडीया पडीया पडीया पडीया पडीया अळ्यका ह्यूप्ता पडीया पडीय	95°
ঘ'ব্দ'শ্লবৰ্ষ'বৰ্ষু'বৰ্মি	1
<b>५८</b> १ॅर्ग (दिन्नेपःचर्गेर्-यमःअर्ळअमःश्चुरःचः) <b>वे</b>	1
ସ୍ୱାନ୍ଧିୟ'ୟ'(ନ୍ଧିଣ୍ଡିନ୍ଦି'ସ୍ୱ୍ରିଟ୍-ସ୍ମ୍ବ୍ରଟ୍'ସ')ୟ	4
इयार्सेवारार्झेराचार्झेते स्यावाववार्ता धरायाळा यद्यवावत्राच्यात्र हो क्वित्या स्री प्रति रेयायाय	15
ঘর্নি	4
<b>८८. मू. (</b> इस. क्रू. क्र. क्र्रीय प्रक्रिय क्र. क्र. क्र. क्र. क्र. क्र. क्र. क्र.	4
$ar{ar{ar{ar{a}}}}$ માં ત્રાપ્ત ત્રાપત ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપત	4
<u> </u>	4
श्री सह्य मुंग्री वाषा सारी वाष्ट्रेव में स्वेषा पादी पाव स्वापा मुक्षा पादी मित्र पादी वाष्ट्रेव प्रमेष	1.Å.
ૡ૾૽ૼ૱ૹ૽૽૽૽ૢ૽ૺૢૼ૽૾ૹૄ૽ૢૺૼ૱૽૽ૢ૽ૺૢૢૢૢૢૢૢૢૢ૽ૼ૾ૻઌ૽૽ૢૻૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૼઌૻ૱૱૽૽ૼૹ૽૽ઌ૽૽ૢૢૢૢૢૢ૽ૢૻૣ૽૾૽ૺ૾૽ૺ૾૽ૺ૾૽ૺ૾૽ૺ૾ૺ	4
५८.५.(श.संबेय.स्वेय.संक्रिय.संक्रुय.संक्रुय.संक्रुय.संक्रु.संच्या.संक्रु.संक्रु.संक्रु.संक्रु.संक्रु.संक्रु.सं	4
ଅର୍ଦ୍ଧିୟ'ସଞ୍ଚୁଷ'ସ୍ୟମ୍ବର'ମ୍ବର'। ବିଶ୍ୱ'ସଞ୍ଜି'ସର୍ଜି। ।	4
ব্দ:র্বি'(অর্ব্দ্বন্স্ব্র')আবার্ব্ধ্বাশ্রি'ব্দ:র্বি (স্তান্ত্র)	4
স্ট্রশ'ন'(রেল্রিঅ'ন')ব্যু	5
ব্যক্টিশ্ব-ব্য-ব্যব্ধন্-)ন্য	5
ग्विःमेषाग्रीः इयापान्ता व्यामेषाग्रीः इयापान्ता इयायिवाग्रीः इयापानि ।	5
<u> </u>	5
স্ঈ্শ'ন'(₹'ন')বৃঁ	
<b>ন্ধুম'ন'</b> (র্ট্রাঝ'ন') <b>না</b>	
<b>ন</b> দ্বিদ্যান্দ্ৰ বিষ্ণু আয়ী ক্ষামান্দ্ৰ। অমানদ্বি গ্ৰীক্ষামান্দ্ৰ। গ্ৰদ্মান্তী দ্বি নম্বুনৰ্মি।	6
<b>८८: में (प</b> रेब प'र्ट में मुशुक्ष ग्री:क्वपप) <b>वे।</b>	

# क्यानभूत् भ्रेतः कुत्रा

गृहेश'म'(এঅ'ন্বইর'ট্ট)'র্ম'ম')অ'गृशुस'ট্ট)'ব্দ'র্ম'অম'ন্বইর'ট্ট)'বৃত্তি'ন'মর্ব্দি'নঞ্গুর'র।	7
বাদ্ধীশ্বাব্যাব্যাব্যাব্যাব্যাব্যাব্যাব্যাব্যাব	8
र्वेवःश्चितःग्चेःगवेवःर्यःयःपविरःद्वेःपवि।	8
यहिषायानेषाञ्चेताची यहिताची यहरूषा विष्या विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय	9
ग्रुअ'य'वेष'भ्रेप'ग्रे'ग्वेव'र्ये'चग्'बेप्'वे।	9
শৃধ্যম'শ'(এঅ'বদ্ৰ'ট্ট)'ক্স'ঘন্ট')দ্ৰি'বস্থ'ন'ন্	10
বাধ্যম'ন'(ল্রদ্রান্ট্র'নস্থ'ন'র।	10
বাষ্ট্ৰপ্ৰ'ন'(এম:প্ৰৰ'ট্ৰ)'ক্ৰম্ম'ট্ৰ)'ন্ন'ৰ্ম্বাস্থ্ৰম'ট্ৰ)'ন্ন'ৰ্ম্বাস্থ্ৰম'ট্ৰ'মক্ৰম্ম'স্থ্ৰুন্ন'ন'ব্ৰ	10
ग्हेशरा (हरा वे विष्	10
বা্ধ্যুম'ন'(বেন্ন্র্বিশ্ব')মা	10
ह्येर प्रमुवा कें केंर प्रमृत् ह्ये तें त्र प्रमुप्ति ।	10
५८.स्.(श्चेर.प्रष्ट्रव.)स्री	10
मृद्धेश्वर् (बॅर्बर् प्रमृत्)यः निवेदे प्रस्ये ।	11
गुव त्र चुर चुर चित्र ची क्षेत्र च क्षेत्र प्र चे ।	11
गढ़िबायायायायदेवाद्यायरुटाद्याद्यात्राच्यात्रच्यात्राच	11
वाशुक्षायाः स्वृवायम्यायमः स्ट्रीते सक्वादेन ग्री स्वायम्यम् प्रायम्	12
বর্ন্ত্রিন্দ্রের র্টের গ্রী স্থ্রীর বর্ষ বর্ষ বর্ষ বর্ষ বর্ষ বর্ষ বর্ষ বর্	13
८८ में प्रत्ये विष्य प्रति द्वारा दि ।	13
गृतेषायावि प्रति क्रायाची	13
ग्रुबर्पागुःर्वेबर्पदे क्र्यराचे।	
प्रवि.स.५४.म.५.५५८. प्रवे.स्य.स.ची	13
নার্মান(ষ্ট্রীর:):ব্রিনর্মু:ন:ব্রী	14
ગશુસ'ય'ફ્રસ'સષ્ટ્રેફ'ફ્રેસ'ય'યા	14
यर्देर पङ्गव या कुर्य यर प्रमित पर्वे ।	
<u> ५८.सू. (बर्ट्र-प्रकेष्ट्रात्रात्रात्राक्ष्रम.ची. ५८.सू. शक्तात्रा अक्ष्रम.च.ची </u>	14

# ব্যাম:ক্রবাঝ:বর্বাঝ:র্মা

गहेशःमः(इनः)दे	14
गৃ <del>ষ</del> ্ট্যম'ম'র্ম্য্রীঝ'ম'র্ব্বী	15
ব্ ব্ শ ব (ক্সুৰ্ ব্ৰহ্-)আ	16
वृत्रः व्यान्यात्रः स्वान्यात्रः स्वतः स्वान्यात्रः स्वान्यात्रः स्वान्यात्रः स्वान्यात्रः स्वान्यात्रः स्वान्य	<b>イビ・手刻・刻</b> ・
য়য়ৢ৾৾৾ঀॱয়৾ঀ৾৽য়য়৾৽ঀয়৽য়ৣ৽য়য়৽য়৽ঢ়ৼ৽ৢ৾য়য়য়ড়ৢঀ৽য়ৣ৽য়য়৻য়ড়ৢঀ৽য়ৣ৽য়য়৽য়ঢ়ৄ৾ঀ য়য়য়ড়ৢঀ৽য়ড়য়য়ড়ৢঀয়৽য়ৢ৽য়য়ড়ৢঀয়ড়য়ড়য়ড়ৢঀয়ড়য়ড়ৢঀড়য়ড়য়ড়ৢঀ৽য়ৢ৽য়য়ড়ৢঀড়য়ড়য়ড়ৢঀয়ড়য়ড়য়ড়য়ড়য়ড়য়ড়য়ড়য়ড়য়ড়য়ড়য়ড়য়ড়য়ড়য়ড়	16
५८:में (१९४) व्हेंबर्पर हेबर बुर यह विश्वेषर मुले हेबर में इसर पर १००	16
র্ষ র্ষ্য-বন্ধ্র-দেশ র্দুর বন্ধু-বর্মি ।	16
<u> </u>	16
गृतेष'रा'धर'र्ग'र्शेर'यर'यवि'वै	17
ग्रुअःपःह्रःत्युवःग्रुःम्दःपवेःह्रअःपःपवेःहे।	18
ସ୍ୱି'ୟ'ଦ୍ୱସଦ'ସିନ୍ଦି'ଞ୍ଜ୍ୟ'ୟ'ଧ୍ୟୁ'ଶ୍ୱି	18
ૡૄ੶ਧ੶ਝ੍ਰੇੱਧਕਾਗੁ੶ੑੑਫ਼ੑੑੑੑਸ਼੶ਧ੶ਫ਼ੑੑ	19
<u> चृषा'य'चुर'ॡ्रच'णव'षो'क्र्</u> य'य'वे	19
<u> पर्व'रा'तयम्बारायदे'या या पा मी इसाय दी</u>	20
<i>বাব্দীব্য'ম'</i> (ব্ৰ্ৰ্ৰ্ৰ্ন্ৰ্ৰ্ৰ্ৰ্ৰ্'ব')বী	20
ण्तेषाया (चुरःक्रुचःबेशबःन्धदेःशश्चानेबःन्दःहेबःबुःश्वुब्यःयदेःह्यःयः)त्प	21
র্ষ-র্ষ্য-বন্দ্র-দ্র-দ্রন্ধ্র-দ্র্য্ন-দ্র্যু-দর্মি	21
८८. म्. (म्. म्. १८८८) व्याची १८८ म् विषेत्र मृत्याची १८८ म्	21
ସ୍ୱଟିଶ'ସଂଞ୍ଚୁୟ'ସନ୍ତି'ୟଣ'ଶ୍ୱି	21
য়য়ৢয়ৼ৽য়৾য়ৼঢ়ৢয়য়৸৸য়য়ৢ৽য়য়ড়ৢ৽য়য়ড়ৢঀ	
चिव पार्व वा के वार्व प्रवासक का का कि का कि का कि का कि का का कि का	
ૡૄ'ጚ'ૹૣ૽ૼૼૼૻૻૼૻૻઌ૽૽૽૾ૺ૽ઌૻૹૻ૽૽૽ૢૺૣૺ૾૽૽૽ૺ૽૽૽૽ૺ૽૽૽૽ૺ૽૽૽૽ૺ૽૽૽૽ૺ૽૽૽૽ૺ૽૽૽	
៹ੑਗ਼ <sup>੶</sup> ਸ਼੶ਸ਼ੑਸ਼੶ਜ਼ੑਸ਼੶ਜ਼ੵੑ੶ੑਖ਼ਸ਼੶ਫ਼ੑੑ <u> </u>	23
মৃত্তিশ'ম'(র্ব্ৰ'নস্থ'ন)বী	
ସ୍ୱାଶ୍ୱୟ'ୟ'(ส୍ୟ'ୟନ୍ତିବ୍'ସ୍ତି'ส୍ୟ'ୟ')୍ୟ	23

# क्यायन्द्रभ्रेटाकुवा

अर्देर'पञ्चव'य  क्रुब'यर'प्यप्ट'य  देव'पञ्च'पर्दे	24
५८ र्से (बर्द्र प्रष्ट्र व प्रो वे ]	24
ম্বিশ্বামা (ক্রুশ্বামা ব্যব্দ হা)থে	24
थेंव नव ग्री न्रे न न न में में न न हैव न न विकास के न न न न न न न न न न न न न न न न न न	24
५८ र्से(बिंब फ्वर्चे प्रचे प्राप्त प्रविति प्रटर्से। क्षेप्रेय प्रच्ये	24
ग्रिषायाधारिहिष्याषायाप्रविष्वे।	24
ग्रुअर्'र्स्सं सं र्थर्'र्ग्यर्रे रेग्यं प्रति दी।	25
বিল্ব'ম'ৰ্মন্ম'র্ক্তুৰ'র্ন্তু'র্ক্তৰ'য়'বই ম'ম'বই বিক্তুব্'বিল্	25
र्बेट्-यम्प्रम्यप्र्वादी	25
र्हेव यस नहुस य द्वा दी	26
নেপ্রবি'এম'শ্রীম'বাস্থুম'বা'দার্ম্বর'বি	26
थे भेष ग्रीष प्रस्थ प्राम्बुय दी	26
যান্ত্ৰী ব্যাহ্ম (ইন্ট্ৰ) ব্ৰী	26
শৃষ্যুষ্ণ'ন্ট্ৰ')বী	27
বৰী'ঘ'(ঐদ:দু:নু:ন)বী	27
শৃষ্যুঝ'ম('র্ন্ব'নম্বু'ন')বী	27
पासुअ'रा'(क्षे'स्रह्युत्'र्स्चेम्बरसं'त्युक्ष'र्यादे महेत्'र्ये वेष'र्यादे 'यात्र'यापास्त्रसं'। र्नेत्'रस्'र्नेत्'रेत्'रित्'रेत्'रित्'रेत्'रित्'रेत्'रित्'रेत्'रेत्'रेत्'रेत्'रेत्'रेत्'रेत्'रे	र्नेन'
বস্থু'ন'ৰী	27
गढ़ेबर्पण्याद्याणुः र्देव प्रसूप्तः वै।	28
गिवेशन्यनित्रतित्रदित्रन्देशस्य स्वादिस्य स्वीत्री क्षित्र नित्र स्वादित्र स	28
नवो नदि सन्वार्मिया पदि हेव न्दा हुँ र न न्दें का की	28
<u>५८.५ू.(२व).यथ.क.व.व.व्यास्त्राच्यक्त.केष)जामाश्रीयाची.८८.५ू.स्यास्त्राची.</u>	28
णहेबर्प (इ'न)वै	28
যাব্যুষ্ণ'শে'(রন্থ্রীন্য'শ')বী	28
ग्रिबर्पः(ब्रॅंक्रक्रक्रिक्र)व्यम्बुअरग्री:नूदर्धेःअळअबरब्रुक्रक्रवि	29

#### ৴৸৴.ড়ঀ৾৸.ঽ৻ঀ৾ঀ৾৾৵ৼৢ৻৾

ঘৃদ্ধিষ'্য'স্ত'ব'বे	29
ब्रुँर पर र वी दें पें प्रा हे व श्री वार वा वी क्रें वय प्री पर प्रा क्रें र पर हैं वाय प्राय विष	शःग्रीःङ्गें वशः
<u> </u>	29
र्श्वेर प्रदे में वे	29
য়৾ঀৢয়৾ৼয়ৠৄ৾ৼয়৾য়ৣ৾য়য়য়ঀ৾য়ৢ৾য়য়য়ঀয়ৢঀয়য়ৢঀয়য়ৢঀয়ঀ	30
ण्वेषायः(हेषःग्रीःग्राःचणःगिःक्षें:वषः)ञ्चणायः वषाळेरःश्चेःत्युरः त्रतेः हेवःग्रीः त्यरः पुः गुरुषः वषा	30
र्रेव प्राव्य प्रति क्चिं राम प्राय्य प्रविच प्रति क्षेत्र प्रति क्चिं राम प्राय्य प्रति क्चिं राम प्राय्य प्राय प्र	30
<b>८८: पूर्व</b> (४८: १६व: ४८: १६व: ४८: १८: ४८: ४८: ४८: ४८: ४८: ४८: ४८: ४८: ४८: ४	30
মান্ত্ৰীকা'শ'(দানৰ 'ৰ্ন্বৰ'ন্দৰ'ন্দৰ'ন্দৰ শ্ৰীক'ন্)ৰী	31
୩୍ୟୁଅ'ୟ'(ଖ୍ୟ'ସଞ୍ଜିଅ'ୟ'ଝିଁ୩ଷ'ୟଝି'ଯ୍ୟଷ'ଶ୍ରିୟ'ସ')ଶ୍ୱି	31
ସୱି'ସ'ୟମ୍ବଷ'ମ୍ଡ'ବି	32
<u> শূ'্ব''দু শ'বী                                     </u>	32
ण्रुअःपः(त्र्येयःपः)ण् ५र्देशःण्वितेःर्श्वेरःचःसःवी	32
୩ବ୍ୟ'ଲ୍ଲ୍ସ୍ୟ'ग୍ଡି'ଞ୍ଜୁଁ୍ୟ'ସ'ଶ୍ୱି	33
ॻढ़ॖॏॺॱय़ॱॾॗॕॖॸॱॸॱक़ॣॕॺॱय़ढ़ॱक़ॗॕॖढ़ॱख़ॕढ़ॱॴॗॾॗॕॸॱॸढ़ॱख़ॕढ़ॱॸॖढ़ऻॾॗॕॸॱॸॱक़ॣॕॺॱय़ढ़॓ॱॻॊॻऻॺॱॺ॔ॗॎऻ…	34
८८.५.५.५५८.५५८५५५८५५५८५५५५५५५५५५५५५५५५	34
गृहेष'र्य'(ह्र'न)वै	34
দ্ধুষ্ণশ'(রেট্রশ্ন'স্)ব্দ্বি	34
୩ଟିଷ'ଧ'(ଞ୍ଜୁଁୟ'ସଞ୍ଜୁଁୟ'ସନ୍ଧି ମ୍ବିମ୍ବଷ')ଦ'୩ଷ୍ଠୁୟ'ଶ୍ରି'-୮୮'ସିଁ'ଅଇଷ୍ଟେଷ୍ଟ୍ରଞ୍ଜୁ୍ୟ'ସ'ଟ୍ନି	36
गβ্ষ'্য'(₹'¬')বे	36
মাধ্যুষ্ণ:ঘ'(এট্রাঝ্য্যা)ঝা র্বার্ক্স:ব্যপ্রদ্রান্দ্রান্য স্রাহ্বানান্দ্র্যু:বর্কা	37
र्ट्स् (श्रृश्चर नविर्वतः )या श्रृष्ट्र रायदे तयाया मुन्ने वर्ष्य रायदे वर्षा के स्वापनिवर्षा प्राप्त विवर्षा विवर्या विवर्षा विवर्षा विवर्षा विवर्षा विवर्षा विवर्षा विवर्षा विवर्षा विवर्षा विवर्या	'ल'महेव'य'
ॺॿॖॖॖॖॺॱख़ॱख़॔ॸॱॻॱढ़॓ॸॱॻऻॹॖॺऻॱढ़ॻऻॴॱक़ॗॆॺॱॻऻॿॺॱॴॸऻड़ॆॺॱय़ॱॻऻॹॖॺॱऄ॔ऻॎ	37
५८.५.(ब्रॅ.२.चप्त.प्रचेष.चेष.२८.ज.चहेब.त.व.वे.चे)जा	37
प्रतिषापा (र्राम्वव प्राप्त र्राप्य विवास सहिव पासहुव मुन्नेव साळ राम केराम सुम्राभा के साम के साम के साम के स	रटःकुेट्रःयः

# क्यायन्द्रभ्रेटाकुवा

বឝ়িব'ঘা ঘট্টিশ্ব'শা'এ'বឝ়িব'ঘর্বি।	37
८८.५.५.५.५.५.५.५.५.५.५.५.५.५.५.५.५.५.५.	37
प्रिशंप'(र्द्रकेन्यंपहेब्य)र्वे	38
प्रुंअ'रा'(प्रिक्षण्यप्रेहेद्रप्) ବି ।	38
प्रुअ'रा'(त्रण्यः क्रुवःण्ववःयः पहेवःयः ण्युअः) ବି	39
प्रिअ'रा''पङ्ग(ग्रद्यत्यः प्रश्चानः)वै ।	39
२८:र्से(क्वेके:र्क)ण क्वेंचर्सेव:श्रूपंत्रःश्रूपंत्रः अविष्यंत्रः प्राच्यः प्रम्यः यहाः स्टाची:श्रुवाषः प्रविवासिते।	39
५८'दे'(र्ह्स्च-ह्र्यंब-ङ्र-अदि-खुण्ब-हर्षेद-ध-)वै	39
गविषाया(रहामी अम्बरा)वी अर्कवामिवि दहा अर्केव मुन्हा अर्कव वित्र हा है सूरा अर्केव प्रिय	ર્જ્ય.
দ্দ্ৰ শ্ৰেক্তৰ্মৰ শ্ৰী	41
५८ <sup>-</sup> र्से (अर्बब प्वे ) वे	42
୩ନ୍ତିଷଂଧଂ(མଛଁବ୍:ସ୍ଥ୍:)ବି	42
যা্ষ্যম'শে'(মর্চ্চব্-দ্টিশ্-)বী	42
વિલે પા(ફિ:ક્ષ્રુર:સર્જ્રેલ:પાંતે:ર્જ્જા)ા ફ્રીતે સર્જેલ સ્દુળ:૧૬૫ કે) ગ્રુવા વી સર્જેલ ર્જ્જા ર્યો	42
५८ <sup>-</sup> ऍं-(श्चे <sup>दि-सळॅ</sup> न <sup>-</sup> र्स् <sup>द्य-</sup> )ने	42
ସ୍ୱାନ୍ତିୟ'ୟ(ସ୍ତ୍ରି:ସ୍ରଦ୍ମଦ୍ୱୀ:ଧଞ୍ଜୁୟ')ପ୍ରି	42
లై'రు'(శ్వవుథునుశ్చ) క్రే	44
ઌૢ૽ૺૹૻ૽ઌ૽૽૾ૡૡ૽૽ૡ૽૽ૡ૽૽૽૽ૢ૽ૡ૽ૺૹૹૼૹૹ૽૽ૼૹૢૻૺ૱ઌૢ૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ઌ૽૽ૡ૽૽૱ઌૢ૽ૡ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽	44
५८ <sup>,</sup> र्पॅ.(श्चे <sup>ते,</sup> बाळ्बाबा,श्चेर.)थ्रे।	44
ण्तुेषःपः(क्षंक्षंत्रःर्द्वःचन्नदःघ)त्य। अर्देरःचङ्गव। क्कुषःचन्नदःर्दे।	44
५८ <sup>-</sup> र्रे'(बर्न् <sub>रपष्ट्र</sub> व)यापित्रेषाग्ची:५८-र्ये  स्र'पादी	44
ব্যক্তিষামা (র্য্যুন্সমা)ব্যু	45
ག଼ୖଵୣଷ'ጚ'(୭୍ଷ'ସମ୍ବର୍')ଦା ମିଷ'ପା ଅମ୍ବ'ସମ୍ବ ଶ୍ରିମ୍ୟା ମିଂସିଂନ୍ତିମ୍'ଶ୍ରି' ଅଇଁ ସ୍ୱ'ନିମ୍'ମି	45
५८-र्से.(वेब.त.)ली विषु. पेबी लया पेबी ईया यद्विया झूँ र. यदा यक्ष्य कुर हो ।	45
၎င:૨ઁ:(གṇལ་གསུམ་གྱུ་५८་૨ઁ། శ్రౖ৽५८-ঢ়ৢ৽রঢ়৽ঢ়৾৽য়ঊয়য়৽য়ৣ৴৽ঽৢ	45

# ৴৸৴.ড়ঀ৸৻ঀঀঀ৾ঀ৾৸ৼ৾৻

ঘান্ত্ৰীব্য'(₹'प')বী	45
ण्रुअ'रा'(त्रोव्यर्ग)वि	46
ସ୍ୱିଷ'ୟ'(ଘ୍ୟାନ୍ସିଷ୍ଟ୍ର୍ୟୁସ')୍ୟ'ସ୍ଷ୍ୟୁଷ'ଅ୍ତି''ମ୍ମ'୍ୟୁଅଇଧ୍ୟଷ୍ଟ୍ରୟୁ''ସ'ଶ୍ୱି	48
ঘ্রিশ্ব'(₹ব')বী	49
ग्रुअ'रा'(त्र्वेत्र'रा')वै	49
ग्रुअ'रा'(क्षायविवार्बुरावा)भागासुअ'ग्री'त्रार्टी अर्ळअषाञ्चराचावी	50
ग्रिबर्प (इप)वै।	50
ग्रुअर्प (त्र्वेत्रप्प)वै	50
ण्केषाया (वित्राचर क्री अळव व क्षेत्र) या अळ्थवा श्रुराचा अर्देर चसूता क्रुवा क्रुवा स्वाप्तात्र ही।	51
५८ <sup>२</sup> र्से (अर्ळअषाञ्चुराव) वि	51
यविषायः(अर्द्दरः यङ्ग्रेव) शःयविषाग्रीः द्रदः र्ये । (इ.यः) दे ।	52
বাবিশ্বান্যান্য)বী	52
ସାଶ୍ୱୟ'ଧ'(କ୍ରଷ'ସମ୍ପର୍ଗ'ୟ)'ସାଶ୍ୱୟ'ସ୍ତି'ମ୍ମ'ଧ୍ୟ ଧର୍ଜ୍ୟଷ'କ୍ରୁମ୍ୟ'ସି	52
ঘান্ত্ৰক্ষাম্য (স্ত্ৰাস্ত্ৰ)	52
च श्रीश्राता.(पंग्रीजाता)जा भिषात्रात्यवितातात्रात्यात्रीता चाराज्यातियः विवायात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र	নদ্র, শ্রী.
মৰ্ক্তব্ <sup>-</sup> ৰ্বি	53
५८:र्से (क्वयस्य प्रमृद्यः) है	53
বাবিশানা (বাদ এক দ্রিদ ৰিবাশ নম্ব এজ দুর্ম ক্রা স্থা নম্পূর নম্ব ক্লু সক্রম বি	54
ସ୍ୟୁଷ'ଧ'(ଶ୍ରିମ୍ୟବି:ଅଞ୍ଜ୍ୟ'ନ୍ନିମ୍)ଦ'ସ୍ୟୁଷ୍ୟ'ଶ୍ରି'ମ୍ମ୍ୟ'ଧି ଅଞ୍ଜ୍ୟଷ୍ୟ ଞ୍ରୁନ୍ୟ ପ'ଶ୍ୱି	54
শ্রীশ'শ'(ৼ'ন')বী	55
বা্ধ্যুষ্ণ শে'(এন্ট্রাঝ্ ব:)ব্বি	55
प्रवे.त.(म्.प्र.वे.पे.पे.प्र.व.वे.पे.प्र.व.वे.प्र.वे.प्र.व.वे.प्र.व.वे.प्र.व.वे.प्र.व.वे.प्र.व.वे.प्र.व.वे.प्र.व.वे.प्र.व.वे.प्र.व.वे.प्र.व.वे.प्र.व.वे.प्र.व.वे.प्र.वे.प्र.व.वे.प्र.वे.प्य.वे.प्र.वे.प	56
শ্রিশ'্ন'(इ'ন')ব্বা	56
ग्रुअप्राप्ता(विष्याया)या र्वे र्वेराच्यप्तापा र्वे र्वेराप्युप्ति ।	57
५८:र्से (बंबर प्यक्ष प्य	

# क्यायन्द्रभ्रेटाकुवा

णवि'मेष'र्श्वेर'पिरे'र्रे'केर'वे।	.57
ଦ୍ୟା:ନିଷ:ଛୁଁ - 'ସମ୍ପ:୮୯ଁ ବି	.57
<b>ਫ਼ੑਸ਼੶</b> ਸ਼੶ਸ਼ੑਸ਼ੑਸ਼ੑਸ਼ੑਲ਼ੑੑੑੑੑਲ਼ੑਲ਼ੑੑਲ਼ੑਲ਼ੑਲ਼ੑਲ਼ੑਲ਼ੑਲ਼ੑਲ਼ੑਲ਼ੑਲ਼ੑਲ਼	.58
ম্বিশ্ব'(র্ব্ব'ন্ধু'ন')বী	.59
ग्रुअ'प(ଛ୍ରିନ')'ग्राप्र'पञ्च'प'र्दे।	.59
मृद्धेयारा वर साम्या अध्यत् वर्षा मृत्र स्त्री क्रुपाया क्रिया स्त्री स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर	.59
नङ्गर्भायान्यात्रवास्त्रवेतः वासुव्यात्रवादक्षतः कुः नते त्यवाधीः विवाधानवितः पतिः क्षेत्रवाक्षात्रवाधीः केतः तु	
चित्रं गृत्यानु देशायनु दः चार्ता क्रुतः श्चेत्रः ग्चेतः ग्चेत्रः ग्चेत्रः श्चेत्रः स्वायान्त्रः देशायान्त्रः । देश्यायाने वार्षेत्रः वार्षः या	<b>र्</b> व
র্কৃত্যক্ষান্ত্রিদ্বাদ্বান্তর স্কুদ্বান্থান্ধ্রী দের ক্রিয়া দেরদ্বাদ্বান্ধ্রী।	.59
५८.५१.(चश्चेल.च.चेट.च.च) चार्यात्र व्यवस्थात्र विवस्थात्र व्यवस्थात्र व्यवस्थात्र व्यवस्थात्र विवस्थात्र विवस्थात्य स्थात्र विवस्थात्र विवस्थात्र विवस्थात्र विवस्थात्र विवस्थात्र विवस्थात्र विवस्थात्र विवस्थात्र विवस्य स्याप्य	.'지)
ા વા તાત્રા ક્રીતે. ત્રાસ્ત્ર તેને પ્રત્યા વાતા કો કેટ જાત્વર તાસૂત્ર ત્રાત્ર તે તા આવત્ર પાતે વાતુ વાતા કો કે	Ξ'
নৰ্ম	.59
५८ में (श्वितः बळव् केट.) या ग्रुया श्वी ५८ में अळ अवा श्वी २ में वि	.59
यावेशयः(इ.च.)वे	.59
ম্ব্যুষ্ণ'শ'(র্ন্ন্র্ন্'ব')ব্ব্	.60
व्यतियाता (लश्रः क्रीःक्षट्यः क्ष्रः व्यष्ट्रवाद्याद्यः व्यत्यः प्रदेः व्यत्तिः व्यत्तिः व्यत्यः वयः वयः वयः वयः वयः वयः वयः वयः वयः व	'वै।
	.60
मृतेबारा (₹'च')या यसःश्चेति केटबाया अविबारति क्टिन्टा दे या अविबारति क्चितःश्चे मृत्या मृत्या स्वार्	<b>2</b> 1.
বৰুদ:দৰ্মি	.60
न्दःर्यः (त्यसः श्चितः क्षेट्यः त्यः स्राययः स्वतः स्वतः) त्याचिषाः केवः श्चीः तह्याः श्चीः सेस्ययः तस्त्रीः नु	.બ.
ৰ্ষ্থব'ঘন্ট'ৰ্স্ত্ৰ্'ব'ৰ্ম্'	.61
५८.५.(४००.७४४.१०८५०.३).५८२५४४.८५%५८८०००००००००००००००००००००००००००००००००	.61
	.61
णविषाय(क्वित्यक्ष्य्यक्ष्यः)या क्वित्यक्ष्यः)या क्वित्यः क्विष्यः यात्रात्यः विष्यः विष्यः यात्रात्यः विष्यः य	.61
<u>५८.स् (ब्रॅ</u> न्य-ब्रे-व-व्यव-व)-वे	.61

# ৴৸৴.ড়ঀ৸৻ঀঀঀ৾ঀ৾৸ৼ৾৻

য়৾ঀৢয়য়য়৻৻য়য়য়ৢঀয়য়য়ঀৢয়	62
ग्रेष'य'र्वर'युव'त्य'त्र्यत्र्य'य'वे।	62
ম্বিশ্বামা (বি:এ:আব্রামার ক্রিব:ক্রিব:ক্রিব:ক্রিক্রামার ক্রিক্রেব্রামার ক্রিক্রামার ক্রিক্রামার ক্রিক্রামার ক্রিক্রামার ক্রিক্রেব্রামার ক্রিক্রামার ক্রিকের ক্রিক্রামার ক্রিক্রামার ক্রিক্রামার ক্রিকের ক	63
ग्रुअर्पः(त्वेयर्पः)ण धुयःस्यायावयापदेःवित्रप्र-त्ता त्वत्यर्पे क्रियःवीयाययापदेः	
यर'द्रद्र" श्रूष्यश्य'यर्षद्रष्यद्रष्यद्रष्यदे देव देव	63
५८.सू (लियाक्तात्रात्राव्यात्रात्राह्म त्राच्या).चु ।	63
प्रियः (न्नरः में क्रियः क्रियः प्रायम वर्षेन् प्रायम वर्षे प्रायम वर्षेन् प्रायम वर्षेन प्रायम वर्नेन प्रायम वर्षेन प्रायम वर्षेन प्रायम वर्षेन प्रायम वर्मेन प्रायम वर्मेन प्रायम वरम वर्षेन प्रायम वर्षेन प्रायम वर्मेन प्रायम वरम वरम वरम वरम वरम वरम वरम वरम वरम वर	64
মান্ত্র্রান্ত্র্ব্রেল্ড্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্	64
णित्रेषाया (क्रुन्क्केष के क्रिक्क के प्रति के क्रिक्क के क्रिक के क्रिक्क के क्रिक्क के क्रिक्क के क्रिक्क के क्रिक्क के क्रिक के क्रिक्क के क्रिक्क के क्रिक्क के क्रिक्क के क्रिक्क के क्रिक के क्रिक्क के क्रिक्क के क्रिक्क के क्रिक्क के क्रिक्क के क्रिक के क्रिक्क के क्रिक के क्रिक के क्रिक के क्रिक्क के क्रिक के के क्रिक के के क्रिक	<u>থ</u> া.দা.
र्विषा सन् क्षेत्र निष्य प्रति ।	64
<u> ၎င်း (၎င်း ที่ หัว ) ผู้ เปลี่ย</u> ว่า เปลี่ยา เปลียา เปลี่ยา เปลี้ยา เปลี่ยา เปลี่ยา เปลี่ยา เปลี้ยา เปลี้ย	64
যান্ত্ৰপ'ম'(হ্ৰ'ন')ব্বী	64
ग्रुंअपः (এর্থান্ন) । র্থার্থ্বেন্ব্রান্ত্র্ব্বান্ত্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্ব্বান্ত্ব	66
५८-र्से (क्षंक्र-प्रम् प्रांगेयाविदे ५८-र्से र्डे प्रांचे ।	66
प्रिश्राया (हे कॉ ) वै	66
ସ୍ୱର୍ଷ୍ଣ ଧ' (ସଞ୍ଚିମ୍ୟ') ବି	67
ସ୍ୱି'ସ'(ଝିଷ୍'ଧ୍ୟଝିଁଘ୍')ବି	67
ঘান্ত্ৰীকামে (র্ন্ ৰু স্থু ন ) ব্রী	67
मुद्रेश्वरात्रः (श्रम् वे त्यरः क्र्वेच व त्यः व व व व व व व व व व व व व व व व व व व	'55']
येवाबायरावाव्यायते सुवाबाचववायान्य त्वायाचासुराचर्ति ।	
५८'र्से'(क्षे:वबर्:पवे:क्वॅज्ञ्ज् रच्च्टिर:च)वे]	
प्रिम्पर्य (येन्बर्यर न्विब्रं स्वरं सुर्वे सुन्वर्या स्वरं) त्री	69
ম্র্রেম'ম(রেদ্রাথানাস্থ্রন্দ্র) বি	70
ण्युअःपः(देःशःचहेवःववायद्वःह्वावाधदःधरःठवः ह्युदःशः श्चेःचिदःदेशःयः चन्नदः यो त्या त्रुःवः सेदःपदेः चुदः स्तृ	
ड्डिर-ब्रे-क्विंग-पदि म्हर्णम्य प्रमृत्य प्रमृत्य मुत्रम् सुत्य सुन्य होत् रही ।	

# क्यायन्द्रभ्रेटाकुवा

५८.५ू.(व.व.ब्र.च.व.व.व.व.क्व.त.व.व.क्व.त.व.क्व.व.व.व.व.व.व.व.व.व.व.व.व.व.व.व.व.व	71
न्दर्भे (श्चित्रे र्न्वर)त्या श्चित्र श्चे र्वेषा स्वते वादा चारा वी न्ते चित्र प्राप्त श्चेषा स्वते र्ने व न्दरा हुण	ষ'শ্ৰীষ'
न्ध्वायतेः द्ध्यार्थे ।	71
५८:र्से (धुरु स्रे व्यापि स्व व्यापि द्वे प्राप्त व्यापि	71
<u>ব্</u> দিন্ধ ম'(খ্রি ম' খ্রি 'র্ম্ব্র 'র্ম্ব্র 'র্ম্ব্র 'র্ম্বর 'র্ম্ব	71
বা্ব্যুষ্ণ'থ'(ह्वाबाग्रीबा'ব্বি স্ত্ৰ্ব।)বী	72
ण्ढेबर्प (অৰ অন্নি ইৰ )আ अर्देर पञ्चन क्रुबा क्रुबरम्बा र्देव पञ्च पर्वे।	72
५८.५ू.(अर्दर्यमृत्)याषात्रुयाग्ची.५८.५ू। श्चितः यक्षय्यसञ्चितः त्री	72
শ্রীশ্ব'(₹ব')বী	72
ग्रुअप्र'(त्र्वेत्यप्र')दी	72
ण्त्रेषाया(क्वाचन्त्र)या क्वेंत्रायम्पा अर्वेदायमप्ता क्वेंसायम्पा क्वेंसायम्पा क्वेंसायम्पा क्वेंसायम्पा क्वें	j73
५८.सू.(ब्रि.प्तां)ला अर्ट्र.प्तकेवा क्रिय.प्ततंत्री ।	73
	73
ঘ্রিশ্ব'(₹ব')ব্বি	73
ग्रुअप्र'(त्र्वेत्यप्र')दी	73
ସ୍ୱିଷ'ୟ'(୬୍ୟୁସ୍ମ୍ବ୍ର)ୟ'ସ୍ମ୍ୟୁୟ'ग्री' द्यळ्यब्यः श्चुर'दा'द्ये।	73
ঘ্রিশ্ব'(₹ব')বী	73
বা্ধ্যুস্তাম্ম (র্ন্সুন্দে) ব্রী	74
ই্র্নেশ্বাব্শ্বর্মন্ত্রেশ্বত্ত্বাতিবারী	74
हेर्बेदि ह्याब द्वा दी	75
বর্র্রিদ্যান্যবৃষ্ণ ঘরি দ্বাষ্ণ বারিষারী	76
क्रॅंबर्यक्रियात्वर्यत्वरम्प्रियम्बर्याकेषाःवी	76
पविषाया (अर्वेद এस या ब्रेन से क्ष्म मे ह्माबा) ये। अर्देन प्रस्त पान्या। क्रुबायन प्रस्ता।	76
५८:२ॅ१ (अर्द्र-प्रमृद्धारा) (भाषा सुआ क्षेत्र) ५८:२ॅ१ अळ अषा स्थुर पा दी	76
ग्रिबर्प (इन्)वै।	76

# ব্যাম:ক্রবাঝ:বর্বাঝ:র্মা

ସ୍ୟୁଷ'ୟ'(ୡ୍ର୍ମିୟ'ୟ')ବ୍ଧି	77
ਸੰਫ਼ੇਕਾਧਾ(ਭੁਕਾਧਰਨ) ਘਾਸਕੁਤਾਬ੍ਰੇਤਾਬ੍ਰੇਤਾਬ੍ਰੇਤਾਬ੍ਰੇਤਾਬ੍ਰੇਤਾਬ੍ਰੇਤਾਬ੍ਰੇਤਾਸ਼ਿਕ੍ਰੇਤਾਸ਼੍ਰੇਤਾਸ਼੍ਰੇਤਾਸ਼੍ਰੇਤਾਸ਼੍ਰੇਤਾਸ਼੍ਰੇਤਾਸ਼ਿਕ੍ਰੇਤਾਸ਼੍ਰੇਤਾਸ਼ਿਕ੍ਰੇਤਿਤਾਸ਼ਿਕ੍ਰੇਤਿਤਾਸ਼ਿਕ੍ਰੇਤਿਤਿਕਰੇਤਿਤਿਕਰਿਤਿਤਿਤਿਤਿਤਿਤਿਤਿਤਿਤਿਤਿਤਿਤਿਤਿਤਿਤਿਤਿਤ	77
ঘ্টিশ্ব'(₹ব')বী	77
দ্বিষ্কান্দ (বিশ্রবাদ্দ) আ ক্রিকান্দ ন্মন্দ্র ন্মন্দ্র নির্দান্দ নির্দান নির্দান্দ নির্দান্দ নির্দান নি	77
<u>५८.५ू(क्ष्यर वर्षर वर्षर वर्ष</u> अ.स.च्हेत्र क्ष्या प्रमेष क्ष्या वर्ष क्ष्या वर्ष क्ष्या वर्ष क्ष्या वर्ष क्ष्या व	77
गढ़िषायागुवावनुदायदेवायदे इयायायदि दे।	78
ସ୍ୟୁଷ'ଧ'ନ୍ଦ୍ରସ୍ଟିସ୍'ଧନ୍ତି ଅ'ଧ୍ୟ'କ୍ଷି' ବି ।	78
ସ୍ୱିମ୍ୟ'ୟଷ'ଶ୍ରି'ଞ୍ଲୁମ୍'ରିସ୍'ୟ'ସ୍ୱି'ର୍ଗ୍ୱା	79
বাৰীশ্বামা (ব্ৰাশ্বামান্ত্ৰ মা)ৰী	79
वाशुक्षायः क्षेत्रायकायः मुक्तावीः हवाषाया विवाः केषः क्षेत्रः विष्यायाः स्वाप्तायः स्वाप्तायः स्वाप्तायः स्वाप	('ঠী'
र् <del>थ</del> ्वा'यदे 'ह्वार्च' ग्री 'डिट्र'यर'प्यट्र पर्वे ।	80
र्ट. रू. (व्याक्रिय.क्री.क्रीय.जंबा क्रीय.चंच्यत्य.चंच्यत्य.जंबा सीया.जंबा क्रीया.जंबा क्रीया.जंवा क्रीय.जंवा क्रीया.जंवा क्रीय.जंवा क्रीया.जंवा क्रीय	<b>থ</b> ষ্
গ্রীষ'বৃ <u>ন্</u> ট্র'বর্মি	80
၎င:ૡ૽ૼ(ૹ૾ૣૼૹ:ઌૹ:ૹ૾ૢ):૭ૢઽ:ૹૻૹ)ભ:୩ૹૢૹ:ૹ૾ૢૺ:၎င:ૡ૽ૼ  અૹૼૹૹ:ૹૄૢ૾ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૹૻ૽ૢ૽૽૽ઌ૽૽૱૽ૺ૾૽ૺ	80
ସ୍ୱଟିଶ'ୟ'(₹'ସ')ବ୍ଧି	80
বাব্যুস্র'ম্'(রন্থ্রন্'ম্')ব্যু	81
ସ୍ୱିର୍ଷ'ୟ'(ଞ୍ଚ୍-ସ୍ୱିର୍ଞ୍ୟ'ୟୟ)ୟ'ସ୍ୱ୍ୟୁୟ'ଶ୍ରି'-၎୮'ସିଁ। ଅଇଧେଷ'ଞ୍ଜୁୟ'ସ'ଣ୍ଡ୍ରି	81
ম্ব্যুষ্ণ'শ'(বেল্ল্রাঝ'শ')ব্বী	81
୩ <u>ଶ</u> ୃୟ'ଧ'(ଖୁଁ <sup>ୟ'ଧ୍ୟ'</sup> ସ୍ତି'ମ୍ବି'ମ')୍ୟା ମ୍ରି'ମ'ମ୍ପିଁ'ମ୍ପ'ମ୍ପର୍ମ' ଞିଁମ୍'ଧ'ମ୍ପମ'ମର୍ନି	82
<u>५८.५ू.(२३:४.२६४)</u> त्यामुकेषामु:५.५५वी	82
ম্ব্যুষ্ণ'শ'(বেল্ল্রাঝ'শ')ব্বী	
णकेथात.(क्र्यःबरायः)जो बारकार्यकालाक्क्र्यात्वेराचेरायरा च्रियाताक्क्र्याताक्क्र्याताक्क्र्याताक्क्र्याताक्क्र	83
<u>५८.५ू.(बटबटबलक्ड्रेट्रबट)ज्ञाचित्रक्ष</u> ्याचीत्रक्षात्री.	
য়৾ঀৢয়৾য়য়য়ঀৢয়য়ৣ৽ঢ়ঢ়ৼ৾য়৾৻ৠয়৾ঀৢৗ	83
गुनेषाया (विश्ववाया) भा र्देन द्राया भें बाहे हिण्या या शुनाया गुनाया गुना स्वाया शुनाया या गुनाया या	দ'ৰ্বী

# क्यानन्दः भ्रेटः कुत्।

	33
५८:र्सें (ईव:५४:४:ब्रेंब:हे:ह्वाब:४:बुव:४:)वै।	33
प्रे <b>रा</b> 'रा'(गुदार्ह्य पाष्ट्रय या सामुयाय दे प्यदा) दे	33
मित्रेयापा (ब्रेन्याया हेन्याया हेन्याया हेन्याया हेंया प्रति होन्याया हेंया प्रति हिन्याया हेंया प्रति होन्याया होता होता होता है विक्रियाया होता होता होता होता होता होता होता होत	
	34
	34 84
	34
	34
	35
A A	35
	35
वं बुद्द्र-तु वियाया अर्गुयाया द्वारा देवाद्वराया देवादेवात विद्वाराया देवादेवात विद्वाराया विद्वार	35
	35
	35
	36 86
	36
	36
ସ୍ୱିନ୍ୟ'ୟ'(ସ୍ୟ')ୟ'ସ୍ୱିୟ'ସ୍ଥି'ମ୍ମ'ସ୍ୱିୟଝ୍ୟଷ୍ୟଞ୍ଜୁନ୍ୟ'ସ'ବ୍ଧି ।	37
ग्रुंअर्प (वर्गेवर्प) (वर्गेवर्प) (वर्गेवर्प) के र्हें प्रांते विक प्रदेश प्रद	
र्ट्र र्से (ह्र्रप्रदेश्व प्रदेश) यां पढ़िया र्से प्रञ्च प्रप्रद्रा र्से र्मे व्यक्ति विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विष	
र्ट्टर्से'(५२१ नश्चन्य) भा दें का के ५ ५५ के श्वेष विश्व के श्वेष पर्दि।	
र्ट्टर्से (क्ष्य क्षेत्र क्षेत	
पिने वा पा पिने वा पिन	
प्रतिषाद्यः(क्ष्र्वाद्ववःक्षेष्यःप्रते:प्रते:)वै]	38

# ৴৸৴.ড়ঀ৸৻ঀঀঀ৾ঀ৾৸ৼ৾৻

ण् <b>त्रेष'य'(</b> ব্ये'र्द्द्व'স্ত্রুर'ञ')ব্বী	88
ম্বিশ্বাব্ব খেন অর্ক্তব্য ব্রিন্ত্র ব্য ব্রেন্ড ব্য প্রি বিশ্বব্য ব্য ব্রেন্ড ব্য প্রি বিশ্বব্য ব্য ব্য বিশ্বব্য বিশ্ব বিশ্বব্য বিশ্বব্য বিশ্বব্য বিশ্বব্য বিশ্বব্য বিশ্বব্য বিশ্ব বিশ্বব্য বিশ্ব বিশ	89
ম্বিশ্বামের ক্রিন্মের ক্রামান্ত ভ্রেন্মের ব্যাস্থা নাম্বামান্ত ক্রামান্ত ক্	89
विश्वअःयः(विश्ववादाः)व्य चितः स्रितिः र्देः र्देः र्दाः र्देः र्हेविषः यः स्विषः सुं विश्वरः स्त्विवाद्यं ।	90
「ちゃっている」 「コローズは、それらう。」	90
प्रियापा (दे क्वियापा क्विया सुर स्थ्या )दी	91
ग्रुअ'रा'(ब्रेन्स्वेर्क्ष्व्रायदेःह्वाबरक्चेः)र्नेव'र्न्यूर्य'र्नि ।	91
য়৾ঀৢয়৽য়৽৻৻ৠ৽ঀয়য়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢঀ৽য়ৢঀ৽য়য়ঢ়ঢ়৾৽য়য়ৼয়য়৾ঀ৽য়য়য়ঢ়৾৽য়	গ কুম্খ.
भ्रुते कुं विट द्वा पते क्वें र वा ब्वुय भ्रुते कुं विचय ता अविय पते क्वें र वर्षे ।	91
५८:र्रो'(क्रबःश्चिते:क्रुःश्चेन्वे:बव्यःवेन्'ग्चे:क्वेंन्च)या अक्रअषःश्चन्या सःया यग्नेयःपर्ते ।	91
「「(A) ある A 和 · 費 ス・ロ) 百	91
प्रविषय'(र्वाच')या दर्देष'ग्री'र्देव'द्रद'। य्रव'ग्'श्चर'पर्दि।	91
५८:र्सें (५६० में देव ) वि	91
प्रिषर्प'(य्वगाञ्चरप)वि	92
वित्राया क्षेत्रायर प्यारायमार्थेषा या श्री विद्यार प्राया स्वर्या वा श्री त्या वा त्या वा त्या वा त्या वा त्या	१.श्र.र्डूचाया.
पर-वियान-श्चर-च थुर-दर-विवाय-च-श्चर-च ५-ठर-वियान-श्चर-चर्वे ।	92
५८.५.(क्षेत्र.त.ल.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च	92
५८:र्सें (य्रवःग्) वे	92
দ্বিশ্ব্য'(এব্-)বি	92
प्रित्याप्त (क्वे प्रायम प्रा	92
५८.त्र्.(₹८.त्र)ण ४०.५ट्रिय.क्रीबाङ्ग्याया अप्ताप्त्री विकार्श्चराया स्त्री विकार्श्चराया स्त्री	92
र्ट्रर्से (रच'वर्डेर-ग्रील'र्सेर्'पवे न्नवल'र्डे'च'र्ट्) ते	92
ण्तेषाया (वृत्तेवे तुषार्सेद यन्देषा)वि ।	93
ঘান্ত্ৰীকামে (এব ) বী	93
ম্ব্রুষ্ণেম্'(এ্দ্র্দ্রেম্থ্র্ম্বার্থ্র্যান্ত্র্মা'ব্দ্র্যা এব বিঁ।	93

### क्यायन्दासूटाकुवा

<u> </u>	.93
ঘ্'ব্টিশ্ব'ম্'(এব্')ব্দ্ৰী	.93
ସ୍ୱି'ୟ'(କ୍ଟ୍ଟ୍ସ୍ସ୍ସ୍'ସ୍')୍ୟା	.93
5 <sup></sup> র্থৈ (মূৰ শ্ব )ব্বী	.93
ସ୍ୱଟିଷ୍ଟ୍ୟ'(ଧ୍ୟକ୍')ଧ୍ୟା	.94
ৼ৾৾ঀ৾৽ঀঀৣ৾ৼ৽ৼৼ৽ঀৢ৾ৼ৽য়ৢ৽৸ঀ৽ৼৄ৾ঀ৽য়ৢঌ৽৸ঽ৸ৼয়ৼৼ৽য়ৼয়৻ঀ৾৻	.94
<b>ৢ৴৴ৼ৾৾৾</b> (৴ন'ঀ৾৾৾য়ৢ৴৴৴ড়ৢ৾ঀৢ৾ঀৢৢয়ৢঀ৸য়ৢয়৸য়ঢ়য়৾ঀয়৸৸ৢ৾ঀৢ৾	.94
ସ୍ୱିର୍ଷ'ୟ'(ଗ୍ରିୟଷ'ଧ'ଦାନ'ୟଧ୍ୟକ୍ଷ'ଧ')ଶ୍ୱି ।	.94
ग्रुअरप'(ब्बेबर्ग,)या न्रेंबर्गी,र्नेवा य्वनगार्झेट ना नेबर्गुन प्रतेर्नेवर्मे।	.94
<b>५</b> ८ <sup>-२</sup> र्से (५६४ क्रे ६४) <b>२</b>	.94
বৃত্তিশ্বংশাৰ্শ্বদ্ৰেন্দ্ৰ)থা শ্লব্ৰংশাব্দা এবংৰ্কী	.95
५८ <sup></sup> र्से (युव ग् )वि	.95
णिकुषायः(त्यकः)या धितायःस्राहेषायदेःयवःत्राह्यः प्रदेशसःश्चितःयदेःयवःर्ते। ।	.95
५८.स्.(वियःत्रःश्चर्यक्षःत्रवेश्वयः)जी थेषे अप्रस्थान्यविष्यात्रः विष्यः त्रात्रः त्रात्रः त्रात्रः त्रात्रः त	<u>}</u> .
<u> </u>	.95
<b>८८.५५.(७५.</b> ५४.५५.५५.वोष्यत्त्रत्वितःत्त्रः स्थान्त्रत्यः स्थान्त्रत्यः नेत्रः न्यान्त्रात्त्रः नेत्रः न्यान्त्र	.95
र्बे र्देव द्यापदे र्देर वाबद नु वार्षेद ने दाया वादा पर र र ते द की वाद्य निर्मा के ताव की वाद्य निर्मा के ती	۲۱.
ફ્રૅવ!ત્તવુ.લીખ.ટે.નીંવ.તત્ર.તત્ર.પુર.ધુરે.ગ્રીય.વિશ.ધંયાસ્ત્રામું !	.95
<b>৲৴৾৻</b> (ঀৣ৾৾৾৽ঀ৾ৢয়৽ঀয়৽য়য়৽ৼয়৽ঀয়৾ঀ৽য়ৢঀ৽য়ৼয়ৼৼৼ৽ঀৢঀ৽য়ৢয়৽৻য়য়৽য়ৢয়য়ৼ৽ৼ৽৻ঀৢঀ৽য়ৢয়য়য়৽৻ঢ়য়৽য়৽য়	.95
<b>૫૭િય.ત.</b> (ૠૢ૿ૼ.૾૾ૢ૽ૺ૱ક્્રિય.ત.ક્ર્રેન.તપુત.તી.તીતા.તીતા.તીતા.તા.તા.તા.તા.તા.તા.તા.તા.તા.તા.તા.તા.ત	.96
<b>ॻऻढ़ॖऀऺॺॱय़ॱ(</b> ॸॖऀॱॸॖॹॖॱॺॱय़ॱय़ॎख़ढ़॔ॸॺॱय़ॸॱॻॾॢॿॱय़ॱ)ॺॆऀऻ॒	.96
୩ନ୍ଦିଶଂଧଂ(ଽସଂଅଂଶ୍ୱସଂଧନ୍ଧଂଧ୍ୟକ୍ରଂ)ଧା ၎ଗ୍ରଂଷଂସଂଧଂମଧିଂଷଂଶ୍ୱୁସା ଦିଁ କଂଞ୍ଖ୍ରଂସଂଧଂମଧିଂଷଂଶ୍ୱୁସଂସହିଁ ।	.97
५८:र्से (५नु:ब:नःव:व:द्य:ब:नुन)वै	.97
য়ঀৢয়ৼ৻(ৼৄয়	.97
ସ୍ୱାଷ୍ଟ୍ରୟ'ୟ(ମ୍ବ୍ୟସ୍ଟ୍ୟମ୍ପ୍ୟମ୍ପ୍ୟମ୍ପ୍ର୍ୟୁ	.97

### ৴৸৴.ড়ঀ৸৻ঀঀঀ৾ঀ৾৵৻য়৾৾৾

ण्त्रेषायः(য়য়য়য়ৢয়য়ৢয়ৢয়য়য়য়য়য়য়য়ৢয়য়ৢয়য়ৢঢ়ঢ়ঢ়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়	98
प्रविषाय'(इप्रा)वै	98
ग्रुअ'रा'(विशेष'रा')वै	98
ग्रुअर्प (ब्रुक् भ्रुते क्रुव्यक अवक र्बेर्च प्राप्त र्बेर्च प्राप्त र्वेर्च प्राप्त राज्य प्राप्त राज्य प्राप्त राज्य प्राप्त राज्य राज्	98
শ্রীশ'শ'(ৼ্র'ন')ব।	98
বা্ধ্যুষ্ণ'শ'(ব্ৰ্লুব্ৰ'শ')ব্বী	99
याशुक्षाया (भ्राप्याप्य हुप्पा) वि	100
<sup>अ</sup> पिवेशरान्तर-तृ-चु-तिरे तत्त्रशनु-र्से र्सेते :र्सेक्ट्रेर-ताया	101
दड्रेयानर्गेत्रप्रायळ्य्ययाञ्चुर्यात्रा येतुते ग्वित्रप्रित्राप्त्रा म्रून्ययम् पर्वे ।	101
५८.सू (पड्रेज.यम्५.तम् अक्ष्रबः ह्यूर.य.)	101
ग्रेषाया (विद्वित्ववित्ववित्ववित्ववित्ववित्ववित्वव	ĺ 101
५८.मू (ब्रिंयः प्रायः क्रें क्रेंग)या कें केंद्रे में प्रता केंद्र प्रता क्रिंय प्रता	101
<u>५८.त्.(श्रम्प्र-स्म्)या ट्रॅन्'ग्र</u> ी'झे'झुँरा झे'ऑ नर्झेन्'ता क्र्यायक्र्या'झे'झुँर'र्से ।	101
५८:र्चे'(इॅ५'क्टे'क्टे'क्टेंर)य'पिकेष'क्टे'५८:र्चे(क्रच')के।	101
ম্বিশ্বান্যান্ত্রী	101
ण्तेषाया(हे:ब्रिव:हे:ब्र्वूरः)याण्तुष्ठाःग्री:८८:याँ अळ्यषाः ब्र्व्विरःपः दी	102
শ্রীষ্ণ'শ'(য়'प')বী	103
ग्रुअ'र्'(दग्रेयप्र')वै ।	103
যান্ত্ৰী (₹'प'(₹'प')বী	104
ग्रुअ'र्'(द्रशेय'र')ବି	105
ସର୍ଜି'ୟ'(ଝଁଷ'ଅଝଁ୩'ଝି'ଞ୍ଜୁଁ୯')୍ୟ'ସାଷ୍ଟ୍ରୟ'ସ୍ତି''ମ୍ମ'' ଅଝ୍ୟଷଷ'ଞ୍ଜୁ୯'ସ'ବି ।	
যান্ত্ৰী (₹'प'(₹'प')বী	105
ম্র্রেম'(র্মুন্দ্র')বী	106
ম্বিশ্বস্থান)ব্	106
णकेषाया(अर्वेट अस्त हें हुँर)भा अर्ळस्र हुराना सुराणके वार्ते के के के वार्ति	106

### क्यायन्दासूटाकुवा

<b>「「(A) ある は 引 要 で で ) 看  </b>	107
ण्वेषाया (श्वरण्वेव संस्वे द्व प्यवर्षण) श्वर मुर्नेषाय दरा देवे पावेव संस्वे ।	107
र्ट र्से (बट व क्रिया )या अर्देर पक्ष्र या क्रुब यर प्रति या देव पक्ष पर्दे ।	107
र्ट्टर्से (अर्द्र न्वष्ट्रवर्ष) या वार्त्वेषा वार्त्वेद रहें वा अर्देर न्वष्ट्रवर्ष रहें वा अर्देर न्वष्ट्रवर्षे ।	107
५८:र्रे'(म्बुट:हॅम्अर्दर:पह्नुव:)याम्बुअ:ग्री:५८:र्रो अळअष:बुर:प:वी	107
प्रविषाया (इ.प.)वी	107
ण्रुअ'रा'(त्रोत्रायः)वि	107
ग्वेष'रा'(वहेवहेंवाः अर्दर प्रमुवः)याग्रुअःग्रुः न्दःरी अळ्अषःश्चरः पःवी	107
प्रविषर्भ'र्भ'(ह'र्च)वै	108
ग्रुअ'रा'(এর্বাঝ'रा')বै	108
प्रेष्यप्र (च्याप्त प्राप्त विषय क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षापत क	108
र्ट्रिं (वर्ड्यक्ष्यक्रिं क्षा क्ष्यक्ष्र) भाष्ट्रिया संया स्वर्ड्य विष्या संया स्वर्ड्य क्ष्या विष्या संया स्वर्	108
५८:र्से(वह्नायन्त्रुटक्न्)'यान्त्रुअ'ग्री'५८:र्से अर्ळअंशक्षुर्र'च'दी	109
ग्रिबर्प (इन्)वै।	109
ग्रुअ'रा'(এর্বাঝ'रा')বै	109
दे'.वा:च्रद्रा:क्रुव:क्रेंश्रव:द्रवंदि:वह्रवा:चु:क्री:द्रदः। व्रदःयर:द्री ।	109
र्रः र्से (ब्रम्ह्यक्षेत्रकार्यि तहुन् वु क्षे) हैं।	109
ସ୍ୱିଷ୍ୟ (୭ଟ୍ୟୁ ) ନା ଏଷ ଅପ୍ତି ଅଟି ନ୍ଦ୍ର ନ୍ଦ୍ର ନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଥି ।	109
५८:र्से (प्याची:क्रु:)वि	109
मृत्रेबर्पः(व्यम्ब्रेस्क्)या यसन्र्मेबर्मा यसः श्रीः न्रीम्बर्धः न्राम्बर्धः स्वाप्तिः सुव	শৰ্বী  110
<u> </u>	
प्रिमार्थः (এমান্ত্রী-দৃষ্ণবিশ্বাস) বী ।	110
प्रांचुअ'रा'(য়ৄ৴'चु'वर्ह्अब'रावे'वुब'रा)वै ।	
ग्रुअ'र्'(এয়'য়ৢ'ঀয়য়'तु)य  रूट'र्देव'र्द्र'। ग्वव र्देव'र्दे ।	
<u> </u>	

#### ৴৸৴.ড়ঀ৸৻ঀঀঀ৸৻য়ৄ৻

णविषायः(णवनःर्म्वः)या णववःर्मेवःग्रेनःययः वुषायः म्हाः। यषाम्हाः यञ्चषः मुर्वे।	. 110
८८.सू.(वाबब.सूब.बुर.त्व.बुर्ब.त.)ही	. 110
দ্বিশ্বংশ'(এন্ডা)ব্বী	. 110
দ্ব্যুষ্ণ'শ্-(এন্থৰ'ন্ত্)ব্দ্ব্যু	. 110
ग्रिबर्प (ଖୂଁମ୍ୟ ग्राजुर हैंग्) भ ग्रासुस ग्री २८ र्थे। सळस्य सुर प्राची	. 111
पৃষ্টিশ'্ম'(₹'¬')বি	. 111
দ্বিষ্ট্রম'ম'(এট্রাঝ'ম')ব্বি	. 111
८८.सू.(७४.४८.मू.जंत्राब.६्वब.६्वब.द.८)च्री	. 111
ব্দির্বিশ্বাস্টের্ অন্ত্রান্ত্র্র বিষ্ট্র ব্যান্ত্র্য বিষ্ট্র	. 112
ग्रुअः । (१४ मिलेसः भ्रुवः परिः ववसः १ सवसः १ स्व मिल्यः १५ स्व भ्रुवः परिः ववसः १ स्व भ्रुवः परिः व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स	१.राप्टु.
ยนพรมสานารุรา ๆคิพากลิารัสาลูนานลิายนพรมสานลัก	. 112
८८:२ॅर्र (गल्ब र्ने ब क्षुप यदे विषय प्राप्त अव यः) वि	. 112
<b>ग्</b> वि <b>ष'र्प'</b> (र्र्ट:र्नॅब्:क्षुव:यदे:व्ववष:र्अव:य:)वे	. 112
ण्रुअ'रा'(गृहेब'गृदि'र्देब'क्षुय'रादे'व्रयब'र्अव'रा)दे	. 112
प्रेतित्रः (श्वरकः ह्रेंग्वाष्ट्राष्ट्र रवरः व्यवः वृद्यवः यः । त्या श्वरकः यः प्रयापः प्रवापः प्रवापः प्रवापः	. 112
८८.५५.५४५.५४४५.५५)	. 112
<b>শৃক্তিষ'শ্(</b> ৰ্কুশৃষ্ণশৃশ্বস্থাৰ্ব')ব্দী	. 112
ন্থ্'ব'(এয়'য়য়ৢয়'য়ৢৢৢৢৢৢৢৢৢয়য়'য়'য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়	4. <b>2</b> .
৪ৢ৴ৢ৸৴ৢঽঀৢৢৢৢয়ৢৢয়ৢয়ৢয়য়ৢ৸য়ৢঀৢৢৢয়য়ৢ৸য়য়ৢঀ	. 112
৴৴৾৾য়৾৾৾৾৻৻ঀয়৽ঢ়ৢ৾৾৾৴ৢঀৼৼড়ড়৽য়৽য়৾ঀ৽য়য়৽ড়য়য়৽য়৾৽৾ঀৗ	. 113
দ্বিষাম(রের্ষান্ত্রান্ত্রদ্বামান্তর্রারার্র্রামান্ত্র্যার্র্বামান্ত্র্যার্র্বামান্ত্র্যার্র্বামান্ত্র্যার্র্বামান্ত্র্যার্র্বামান্ত্র্যার্র্বামান্ত্র্যার্ব্বামান্ত্র্বামান্ত্র্বামান্ত্র্বার্ব্বামান্ত্র্বামান্ত্র্ব্বামান্ত্র্বামান্ত্র্ব্বামান্ত্র্বামান্ব্বামান্ত্র্বামান্ত্ব্বামান্ত্র্ব্বামান্ত্র্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান্ত্ব্বামান	. 113
पविषाया(वहेवाहेवा क्रुबाच्यवन्त्र)त्या स्थायहेवाहेवा सान्ता प्रमुवाबायहेवाहेवा स्वाप्ते ।	. 113
८८.त्र्.(इबावह्बःह्वाचः)याम्बुंबाचीः८८.त्र्। व्यक्ष्ययाञ्चराचान्त्री	
মৃত্তিষ'শ'(₹'¬')বি	
ସ୍ୱାଷ୍ଟ୍ରୟ'ୟ'(ୡଶ୍ରିୟ'ୟ')ବି	. 113

### क्यायन्दासूटाकुवा

५८.सू(क्ष्यःष्रष्ठेव.कु.क्ष्यंवःवेश्वयःतः)जी क्रिट्र.ता.ज.खेय.त.२८.। चेब्र.वी.ज.ज.ज.खेय.त.२८.। अट.वी.चेय.व	१.खेब.
ଧର୍ଦ୍ଧି	114
ूर्ट्से(ह्यूर्यक्षेष्य)ण व्लट्ट्रेंरपुषेष्यप्रम्य देवे गाव ह्यूट्रेंट्र प्रमेष्य क्षेत्रप्र क्षेत्रप्र हित्रप्र	15ª·
हेब <sup>,</sup> द्रधेम्ब <sup>,</sup> र्से ।	114
५८ र्से (ब्रह्में राज्य विवास) के ]	114
प्रिकार्य (दिवे गुव र्ह्सेट पदेव पर धेद थ होद य ) दी	114
ग्रुंअ'रा'(देदे हेब'द्शेव्यायः)दी	114
मिंदीयासा(वियाचायावेदाया)यो नर्देवार्सायामनेदायमावेदायमावेदायमावेदायमावेदायमावेदायमावेदायमावेदायामाविदाया	౺'లేవు'
तुःबेबःपर्वे।	114
५८ में (५६ म.च. प्राचे व प्रम. वेव प्राचे व प्रम. वेव प्राचे व प्रम. वेव प्राचे व प्रम. वेव प्रम	114
प्रेशःप(নदेवः श्रेदःतुः बेवःयः)वि ।	115
प्रांसुअःयः(चन्नवाबायःस्वयःपुःबेवायः)द्री	115
म्बुय्याया(ह्यम्मिक्वायावेवाय)या श्रीयमुत्रास्त्रुम्बाबायावेवायाम्मा मिक्वार्यायावेवायां ।	115
५८:र्से (क्षेःअधुदःर्धुण्यायःविदःय)दे	115
प्रिश'रा'(प्रहेद'र्य'प्र'बेद'र्प)दी।	115
দ্ধিশ'ম'(এরন'ন্যক্রমামট্রিক'এন'ন্সমন'ম')বী	115
দ্বিষামা(বদ্বাৰারেই বাইলামাক্ত্রৰাবন্ধন্ন) থা দ্বাধ্যুষ্ঠা দ্রী সর্ভ্রম্বা স্ক্রুমান্ত্রী নির্দেশ ক্রিষ্টা নির্দেশ ক্রিষ্টা নির্দেশ ক্রিষ্টা নির্দেশ কর্মিষ্টা নির্দিশ কর্মেষ্ট্র নির্দিশ করে নির্দিশ করে বিশ্বাসন্তর্ভাৱ করে দেখি বিশ্বাসন্তর্ভাৱ করে বিশ্বাসন্তন্ত্ব করে বিশ্বাসন্ত করে বিশ্বাসন্তর্ভাৱ করে বিশ্বাসন্ত কর	115
ঘ্'বিশ'্ম''(₹'བ')বী	115
ସ୍କ୍ରିଷଂୟଂ(ବ୍ର୍ବିଦ୍ୟୁ:)ଶ୍ୱି	116
५८:र्ये (त्रञ्च त्र	116
मृष्टेब.त.(ह्रिब.कु.जूब. <sup>१.</sup> ७९४ व्या.भी लन्नाता. लाह्रीय.कु.जूबीय.से.बुब.त.त.त. चेब.चे.ल.हीय.कु.जूबी	দ্ৰ্মনী।
	116
५८:र्से (पायापाच्चेदाचे प्रेंपा, मुंबेदाया)दी	116
ସ୍ୱିଟ୍ୟ'ୟ'(ନିଷ୍ଟସ୍ଡ:ଘ୍ଞିଟ୍ରିଟ୍ରିଲ୍ଗ୍'ନ୍ସଜିଟ୍ୟ)ଆ	116
र्गागाः भ्रुयः यदेवः यरः वहेवः यः दृषः वेवः वेवः वेवः यदेवः यदेवः यरः वहेवः यः दृषः । गवसः शुग्नसः	গ্রী'র্ব্

# ৴৸৴.ড়ঀ৾৵৻ঽ৻ঀ৾ঀ৾৵৻ৼ৻

বদ্বশ্বস্পেইৰ্ণ্বৰ্মী	116
८८:र्से (५१११) हुन परे व स्पर प्रदेव पर १६ व व पर १६ व पर १६ व व पर १६ व व व व व व व व व व व व व व व व व व	116
ण् <b>त्रेषः'रा</b> '(क्रॅबप्थ्व'बेप्थ्व'पदेव'पर'यद्देव'प')वे]	117
দ্ধ্যুষ্ঠাম'(ল্বৰণণ্ডল্ৰণশ্ৰী:ব্ৰ্নিব্নব্ৰ্ন্নমন্ত্ৰ্ব্ৰিন্দ্ৰ)ব্ৰী	117
้ मासुस्रान्य (พรารุกานลิ เพลารุราลฤณาสา)ณ รุ่มสานลิ ริทุพาลุมพานารุรานยูสาทิสามาฮ์ราสา	551
৻বিশ্বান্ত্ৰীৰ স্থানীৰ মৰ্থি	117
५८'र्से'(५८)दे रिवाब'कुठाब'र्प')दे	117
प्रविश्वासार्वे वास्त्र स्त्र के वास्त्र स्त्र का स्त्र	व'बेद'
শৰ্মী	117
५८ॱर्रें (तज्ञबन्तुः छ्रदः यदः रुदः यदेंदः यदेवः यदेंदः यः)दे	117
দ্বিশ'মে'(বিঐ:স্কু:ঐ্ব:শ্বির'শ্ব)বী	117
ਸ੍ਰੀ ਲ੍ਹਾ ਨਾ (ਕੁਸ਼ਕਾ ਜ਼ੁੇਕਾ ਸ਼੍ਰੇਕਾ ਸ	117
দ্ব্যুষ্ণশ'(র্ব্বাব্স্থু'ন')ব্বী	117
मिलेबारा (देव मिलेबर्यः)या अर्घर यथा हे हुँ र ग्री ग्रु य अर्घर यथा हे हुँ र ग्री तर्घ वा प्री ग्री र स्वार के	ব'ৰ্যা
aðr:এa:हे:र्बेुर:रर:वी:रॅ:र्वेवॅ।	118
८८:र्से (बर्ह्स् प्यम हे हुँ र कुँ कुँ ) ณ पार्युम की ५८ र र्से अर्क्षम्र सुर प है	118
ঘৃৰ্বিশ'্য'(₹¬')বি	118
ସ୍ୟୁଷ'ୟ'(ସ୍ତ୍ରିଦ୍ୟ')୍ୟ	119
ॻॖऀ॔॔॓टॱॡॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॡॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖ	119
८८.सू. (बट क्य प्य प्रमूप प्रम	
ण्तेष'रा'(देवे:बुःषःवर्षेदःघः)वे	119
দ্ব্যুষ্ঠাম'(ব্দ'ন্ট্রপ্রেম'ড্রপ্রেম্বরি'স্কু'বর্ন্ধ্রিষ'য়)বী	119
प्रतिष:प'(अर्घट:प्ययः हे:र्ब्युर:ग्री:यञ्चष:तु:ग्रुट:रुद्य:केव:र्घ:)त्य	
र्ट सुम्बर्गी मुद्द के दर्देब प्रमुद्द प्राप्त दर्देव रें प्रमुद्द प्रमुद प्रमुद प्रमुद प्रमुद्द प्रमुद	
<u> चिरःकेवः वेंतःपरः वर्देरः प्रवः केंवः वस्रवः ठरः परेवः केंतः तुः विवः न्नूरः दर्वोवः परः पङ्गवः पर्वे।</u>	119

#### क्यान्त्र भूर कुत्

၎૮-૨૾ૼ(૮૮-લુવાય-ગ્રુ-૧૬૮-ૹેવ-૨ઁથ-વગ્રુ૮-વ-)વ-વાશુય્ર-ગ્રુ-૧૮-૨ઁાય&યય-ક્રુ-૧૦-૧૧	. 119
ম্বিশ্বংশ'(₹ম')বী	. 119
ম্র্রেম'ব'(বেল্রাঝ'ম')ব্বী	. 120
पविश्वःपः(न्द्रश्वःयन्वेवःयनःविश्वःवेवःयःवःनेःश्चेःववन्यः)या नैवायःपःन्तःववायःपःन्तः। विश्वःन्न्त्रःवाद्यः।	रवाज.
ব্ৰ্ব্ব্যুব্ৰ্ব্	. 120
८८:र्रे (२वव्यय:५८:२वव्यव:वः)यःग्रुअ:ग्रुः५८:र्ये। अर्ळअषःश्चर:पःदी	. 121
মৃত্তিষ'শ'(₹'¬')বি	. 121
ସ୍ୟୁଷ'ୟ'(ୡଶ୍ରିଷ'ୟ')ବି	. 121
पृष्ठेबार्यः (त्रबाञ्चरः द्ररः त्रवायः चबादारः) त्या वा बुखः चीः द्ररः ये । अळ्ळा बा बुदः प्रात्ते ।	. 121
ସାନିଷଂଧ'(₹୮)ବି	. 122
ସ୍କ୍ରିୟ'ୟ'(ୟଶ୍ରୟ'ସ')ୟ'ସ୍ୱରିଷ୍ୟ ଧ୍ରିଣି 'ଝ୍ୟ'ୟ'ୟ'ସ୍କସ୍ୟ'ୟ'ମ୍ମ ଅଟିସ୍'ସି'ମ୍ପି 'ମ୍ବି'ମ୍ବି'	. 122
ସ୍ୱଟିଷଂସଂ(ଛିଦ୍ଧ୍ୱର୍ଟ୍ର୍ବ୍ର)ୟା	. 124
ब्रैट रॉवे दें व क्वें अपित देव देव के वादि के वादि व देव विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास	. 124
<b>८८:र्टी'(</b> श्वेट:रॅवि:र्देव:र्श्वेअ:पवि:र्नेअ:प') <b>ा</b>	. 124
र्वाट.चर्वा.वी.चर्वा.बुट.धूर्वाब.तपु.इज.पड्ड्र्य.बुट.वी.ब्र.ट्रा.वी.विट.पड्ड्र्य.ह्रब.ह्य.ह्य.ह्य.ह्य.ह्य.ह्य.ह्य.ह्य.ह्य.ह्य	∮আ্থ.
য়৾ঀয়য়য়য়ড়য়	. 124
<u> ५८.५ू. (विटाचवाची त्वर्वा अर्स्ववायद्धः इता प्रवृत्तः क्षेत्रः क्षेत्रः मित्र्यः वित्त्रः वित्त्रः वित्त्रः वि</u>	<u> </u>
ৰ্মুষ্মন্ত্র, বর্ষ, প্রর্থ   """"	. 124
५८:र्से (प्रम्म मुह्म मे स्वाम प्राप्त) है	. 124
<b>୕ୣ୷ୖୠ୕୕ୣୠ୕</b> ୰ୄୣୣୣୣୄୣୣୄୣୣୣୣୣୣୣୣ୷୷୷ୠୢ୕୕୕ୣ୷ୣୠ୕୕ୢ୷ୣୠୣୗ	. 124
ଦ୍ୱାଶ୍ୱୟ'ୟ(ଖୁଁୟ'ୟନ୍ଧି'ୟମ୍ଲଶ'ସ୍ତ')ଶ୍ୱି	
য়ৢ৾ঀৢ৵৻৸৻ঀঀঀ৻৻ৼৣঀ৻য়য়৻ঀ৻৴৻ঀৣয়৻ৡৄ৾৻৻৸ৼ৻ঀৄ৾ঀয়৻৸ঀ৻য়য়৻৸ঀঀৣ৾ৼ৻য়ৣ৽য়৻ৢ৸৻	. 125
नम्यात्वर्ष्ट्रात्वी रेवामायायात्रहेत् तमायात्रयात्रयात्ववा पुः ह्वें यायते रेयायात्रा हेमार्वे तातुः विताल	<b>ม.</b> ฮิ.
ସନ୍ଧି: ନିଷ'ସହିଁ	. 125
५८.५. (पब्रम्प प्री.स्वाबारायापहेदाद्याव्याम्बवार् क्षेत्रायते स्थाया)या	. 125

# ৴৸৴.ড়ঀ৸৻ঀঀঀ৾ঀ৾৸ৼ৾৻

चब्रअ:चुट:वी:देवाब:य। क्लेंअ:चुट:वी:द्वय:वर्जेटा क्लेंअ:यदे:वड्यब:चुर्वे।	125
५८:र्से (चन्नम चुट में देवान रा) है।	125
ण्वेषाद्य'(क्ष्रॅब्राचुद्रची क्ष्यप्तर्चेर)वै	125
ण्रुअ'रा'(ङ्ग्रॅंअ'रादे 'दर्चब'र्नु')वै	125
प्रिकार्स्य (हेकार्स्य कु: धीन 'व्याचु: प्रवि: देवाया) दी।	125
ण्युस'रा'(क्रॅब'व्यब'ठन्'पनेव'क्रॅंट'नु'हॅग्ब'रादे द्वप'दर्चेर'ग्री'ब')ता	126
प्रथतः विद्या से विद्या के स्वाप्त के स्वाप	126
५८:र्से.(चम्बर्ग्विट्सी:देवाब्राच्रा)वै	126
য়ঀৢয়য়য়ৢয়য়ৢয়য়য়ৢয়	126
বাস্ত্রমান্য (শ্লুমান্ট বেল্লমান্ত ) বী ।	126
<u>ব্</u> দ্বিশ্ব'(স্ত'ব্ৰ ক্টিল্'ৰ্ন্ব্ৰ ব্ৰম'ব্ৰপ্ন'যা)থা	127
ब्रीन यर्देव न्यानु र्येन याया वर्षेन होन नमूव यान्य दि विषय येव यान्य मेव विषय होना हो ।	·-휯도·
बुबायरावर्देन्यावबान्न्रस्बावावाचर्ते ।	127
५८.सू. (श्चित्र प.सू.सू.सू.सू.सू.सू.सू.सू.सू.सू.सू.सू.सू.	127
प्रतिष्यःपः(दि।विष्यःयेदःपःद्रपःवेषःश्चेतःग्चैःषःर्वदःश्चेपःदुषःपरः दर्देदःपः विष्यःश्चरः वविषःच)वै।	127
য়ৢয়ৢয়ৢয়ৢয়ৢয়ৢঀৢ৻ৢঀয়য়য়য়ৢয়ৢয়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়	ষ্যগ্রী
८८१ अर्ब्ध्यम् हुर् रावि	127
पविषाया(इन्ना)या पविन्द्रिकार्येदे पावकार्यपाकान्ता दे में पावकार्यदे सुन्तान्ता सुन्तार्वे अकार्यदे	' '도킬회'
নূর্বি	127
५८.स्. (विष्ट्रि.स्य.स्य.स्य विषयः भीवायः) व्री	128
यातेषात्पः (दे:क्रिंग्रायदे:क्रिंपः)वै।	129
ସାଶ୍ୱୟ'ୟ'(ୱ୍ୟୁସଂର୍ଜ୍ଧ୍ୟଷ୍ଟୟନ୍ଧି ନ୍ୟୁଷ୍ୟକ୍ଷ୍ୟୁ) ଶ୍ୱି ।	129
<u>মাধ্যুস্ল'ম'(র্ন্ট্রান্ম'ম')ব্রী</u>	129
ण्युअ'रा'(अर्वेट'प्रथाहे र्बेंर ग्रीटेंस्नं)पा <b>८ट्रंग.८</b> ८। श्रुट्य.रा.प.८८८.चे८.राप्र्रा	129
	129

# क्यायन्द्रभ्रेटाकुवा

ସ୍ୱଟିଷ'ୟ'(₹'ସ')ବି	129
দ্ধ্যুষ্ণয'(এল্রিঝ্ম্ম')মা দুর্দ্বশ্বদ্বা দুর্নি'ন্ট্রিদ্বাদ্র্মি'	130
<u> </u>	130
पৃত্তি <b>ষ</b> 'ম'(বৃদ্ধ'ট্টব'ম')বী	130
ग्रिकार्य (ह्यम्बायायान्वमान्त्रेन्यः) ભागासुस्रान्ते । प्रस्यायान्यम् । प्रस्यायान्यम् । प्रस्यायान्यम् । प्रस्	. 131
মৃত্তিষ'শ'(₹'¬')বৃ	131
ସ୍ୱାଷ୍ଟ୍ରୟ'ଧ'(ୡଶ୍ରିୟ'ଧ')ୟ	131
्रविष्यायाविषाः वीषाः प्रदेशायातुः अर्घेटः त्वा अः अः श्रुरा देवे हिषाः वार्षेपः प्रवेशः अर्घेटः वीषाः प्रदेशः	₹ <b>≈</b> 7
<u> </u>	131
८८:र्से (अनुअःम्बिम्:मैषःपङ्गुषःपतिःअर्वे८ःयअःहे:र्बेट्ट्युर्-)र्वे ।	132
ण्वेषःयः(दितःहेषःयःर्वेचःयतेःवेषःअर्वेदःवीषःचक्ष्यःवषःयद्यःचरःग्वःचतेःअर्वेदःयअःहेःर्बेुरः)वे।	132
<u>ଘାୟିଷ.ମ.(ଖ</u> ୍ଲିଷ.ଗଷ.ଞ୍ର.ଞ୍ <u>ଲ</u> ିୟ.) <mark>ഗ</mark> ା	132
वानेवर्राःश्चित्रायम् श्वरामुन्याया वानेवर्रायम् श्वरामुन्याया वानेवर्रायम्	132
८८:५ू(विकेब:स्ख्रींब:प्यब:)पाचाबुंब:ग्री:८८:५ू(विकेब:स्थ्रींच:प्यक्षेत्र:स्थ्रींच:प्यक्षेत्र:स्थ्रींच:प्यक्षेत्र:स्थ्रींच:प्यव्याः	132
ସ୍ୱଟିଶ'ጚ'(℥'ସ')୍ୟ	133
अर्दे : तथा प्रमेष : स्था प्रमेष : पश्चा प्रमेश : स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था	श्रीत.
₹अ <sup>ॱ</sup> म्बगंदरॱ। ॐगंर्देवर्हे॥	133
বন্ধুব বর্ত্তব্যথ্য বি	133
র্ষ্র্ব্রান্ত্র্যানান্ত্র্যান্	133
<u>শ্বিশ্ব (</u> ষ্ট্ৰণ <u>ৰ্</u> ব্ব ) বী	. 133
ग्रुअ:प:(व्येव:प:)या र्ड्येर:पा न्र्रेरामिता अह्ग'न्रङ्ग'नर्दे। ।	. 134
५८ <sup>-</sup> र्से (ब्रॅ <sup>५-प</sup> )वे	134
মৃত্তি <b>র্বা</b> ম্ম'(নূর্ইমামূল্লি:)ব্বী	135
ସାଶ୍ୱୟ'ୟ'(ଅଟ୍ର୩'ସଞ୍ଜ'ସ')ବି	136
୩ବିଷ୍ୟ (୬୯୭୮) ବ୍ରା କ୍ରିୟ ଅକ୍ଷ୍ୟ କ୍ଷ୍ମିୟ ହିଁ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ	. 136

# न्यारःकवाशःचत्वाशःश्री

५८:र्रे'(ब्रेवे'यळयगःब्रुरः)वै	136
प्रिषर्प (संस्वे स्व)या प्राचितः र्हेषा प्राप्त वहीं व रहेंषा वी	136
र्ट्रिं (प्रबट्ट्रेंग्) या तह्र्या या या बुट्ट्रेंया र्ट्ट्रा व्यापा या बुट्ट्रेंया या वा बट्ट्रेंया वा विष्ट्रिया या या बिट्ट्रेंया वा विष्ट्रिया या या बिट्ट्रेंया वा विष्ट्रिया या या बिट्ट्रेंया वा विष्ट्रिया या या विष्ट्रिया या या वा विष्ट्रिया या या या वा विष्ट्रिया या या या वा विष्ट्रिया या य	136
र्ट्रिं (वह्रम्यम्बर्ह्म्) त्यम्ब्रुयम्ब्रुयम्बर्ध्याः विष्ट्रियम्बर्धाः विष्ट्रयम्बर्धाः विष्ट्रयम्बर्धाः	136
ग्रेषर्य'(ङ्र'न्)वे।	136
ग्रुअ'रा'(विशेषाया)वै	137
प्रेषःपः(क्षिंवाःचःम्बुदःक्षिंवाः)शःम्बुखःग्रीःददःर्ये। अळ्यषःश्चुरःचःवे।	138
प्रतेशय'(ह्र'प')य	138
ग्रुअ'रा'(विशेषाचा)वै	138
पंत्रेबर्पा (वहेबर्ह्वा प्रवित्राप्त)या स्वायहें वर्हेवा यर्पा प्रतिष्वा प्रति ।	140
र्ट्रिं (ह्रबर्द्रवर्ह्रव्राच्र) भाषां सुंधर श्री व्यक्षस्य सुर्ट्रिं व्यक्षस्य सुर्ट्रिं व्यक्षस्य सुर्	140
प्रविष्(इन्)यवि	140
प्राधार्य (র্ট্যুঝ্ম । বি	140
प्रतिषायः(वहण्यत्रहेवःहेण्यःचन्द्रप्यः)यःपतिषा अर्देरःचस्त्रवःया क्रुषःयरःचन्द्रप्ये।	141
५८-र्से (अर्दर प्रमूब प्र) प्राणासुय ग्री ५८-र्से अळ अषा श्रु र प्राची ।	141
गहेषय'(हप)है।	141
ग्रुअ'रा'(विशेषारा')वै	141
ग्रेषर्'(२५११८१६६६६६६५४५८५८५८५८८८८८८८५५८८८५८५८८५८५	141
ग्हिषप्र'(हप्)हे।	142
ग्रुअ'रा'(विशेवारा')वै	142
ग्रुय'रा'(र्द्व'पहुं'प')वै	143
ण्रुअ'रा'(श्वर मुःश्वरकार्यकार्वेदार्यदेःव्यंद्र मृदःवा)ण्रुअ'ग्रुअ'ग्रु'र्द्र र्यो अर्ळअत्रःश्चुर पादी	143
गहेषप्र'(हप्)हे	144
ग्रुअ'रा'(त्र्येव्यर्य')वै	144
प्रति प्राचित्र क्ष्मित्र क्षेत्र प्रति हे हुँ रा)या प्रतिषा प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति हे हुँ रा)या प्रतिषा प्रति प	145

### क्यायन्दासूटाकुवा

ablaદ્રાર્થે ( $ abla$ ર્ષ્ય)ભાષકિયા વર્ષેદ્ર ત્રુચયા અદાર્ધેયા અર્જેન છે. વર્ષેન્ય પાર્ટિયા દ્રશ્રેવાયા સ્થાપનિ પાર્ટિયા	145
८८:र्रे (वर्षद्वम्मम्म्यूर्यम्मम्म्यूर्यम्)याम्बुयाग्रीः ५८:र्ये सक्रम्यम्भूरायाने	. 145
गृहे <b>ষ</b> 'শ'(₹'¬')दे	. 145
দ্ব্যুষ্ণ শ' (এট্রাঝ্র্মা)ব্বী	. 145
णुकैषाय'(न्रीण्याद्वर्यायम्नाय')या द्वे'य'न्ना यव'णुकैष'ग्री'न्नार्ये'(द्वे'च')वे।	. 146
(এব) প্র' ব্যারী ব্যার্থ (স্থান) বি ।	. 146
বাধ্যম'ন'(এট্রাঝ'ম')আ দুইম'দ্দ' বাধ্বম'নেদ্ব ভ্রম'নম'নম্বর্ধ মর্মা।	. 146
<u> </u>	. 146
দ্বিশ্বাদ্য'(গ্ৰন্থৰ দেই :রন ধন বন্ধুৰ দ') বী	. 146
ที่จิสานา(สัตาสัตาสสลานา)ณฑสูมาขึ้ารุรานี้ มะมีสลาฐรานาสิ่า	. 147
ମନିଷ'ୟ'(ଞ'ଦ')ବିୀ	. 147
ण्रुअ:पः(त्र्येवःपः)त्य प्रवतः चुःर्येषः ह्रेषः प्रचुटः पः प्रः। पे प्रवतः व्रवः प्रः कपः अपः प्रते छेः	र्श्वेर
বষ্ক্রীদ্বাধন্য ব্যব্ধান্ত বি	. 148
८८.सू (यथपा में वा स्थानबैट पा) भी ।	. 148
দ্বিষামা (বি বৰ্ষা ব্যব্য ক্রব্য ক্রব্য ক্রব্য ক্রব্য ক্রব্য ক্রি ক্রিক্ত ক্রিক্ত ক্রিক্ত ক্রিক্ত ক্রেক্ত ক্রিক্ত ক্রিক্ত ক্রেক্ত ক্রিক্ত ক্রেক্ত ক্রিক্ত ক্রেক্ত ক্রিক্ত ক্রেক্ত ক্রিক্ত ক্রেক্ত ক্রিক্ত ক্রেক্ত ক্রিক্ত ক্রিক্ত ক্রিক্ত ক্রিক্ত ক্রিক্ত ক্রেক্ত ক্রিক্ত ক্রিক্ত ক্রেক্ত ক্রিক্ত ক্রিক্ত ক্রিক্ত ক্রিক্ত ক্রিক্ত ক্রিক্ত ক্রিক্ত ক্র	. 150
ସ୍ୱାଷ୍ଟ୍ରୟ'ୟ'(ଲ୍ଲ୍ସବ୍ୟସଞ୍ଜୁ'ସ')ବି	. 151
শ্লবশ:হুণ'য  মধ্য-শ্ৰী-শ্ৰী্র-'ব'েক্ডব্'য'থ	. 152
७७। पितिन्यायायहर्वायाकुरायावित्य। यहत्यायावित्य। यहत्यायावितार्वेवार्वेवायावित्यायायावित्यायायावित्यायायायावित्यायायायायायायायायायायायायायायायायायाया	<b>5</b> "]
বদ্ব'ঘ'র্ষ্রব'ঘ'ঙ্গ্নব্'ষ্ট্রব্য'ষ্ট্রব্র্র্'ম'বর্বি	. 152
५८.५.(वहब.त.व्य. व्य. व्य. व्य. व्य. व्य. व्य. व्य.	وح.
বপ্রদেশের্মা শ্লুবন্ধ বর্মী	. 152
८८.५५.(५३७.५५१५८४४४४४४४४४४४४४४४४४४४४४४४४४४४४४४४४४४	. 152
पविकार्य (त्रेतुते म्वुट प्रवृत्यः) भाषा विकासी 'तृत्रः मी (इस्तः) दे	. 152
দ্বিশ্বাস্থ্য (ব্যুন্স্ফ্র)ব্রা	
ଦ୍ୱାଶ୍ୱ ଅ'ୟ' (ଲ୍ମସଶ'ସଞ୍ଜୁ'ସ')ବି	. 154

### ৴৸৴.ড়ঀ৸৻ঀঀঀ৸৻ৠ৾

শ্লবশ্ববৃষ্ণ শ্লব্তিশ্মই শ্ৰুবিশ্ব	155
৩৩। गिर्वेषं पर्यम्बर्धं पर्वियः पर्मित् रिवा स्रितः स्रि	('5'55')
मेतुतै ग्विट निव्द राद्दा भूवक वर्षा ।	155
५८.सू (पर्वेषानमूर्मायायायायायायायायायायायायायायायायायायाय	155
ग्रिकाया(विद्युदेशवृत्युद्द्रप्य)याप्यविद्येष्ट्रप्यां	155
इंअःक्कीव्रायाधीव्रायतीःक्किन्रित्रेचाःक्किन्यां निर्देषान्ता ने अळे वाचिन्यीः निर्धे ।	155
<u> </u>	155
ঘান্ট্রশ্ব (স্ত্র স্ত্র)	155
ग्रुअ'रा'(এলুএ'ন')ব।	155
ण्वेषायः(दे:बळ्व:ब्रेट्:क्रे:२वे:)यःगसुकःब्रे:दटःर्ये  वळ्वषाःश्चरःचःदी	156
ঘ্রিশ্ব'(স্ক্র্'স্')বী	156
पाशुक्षाया (त्रोत्याया) वै	156
ण्केषायाः इस्रायरः श्चेत्रायिः भूतः ठेणः श्चेतः त्या वाषुस्राधीः तृतः या स्रम्थाः स्रम्यायः श्चेतः या विष्याः	157
শ্রীশ্বা(র'ব')বী	157
ग्रुंबर्य (র্ন্নুন্দ্র)বৃ	157
ग्रुअर्पः अर्ळत् किन् सेन् प्रते स्नून रहेग् र्ड्डिन लाग्रुअरग्री न्दर्धे अर्ळस्य ह्युन प्रते ।	157
শ্রীশ্বা(র্সেন্)ব্যু	158
ग्रुअ'रा'(র্ণ্র্র্র্র্র্র্র্	158
न्वे रामिक्षासु से प्रे मित्र सित्र सित्र सित्र सित्र सित्र स्वामिस्स मित्र सित्र सित्र सित्र सित्र सित्र सित्र	158
যান্ত্ৰীব্য'(₹'ব')বী	158
ग्रुअ'रा'(এশ্রথ'।বি	
प्रांच्याया (भ्रायका यहु प्रां) वि	
취디적'디플디''니 쥰전'' [ 원]	
🎖 ୬୭   ସମ୍ପର୍ଷ ଅ'ଦୀର୍ଜିଷୀଖ୍ୟୁ "ଶ୍ରିଷୀଧ୍ୟ 'ପ୍ୟମ୍ବ 'ପ୍ୟସ୍ଥ ପ୍ରମ୍ଭ ଅଟି ଅ'ସମ୍ପର୍ଶ ଅଟି	
ग्वुट'च्यून्'र्'न्ट'  ञ्रूच्य'च्यून्द्र्र्	•

### क्यायन्दासूटाकुवा

५८:र्चें (वड्रेवाचर्में ५ प्रमासळसम्बुरप्र) दे	160
प्रेक्ष'य'(बेदुदे'ग्बुट'य्वृद्'य')या	160
भुंदे इयम्बिम दिन यं दर्वे देश वार्ष ।	160
५८-र्से (भुदे क्य म्वम्) या मृतिषा ह्ये दि र्देव ५८ । धव यम मि र्देव र्हे ।	160
५८.५.(१९६६) त.च्या वा	jąc'a'5c'
दे'य'र्थेष'यर'हेंष'य'यश्य'यर्थे।	160
५८:र्से (त्र्वायानु त्र्याना प्रते पुरायाळ्याया) वि	160
प्रिकार्य (স্ত্রু ব্রু রাষ্ট্র স্ট্রে ই রাহারু নে হা স্ট্রি ।	161
म्रुअ'रा'(दे'व्यंविप्यरःहेंग्यः प्रम्याप)वी	162
ग्वेगरा(विश्वावानी द्य.)वा ट्र्यू.वेट.कीट.की.भी लाज्य कुथ.क्य.की.भी.क्य.क्य.की.भी.क्य.क्य.की.भी श	क्र्या.ची.झैल.
यदे ऋँ तें ।	163
५८२र्से (११११ के १ के १ के १ के १ के १ के १ के	163
শ্রীশ'শ'(র'ন')বী	163
णबुरुप्य (ख्रेयाया) याणिका प्रस्थाप्य । केंबारुव ख्री क्रुंग्वाबुर्य केंबा केंप्र स्थापित । विष्	-5-नवग
ঘর-বর্গীশ্ব-ঘর্না	164
<u> </u>	164
ম্বিশ্বান্ (র্ক্তমান্তর শ্রী শ্লু শাধ্যু আর্ক্তমান্তি দৃশ্রী শ্লু নেমান্ত্র দৃদ্ধ নিমান্তর দ্বান্ধি দ	165
णविषाया(भाषेषाक्षाक्षाक्षाक्षाक्षाक्षाक्षाक्षाक्षाक्	· 됩도· 다친
	165
न्रिट्य के मुंबर) यो थे में बर्क्य के बर्कें के की मुंबर्ग के अपने के कि के कि के कि	श्चेत्र्द्र्
नवावायान्यान्या वान्नित्रावर्षेत्रायात्राः ॐन्याञ्चरान्वर्षे ।	
५८.५.५.५७४.६५५७% अक्ष्यका अन्य विश्वतात्र विश्वतात्य विश्वतात्र वि	
प्राहेश'य'(इ'प्र')वै	165
गन्नुस्रासः(এলুনামা)। বৃদ্ভী বাবেশ। বৃদ্ধাতি পুৰাইৰাস্কুমান্ত্ৰী মানুষ্	166
५८ <sup>-</sup> र्से (५ड्डे-प्र <sup>-</sup> )वै	166

# ৴৸৴.ড়ঀ৸৻ঀ৾ঀঀ৾৾য়৻ৠ৾

५२४७१९६४५८५ इस्राध्य विषाणर्वेषा वर्ष्ययाण्यस्य विष्याण्यस्य विषयस्य विष्याण्यस्य विषयस्य विषयस्	167
<b>「万二元</b> (万元 v.	167
म्वेरान्यं (इयाध्य न्द्रा चेताम्बेर्विद्रा चर्न्य म्बुयाची । विष्य मित्रा विष्य मित्रा विष्य मित्रा विष्य मित्रा विषय मित्रा मित्रा विषय म	168
यादेशाया (दे द्वा थे वेश केंश क्षुर प्ववा या) दी	172
মৃত্তীশ্বামা (প্রান্ত্র্ন্ত্রা রের্ন্ত্র্ন্ত্রা ব্রাক্ত্রা নি	172
য়ৄ৴য়ৣ৽য়ৢঀয়৽ঀঽঀ৾৽য়৾য়ৣ৽ঀড়য়৽য়৾৽ৼৼয়ৣ৽য়ৣ৽য়ৣয়য়ৣয়য়ৣয়য়ৢয়	Ja·ロ養도·む
८८१ भुः श्चे त्र प्राचीतेषार्वे वे त्र प्रमुव प्यट के वार्देव त्याया बुवाब प्रदे तेषाया श्चे प्राची प	·
	172
५८:र्से (ब्र-ग्री:क्षेन्यान्यरुप्तः ब्री:मृत्रियाम् संस्तितेप्तिः सुन्ति स्त्री:सुन्ति स्त्री:सुन्ति स्त्री:सुन्ति स्त्री:सुन्ति स्त्री:सुन्ति स्त्री:सुन्ति स्त्री:सुन्ति स्त्री:सुन्ति स्त्री:सुन्ति सुन्ति	172
प्रे <b>त्राचा (शु</b> श्रे १८५ प्राप्तिक के के के राम्य प्राप्त के वा के का	
<u>प्राच</u> ्यां त्रिःवेत्रः क्रिंत्र्ञुः त्रुं त्र्युं व्यायायायायायायायायायायायायायायायायायाया	
र्हें द्रपद्रा यव र्वे।	174
५८ <sup>-</sup> र्से (ह्र-प्) वि	
ম্বিশ্ব্য'(এব্-)বি	174
विषयादेवे वित्यराच्या	175
र्वेव र्वेट्य सेन्य सेन्य मेन्य सेन्य मेन्य सेन्य मेन्य सेन्य सेन्	175
५८.र्से.(ब्र्ब.ब्र्ट्स.ब्र्ड्स.व्र.व्र.च्र्ट्स.व्र.च्र.व्र.व्र.व्र.व्र.व्र.व्र.व्य.व्य.व्य.व्य.व्य.व्य.व्य.व्य.व्य.व्य	175
ग्रेषप्र'(हप्)वे।	175
ग्रुअ'रा'(विशेषप्र)ते	175
ग्रिषाय'(ब्लॅब्ग्व्यव्यव्यविक्त्यविक्त्रेट्ट्रिव्हेक्)याग्रुष्ठाग्रुः न्द्रार्थे अळ्यषाञ्चरायाजी	175
ग्रिषप्प'(हप्)वे	
ग्रुअ'रा'(विशेष'र्च')वै	176
म्बिश्रयात्रा(दे.कांक्र्यत्वाक्रीराचा)को कूबाश्चीस्थाकाक्क्रीराचात्राच्याचितास्याक्षितायात्राच्या	<del>ষ্ট্</del> র্ব'ঘ'র্ক্ট্রন'
নৰ্ম	176
५८:र्रे'(र्क्ष्यःभुःह्वाराःयार्स्हेन्यार्थेटाचा)याविषाण्चीः५८:र्रे स्टिन्यायार्थेयात्वे स्वात्वे स्वत	176

### क्यायन्दासूटाकुवा

ସ୍ୱିଷଂଧ୍ୟ'(ལན་)៧ ଶିୟଷ'ठव'रू८' କ୍ରୁଟ୍'ग୍ରି'ଝିଁସ୍ଷ''ग୍ରି'ଟ୍ରଟ୍'ଧ୍ୟ'୍ୟ'ଜ୍ୟୁଷ'ଧ'ମ୍ମ' ଶିୟଷ'ठव'र	下: 數字: 別:
क्चेवं यार्कर व क्षु दर्रे या खु : श्रे क्षूर : च : द्ये या चर्षद : पर्वे	176
८८.त्र्.(अञ्चय.२८.क्व.२८.क्व.२८.क्व.२८.क्व.क.क्व.८८.५२.५.४४.५४४.८८) <b>८.त्य.क्व.</b> ८८.क्ष.क	176
ব্দির্ব্বস্থাব্য (ব্র্যুব্দ্র )ব্রী	177
प्रिमार्ग (बेशबारुवार्यः मुन्गी मेवारास्य वासुन्यं सुन्य सुन्य सुन्य सुन्य प्रमान्य स्थार प्रमान्य सुन्य सु	হ্মার্মান্দ্রীম.
ব'ব	177
ঘ্রিশ্ব'(্রব')বী	177
দ্ব্র্ব্বান্ত্র্ন্ স্ব্র্	178
पविषार (ভ্রম ক্রম বার্ বিশেষ এই বাষ্ট্রম বারি বার্ বিশেষ্ট্র স্বেম হৈ বার্বি বার্য হি বার্বি বার্য হি বার্বি ব	178
ર્યવ ભાવાસુઢા છું 'નુદ 'ર્યા ઢાઢાંઢારા સુદ 'ન 'વે	178
ঘ্রিষ'শ'(₹ন')বী	178
দ্ব্যুষ্ণ শে'(ব্র্রাঝ্য্র্য়)ব্রী	178
ग्रुअर्पः(स्ट्यःश्वेन्ह्य्य्यर्वःश्वः)या अर्ळत्तेन्त्रः ग्रुः त्र्यः अर्देनः पङ्गत्रः प्रम्तः प्र्यंतः मुत्रः	<u> </u>
শৰ্নী	179
৴৾৾৴৻য়ড়ঀ৽ঀ৽ৼয়ৣ৽য়ৣ৽য়য়ৼৼ৽য়য়ৢঀ৽য়৾৻৸য়ৢয়য়ৣ৽৴ৼ৽য়ৄ৾য়ড়য়য়ৣয়৽য়ৢ৸ড়য়য়য়ৣয়৽য়য়ৢয়৽য়য়ৢয়৽য়য়ৢয়৽য়য়ৢয়৽য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়	179
ঘ্'বিশ'্ব'(₹ব')বী	179
দ্ব্যুষ্ণ শে'(ব্র্রাঝ্য্র্য়)ব্রী	179
पंतिषार्यः (ऍवः हवः क्रुषः रायः चम्दारा) या अर्ळवः द्रा द्रये चुदः द्री ।	179
「「AMA」」」、「AMA」、AMA」、	বিশ্বনু
<u> ၎င:ऍ(५५४५,३४६५)ઌ:पाशुअ:ग्री:५८:ऍ। अर्ळअष:श्चुर:प:दी।</u>	179
ঘ্রিশ্ব'(₹ব')বী	
ସ୍ୱର୍ଷ୍ଣ ସ'(ସ୍ତ୍ରିୟୟ')ବ୍ଧି	
ਸ਼ੑੑਫ਼	
শ্বিশ্বেশ(₹ন')বী	

### ৴৸৴.ড়ঀ৸৻ঀঀঀ৾ঀ৾৵৻য়৾৾৾

যান্ত্রসংয'(এট্রএখে) বী	183
ण्रुअर्य'(क्वुअर्दे'ঀয়৽ঀয়ৢঢ়৽য়৽য়ঀৢঢ়৽য়৽য়ঀৢঢ়৽য়ৢয়য়ৣ৽ঢ়ঢ়৽য়৾য়ৢয়য়ৣ৽ঢ়ঢ়৽য়য়য়য়য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়য়ৢয়৽য়য়	183
प्रविषाया(इ.य.)वी	183
ण्रुअ'रा'(वर्षेव'रा')दिनैर'क्कुष'रार'शे'वळद्'रादि'क्कु'अर्ळद'वे।	183
यहिषाय'(รุนิ:ฮูรฺณ')य्षुअ'ग्री'रूट'र्ये  अळ्अष'क्षुर'य'त्रे	183
पितृष'रा'(ह'रा)वै।	183
দ্বাধ্যম'য'(এন্র্র্ব'ম')্ম'ব্রক্তুদ্ব'ম্মা বস্তু'র্ক্তব্'দ্দ'র্য'বী	184
प्रवे प्राचि विक्षिय प्रवे क्षु ) भ पार्षु अ ग्री प्रक्ष अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ विष्	189
पहिषापा (इप) वि ।	189
ग्रुअप्प (এর্বিশ্ব )ব্বি	189
प्रिम्प्रायाः(अह्र्पायाः विश्वेष्ठाः याषाः) त्या	190
र्देशःग्रीःर्देवःदरा्ळेगःर्देवःगववःग्रीशर्गेःरेयःग्रटःर्देवःयतुवःद्वतेःदरःर्देःदरःधःयःयः	पहेव वय
रैण'यर'चु'चर्ते	190
५८·र्से (५६०के ५५०) भाषा शुक्ष की ५८८ से अर्क्ष अरु क्षुर पाया	190
भ्रुंगाशुअन्पत्रन् चेवन्यन्वस्वन्यन्ता वर्षेवन्यस्वन्यस्वन्यस्वन्यस्वन्यस्	190
५८.र्स् (शुःवाशुक्षःचन्द्रनःचेत्रःयःचङ्गत्यः) दी	190
যান্ত্ৰীকামে'(নেধ্ৰীক্ৰ'এক্ৰ'নেক্ৰন্'যম'বন্ধুক্'ব')কী	190
पितृषाया(इन्न)भाषामुखाग्रीन्द्रार्थित्वाग्रीःर्स्वात्वायार्थेत्रायमृत्रायाः वी	191
मिलेबारा (रवे नदे क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक स्वर प्रमान प्रम प्रमान प्रम प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमा	ঘর্কি   191
र्ट्रिं (अब्यायावर्षेर्या)या कैंग्रायायार्ट्या क्वेंरायवार्ट्या वर्षेट्यायवार्ट्या केंब्रिं	र्गेंद्र यर्दे।।
	191
५८.सू. (क्र्याबालावर्ष्ट्राया)जा	
नम्रायासुव केवामायायर्षेत्यापात्ता वावव क्रुन क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र	्यकाराष्ट्राक्ष
ব'ঝ'র্ম্বর্লিব্'ঘর্নি'	191
५८:र्भे (प्रमुख:क्रॅम्बर:प्रवर्तिर:पः)वै।	191

#### क्यान्त्र भूर कुत्

শ্বিষাশে (গ্ৰৰ স্কুন স্থ্ৰৰ স্ত্ৰন স্ত্ৰৰ স্থান	191
प्रुअ'रा'(चन्द्र-चित्र'चित्र'चित्र'चित्र'चित्र'चित्र'चित्र'च)वि	191
ग्रेन्यायात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र	'इय'
<u> </u>	192
५८.मू.(प्रमञ्जून.क्र्यामा.)वी	192
णिलेखाया(र्याक्ष्रिकाचेताची क्षेत्राचा)या नर्देखान्या गलिखानें वाची क्षेत्राची क्षेत्राच	192
५८ <sup>-१</sup> र्गें (५१४) वि	192
णिलेखार्यः (मिलेखार्नेवः ग्रीः श्रीन्यः यायायाप्याप्याप्याप्याप्याप्याप्याप्याप्	192
ण्युअ'रा'(क्षु'यःइअ'र्ग'यःवर्गेर्'य)वै ।	192
ण्तुअ'रा'(अर्वेट'यअ'य'तर्वेद्र'य')त्रि ।	193
다려'다'(新화·ᠬ희·대한다다)다'등미	193
बाद्वीयाओन्यार्वेषावाविषायातवेन्यान्यात्र वात्रात्वीयार्वेषावात्रात्वात्रात्यात्र विष्टायान्या वर्षे	1.તા.
तर्वे द्रायाद्या वक्कद्रायायात्रवे द्रायाद्या द्रमुष्यायायात्रवे द्रायाद्या वर्ष्टुः यात्रवे द्राया	193
५८.सू.(य.इ.ज.ब्रट्स.सूर्याचायेष्ट्रवाच्यायेष्ट्रवाच्यायेष्ट्रवाचायेष्ट्येष्ट्रवाचायेष्ट्रवाचायेष्ट्रवाचायेष्ट्रवाचायेष्ट्रवाचायेष्ट्	193
पितिष्य'(बरचित्वेर्धः स्वाब्यः पासुक्षः प्यत्वेष्ट्रः धर्मे दिन् ।	193
ण्युअःपः(बःचनुबःधःवःवर्षेन्धः)वै	193
ସୱି'ୟ'(ଶ'ସ୍ତ୍ରୁଟ୍'ସ'ନ୍ୟର୍ମିଟ୍'ସ')ୟ	194
ययःग्रमुखःमेषःपदेःययःमेषःयःदर्गेन्यःन्। ननेवःवह्वातेःनःन्। बर्षःकुषःन्गेवःवर्के	'
निवासायान्यत्रितायान्दा विदान्वायदे र्ड्डिराचायादर्वे नायदे ।	194
५८:र्सें ((पद्मःग्रमुद्मःपदि:पद्मःश्रेषःपःदर्गे५:पः)वै	194
ण्तुंश्रापा (चनेवावहें वावेचा)वै ।	194
ण्युठाःपः(बदबःक्कुबःदर्गिव्यव्यर्केषाःचनुषाबायःचःवःवर्षेवःयः)वि ।	194
पित्रे पा (बिर प्रमापित क्षें प्रपाय क्षें प्रपाय के प्रमापित क्षें प्रपाय के प्रमापित के	194
ᠬᡓᡃᡕ᠘᠂(ᠬᠵᢩᠬᡪᠬ᠙ᡎᢣᡳ᠕᠘ᢣᠸ᠕ᠵ᠋ᡑᡳ᠕᠄ᢖ᠂ᡆᠵ᠄ᡶᢂ᠘ᠵ᠋᠘᠘ᡆᠳ᠄ᢓᢃᢋ᠂ᡆᠵᢃᢓᠵ᠘᠕᠙ᠪᡏᢅᠲᡳ᠘ᡬᡣ᠃	195
<u> </u>	195

#### ৴৸৴.ড়ঀ৸৻ঀঀঀ৸৻য়ৄ৻

য়৾ঀৢয়ৼ৻(ঀঀঀয়য়ৣঀৼয়ৼঀৢঀৼয়৻য়৻য়ঀৄৼয়)ঀৢ৾।	. 195
ॖॖऀॻऻॱय़ॱ(ॺॱॻॹॖॱय़ॱॺॱॺॺॕॸॖॱय़ॱ)ॴ <b>ॺॱॻॹॖॱय़ॺॱॻॷॺॱय़ढ़ॆॱॻढ़॓ॺॱॻऻढ़॓ढ़ॱॻॷढ़ॱय़ॱॸॸॱऻॱॸॕ॒ॻऻॺॱय़ॱ</b> ॺॕऻ॔ॸॱॸॖॱॿ	বন্ধতা.
ব'ঝ'রর্লীব্'ঘর্নী	. 195
८८.जू.(ब.चर्क.तक्षेब.तपुंब.तपुंब.पपुंच.तक्षेव.तक्षेव.त.)चू.	. 195
मिष्ठेश्वर्यः (क्र्रेंग्रब्यः वॉदः पुः तथेव्यः चःव्यवर्षद्यः य)व्य  चक्कद्वरः ग्रीः पुटः र्ये	. 195
ॻॖ८ॱख़ॖॖॖॖॖॸॱॻॖॖॖॖॱ୴ॺॱख़ॺऻॱॺॕॖ॔ॸॱय़ॱख़ॱढ़ॺॊ॔॔ॸॖॱय़ॱॺॆॄ।	. 195
ঀ৾ঀয়ৼ৽ঀয়৽ঀয়৾য়ৢ৾৾ৼৢৼয়৽য়ৼয়৾ঀৼড়৾৾ঀৼৼ৾ঀ	. 195
ण्बुअ'य'चित्रेव'य'वेष'य'य'वर्षेद्र'य'वे।	. 196
বঁৰি'ঘ'ষ্ট্ৰীৰ'ষ্ট'ৰ্মিৰা'ন্ত্ৰদ্'ঘ'ম'মেৰ্বীদ্'ঘ'ৰী	. 196
ନ୍ଧ୍ୟ ସାଶି ଅଟି ସଂନ୍ଦର୍ଶି ମ ସଂଗ୍ରି	. 196
5ुवार्यः <del>इ</del> ब्राचिदः स्विष्यं यः यः वर्षे दः यः दे।	. 196
चक्कित्रपःश्चित्रविष्ठविष्ठविष्ठः विष्ठाविष्ठः प्रायः विष्ठित्रः प्रायः विष्ठित्रः प्रायः विष्ठित्रः प्रायः वि	. 197
বারীকামে (এম স্ট্রী নের্কার্ এ নের্বার্ ম) বী	. 197
ସ୍ୟୁଷ'ୟ'(ଶ୍ର୍ଦ୍ଦ୍ୟମ୍ପି:ଖ୍ଲ୍ଲ୍'ବ୍ୟ'଼୍ଦ୍ର୍ୟ'ନ୍ଧ୍ରୀ	. 197
ঀ৾য়ৢয়৾৻ৼ৻ঀঀ৾ঀ৾৻ৼ৻ঀ৾ য়৾য়৾ৼ৻ঀঀ৾৾ৼ৻ৼৼ৻ঀ৾ৼয়ৼৣঢ়য়৾	. 197
<u> </u>	. 197
न्दर्से (ल्यालावर्षेन्यः)ण कैंवाबालयन्दर्भ र्ड्डेन्ययान्दर्भ यर्षेद्रालयान्दर्भ र्ड्डेयाययालावर्षेन्य	वर्ते।
	. 197
८८.५.(क्र्म्चब्यव्यव्यव्यक्त्र्यः)ज.२म.मी.८८.५	. 197
भ्रेषातुःदर्द्दराषीःपष्ठायाधराधराप्तर्रेषाष्ठ्रेरायादर्षेरायादे ।	. 197
য়ঀৢয়ৼ৽য়য়ৄৼয়৾ঀ৽য়৽য়ঀৗ৾৾ৼৼ৽ঀৢ	. 198
দ্ধ্যুষ্ণ ঘাষ্ট্ৰ ঘাৰি প্ৰিষ্ণ ঘাষ্ট্ৰ হৈ যাৰী	
पंबि'रा'ग्वव रें र्वे ची प्रमारा त्या त्यें र पंचि	
ॡॱयं <u>ॱब्</u> र्ह्य-यं त्यं त्यं त्यं द्वी	
इमार्य र्देव महिषा <u>भ</u> ूर्य प्रति मिवि त्य तर्षे द्राया द्वी	

#### क्यान्त्र भूर कुत्

यातेषाद्मा (र्ह्यु र प्यक्षाप्य पर्वो द्वारा ) दे ]	198
पासुक्षाया (बाईद वाका वाका दिन्या) वै	198
पत्ने पः (क्ष्र्याययायात्वर्गन्यः) यः चुर्णाः वी प्रामित्रेषायात्वर्षास्यते प्रामित्रेषायाः वर्षास्यते प्रामित	199
यविषायाषात्वादायायायाविष्टायाची	199
ग्रुंबायाकान्त्र्वायात्रित्याकी	199
ปลายาสาปฐานาณาล์ที่สายาณา	199
र्श्वेन्'याष्ट्रन्यरं रुव्यायायेर्वेन्यान्या पदेव्यदेश्वायर्व्वय्युरः चन्यायाय्येन्यव्या	199
५८-र्से (ब्रिन्याष्ट्रन्यरः ठवाया वर्षेत्या) दे	199
प्रित्राय (प्रदेव प्रदेव स्वर्म्य स्वर्मित स्वर्	199
<u> स्यम्भद्रम् स्थाप्तर्मेद्रायाचे</u>	199
<u> द्वा प (ब वहु य व्याप वर्षे दाय भ वर्षे दाय भ वर्षे दाय भ</u>	200
र्यान्यकुःयःर्वेनःयःवन्यायायःवर्मेन्यान्दा क्र्रीःचान्तरेन्।नीत्रःर्वेन्त्रायःन्दा श्रीन्यावःयायायः	र्वोदः
ଧର୍ନି	200
५८.सू.(ब.चर्थःत्राह्मच.काह्मच.ता.प्राप्त्राह्मच.काह्मच.	200
मितृषारा (क्रु.च म्हिम्मिषार्वम्बर्यः) (भाषां बुअर्ये) न्दर्रो क्रु.च रेट्ठी अः (भाषार्वा वार्यः क्रु.च र देवा या तर्वे न	य वै।
	200
मिन्नेश्वरम्मित्वर्द्भेत्रः सुत्रः सुत्रः स्वी	200
वाशुखःराःबद्यःक्रुवःश्चेःकेंबाःबःहेवावाराःवादर्वेद्रायःवी	200
म्बुस्य प्राचित्र या वा वा विक्रा प्राचा विक्रा प्राची विक्रा विक्र विक्रा विक्र विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्र	200
वेबारायु विस्तर र्टा क्रेवाबारायु विस्तर र्टा बिर्बारायु विस्तर र्टा स्वारायु वि	শ'গ্ৰী
ष्ट्रिन्यर त्यादर्गे द्राप्त वि	200
५८.त्र्य.(व्यत्त्व:क्षेट्रत्त्रः)जो विटःक्ष्य.पट्टेव.तट्टेव.तर्राचेट्रत्त.तट्टा जबाक्ष्टेट्रच्छा.च.पप्ट्रा ।	200
५८:र्से (बुद्रक्ष्यत्रहेब्य्यरबेद्र्यः)वै ।	200
বাবিশ্বান্ত (এশক্ত ব্ৰান্ত বিশ্বান্ত বিশ্বান ব	201
पविषाय'(हॅग्वायये वित्यर)या है क्षेत्रय हेंप्या हेंप्या प्राप्त हैं क्षेत्रय हेंप्या स्वाप्त हेंप्या है क्षेत्र	201

# ৴৸৴.ড়ঀ৸৻ঀঀঀ৾ঀ৾৸ৼ৾৻

५८.सू. (हे.क्वेट.स.क्वेब्य.स.स.स.स.स.स.स.स.)	201
प्रिकार्या (हे क्षूत्र हेंग्र वार्य वार्य प्रवर्षेत्र य) वे	201
म्बुंबर्प (श्वर्य यदे वित्यर्थः)यो ध्वेत्रं के विष्या चत्र पर्मा देवे प्रवि चत्र पर्भाव वित्र पर्मा ।	201
५८:र्से (ध्रेद के स्वा वर रा) दे	201
ण्तेषाया (दिवः ण्विः चद्यायः वर्षेद्रायः) वै ।	201
<b>प्रति</b> 'रा'(न्व'र्यते क्चुं क्चॅव्वं त्रा ग्री प्रिन् यं राय त्ये न्या । । ।	201
रट्रित्विव इस्रिन्याची केंब्र भुदि कुंकेंवाब लादर्वेद एउट्टा र्भे सुर दे द्वार ग्री कुंकेंवाब लाद	র্লিদ্রমর্
	201
५८.सू.(४८.मध्वेष.झ्य.२व.वी.क्.अ.अ.वक्.क्.क्.वक्.क्.वक्)च्री	201
ম্বিশ্বেশ (র্ন্ন দ্বন দ্ব দ্বাৰ্থ শু ক্লু ক্লিব্ৰ থা বের্ল্ব দ্বা )বী	201
मितिबारायायाः क्री त्र्वा वा त्रा त्रा त्रा त्रा त्रा त्रा त्रा त्र	202
ম্বিশ্ব'(র্ব্ব'ন্স্বু'ন')বী	202
प्रिमार्भव प्राव्य प्राप्त वित्र प्राप्त के के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के के प्राप्त के प्र	202
ण्रुअ'रा'(ञ्चनक'नङ्गु'न)ते	203
ग्रुअःयःनङ्ग्रुषःर्देवःग्ववःनङ्ग्वःयःथा	204
र्देव दुण हु नेष्ट्र न दर   देव ग्रेष अदु नेष्ट्र नर्दे	204
५८.५ू.(१४.१५.१५.१५.१५).ज.वाशुंबाग्री.५८.५ू। अक्षत्रबाशुंक्याची	204
गहिषाय'(हारा)दी	204
ग्रुअपार (त्र्वेयारा) या कें केंन्र निष्टार प्रान्त में के निष्टु का के वा में का का या वा तर	<b>८.यर्ष्</b> ।
	004
<u> ५८:र्से:(कॅक्स्च्व्व्र्यः)वि</u> ]	204
मित्रेषापा (द्वाप्त्रेषाव्याप्त्याक्षा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा का क्षा का क्षा का क्षा का क्षा का क्षा का	205
ग्रिबर्प (र्द्वरम्बुअर्प प्रमुख्य)याम्बुअरग्री न्दर्धे अर्ळअष्ट श्रुर्प प्राचिव ।	205
प्रविषय'(इप)वै।	205
ण्सुअ'रा'(त्रोव्यारा)वि	206

#### क्यान्त्र भूटः कुत्

য়য়ৢয়৾য়	208
चन्नद्रान्यक्षद्रान्तेत्रात्रीत्रात्र्यस्यद्रान्यस्य विष्यस्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र	<u>বর্</u> যান:ম:৻ক্র্
ଧ'ର୍ଞ୍ଚି'ସମ୍ପି' କ୍ରୁ'ଅର୍ଚ୍ଚସ୍'ର୍ବି	208
न्यार्थः (व्यवप्रः चःवक्षप्रः चेत्रः चेत्रः चःवः )या व्यवप्रः चित्रः यसः प्रस्ता वारः यः वहेवः व्यवः स्थार	<del>`</del> ; 'क्षेत्र' चश्
ଧର୍ଦ୍ଧି	208
<u>५८.सॅ.(५७२.विक्ष्यर्भर.)च्री</u>	208
प्रिमार्था (प्राचित्र व्याप्त विक्रा विक्रा प्राचित्र प्	208
प्रतिष्ठारा (प्रह्रव्यव्यव्यवि प्रतो प्राप्तर्थे प्राप्ते प्रतो प्राप्त प्रति प्राप्त प्रति प्र	209
<u> ग्रुअ'र्'(विट्र्बाञ्चू</u> ट'विट'र्व्योय'य'र्ह्झरपंर्ड्यु'विदे क्रु'अळव्')ग्।	209
विटबः श्रुट पान्दा वेंटबाया पर्वेन यम वार्षेया पान्दा वर्षेयाया रहें अपना रहें प्रति हुः अस	ज् <b>र्वे</b> । । 209
५८:र्से (बिट्बः श्रुटः चः) थः यित्रेषा ग्रीः ५८:र्से ।	209
प्रतिषाय (र्वेट्याय प्रवेंट्य प्रत्ये वेंद्य व	209
ग्रुअ'र्'(त्र्वेत्रराईंअ'र्न् र्र्वेपिते क्रु'अर्ळव')वे।	210
ण्तुअपः (अह्ण् <sup>न</sup> ने द्वः) ผา पक्षेत्र पर्ट्या अह्ट राज्या प्राप्ता वारा वीत्र प्रक्री राज्य विश्व राज्या ।	210
५८:र्सें (प्रमृत पर्टें व सह ५ प्र रें ) दे	210
দ্বিশ্বাশ্বাশ্বাশ্বাশ্বাশ্বাশ্বাশ্বাশ্বাশ্বা	210

## भ्रम्य वि.म र् म्याम्य वि.मे यात्र स्मित्र त्रा

## ५८.द्र.(पड्डियानर्गेर्प्यम्मळ्समाञ्चरानः)द्री

त्र्येणकेवन्त्र। यर्ध्वयाविन्यत्रे वियापकेत्रः विन्यत्रः विन्यत्रः विन्यत्रः विन्यत्रः विन्यत्रः विन्यत्रः विनयत्रः विन्यत्रः विन्यत्यत्रः विन्यत्रः विन्यत्रः विन्यत्रः विन्यत्रः विन्यत्रः विन्यत्रः विन्यत

क्ष्ण-दट-ट्रम्बारा-श्रापट-चपु-न्नेन।

ब्रिय-पट-ट्रम्बारा-श्रापट-चपु-न्नेन।

व्या-पट-ट्रम्बारा-श्रापट-चपु-न्नेन।

व्या-पट-ट्रम्बारा-श्रापट-चिद्व-प्राप्त-श्री-व्या-पट-ट्रम्बार्य-पट-प्राप्त-श्री-व्या-पट-प्राप्त-न्नेन-प्रवाचिद-प्रवच-प्रवाचिद-प्रवाचिद-प्रवाचिद-प्रवाचिद-प्रवाचिद-प्रवाचिद-प्रवाचिद-प्रवाचिद-प्रवाचिद-प्रवाचिद-प्रवाचिद-प्रवाचिद-प्रवाचिद-प्रवाच-प्रवाच-प्रवाच-प्रवाच-प्रवाच-प्रवाच-प्रवाच-प्रवाच-प्रवाच-प्रवाच-प्रवच-प्रवाच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्रवच-प्य-प्रवच-प

# इस्राचल्द्रा क्षेत्र क्षुद्रा

चश्चितः चुतिः क्रेंबः स्थायाञ्चित्वयः द्वार्यः वाशुक्षः दुः व्यव्यवः रुद्धः याष्ट्रेदः वाशुकः श्रीः श्ववः व्यव वीः स्टें स्वर्वः द्वारायाञ्चित्वयः विद्यायाः विवायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद

শ্বন্ধ নে তুল ক্ষান্ত বিষয় বিষয

શૂ. ધ્રમન્ના વેચ. ત્યું કો વે. સા. ધ્રાયક ત્યારા છું વે. ત્યું ત્યાન ત્યારા છું પ્રાયક ત્યારા છું તે ત્યાન ત્યારા છું ત્યાન ત્યાન ત્યારા છું ત્યાન ત્યાન ત્યારા છું ત્યાન ત્ય

चश्चर्यात्त्रात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्रीयात्त्रीयात

चक्रवासाल्य्यस्य स्वाध्यस्य स्वा

 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{$ 

र्यः वाशुअः ग्रीः ञ्लान्यः व्यक्ष्यः प्रतिः अष्ठीयः वाशुअः ग्रीः इस्यः पः वादः तुरः वार्ष्ठवाः स्त्रीयः प्रतिः स्त्रीयः स्त्

यश्चैयक्षात्त. स्टार्याक्षेत्राच्चित्त कृति स्वाविश्व श्वे इक्षात्त स्वित्य स्वाविश्व स्वाव स्व स्वाव स्वाव स्व स्वाव स्व स्वाव स्व स्वाव स्वाव स्व स्वाव स्व स

ॻॖऀॺॱॸटॱॺटॺॱॹॖॺॱढ़ख़ॺऻॺॱय़ढ़ऀॱऒॕज़ऻॹॸॾॣॺॱय़ॸॱय़ॺॖॸॱय़ॱॴॸॗॕॹॱय़ॸॱऄॖॸॱय़ऒॱऄॺॱय़ॸॱॹॗॸॱ ॴॱॠॕॖ॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔ढ़ॖॖॸऻॗॖॱॸऻऄॱऒॡॕॸॱढ़ॕॎॺऻॹॸढ़ऀॱॷऀॸॱॸॣॖॸॱॸॣॖॸॱॸॣॖॕॸॱॸॣॖॸॱऒॗॸॱऄॗॸॱॸऻ ॸ॔॔ॱॕॕ॔॔॔ढ़ढ़ॸॴॹॴढ़ऀॱऒॕढ़॔॔॔॔ढ़ॖॺऻॹढ़ढ़ॵढ़ऄॗॸॱ

ર્જ્યાન્ય કેવાના ક્રેવાના ક્રેવાના ક્રેવાના ક્રેવાના ક્રેવાના ક્રેવાના ક્રેવાના ક્રેવાના ક્રેવાના કર્યા કર્યા

लटः श्रेन्यायद्भरः राष्ट्रियः वार्यया श्रे अस्याया वार्याया वार्यायः वार्ययः वार्ययः वार्ययः वार्ययः वार्ययः व

चब्रान्तः प्रतिः क्रान्तः विश्वन्तः विश्वन्

गहेशःमः(तोतुते ग्विदः चव्रदः मः)त्य

इसर्ह्याकार्झ्नेराचार्श्चेत्रः इस्यायावयाः प्रदा धरायः स्वाध्य विष्याय स्वाध्य विषयः स्वाध्य स्व

र्रम्रं (इसर्ह्मायार्बेर्यायार्बेर्यायायाया)त्रा

श्रे अध्युव र्च्चेषाबा अप्युवा प्यते पाने व र्पे प्रवेश प्यवे प्यवा स्वया प्यवे प्रवेश प्रवे

५८.मू.(श्र.भधियः क्षेयोबाशाः गीबाराषु वाच्ये वाचेष्ठः त्राच्याः भवाः स्थाः त्राच्याः स्थाः त्राच्याः स्थाः त्राच्याः

यर्देर पश्च द्रा कुषायम् द्रा देव पश्च पर्वे।

<u> ५८.स्.(अर्र्यः पक्षेत्रः)लायोष्ठेशःश्चीः ५८.स्.।(इ.त.)यु</u>

यस्त्रवाश्वर्यः चित्र्द्वाः द्वात्राः चित्रः चित्र

चुःचःवी ङ्गाचरायदीरःगानेवःर्येतेः अर्ळवःनेदा

मानेव र्येत्र ति प्राप्त थे नेव भी इसाय दे वि रिमाय प्राप्त वि स्वाप मान्य प्राप्त स्वाप मान्य स्वाप स्वाप

भ्रम्यायन्तर्भः के स्वर्पः यात्री स्वापः याः स्वापः यात्री स्वर्णः यात्री विकायम् नात्री स्वर्णः यात्री स्वर्णः यात्री स्वर्णः स्वर्णः यात्री स्वर्णः यात्र

याच्ची अन्त्रित्र म्ह्यायदे प्रचे प्राम्ध्याय स्वित्य प्रचे प्रचे प्रम्य स्वित्य स्वत्य स्व

$$\begin{split} & + \frac{1}{2} \sum_{i=1}^{N} \sum_{j=1}^{N} \sum_{j=1}^{N} \sum_{i=1}^{N} \sum_{j=1}^{N} \sum_{i=1}^{N} \sum_{j=1}^{N} \sum_{i=1}^{N} \sum_{j=1}^{N} \sum_{j=1}^{N} \sum_{j=1}^{N} \sum_{i=1}^{N} \sum_{j=1}^{N} \sum_{i=1}^{N} \sum_{j=1}^{N} \sum_{i=1}^{N} \sum_{j=1}^{N} \sum_{i=1}^{N} \sum_{j=1}^{N} \sum$$

 $\frac{1}{2}$  માં છે. ત્યારે ત્યારે સ્થાપા સાધાર ત્યા છે તે ત્યારે ત્યારે

पश्चिम्यः। विश्वास्यः। विश्वास्यः पश्चिम्यः। विश्वास्यः पश्चिम्यः प्राप्तः विश्वास्यः पश्चिम्यः प्राप्तः विश्वास्यः विश्वास्य

महिश्यस्य (क्वियस्वर्)त्य।

स्वित्रस्य स्वर्त्त स्वित्रस्य स्वर्त्त स्वित्रस्य स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्

पवि ने मा श्री : इस्राया प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त

गहिशासा(इप्या)दी

## क्यान्त्र भेराक्र

स्थान अन्यतिः इस्यापान्यान्य प्राच्यान्य विष्यार्थे प्राचित्र प्र

यर्थ्याकुवा-ध्र-दिन्ने-प्राणुव-र्यू। ।

यर्थ्याकुवा-ध्र-दिन्ने-प्राणुव-र्यू। ।

यर्थ्याकुवा-प्र-दिन्-प्राणुव-र्यू। ।

यर्थ्याकुवा-प्र-दिन्-प्राणुव-र्यू। ।

यर्थ-प्रमण-प्रकानिक-प्रमण-प्

নার্মেম'(বেল্রীঅ'ম')মা

বির্বাধান্দর্শ্রে বাষ্ট্র রাষ্ট্র ক্রাধান্দর । এরাবির গ্রী ক্রমাধান্দর বাষ্ট্র কর্ম বার্টির বাষ্ট্র বার্টির বার্টির বাষ্ট্র বার্টির বার্টির

ત્રિયાના શુંશાર્યો ના ત્રાપ્તા સંવાય ત્રાપ્તા સ્વાયાના સ્વાયાન

यव्यान्त्र व्याप्त प्रत्यान्त्र विष्ट्र स्वर्णा प्रत्या स्वर्णा प्रत्या स्वर्णा प्रत्या स्वर्णा प्रत्या स्वर्णा स्वर्

गहिसामा (यस निदेव के क्षा का मार्थ सामा स्थान के स्थान में का मार्थ सामा स्थान के स्थान में का सामा स्थान के स

મ્મનશત્વેત્ર-વાલે છે શાળી ત્યાનને વાળી ક્રયાના વાલુયા ર્શે | બ્રિંતા સેંદ્ર શાળા વાલે ત્યાને વાલે ત્યાને વાલે ત્યાને ત

યાનું ત્રેત્રા ત્રું સ્ત્રાપાર્સ્ટ્રેત્રાયતે સ્ત્રુપાત્રા સ્ત્રાપ્ત ત્રુપાત્રા સ્ત્રુપાત્રા સ્ત્રુપાત્ર સ્ત્રુપાત્રા સ્ત્રુપાત્રા સ્ત્રુપાત્રા સ્ત્રુપાત્રા સ્ત્રુપાત્ર સ્ત્રુપાત્રા સ્ત્રુપાત્રા સ્ત્રુપાત્રા સ્ત્રુપાત્રા સ્ત્રુપાત્ર સ્ત્રુપાત્રા સ્ત્રુપાત્ર સ્ત્રુપાત્રા સ્ત્રુપાત્રા સ્ત્રુપાત્રા સ્ત્રુપાત્રા સ્ત્રુપાત્ર સ્ત્રુપાત્ર સ્ત્રુપાત્ર સ્ત્રુપાત્ર સ્ત્રુપાત્રા સ્ત્રુપાત્ર સ્ત્ર સ્ત્રુપાત્ર સ્ત્ર સ્ત્રુપાત્ર સ્ત્રુપાત્ર સ્ત્રુપાત્ર સ્ત્ર સ્ત્રુપાત્ર સ્ત્ર સ્ત્ર

चित्रविषाण्चीः ह्रेयः प्राप्ति विष्याण्याः विष्याण्याः विष्याः विष्याण्याः विष्याः विष्याण्याः विष्याण्याः विष्याण्याः विष्याण्याः विष्याण्याः विष्याः विष्याण्याः विष्याः विष्यः विष्याः विष्यः विष्याः विष्यः वि

# इस्राचल्द्रा क्षेत्र क्षुद्रा

किटा देरायद्वाराप्तर्वेषावा श्रुवागावाण्याद्वीराक्त्राप्त वित्रात्वात्रात्वात्त्रात्वात्त्रात्वात्त्रात्वात्त्र देःश्चेत्र्वार्ययेःश्चेरःस्।

त्त्र-ज्ञान्तर्म् व्याप्त्र-विकानी स्वाप्त् विन्त्र विन्त्र-विन्त्

मीर्डुश्वर्या स्थान्त्र मित्र मित्र

र्वेतः श्चितः ग्रीः मानेतः सें त्याप्तितः प्रश्चीः पः नी

ग्रिकाराक्षेत्रःश्चेत्रःश्चेतःश्चेत्रःश्चेत्रः च्याः चरुकाः वी

ત્રાના છે સત્તાના કે ત્રાના કે ત્રાન કે ત્રાના કે ત્રાના કે ત્રાના કે ત્રાના કે ત્રાના કે ત્રાના કે ત્રાન કે ત્રાના કે ત્રાના કે ત્રાના કે ત્રાના કે ત્રાના કે ત્રાન કે ત્રાના કે ત્રાના કે ત્રાના કે ત્રાના કે ત્રાના કે ત્રાન કે તે ત્રાન કે ત્રાન કે તે ત્રાન કે ત્રાન કે તે ત્રાન કે તે ત્રાન કે ત

चक्षेत्र.त्र-श्च-द्रचिश्च-द्रचिश्च-द्रचिश्च-त्रियःश्च-द्रचिश्च-त्र्यःश्च-त्रच्यः। त्रच्य-त्रच्यःश्च-त्रच्यः। त्रच्य-त्रच्यः। त्रच्यः। त्रच्यः। त्रच्य-त्रच्यः। त्रच्यः। त्यः। त्रच्यः। त्रच्यः।

स्रायर हिंगाया स्राया के निर्देश के स्वायत स्वायत

# इस्राचल्दा क्षेत्र कुत्

पतिःश्चे प्राप्तिः प्राञ्च प्राप्तिः प्राञ्च प्राप्तिः भ्रम् प्राप्तिः भ्रम्तिः भ्रम् प्राप्तिः भ्रम् प्राप्त

ने सुर व विष्यं र्ये । गशुस्र म (ग्रम्य क्रि) ने व नशुः न दी।

श्चिरःवःविषःर्शे।

गहिरामा (प्रवासेका की इकाया) प्रामाशुका की निमार्थ अक्रांक अक्षा श्रुमान हो।

गविःवेषःग्रेःइअप्रादेवःविंगःतःवेषःर्शे।

गहेशपा(सन्तर)दे।

ॾॱॸऻॹॗॱॸ॔ॱॱज़ॴॸ॔ॻॷॴॸॷॴज़ॸ॔। । ॸ॔ॱढ़ॏ ॎऻॶॱॸ॔ॱॸॹॖॱढ़ॖॴॱऄॴॸॷॴॴऒ॔।

য়र्ने दे। रचः त्र्रेत्रः ग्रीश्वः वार्ष्यः चर्त्रः देन दित्यः त्रिः देन दिन् देन दिन होतः विश्वः वि

নার্থম.ম.(ধর্ট্রজ.ম.)দা

ब्रीत्राचन्नुवा ब्रांब्रित्राचन्नुन्त्रित्।

८८.स्.(श्चिर.पक्षेषः)ये।

स्वायास्य त्या स्वायास्य स्वायस्य स्वायास्य स्वायस्य स्यायस्य स्वायस्य स्वायस्य स्वायस्य स्वायस्य स्वायस्य स्वायस्य स्वयस्य स्वायस्य स्वायस्य स्वायस्य स्वयस्य स

चनेवःपःचित्तेते कें त्रेस्यापते क्षेत्रःचम्नवःपःयःन्वेयःपः । वित्रःचरः क्ष्यः वित्रः चरः विष्यः । वित्रः चरः व पःगुवःवयः केंव्यं केंद्रः चर्यः क्षेत्रः वस्त्रेवः पःयः निव्यः प्रवितः प्रवितः प्रवितः वित्रः वित्रः वित्रः व महिश्यस्य (श्रास्त्र प्रमान) त्या विदे दिन स् ।

यदि स्व प्रमान विश्व प

### गुवादनुतास्यावेवानीः क्षेत्राचस्वादानी

मुक्तान्यत्ये क्षेत्र त्यात्र क्षेत्र त्यात्र क्षेत्र त्यात्र क्षेत्र त्यात्र क्षेत्र त्यात्र त्यात्र क्षेत्र क्षेत्र त्यात्र क्षेत्र क्षेत्र त्यात्र क्षेत्र क्षे

महिषायायायदेव द्याचरुताद्या प्रवास्त्र प्रवास्त्र विष्

च्र-त्यंत्रम्भ्यात्राक्ष्यः क्ष्यां व्यव्यक्ष्यः व्यव्यक्ष्यः व्यव्यक्षयः विष्यवेष्यः विष्यवेष्यः विष्यवेष्यः विष्यवेष्यः विष्यवेष्यः विष्यवेष्यः विष्यवेष्यः विष्यवेष्यः विष्यवेषः विष्यवेषः विष्यवेषः विष्यवेषः विष्यवेषः विष्यवेषः विषयः विष

# इस्राचल्द्रा क्षेत्र क्रुवा

यतः मृं भ्रूपमायन्त्रेन् प्रतः त्या शुः इयापायि नि ने स्यमा स्वनः स्वनः स्वनः स्वनः स्वनः स्वनः स्वनः स्वनः स्व धेवः प्रतः श्रुप्तः ने हे स्वरः स्वयमः स्वनः स्वनः

बेश्चर्यक्ष्यः स्वर्ध्वरः स्वर्ध्वरः स्वर्ध्वरः स्वर्धः स्वरं स्व

त्रेयदे प्रमयन्त्र स्वाप्त स्व स्वाप्त स्व स्वाप्त स

અર્દે : ત્યારા શે :  $= \frac{1}{2}$  :  $= \frac{1}{$ 

वाश्वरायः स्वाप्तस्या नस्या नर्षेत्रः यस्त्र स्वाप्तस्य स्वाप्तस्य स्वाप्तस्य स्वाप्तस्य स्वाप्तस्य स्वाप्तस्य

विवरः श्रीक्षान्त्रे स्वरः स्वरं स्

यतैः श्रीत्र। स्यायळ्व लेत् सेत्रायते इस्यायते रें चें लेत् भी देव त्यायत् रें चें न्यायत् सें त्याय स्थित स्थाय से से स्थाय से स्था से स्थाय से स

चित्रे पारकीया पार्यव र्धेव ग्री क्री व वा चम्री पारा या

८८.स्.प्रम्बानान्त्रः

योक्षेश्वराक्षेत्राच्ये स्वर्धः स्वरं स

विश्व स्थान्य स्थान्य

त्वींवाचित्रेवःश्चीःश्चार्वेस्ययेः इस्यायः र्वेषाच्या प्रत्यात्वेषः स्वायः वित्रः स्वायः वित्रः स्वायः वित्रः स्वायः स्वयः स्वयः

म्ह्री विषयः श्रीत्राच्यत्र स्वास्त्र स्वास्त

# क्यानन् भेराकुत्

रवः तृः द्येः चतेः ज्ञायः चतेः धेवः यतेः द्ये रा

तर्वेषाःचित्रः श्रीः इस्रायः चित्रः वित्रः वित्रः

गर्युयःयः इयः यष्टिवः ग्रीः इयःयः या

अर्देरःचक्षेवःय। क्यायरःचन्दःयर्दे।

<u> ५८.सू. (सर्प्र-पर्वेच.त)ता.वीश्वा.वी. ५८.सू. अष्ट्रभगः श्रीप्र-ता.वी</u>

नितः त्याः तुः विषः र्से । महिषानः (इस्यः) वै।

इस्रमा प्रवासिक्यान्त्र प्रति । श्रिक्षाक्ष्यान्त्र प्रवासिक्षाक्ष्यान्त्र प्रवासिक्ष्यान्त्र प्रवासिक्ष्य । विषयान्त्र प्रविद्यान्त्र प्रवासिक्ष्य । विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र । विषयान्त्र विषयान्य विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्य विषयान्त्र विषयान्

ત્યન્ન ત્વેર્યન્ન ત્વેર્યા ત્રી મારા ક્રિયા ત્રા ક્રિયા ત્યા ક્રિયા ત્રા ક્રિયા ક્રિયા ત્રા ક્રા ક્રિયા ત્રા ક્રિયા ક્રિયા ક્રિયા ત્રા ક્રિયા ત્રા

इयायिव.ग्री.जा.चेय.ल्या. इं.क्य.ग्री.सू.ययायिया.२.८ग्री.५४८५ हे। इयात्रत्यवर्गात्रपु.हेय.सूर्यः

क्यान्त्राचन्त्राम् । क्वान्त्राचन्त्राम् । क्वान्त्राम् । क्वान्त्राम् । क्वान्त्राम । क्वान्त्रम । क्वान्त्रम

चर्स्स्यात्तरः चीत्तः भीत्रः स्त्राच्यात्ते स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्व स्वात्तः स्वातः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वातः स्वातः स्वात्तः स्वातः स्व

स्त्र-प्रम्प्ता क्रियाम्य प्रम्प्ता विकान्य क्रियाम्य प्रम्पत्त विकान्य क्रियाम्य प्रम्पत्त विकान्य क्रियाम्य विकान्य क्रियाम्य क्रियाम क्रियाम

<u> ५८.सॅ.(अ.स्.चन८.त.)ज.चर्ष.ब्री.२८.स्.२४.२५.५५८</u>

त्रः ग्रेन्ग्रीः श्रृणान्यस्याश्चीः प्रत्यविष्यः प्रति । स्विष्यः । स्

क्षा होन्यःह्यान्त्रेन्त्रः विष्यान्याम् मात्रः विष्यान्यः विषयः व

श्रेअस्त्रत्वाचाः केत्रात्त्रत्वाच्याः स्वाचित्वाः स्वाचित्वः स्वाचः स्वाचित्वः स्वाचित्वः स्वाचित्वः स्वाचित्वः स्वाचित्वः स्वाचित्वः स्वाचः स्वाचः स्वाचित्वः स्वाचः स्वच

ची क्रिंग द्वा प्रत्य त्र के प्रत्य प्रत्य विषय ची प्रत्य प्र

शुः पाद्यत्यः सूर्यायः तर्ते, देवाः देत्रः दश्चवायः प्रमायः सूर्यायः प्रमायः सूर्यायः प्रमायः प्रमाय

इवःपराने ता है वार्षवा हु तहें वा पर हो न पर्वे।

## ग्रिकाराध्यतः द्याः श्रितः चरः चित्रे।

चलेक् त्यान्त्रम् चित्राचान्त्रम् चित्राचित्रम् वित्राचित्रम् चित्रम् चित्रम्

બદાદ્દવા ર્શ્વેદાવાલા ક્રમાયા વિલે પ્રિંદા દ્વા ક્રાયા વિલે પ્રાપ્ત ક્રમાયા વિલે પ્રિંદા તાલું તાલુ

2 क्रियाकालकालद्वीटान्टाङ्कीरालटाक्षक्ष्यान्त्रीटाल्टाक्ष्याकालकाक्ष्यान्त्रात्त्र

### वाशुक्षःयः ह्रातस्वायः ग्रीः म्हार्यते : ह्रवायः प्रविः ही।

 $\hat{\beta} = \hat{\beta} + \hat{\beta}$ 

म्नेत्यम्भानम् । त्र्रेत्यः वित्यम् । त्रित्यः । व्यानित्यः । व्यानित

चुंत्र-प्रते त्र चुंत्र-प्रकृत्वी त्रुव्या ईंग्या त्र्या विवाहुत्या इव्या विवादित्या व

हिर्ट्स् विद्वास्त्र स्थान्य स्थान्य

ત્રા ક્રુવાયાનજ્ઞા જેટ. દેવુ. વાવયા સૈનયા વયા ગ્રેટ. વાંચેય. તર્મા ક્રિ. તર્દ્ધ વાયા પ્રાપ્ત વાંચેય. તર્મા વાંચેય. તર્મેય. તર્મા વાંચેય. તર

#### चित्रान्चरार्येते इस्रायास्ये

छ्व। श्वःस्प्राची प्रतेष्वःप्राच्याची क्ष्याचि क्ष्याचि क्ष्याची क्षयाची क

त्वर्धिः र्वानुन्यते विषय्या स्वान्त्वा ।

प्रमान्ने विषयः विषयः

# चैवा.त.वीट.क्वेत.लब.जवा.वी.स्थात.वी

ત્વငઃસ્ંત્વના શુઃત્વાનું ત્યા અર્દેવઃ પ્રસ્તું વાય સર્દેવઃ પ્રસ્તુ વાય સર્દેવઃ પ્રસ્તું વાય સર્તુ વાય સર્દે વાય સર્દેવ વાય સર્દે વાય સર્તુ વાય સર્દે વાય સર્દે વાય સર્દે વાય સર્દે વાય સર્દે વાય

त्रात्रः भूं अका प्यत्त्र वा चीटा स्तृतः श्री प्यत्ता वा वित्रः स्त्रा व्यव्या स्त्रः स्त्रा स्त्रः स्त्रा स्तरः स्त्रा स्त्रः स्त्रा स्त्रः स्त्रा स्त्रः स्त्रा स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रा स्त्रः स्तः स्त्रः स्तः स्त्रः स्त्

दे.लट.रेब.त.लट.रेब.वेट.क्व.ग्री.लब.जव.व्या.व्या.व्यंत.वर्षा.वर्षा.वर्षा देब.रेव्यंत.पक्रू.त.खेट.रे

ड्रि.म्यायारान्त्रेयायारान्त्र्यात्रात्त्र्यात्रात्त्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्य प्रमायायायात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्य इत्रायात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र इत्रायात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्

ત્રું ત્રેત્ર-છેત્ર-છ્રુંત-છ્રુંતાન્યું સું ત્રું ત્રાત્યના સાત્રે તાનું તે ત્યાના ત્રું ત્રું ત્રું ત્રું ત્યાના ત્રું ત્રું ત્યાના ત્રું ત્રું ત્યાના ત્યાના ત્રું ત્યાન ત્યાન ત્રું ત્યાન ત્યાન ત્યાન ત્રું ત્યાન ત્યાન ત્રું ત્યાન ત્રું ત્યાન ત્રું ત્યાન ત્યાન ત્રું ત્યાન ત્યાન ત્યાન ત્યાન ત્યાન ત્યાન ત્યાન ત્રું ત્યાન ત્ય

### नन्त्रायात्रयम्बार्यायते त्यसायात्र त्यमामी इसायात्री

યું તાતા તાર્સું સાના ત્રાત્વું ત્રાત્વા ત્રાત્વું મારા ત્રાત્વા તાતા ત્રાત્વા ત્રા ત્રાત્વા ત્રા ત્રાત્વા ત્રા ત્રા ત્રાત્વા ત્રાત્વા ત્રા ત્રા ત્રા ત્રા ત્રા ત્રા ત્રા ત

त्वान्ततः स्वाकान्ततः त्यान्त् ।

त्वान्ततः स्वाकान्ततः त्यान्त् ।

त्वान्ततः स्वाकान्ततः त्यान्त् ।

त्वान्ततः स्वाकान्ततः त्यान्त् ।

त्वान्ततः स्वाकान्ततः स्वान्ततः स्वान्त

पविश्वास्त्र (द्वास्त्र प्रो प्राप्त प्राप्त

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{3}} \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{3}} \frac{1}{2$ 

पश्चिमायाः (ब्रिटःक्ष्यः बेश्वः प्रतिः त्याः वेशः प्रतिः व्याः विश्वः प्रति । विश्वः विश्वः प्रति । विश्वः प्र

र्शे र्शेर प्रमृत्य प्रमृत्य दिवा में दिवा प्रमृत्य दिवा

ત્યસ્ત્ર કેન્સ્ય ત્રી ત્રાહ્મ કેન્સ્ય ત્રાહ્મ કેન્સ ત્રાહમ કેન્સ ત્ર

$$\begin{split} & \qquad \qquad \text{ત} \widetilde{\eta}^{\text{TI}} \cdot \text{L}^{\text{TI}} \cdot \text{L}^$$

 $\xi$ વાયાન્ય-ક્રિયાનું તેનું વાયું અને તેનું તે

### मित्रेषायाः श्रुषायदे स्वयः दी

स्तिन्यन्ते क्ष्यायात्र व्याप्त स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्था

चन्नस्यान्त्रवान्त्रस्यान्त्रम्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्र स्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रम्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस् स्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्

## क्यानन् भेराकुन्।

कुथान्यः प्राप्तः स्वान्तः स्वानः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्त

तस्रवाबाराः इस्रबारिः प्राप्तः स्याध्यः विष्यः विषयः विषयः

स्थान्तर्भणाविश्वन्तर्भणाविश्वन्तर्भणानविष्यंत्तर्भणान्तर्भणान्तर्भणान्तर्भणाविश्वन्तर्भणाविश्वन्तर्भणानविष्यंत्र्वर्भणान्तर्भणानविष्यंत्र्वर्भणान्त्रः स्थान्तर्भणानविष्यंत्रः विष्यान्तर्भणानविष्यंत्रः विष्यान्तरः विष्यानविष्यान्तरः विष्यान्तरः विष्यान्तरः विष्यान्तरः विष्यान्तरः विषयान्तरः विष्यान्तरः विष्यान्यः विष्यान्तरः विष्यान

लवाःस्ट्राचीयात्राच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्र

## नवि'रा'तहिषा'हेव'यब'तन्ब'रादे'यअ'वै।

चल्वाःम्। त्रित्तः स्वर्णाः स्वर्णाः

क्रीच्राचित्राक्षेत्रम्यत् मृत्यान्य स्थान्य स्थान्य

## नि.त.झूट.तपु.जश्र.थी

र्श्वर-प्रते त्यस्य स्वर्धा विष्य पर्वे प्रत्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्व

#### नुगाराःसद्याः मुत्राःगीः ययः दी

 $\frac{1}{2} \cdot \frac{1}{2} \times \frac{1$ 

# इस्राचल्द्रा क्षेत्र क्षुद्रा

अर्देरः पञ्चवः या क्वरायरः प्यत्र या देवः पञ्चः पर्ते । द्रार्थे (अर्द्र पञ्चवः या) वै।

इस्रायाद्यस्रारुत्याद्येत्रात्तेत्वाद्यात्तेत्वात्तेत्वात्तेत्वात्तेत्वात्तेत्वात्तेत्वात्तेत्वात्तेत्वात्तेत् स्राधिवायते त्यस्राविवायात्तेत्वात्ते विवाद्यात्तेत्वात्ते विवाद्यात्तेत्वात्तेत्वात्ते स्रम्भायात्तेत्वात्ते स्रम्भायात्तेत्वात्ते स्रम्भायात्तेत्वात्ते स्रम्भायात्तेत्वात्ते स्रम्भायात्तेत्वात्ते स्रम्भायात्तेत्वात्ते स्रम्भायात्तेत्वात्ते स्रम्भायात्तेत्वात्ते स्रम्भायात्रेत्वात्ते स्रम्भायात्तेत्वात्ते स्रम्भायात्तेत्वात्ते स्रम्भायत्ते स्रम्ते स्रम्भायत्ते स्रम्भायत्ते स्रम्भायत्ते स्रम्भायत्ते स्रम्भायत्

यविष्यःतः(श्रुवःयरःचवरःय)या

५८-स्(ल्ब्निक्तिक्विकिक्तिक्विक्तिकिक्तिक्विकिक्तिक्विक्तिक्विक्तिक्विकिक्तिक्विक्तिक्विक्तिकिक्तिकिक्तिकिक्तिकिक्तिकिक्तिकिक्तिकिक्ति

है. आश्चित स्वांचित स्वांचित

गितेषायाधी तहिषाषाया प्रति दी।

याया यस्तरित्राचरात्राचरात्रेत्राचरात्र्व्याचरात्र्व्याचर्यः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्य स्वाविद्यायः विद्यायः विद्याय स्वाविद्यायः विद्यायः विद्याय स्वाविद्यायः विद्यायः विद्या

બ્રેના ક્રેના ના કર્મા તે કર્મા તે

पर्वितः ग्री वितः प्रति स्त्री स्त्र

कॅर्से प्यट्टिन प्यट

ત્રાત્રાત્રાને ત્રાપ્યાત્રાત્રા ક્રિયાના ત્રાપ્યાત્રા કર્યાના ત્રાપ્યાત્રા કર્યાત્રા કરામ કર્યાત્રા કર્યાત્રા કર્યાત્રા કર્યાત્રા કર્યાત્રા કરામાત્રા કર્યાત્રા કર્યાત્રા કરામાત્રા કરામાત્રા કરામાત્રા કરામાત્રા કર્યાત્રા કર્યાત્રા કરામાત્રા કરામાત

निवे पायरमा मुका ग्री केंबा या तर्रे मा मुका निवे

श्चित्रप्रयानश्चर्यायानुवानी

द्राचित्रः योश्वाकान्यते चर्तः क्षेत्रकाक्षेत्रकाक्षेत्रकाक्षेत्रकाक्षेत्रकान्यते ।

द्रिचित्रः वित्रकान्यते वित्रकान्यते वित्रक्षेत्रकान्यते ।

द्रिचित्रकान्यते वित्रकान्यते ।

द्रिच्यते ।

द्रिच्यते वित्रकान्यते ।

द्रिच्यते ।

द्रिच्यते वित्रकान्यते ।

द्रिच्यते ।

द्रिच्यत

### क्रिंग'यम'यसूम'य'द्वा'दी

### तद्वेत्र त्यन ग्रीन न्यून या नानुस्त दी

## **थे** भेषाग्रीषान्यस्यायाम्बुसादी

त्रअट्टर्न्यः भ्रेत्रः भ्रात्त्रवात्रः स्वात्रः स्

#### ग्रिम्प्राः (र्स्क्)वी

यश्चाः हेव प्राचेव प्

ग्रुय'य('र्देव'यहु'य')वै।

दे सूर व लेश श्रें

ହିର ପ୍ରତ୍ୟ ପର

इयायाइययावेयार्थे।

प्रवेशन्य प्रतेष्ठ प्रदेश स्थान स्य

५८.५ू.(२व).वरु.इ.व.वास्वा.तरु.इव)ल.वासुय.बी.५८.५ू.

पित्राविद्याः अपित्राचित्राच्याः अपित्राच्याः अपित्राच्य

क्राच। यद्मा विवाद्मा विवाद्म

ट्रे.क्ट्रबाळ्या पर्ययात्रार्टार्टाक्षेत्राचीटाचपुःबाटबाःम्बावाःस्यवायाःचीद्वाःलवाःविदायदायाःस्वायाःम्बीतःर्वा

याब्रा-तितेते के वाक्षान्य स्वान्य स्

ग्रियापा(ब्रिंग्याप्ट्या)याग्रुयाग्रीप्टर्पे अळ्ययाञ्चरापादी

ने क्षर र्बें र पर्ये गट ज्ञा पक्ष्र व व व र्बें र प्रते रे रे र्ट र प्रे प्रते ।

गितेषायासामानी

र्श्वेर पते रे रे रे ते।

अपना मह्मम्याप्त्रं म्याप्त्रं म्याप्त्रं म्याप्त्रं म्याप्त्रं स्थाप्त्रं म्याप्त्रं स्थाप्त्रं स्याप्त्रं स्थाप्त्रं स्थाप्त्रं स्थाप्त्रं स्थाप्त्रं स्थाप्त्रं स

प्रवित्यं स्थान्य प्रवित्यं प्रवित्

ळ्ट्-झ्रेट्-पद्य-झुँट-पःब्रेषः मुर्दे।

श्राह्मश्रम् श्रीत् वित्र श्रीत् त्याः श्रीत् त्याः श्रीत् त्याः श्रीत् त्याः श्रीत् त्याः श्रीत् त्याः श्रीत् वित्र त्याः श्रीत् त्याः त्याः श्रीत् त्याः त्याः श्रीत् त्याः त्याः त्याः श्रीत् त्याः त्याः त्याः त्याः त्याः त्याः त्याः त्याः त्याः त्या

## स्न। केंग्राकेव स्वारंत्र मेंग्राय स्वीता

यहैं है। नर्डेंब स्व तर्ब में र हैव तर्दे हिंद स्व के निय से के निय से के निय से से के निय से के

णित्रेषः पः (हेवः श्चेः महः चणः में क्षं क्षः) भ्रमाः पः श्वरा क्षेत्रः स्रोः त्युहः चितेः हेवः श्चेः द्वरा द्वरा व्या में क्षं क्षः) भ्रमाः पः श्वरा क्षेत्रः स्रोः त्युहः चितेः हेवः श्वरा च्या में क्षं क्षः) भ्रमाः प्रा माववः हेवः दृष्टः स्थ्वः पितेः क्षेत्रः पितः हेवः दृष्टः स्थवः पितः क्षेत्रः पितः होवः पितः स्थवः स्यतः स्थवः स्यतः स्थवः स्यवः स्थवः स्यवः स्थवः स्थवः स्थवः स्यवः स्थवः स्यवः स्थवः स्थवः स्थवः स्थवः स

ૹેંદ્રનું મૃલ્ડિકામાં સાથ્ય ક્રિયા ક્રિયા

चर्चेन्-प्रतेःश्लेन्व्यःश्चेन्व्यःश्चेन्यःश्चेन्न्यः। देव्यःप्रत्यः। वर्चेन्-प्रतेःश्लेन्यः। वर्चेन्-प्रतेःश्लेन्यः। वर्चेन्-प्रतेःश्लेन्यः। वर्चेन्-प्रतेःश्लेन्यः। वर्चेन्-प्रतेःश्लेन्यः। वर्चेन्-प्रतेःश्लेन्यः। वर्चेन्-प्रतेःश्लेन्यः। वर्चेन्-प्रतेःश्लेन्यः। वर्चेन्-प्रतेः। वर्वेन्-प्रतेः। वर्वेन

યું અત્માં (તાલ્યાનું સેન્ટ્રાન્ડા કુંસ્તાનું કુંસાનું કું કુંસ

#### ञ्च'ना ग्वर देव

बेशःश्| । अर्दे:वी पर्वाःग्रटःब्रेवःपतेःस्यःष्ठेवःपःश्चेदःपःग्वववःस्यःब्रेवःपतेःस्यःष्ठेवःपःस्यःपर्विदःर्दः वैश्वःश्| ।

## पार्युठा'रा'(भुक्ष'नर्झ्क'रा'र्ह्मव्वायति'वनवा'ग्री'र्झुर'नः)र्दे

च्याच्याः व्यव्याः स्वाच्याः स्वच्याः स्वाच्याः स्वाचः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः

याञ्चयात्रः त्र्येत्रः प्राप्तः व्याप्तः व्याप्तः स्वाप्तः स्वापत्तः स्वापतः स

### 

थॅव-५व-५न्नेज-पर-छे-५-५-५ व्यक्ष-तु-देव-क्रिव-क्रिव-क्

विष्णः प्राचित्रः स्वितः स्वतः स

### स्यानुषानी

#### য়**৾ঀ**

શુંત્ર-તુ-ખ્યાસ્થ્રેયાન્ય-ગુત્-લેયાસ્થ્રા | શ્રેત્-તુન્ન માના સ્થાન સ્થાન

## ग्रुअर्प (त्र्वेयर्ग)या न्रें अप्वितिः र्ह्वेर् न्यः स्ति

चिर्ने असम्ब्र्रेन्यस्य स्वेन्यम् स्वेन्यम् स्वेन्यम् स्वेन्यस्य स्वेन्यम् स्वेन्यस्य स

५८। इस्रायदे केंब केंद्र स्वायदे सेंब केंद्र स्वायदे सेंब्र केंद्र स्वायदे सेंब्र केंद्र सेंब्र केंद्र सेंब्र सेंबर से सेंबर सेंबर सेंबर सेंबर सेंबर सेंबर से सेंबर सें

यमान्निन्यम्, नुम्यम् । स्वाप्ति । स्वाप्ति

र्स्या ही होत्राची होत्राची होत्राची होत्राची होत्राची होत्राचन होत्राची ह

विण के वृः श्रीः सर्वेदः त्यस्र वृ। यदः द्वाप्य सर्वे वृत्यस्य स्वाप्य स्वाप्

यश्चित्रायि भी त्रिक्ष के विषय के प्रति प

यरःश्चेंब्रायतेःप्रेक्षःवे। इस्रायरःप्वायतेःश्चेरा यरःश्चेंब्रायतेःप्वाक्षतेः इत्यावर्षेत्रः धेवायतेः श्चेरा

गढ़िषाया क्चेंत्राचार्ते क्षेंत्राचित क्षेंत्र क्षेत्र क्षेंत्र क्षेत्र क्

र्बेद्यान्यते व्यव निवास विकासी ।

पानेष'प'(ह'पः)ने।

# স্ত'ন। ব5ুদ্গ্রী'অপ্ত'বইর্রম'ম'র্মবাশ্বামা । র্মির'দর'র্বরম'ম'বস্তু'বির্নি।

क्र्रेन्य प्रति स्ट्रिय्य श्रीया प्रति । या स्ट्रिय । या स्ट्रिय प्रति । या स्ट्रिय । या

#### मासुस्राय (त्र्योय नः)दी

લેશ્વર્સા 1લશ્વર્સા લશ્વર્સા લશ્વરા લશ્

ब्रैं र प्राप्त केंद्र र प्राप्त केंद्र कें

યદ્યાના સુધાના ત્રાપ્ત ત્રાપત ત્રા ત્રાપત ત્રા ત્રાપત ત્રાપત ત્રાપત ત્રાપત ત્રા ત્રાપત ત્રાપત

અર્દે ત્રી રુવાયા શે. ત્યારા ક્રમાં ક્રીયા છે. ત્યારા ત્રીયા ત્રાપ્ત ક્રમાં ક

અર્ત્-ને ત્રેના ત્રાના ત્રું ત્રાન્ત્ર સ્ત્રાન્ત્ર ત્રું ત્રાન્ત્ર સ્ત્રાન્ત્ર સ્ત્ર સ્ત

अर्दे नि दे के ते भ्री नि के ते में प्राप्त के निवास के

য়ৼॅॱवै। देणबःग्रीःतुःद्दःतुःर्बेःदेःद्वावे अव्यय्यःत्युरःहे विषःर्बे। য়ुःबेदःचुदःकु्दाःषःक्रुं र्वे अदःर्थे तर्वेदःयःर्वेषाषःद्वो प्वते सःपव्वरःदःदःदृदःष्ठ्वःर्वेदःयःधेवःयःक्रुं प्व

र्वे। । ५ १ क्षे क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत

য়र्दे.वी सू.देते.चु.चुट.बेয়ब्र.कु.च्चेवा.चंदे.देवाबा.कु.चुत्या.देवाबा.कु.चु.चूं.चुंबा.चूं.चुंवाचा.कूं.वदे.कूंब वबादवाय.च.दटा दटाचादट.दच.ध्याचा.कुवार्यःकुवाय.कुवार्यःकुवाय.कुवार्यः

ण्ववः र्नेवः पश्चितः प्रतः प्रश्नाप्तव्यः प्रतः र्नेवः है । तः व्याप्तव्यः प्रतः विवः प्रतः प्रतः विवः प

ૹેંદ્રેને ગ્રેટ-નેસ્ત્ર-પત્રઃફેત્રઃશુઃન્શેત્ર-પત્રઃફેત્રાના ગુેન્સ્ત્ર-પ્રાફેત્રઃશુઃનુત્રસ્ત્રાન્ય ગુેન્સ્ત્રન્ય પ્રાફેત્રઃશુઃન્શેત્રન્ય સાંધ્યાના મુખ્યાના કેત્રાનું પ્રાફેત્રના સાંધ્યાના સાંધ

ग्रीःक्रॅंशःचनःस्राय्ववःन्तःन्वोःनःस्र्वायःस्रेनःप्रते।स्र्वेनःस्रेनःप्रते।स्रेनःस्रेनःप्रतेनःस्रतेनःस्रेनःप्रतेनःस्रेनःप्रतेनःस्रेनःपर्यते।स्रिनःप्रतेनःस्रेनःपर्वेनःस्रिनःपर्वेनःस्रिनःपर्वेनःस्रिनःपर्वेनःस्रिनःपर्वेनःस्रिनःपर्वेनःस्रिनःपर्वेनःस्रिनःपर्वेनःस्रिनःपरते।स्रिनःपरते।स्रिनःपर्वेनःस्रिनःपर्वेनःस्रिनःपर्वेनःस्रिनःपर्वेनःस्रिनःपर्वेनःस्रिनःपर्वेनःस्रिनःस्रिनःपर्वेनःस्रिनःस्रिनःस्रिनःस्रिनःस्रिनःस्रिनःस्रिनःस्रिनःस्रिनःस्रिनःस्रिनःस्रिनःस्रिनःस्रिनःस्रिनःस्रिनःस्रिनःस्रतेनःस्रि

ळे:र्न्यश्वाववर्:न्वर्मायःगावर्गिर्यःगावर्गिर्यःगावर्गिर्यः स्वावर्गित्रः स्वावर्गिते स्वावर्गिते स्वावर्यः स्वावर्गिते स्वावर्यत्रः स्वावर्यः स्वावर्यत्रः स्वावर्यत्रः

यर्त्वी सूर्देत्पुर्श्वावाणी पुत्यर्भवावाणी पुत्यर्भे प्राप्त स्वर्णे स्वर्णे प्राप्त स्वर्णे स्वर्णे स्वर्णे स्वर्णे प्राप्त स्वर्णे स्वरं स्वर्णे स्वरं स्वरं

र्श्वेर प्रति र्थेव निव प्रवि ने वेर प्रति र्थेष निव प्रति र्थेष निव प्रति विव र्थेष्य स्व स्व विव र्थेष्य स्व

য়ৢ৾ঀঀয়ৣ৾ঀয়ঀৣ৽ড়ঀ৽ঀ৾ঀৼ৽ঀঽয়৽য়৸য়ৢঢ়৸ঢ়৽ঢ়য়৽য়ৼৼ৾ঀৢয়৽য়ৼৼয়ৢ৸

यश्चरात्त्रेयात्र्यां)या र्वेत्राचाश्चर्यात्रेयात्र्यात्र्यात्रेयात्र्यात्यात्र्यात

५८.द्र. (ब्रूंप्रचि त्वावा में वर्ष्य वा वहेव या है श्र)त्य

क्वेन्यंत्रात्वेन्यः प्रवतः यान्तेत्रात्वे त्रात्वे व्याप्तः विवायः विव

व्यानञ्चर्त्वात्तर्भवःश्चीः न्वरान्त्र्यव्याः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वयायः स्वयः स्वय

ૹ્વે.પ્ટાંશ્વી જ્વાલ્યાને સ્વાલા કેન્સીના ત્રાસ્ત્રાના કેનસીના ત્રાસ્ત્રાના કેનસીના ત્રાસ્ત્રાના કેનસીના સ્ત્રાસ્ત્રાન કેનસીના સ્ત્રાસ્ત્રાના કેનસીના સ્ત્રાસ્ત્રાન કેનસીના સ્ત્રાસ્ત્રાના કેનસીના સ્ત્રાસ્ત્રાના કેનસીના સ્ત્રાસ્ત્રાના કેનસીના સ્ત્રામા કેનસીના સ્ત્રાસ્ત્રાના કેનસીના સ્ત્રાસ્ત્રાન કેનસીના સ્ત્રાન કેનસીના સ્ત્રાસ્ત્રાન કેનસીના સ્ત્રાસ્ત્રાન કેનસીના સ્ત્રાન કેનસીના સ્ત્રાન કેનસીના સ્ત્રાસ્ત્રાન કેનસીના સ્ત્રાન કેનસીના સ્ત્ર

पितेषाया (र्दानिवव प्राप्ति प्राप्तिवेष प्राप्तिव प्रापत

यहेवःया पविषामात्यःयहेवःयर्ते। । न्दःर्येः (र्स्चयः न्यंवः यः यहेवः यः)वी।

च.वृ.चर्थः क्ष्यं चीश्रीश्चात्।।

द्राच्चः च.वृ.चर्थः क्ष्यं चीश्रीश्चात्।।

द्राच्चः च.वृ.चर्थः क्ष्यं चीश्रीश्चात्।।

द्राच्चः च.वृ.चर्थः क्ष्यं चीश्रीश्चात्। विवाद्यं क्ष्यः क्ष्यः च.वृ.चर्थः च.वृ.चर्यः च.वृत्यः च.व

#### यातेषाया (रदानेदायानहेवाय)वी

न्युगःचःशःर्वेषायःयःशःस्वायःयःर्वेषःययःर्वेषःययःव्वव्यःर्वेषःयःयःव्वव्यः ।

 न्यः शःश्रेवःर्वेषःयःयः विष्यःयः विष्यः ।

 न्यः शःश्रेवःर्वेषःयः ।

 न्यः शःश्रेवः ।

 न्यः शःशः ।

 न्यः शः ।

 न्यः शः ।

 न्यः शः ।

 न्यः शः ।

 न्यः ।

 न्यः शः ।

 न्यः ।

#### यात्रुअर्यः (महेन्यःमाः भः महेन्यः भे

 $\alpha = \frac{1}{2} - \frac{1}{2} -$ 

વિદા લેવા સ્વારા ત્રાપ્ત ત

पार्षुअ'रा'(तवायान्तेव'वाववदायानहेव'रा'वाशुआ)ते।

चर्न्द्र-प्राची श्रीत्र-प्राची क्षः च्राच्या क्षेत्र क्षः च्राच्या विषय क्षेत्र क्षेत्र प्राची क्षेत्र क्षेत

है अप-तिन्द्रित्ति क्षित्ति त्यान्ति स्थान्ति स्थानि स्थान्ति स्थान्ति स्थान्ति स्थान्ति स्थान्ति स्थान्ति स्थानि स्

दे.क्षेत्र.प्रचीलामुब्र.खे.त्य.चीब्रब्य.त.खेत्र.चीब्रब्य.द्रा.चीव्य.क्षेत्र.चीक्षेत्र.चित्र.चीक्षेत्र.चीक्षेत्र.चित्र.चित्र.चित्र.चित्र.चित्र.च

म्बि'न्द्र' अर्क्च न्यात्र स्वर्ष्य स्वर्य स्वर्ष्य स्वर्य स्वर्ष्य स्वर्ष्य स्वर्ष्य स्वर्ष्य स्वर्य स्वर्ष्य स्वर्ष्य स्वर्य स्वयः स्वयः

ક્ર્યુંત્ર પ્રતે અર્જન તેને તેને સ્ત્રામું તે જ્ઞું શુન સેંદ્ર અપોન પ્રતે ક્ર્યુંત્ર પ્રતે અર્જન તેને તેને સ્ત્રામું તે જ્ઞું શુન સેંદ્ર અપોન પ્રતે ક્ર્યુંત્ર પ્રતે અર્જન તેને તેને સ્ત્રામ સેંદ્ર પ્રતે પ્રતે તેને સેંદ્ર પ્રતે તેને સેંદ્ર પ્રતે તેને સેંદ્ર પ્રતે પ્રતે તેને સેંદ્ર સેંદ્ર સેંદ્ર સેંદ્ર સેંદ્ર પ્રતે તેને સેંદ્ર સ

ૹ્યા સુંત્રા શું ક્ષુત્ર સેંદ સાથે ત્રાયે સુંત્ર પ્રાયે ત્રે સુંત્ર પ્રાયે સુંત્ર સુંત્ર

યાશુંસઃગ્રીશ-દે-તા-સાનુસનાનાનું છીત્ર-સંગ્રાણે ત્રાગ્રી ત્યાયાનું સ્ત્રાયાનું સ્ત્રાયાન

स्राप्तित्रप्तिः श्रुंत्रप्तिः शुर्यः भ्राप्ताः अळव गावितः उत्तर्येत् ग्री श्रूंता द्वेत् ग्री श्रूंता प्राप्ति । श्रूंता । श्रूंता

त्यात्। ।

स्यान्त्राच्याः अत्यान्त्राच्याः द्वेत् । स्यान्त्राच्याः स्वान्यः स्वन्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वयः

पढ़िम्मा (र्द्या श्वाम्मा) है। यह द्रापित सहस्य सहस्य सहस्य सहस्य सहस्य स्वापित स्वाप्त स्त

# क्यानन् भेराकुत्

८८.र्से.(अळ्ब.मेबे.)ची

वृंब्रःश्रंट्यःह्वायःश्रंवायःश्चेयःद्वेषःपवेःह्वयःपवेःह्वयःपवेःह्वयःधेवःवें।। याद्वेयःपः(यळ्वःचः)वे।

स्थित्ये स्थान्य विश्व त्या विश्

देश्यत्त्रित्त्वेत्त्वात्त्र्येत्त्रेत्त्वेत्त्वात्त्र्वेत्त्वात्त्र्वेत्त्व्यात्त्र्वेत्त्व्यात्त्र्वेत्त्व्य प्रमान्त्रवित्त्त्रत्त्वेत्त्त्वात्त्र्वेत्त्त्त्त्त्त्त्त्त्त्त्त्त्त्त्त्त्व्यात्त्र्व्यात्त्र्व्यात्त्र्वेत्त्त्व्यात्त्र्वेत्त्त्व्यात्त्रः विष्यः प्रमान्त्रः विष्यः प्रमान्त्रः विष्यः प्रमान्त्रः विषयः विषय

पार्षुअ'रा'(अळव'वेर')वै।

મુંત્ર વિતે મેં મેં મુત્ર સાર્ક્ષ ત પાયે છે જાતા તેમાં ક્રીય સાર્ક્ષ ત સ્તૃતા છે તે સાર્ક્ષ ત સ્તૃત્ય છે તે સાર્ક્ષ ત સ્તૃતા સાર્ક્ષ ત સાર્ક્ષ ત સ્તૃતા છે તે સાર્ક્ષ ત સ્તૃતા સાર્ક્ષ ત સાર્ક્ષ ત સ્તૃતા સાર્ક્ષ ત સાર્ફ ત સાર્ક્ષ ત સાર્ફ ત સાર્ક્ષ ત સાર્ક્ષ ત સાર્ક્ષ ત સાર્ક સાર્ક ત સાર્ક્ષ ત સાર્ક સાર્ક સાર્ક્ષ ત સાર્ક સાર્ક

યું ત્રાંત્રાસ્વાયાના ત્રુવાના ત્રાંત્રાના ત્રુવાના ત્રાંત્રામાં ત્રુવાના ત્રુવાના ત્રાંત્રામાં ત્રુવાના ત્રુવાના ત્રાંત્રામાં ત્રુવાના ત્રુવાના ત્રાંત્રામાં ત્રુવાના ત્રુવ

प्रतिषाय(व्रिःच्यांची अर्केव स्थ्यः) दी

दे'च'दचुर'च'वेष'य'र्सेवाष'वार'रुर'वी'क्र्य'य'रुव'ग्री'सेयष'र्पदे'थे'वेष'र्से।

चाशुक्षःश्चीक्षःयाद्वेशः चाशुक्षः चाद्वेशः चाद्

चीत्रियः अक्षत्रः त्रीत्रः अक्षत्रः वित्रः प्रक्षाः स्वार्धः क्ष्रः क्ष्रः क्ष्रः क्ष्रः वित्रः क्ष्रः क्ष्रः वित्रः वित

યુર્ટ્-વી તાલેટ.તત્ર-કૃષ્યન્ય-કૃષ્ટ્ નિ કૃષ્ય-વિ-તત્ર-કૃષ્ય-વિ-ત્રિ-ત્રકૃષ્ય-વિ-ત્રિ-ત્રકૃષ્ય-વિ-ત્રિ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્રકૃષ્ય-વ-ત્ય

#### ন্থ'বা'(শ'মছ্মম্ন')বী

विषान्यः केवान्यः विवान्यः विवान्यः विषयः यात्रः यात्यः यात्रः यात्यः यात्यः यात्रः यात्यः यात्रः यात्रः यात्रः यात्रः यात्रः यात्रः यात्यः यात्यः यात्यः

ସାନିଷ'य'(୴ब'भवाची र्द्र्व') भी ह्येते 'अळ्अष्या ह्युर्र' प्राचित्रं व 'प्राचित्रं प्राच्या ह्येते 'या ह्येत

पविषायः(अंक्विन्द्वाप्तव्यायः)या अर्देनःपञ्चवा क्रुषाप्तविदःर्दे। । प्रतःर्थेः(अर्द्वाप्तव्यायः)या अर्देनःपञ्चवा क्रुषाप्तविदःर्दे।

अन्तर्ग वाट. वी बा अळू ब. प्रे. प्रायू ब. कुट. टी वि ब. चे. प्रे. ताट. क्षेत्रा वा बी बा नि ब. प्रायु चि प्राय वि ब. प्रायु बा के प्रायु वि ब. के प्रायु चि ब. चे. प्रायु च वि ब. प्रायु च वि ब. प्रायु च वि ब. प्रायु च वि च

इ.स् ग्राटाबाबाशक्त्रे र अक्ष्ये थरेरी विवादी र लट इश्रायाविश्वी विवाय विराध र दिस्

ત્રામાન ત્રી ત્રી ત્રામાન ત્રામાન ત્રી ત્રામાન ત્રામ

प्रवित्रः भ्रीतः प्रवितः स्वितः प्रवितः प्रवितः प्रवितः स्वितः स्वतः स्व

ર્શ્વેત્ર પ્રતે મેં જેનુ પાસુનુ પાનું મારાનુ પાસુન પાનું મારાનુ પાસ મારાનુ

#### पानेषाया (त्रोवाया) दी।

तिन् मुंद्वीर्यास्त्रीत् प्रस्ति स्वर्याया मुंद्वीर्याया मुंद्वीर्याया

યાલું મારા (મુલાયન્યન્ય) માર્ચ સ્ત્રા માર્ચ માર્ચ સ્ત્રા માર્ચ સ્ત્

ने यः विवार्शे।

#### पानेशपा(इन्ना)नी

अप्रयाक्षी भिषायद्व अक्ष्य क्षेत्र प्रस्ता । विष्य प्रति अक्ष्य क्षेत्र प्रति । विषय प्रति अक्ष्य क्षेत्र प्रति । विषय प्रति अक्ष्य क्षेत्र प्रति । विषय प्रति ।

चश्रमः स्ट्रीयः यात्रीयः यात्रीयः विषयः व

#### मासुस्रायः(त्र्येयःयः)दी

चिः नेषःश्चीत्रः चितः स्वितः स्वतः स्वितः स्वतः स्वतः स्वितः स्वतः स्वतः

देव. धेव. क्र्यांट आत्तुच प्रवृत्त प्रकृत चेत्र प्रवृत्त प्रवृत्त क्षेत्र क्षेत्र प्रवृत्त क्षेत्र प्रवृत्त क्षेत्र क्षेत्र प्रवृत्त क्षेत्र क्षेत्र प्रवृत्त क्षेत्र क्षे

त्यः मुकारा इश्रयाता यहेष कुटार विस्तर ए श्रीट स्वरास्त्री विषा द्वीय स्वरास्त्र स्वरास्त्री विषा स्वा ।

हा क्षेत्र स्वरास्त्र स्वरास्त स्वरास्त्र स्वरास्त स्वरास्त्र स्वरास्त स्वरास्त्र स्वरास्त्र स्वरास्त स्वरास्त

पद्देरःस्वतः द्व्यः सूत्रः त्या । द्वेः र्रेणः प्रतेः इतः र्श्वेरः त्यातः विषाः यो त्याः विषाः ये व्याः विषाः य पद्धः प्रविरः प्रमुत्रः प्राः यो । द्वेः र्रेणः प्रवेरः प्रवितः र्श्वेरः त्यातः विषाः यो व

प्रिक्षःश्र्। । अन्यक्षेत्रःप्राचेत्रः प्रित्त्रः त्राच्यः प्रमान्यः प्रमान

त्रः विष्यान्यः विष्यान्यः विष्यः विषयः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः विषय

यहिषायाची सम्प्रान्ता सम्प्रान्ता सम्प्रान्ता सम्प्रान्ता यहिषायाः यत्रान्ता यहिषायाः सम्प्रान्ता यहिषायाः सम्

यश्चित्रायाची म्रियाचित्रायदे प्यत्वाचीत्र्यायद्याच्यत् । यश्चित्रायाच्या अत्यन्त्रायाची स्थायद्याच्याची स्थायदे । यश्चित्रायाची स्थायदे । यश्चित्रायाची स्थायदे । यश्चित्रायाची स्थायदे ।

चित्राची शुकार्श्वेषाःस्काष्ण्ठेषाःतुः भ्राचः नदा स्कावः नदाः नुः नदी।

यः इस्यान्ते क्रिट्ट स्वतं क्री क्षेत्र प्राप्ते स्वाप्त स्वाप्त क्षेत्र प्राप्त स्वाप्त स्वाप

यर्दे विश्व प्रत्यात्र स्वित स्वत्यात्र स्वत्य स

देवे र्देण फु लेब की।

#### णहेश्या(इन)दी

यक्ष्याव्यायक्षवः साधेन प्रवास्याप्ता विषाः स्वासाम्याप्ता विषाः स्वासाय विषाः स्वासाय विषाः स्वासाय विषाः स्व

#### বাধ্যম'থ'(রন্ত্রন'य')বী

सक्त क्षेन् स्वाक्त स्वाक् स्वाक्त स्वाक स्वाक्त स्वा

देवे र्देण मुलेष र्या

#### गहेशरा(इन)ही

#### বার্ষ্ষাম'(বের্রাঝমা)বী

देः भटा यादा विष्या इस्र सिव विष्या श्री श्री क्षेत्र प्राप्य प्रदेश प्राप्य प्रदेश प्राप्य प्रदेश विष्य प्राप्य प्रदेश प्राप्य प्रदेश विष्य प्राप्य प्रदेश प्राप्य प्रदेश विष्य प्राप्य प्राप्य प्रदेश विष्य प्राप्य प्रदेश विषय प्राप्य प्रदेश प्राप्य प्राप्य प्रदेश प्राप्य प्राप्य प्रदेश प्रदेश प्राप्य प्रदेश प्राप्य प्रदेश प्रदेश

য়र्दे दी दे प्रविद प्र

चगुरःक्षेः यहं दःदी रवः वर्डेरः केंबा केदावदी वेदा केवा की विषा की वि

અર્દ્રેન્ત્રી દેન્વ-ગ્રેન્ય-પ્રસેન્યન્ત્ર-ગ્રેન્સ્યન્ત્ર-ગ્રેન્સ-પ્રસ્થિત્ર-પ્રસેન્સ-પ્રસ્થિત્ર-પ્રસેન્સ-પ્રસ્થિત્ર-પ્રસેન્સ-પ્રસ્થિત્ર-પ્રસેન્સ-પ્રસ્થિત્ર-પ્રસેન્સ-પ્રસેન-પ્રસેન્સ-પ્રસેન-પ્રસેન-પ્રસેન-પ્રસેન્સ-પ્રસેન-પ્

अर्दे त्री वाट वी के इस अद्वित लेट त्या द्रिवा हेत हैं हिंदा या लेट वा हेत हैं हैं हैं से स्वासित हैं ते के स्वासित हैं ते के स्वासित हैं ते स्वासित है ते स्वासित हैं स्वासित हैं ते स्वासित हैं स्वासित हैं ते स्वासि

अर्दे ने रवः वर्षे र मेर धेव ने वर्षे वर्षे र वेव में वर्षे र वेव वर्षे र वेव में वर्षे र प्रत्या के वर्षे र प्रत्या के वर्षे वर्षे

अर्दे नि नेर क्षेत्र ने तहे वा हे वा हे वा हे वा हे वा हो तर ने वा तर अहं दार्च के वा तर वा वा तर वा हो वा हे व इंदर पा ने दार के वा के वा

अर्दे वी श्रेम ध्रेव वे दे प्रविव पश्चिषया प्रविव स्त्री ति है व स्ट्रिंट प्र के प्रविव स्त्री विव स्त्री विव

अर्दे'त्री नेरः ध्वेत्र ते देवतित्वित्वित्वित्वित्वातित्वात्तित्व स्वतित्व त्वित्व स्वतित्व स्वतित्व स्वतित्व स्वति स्वतित्व स्वति स्वति

पवित्रायः क्षित्रायः क्षेत्रः अळव व वितः) या अळ्यवा क्षेत्रः प्रमुवा क्ष्यायम् दि। वित्रायः क्षेत्रः अळव व वितः या अळ्यवा क्षेत्रः प्रमुवा क्षेत्रः प्रमुवा

पविषयः (अर्दरःचक्रुव) यः पविषयः ग्रीः प्रः र्यो (इःचः) दी

चर्डः चैवा वोबा विट्राय्य अळव केटा प्रमाणिया विट्राल्य विव्याय विद्राल्य विद्राय विद

प्रिमःच्यात्र्यः प्रमःच्याय्यः भ्राष्ट्रम्य्यः भ्राष्ट्रम्यः । विवायः स्वायः स्वयः स्वयः

द्वी. स्वायान्य व्यास्त्र स्वायान्य स्वयान्य स्वयाय स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयाय स्वय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयय स्वयाय स्वयाय

ક્ષેત્રન્યતે ક્ષિત્રના ત્રિત્વા ક્ષેત્રન્ય ક્ષેત્રને ક્ષેત્ય ક્ષેત્રને ક્ષેત્રને ક્ષેત્રને ક્ષેત્રને ક્ષેત્રને ક્ષેત્રને ક્યા ક્ષેત્રને ક્ષેત્રને ક્ષેત્રને ક્ષેત્રને ક્ષેત્રને ક્ષેત્રને ક્

|पासुअ:पः(क्वलप्तन्त्व):पासुअ:की:प्रस्था अर्धअकःक्वुरःपःदी

यटःविद्यःर्शे।

#### गहेषाया(इन)दी

त्याः वित्रान्तः स्वराधिवः श्चीतः त्याः विद्याः विद्य

#### 

यर्दे है। वेर में व तर्दे है नवया ग्रीय से हिन पते हा न दि । से अवस्थ पते हा नव है नवर मानवया है से विवासी। वे

त्रमाष्ट्र-विचान्नात्त्रः अकूच न्त्रेन्त् । त्रमाष्ट्र-विचान्नात्त्रः अकूच न्त्रेन्त्रः विचान्नात्त्रः ची त्रमान्नात्त्रः ची त्रमान्तात्त्रः ची त्रमान्त्रः ची त्रमान्तात्त्रः ची त्रमान्तात्त्रमान्तात्त्रः ची त्रमान्तात्त्रमान्तात्त्रम् ची त्रमान्तात्त्रम् ची त्रमान्तात्त्रम् ची त्रमान्तात्त्रम् ची त्रमान्तात्त्रम्तात्त्रम्ति ची त्रमान्तात्त्रम्त्रम्ति चित्रम्त्रम्ति ची त्रमान्त्रम्ति ची त्रमान्तात्त्रम्ति चित्रम्ति चित्रम्ति

ચાર્ટ્સે લેશ્વર્યા પ્રદાયા માર્ચિયા છે ત્રાપ્ત માર્ચિયા છે ત્રાપ્ત માર્ચિયા પ્રદાય માર્ચિયા માર્યા માર્ચિયા માર

### इस्राचल्द्रा क्षेत्र क्रुवा

ત્યાનિક્સિયા

अर्दे ते। वेरः धेव : चर्चे प्रत्ने प्रत्ये प्

ર્દ્ધ ન્યાન્ય મું વાલાના ત્રામાં ત્રામા ત્રામા ત્રામાં ત્રામા ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામ

अर्दे.वी चिट.श्रंश्वरादे.वे.श्वट्याम्बराग्नी.बिट.पावव वयाद्यादात्रवादात्रवात्राम्बराम्बराम्बर्याम्बर्याः विद्या

व्यवःग्रीबःचेवःपरिःक्यःपरःश्चेत्वावःपरःश्चेवःपर्यः। व्यवःग्रीबःचेवःपरिःक्यःपरःश्चेत्वावःपरःश्चेवःपर्यः।

प्राथमाधिर्विष्यं क्ष्राचित्र अक्षेत्र प्राप्ति । विषयमाधित्र प्राप्ति । विषयमाधित् विषयमाधित् विषयमाधित् विषयमाधित् । विषयमाधित् विषयमाधित् । विषयमाधित । विषयमाधित

ग्रियादाः(विदायमाष्ट्रित्वविवायायिः शुधान्द्रमासुः साम्यस्व स्वतः स्वायः स्व

 $g_{q} = \frac{1}{2} \left[ \frac{1} \left[ \frac{1}{2} \left[ \frac{$ 

ପ୍ରମ୍ବର୍ଷ୍ଟ ଓଡ଼ିକ୍ ଅଞ୍ଚର୍ଷ୍ଟ ଓଡ଼ିକ୍ ଅଞ୍ଚର୍ଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚଳ ଅଟିକ୍ ଅଷ୍ଟ ଅଷ୍ଟ ଅଟିକ୍ ଅଷ୍ଟ ଅଷ୍ଟ ଅଟିକ୍ ଅଟିକ୍ ଅଷ୍ଟ ଅଟିକ୍ ଅଟିକ୍ ଅଷ୍ଟ ଅଟିକ୍ ଅଟିକ୍ ଅଷ୍ଟ ଅଟିକ୍ ଅଷ୍ଟ ଅଟିକ୍ ଅଷ୍ଟ ଅଟିକ୍ ଅଷ୍ଟ ଅଟିକ୍ ଅଷ୍ଟ ଅଟିକ୍ ଅଷ୍ଟ ଅଟିକ୍ ଅଟିକ୍ ଅଷ୍ଟ ଅଟିକ୍ ଅଟିକ୍ ଅଷ୍ଟ ଅଟିକ୍ ଅଟିକ୍ ଅଟିକ୍ ଅଷ୍ଟ ଅଟିକ୍ ଅଟିକ୍

यः इस्रमः ग्रीः ग्री प्राप्ति वर्ग्या

गुतेषाया(इपा)वी

ਛਾ'न। ध्व'न्द्र'चे' प्रद्रित्यं हो। विदेवे होन्यते अळव केन्या विवयः न्द्रित विवयः हो। विद्यवः होन्यते अळव केन्द्रितः विवयः हो। विद्यवः हो। विद्यवः होन्यते अळव केन्द्रितः विद्यवः विद्यवः होन्यते अळव केन्द्रितः विद्यवः होन्यते अळव केन्द्रितः विद्यवः विद्यवः होन्यते अळव केन्द्रितः विद्यवः विद्यवः हो। विद्यवः हो।

र्ब्रुर-पर्दे र्रे पञ्च पार्डवार्ये पदि दे चेत्र प्रस्ते अस्व देत् प्रमान प्रमान प्रस्त प्रस्त प्रस्त प्रस्ति । प्रस्ति पञ्च प्रस्ति पञ्च प्रस्ति पञ्च प्रस्ति । प्रस्ति पञ्च प्रस्ति पञ्च प्रस्ति । प्

 $\frac{1}{2} \int_{-\infty}^{\infty} (-1)^{2} \int_{-\infty}^{\infty} (-1)$ 

यविःमेशःक्वेंत्रःचतेःचेत्ःस्रक्वःवे। वस्ययःस्तिःचेतःपात्रुसःस्रो क्वेंत्रःचःचेतःस्याःचितःस्यःस्यः। विविःमेशःक्वेंतःचतःचेतःस्याःस्यः। विविःमेशःक्वेंतःचतः। विविःमेशःक्वेंतःचतः। विविःमेशःक्वेंतःचतः। विविःमेशःक्वेंतःचतः। विविःमेशःक्वेंतःचतः। विविःमेशःक्वेंतः। विविःमेशःक्वेंतः। विविध्ययः। विष्ययः। विविध्ययः। विष्ययः। विविध्ययः। विविध्ययः। विष्ययः। विष्ययः। विष्ययः। विष्ययः। विष्ययः। विषयः। विष

दे.वाट.बे.वे। श्रेश्च श्रेश्च व्यत्तः स्थान्य स्थान्य

त्यअन्नेश्वरात्ते देव क्षेत्रः विद्यते क्षेत्रः विद्यत्य क्षेत्रः विद्यत्य विद्यत्य

ਝ्यायावययारुन्यविवायात्वेन्यावेन्यात्वेन्यावेन

पश्चित्रकाक्चित्रक्ष्यः स्वयः हो हे स्वावित्र स्टः क्ष्यां हे त्याव्यक्षः या स्वावित्र क्ष्यः स्वयः स

चित्रप्र(र्दे चे ते प्राण्डी अळव ते ते प्राण्डी अळव ते ते प्राण्डी अळव ते ते प्राण्डी अळव ते ते प्राण्डी ते प्राण

यातेषाया(इस्य)वै।

यबेदःयःधेव।।

न्दं र्से (क्षंत्र प्रमृत्य) ये। प्रमृत्य विकासी स्वाप्त क्षेत्र प्रमृत्य क्षेत्र क्षेत्र प्रमृत्य क्षेत्र क्

व्ययः ठट् ने यः पर्ते ने क्षेत्र पर्दे ने क्षेत्र पर्ते ने क्षेत्र पर्ते ने क्षेत्र पर्ते ने क्षेत्र पर्वे ने क्षेत्र परवे ने क्षेत्र परवे

यर्न् ने ने अप्यानि क्ष्यां मी हिष्ण प्रता में प्रति क्ष्यां मी हिष्ण प्रता प्रति क्ष्यां प्रति क्षयां क्ष्यां प्रति क्ष्यां प्रति क्ष्यां क्ष्यां

ययः वेषः श्चें र प्रते रें रें ते

यर्दे वे देश रामानिव दि। चिर केव केश्रमान्छव वश्यमान्छव वश्यमान्छ दिश्च के प्रमाय प्रमाय विवास कर्ते के प्रमाय के प्

### इस्राचल्द्रा क्षेत्र क्षुद्रा

इयायावयमारुदायाष्ट्रेवायान्त्रेत्राण्डे क्षेत्राचित्राचे क्षेत्राचित्राचे क्षेत्राचित्राचे क्षेत्राचे क्षेत्राच क्षेत्राचे क्षेत्राचे क्षेत्राचे क्षेत्राचे क्षेत्राचे क्षेत्रचे क्षेत्रचे क्षेत्रचे क

पक्षाक्ष्यः त्यन्त्रान् निविद्यः त्यान् विद्यः त्यान् विद्यः त्यान् विद्यः त्यान् विद्यः विदः विद्यः विद्य

ने प्रतिव ने हिन्दी प्रतिव ने कि प्रतिव ने

#### गितेशय'(र्देब'नश्चु'न')दी

#### गनुस्राप(ध्वेतेः) ग्राम्यापस्य पार्चे

ने भूरावा भेषा अळवा ले प्रमुत्। मित्यारा पर्दुः चुवा चित्या पर्दुः विवा वित्या पर्दुः विवा वित्या पर्दे विवासी वि

યું માં ક્રિયા માં કરાય છે. ત્રા ક્રિયા ક્રિયા માં કર્યા છે. ત્રા કર્યા માં કરાય છે. ત્રા માં કરાય છે. ત્રા માં કર્યા માં કરાય છે. ત્રા માં કર્યા માં કર્યા માં કર્યા માં કર્યા કર્યા છે. ત્રા માં કર્યા માં માં કર્ય

 $\sqrt{\frac{1}{2}} \int_{\mathbb{R}^{3}} (1 + \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{3}} (1 + \frac{1$ 

# ५८.५(१)१८.४४६४११८८) त्राचासुया ग्री ५८८५५ वर्षा वर्ष्यया श्री १८८५५ वर्षा

 $\begin{array}{c} \mathsf{GET}^{\mathsf{GET}}(\mathbf{S}^{\mathsf{GET}}) = \mathbf{S}^{\mathsf{GET}}(\mathbf{S}^{\mathsf{GET}}) = \mathbf{S}^{\mathsf{GET}}(\mathbf{S}^{\mathsf$ 

स्या अर्क्षव सेन्रन्त हुन्य या सेवाया । प्यत्त्व हुन्य या स्वाया । स्वर्धित या स्वर्धित या स्वर्धित या स्वर्धित स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्

पति प्रतः र्रा क्रुत् 'शःष्य प्रत्या प्रतः प्रश्चुत् प्राःश्या अविष्यः प्रते 'वा प्रतः वा वी क्रुत् 'त्री क्रियः अर्दे व 'हें वा ष वे वे विषयः व विषयः व विषयः व विषयः व विषयः व विषयः व

मुख्याया व्यवस्य उत्तर्भेताया देवाया प्रते व्यवस्य विश्वस्य प्रते क्षेत्राय व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य विश्वस्य व्यवस्य विश्वस्य विश्यस्य विश्वस्य विश्यस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य व

चक्कश्रम्यात्राच्यात्रक्ष्वात्राच्यात्यात्रच्यात्रच्यात्यात्यात्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्यात्यात्या

चाहेब.त.(इ.च.)जा जत्रःश्चेषु.कुटब.ज.वावब.तपु.क्ट्र.ट्रा ट्रे.ज.वावब.तपु.श्चेब.श्चे.वाट्य.श्चे.स्ब.

५८.त्.(प्रम.ब्रीपु.कुटब.प्र.माध्यत्मपु.क्षर.)जोह्रवा.कुच.ग्री.पट्टिवा.ब्री.अश्चरमञ्जीट.२.वक्षेच.त.२८.। ब्रीट.त.ज.

५८.इ.५७७.७५८० स्थान स्था

विण्यः केवः र्यः द्युवः र्येदः याः धेवः यदेः श्रुप्यः दर्शे वि

স্ত'ন। অদ্যান্ত্র র্মার্কান্ত্রামান্ত্র বামান্ত্র বা

#### च्च'न। प्रवयः पः सुदः व्येषावः द्वः पः प्रः।।

अर्दे है। नर्डे अप्तर्भन्त स्वर्थन स्वर्यन स्वर्थन स्वर्थन स्वर्थन स्वर्थन स्वर्यन स्वर्थन स्वर्यन स्वर्थन स्वर्यन स्वर्य स्वर्यन स्वर्य स्वर्यन स्वर्यन स्वर्यन स्वर्यन स्वर्यन स्वर

णहेश्य (ब्रॅन्य व्यक्त क्ष्य) व्यक्ति क्ष्य ) व्यक्ति विवक्ति विवक्ति

स्ना हीवार्यम्यार्सेन्यस्यायार्सेन्यस्यायात्र्या

શ્રુૈવ સંવાયત્મ સ્ટ્રૈવ સ્વાર્શ્ફેર સ્વાર્શ્ફેર સ્વાર્શ્ફેર સ્વાર્શ્ફેર સ્વાર્શ્ફર સ્વાર્શક સ્વાર્શ્ફર સ્વાર્શ્ફર સ્વાર્શ્ફર સ્વાર્શ્ફર સ્વાર્શ્ફર સ્વાર્શક સ્વાર્શ્ફર સ્વાર્શ્ફર સ્વાર્શ્ફર સ્વાર્શ્ફર સ્વાર્શ્ફર સ્વાર્શક સ્વાર સ્વાર્શક સ્વાર્શક સ્વાર્શક સ્વાર્શક સ્વાર્શક સ્વાર્શક સ્વાર્

पित्राचा इस्रायन्त्रेकात्मा विकास पित्राचित्र विकास पित्र विकास

विष्णप्र-्र्रेंशः क्षेत्रः विष्णुः विषण् विषण्

हीय-श्र्मायाः विष्यः विषयः व

અર્ટ્-ને વર્જ્સ-ફ્વ-તિન્શ-દેને તર્દ-ફ્રિય-દ્યાદ-જેવ-દેશ-દ્યા-દ્યાને સમાન કર્યાને કર્યાને સ્ત્રાને સ્

# 용'ন| ঠুথ. 보প্ৰ: বি তুলাইপ্ৰ এই প্ৰান্ত বি ক্ৰান্ত বি

त्तः त्रेन्यः श्राच्यः व्यक्तं वित्तः त्राच्यः वित्तः वितः वित्तः वितः वित्तः व

प्रिश्नायात्रायदेः क्वतः क्वीः प्रत्यान्त्रः प्रत्यान्त्रः प्राप्तिः क्वतः क्वीः प्रत्यान्त्रः प्रत्यान्त्रः प्रत्यान्त्रः प्राप्तिः क्वतः क्वीः प्रत्यान्त्रः प्रत्यान्तः प्रत्यान्त्रः प्रत्यान्त्रः प्रत्यान्तः प्रत्यान्त्रः प्रत्यान्त्रः प्रत्यान्तः प्रत्

# 

ચાર્યનું માત્ર સુત્ર ત્વર્યા છે માત્ર સુત્ર ત્વર્યા છે માત્ર ત્યારા છે ત્વર્યા છે માત્ર ત્યારા છે માત્ર ત્યારા છે માત્ર ત્યા છે માત્ર ત્યારા છે માત્ર ત્યારા છે માત્ર ત્યારા છે માત્ર ત્યા માત્ર ત્યારા છે માત્ર ત્યારા માત્ર ત્યારા છે માત્ર ત્યારા છે માત્ર ત્યારા છે માત્ર ત્યારા છે માત્ર ત્યારા માત્ર ત્યારા છે માત્ર ત્યારા માત્ર ત્યા માત્ર ત્યારા માત્ર ત્યારા માત્ર ત્યારા માત્ર ત્યારા માત્ર ત્યારા માત્ર ત્યારા માત્ર ત્યાર ત્યારા માત્ર ત્યારા માત્ર ત્યારા માત્ય માત્ર ત્યારા માત્ર ત્યાર ત્યારા માત્ર ત્યારા માત્ર ત્યાર ત્યા માત્ર ત્યારા માત્ર ત્યાર ત્યા માત્ર ત્યાર ત્યા માત્ર ત્યા માત્ર માત્ર ત્યા માત્ય ત્યા માત્ય ત્યા માત્ય માત્ય માત્ય માત્ર ત્યા માત્ય માત્ય માત્ર ત્યા માત્ય માત્ય માત્ય માત્ય માત

प्राप्तः (त्र्येयायः)या युत्यः स्यायमायदे वित्यम्यः प्रते हित्यः वित्यः प्रते हित्यः वित्यः प्रते हित्यः वित्य प्रतः प्रतः विव्यम्यः प्रते हित्यः वित्यः प्रते हित्यः वित्यः वित्यः वित्यः वित्यः वित्यः वित्यः वित्यः वित्य

 $\frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac{$ 

# इस्राचल्द्रा क्षेत्र क्षुत्र

इस्रायाः वस्रकारु नृष्टे न्यू ना निवेत नृष्टे त्या सुर्वे कारा त्या र्से नृष्या स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्य

क्र्य-वेन-क्रिय-प्रमास्त्री।

क्रिय-प्रमास्त्री-क्रिय-प्रमास्त्री-प्रम्यस्ति-प्रमास्त्री-प्रमास्त्री-प्रमास्त्री-प्रमास्त्री-प्रमास्त्री-प्रमास्त्री-प्रमास्त्री-प्रमास्त्री-प्रमास्त्री-प्रमास्त्री-

प्राचित्। ।

प्राचित्राचे विष्याचित्राचे विषयाचित्राचे विषयाचित्राचित्राचित्राचे विषयाचित्राचे विषयाचित्राच्याचित्राचित्राचित्राचित्राच्याचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्र

#### पार्शुस्रात्रा (भुषाबात्यातस्य स्वायते देवः)वी

त्रियः श्री श्रान्य स्वर् त्रियः श्री वाष्ण श्री वाष्ण स्वर् त्र स्वर् त्रियः स्वर् त्र स्वर् त्

यवित्रायः(क्रुन्क्षेत्वेन्क्षेत्वेन्क्षेत्वेन्क्षेत्वेन्क्ष्यः)या न्रेस्याक्षे न्रेस्याक्षेत्र्यः क्ष्यायः)या न्रेस्याक्षेत्र्यः न्यायः अर्देव्यायः क्ष्यायः क्षयः क्ष्यायः क्षयः क्षयः क्ष्यायः क्षयः क्ष्यायः क्ष्यायः क्षयः क्ष्यायः क्ष्यायः क्षयः कष्य

५८.र्य.(२६४.क्र.६४.)ज्याम्ब्रम.क्री.५८.र्या अक्ष्मम.म.च.ची

वर्रायते 'बेषार्थे | तिर्देर प्वस्नुव्रायते 'स्रोर्थे स्वां प्रविष्य स्वां स्वां प्रविष्य स्वां प्रविष्य स्वां प्रविष्य स्वां प्रविष्य स्वां स्वां प्रविष्य स्वां स्वां प्रविष्य स्वां प्रविष्य स्वां प्रविष्य स्वां प्रविष्य स्वां प्रविष्य स्वां प्रविष्य स्वां स्वां प्रविष्य स्वां स

য়्र'न। र्टें पः इस्रमः ग्री प्रियम् पर्दिम् । बिस्रमः उत्वस्यम् । दें प्रमः विश्वम् । दे प्रमः विश्वम् । दे प्रमः विश्वम् । दे प्रमः विश्वम् । विस्रमः विस्रमः विस्रमः विश्वम् । विस्रमः वि

बेशन्यत्रकानिक्तित्वात्त्रेत्रचित्रक्षेत्रस्व स्थानिक्षेत्रस्य स्थानिक्

स्व। यन्वाकृत्रस्वारायसर्वाकृताः केटा । श्चित्रस्य स्वास्य विवा । ते प्रवास्य स्वास्य स्वास्य

डि:श्रॅन:शुन:पाट:बेश्वाक:पाट्येवाव:पाट्येवाव:

चि.यावयःलट्यट्सूंट्यः कुट्यः लट्याय्यः च स्त्रायः च स्

#### ह्य'न। प्राप्तिक पर्नेत्या विष्य पर्नेत्या विष्य प्राप्तिक स्वित्र स्वत्य प्राप्तिक स्वत्य स्वत्

न् निव्यक्ति निव्यक्ति । यहित निविष्यक्ति । यहित निविष्

अर्ट्रे.व्री नर्ने वित्रात्त्रेर्या नर्ष्या नर्ष्या विद्यास्य स्थाने व्याप्त निष्या स्थाने विद्यास्य ।

#### স্থান। র্ক্তুঝার্ম্প্রান্ত্র্বান্ত্বান্ত্ব্বান্ত্বান্ত্বান্ত্ব্বান্ত্

र्क्ष्यः अर्क्षण्णान्द्रित् प्रतिविद्यः प्रतिव्याः प्रतिविद्यः प्

म्बुस्य (विष्यायः)य कें कें राम्यून यान्य में कें निक्षु निर्दे। निक्ष स्वाप्त कें कें राम्यून स्वाप्त कें कें राम्यून स्वाप्त कें कें राम्यून स्वाप्त स्वाप्

क्ट-तद्येट-स्-स्-तर्य-त्राञ्च्य-त-द्य-त्य-स्य-त्य-ग्री वश्य-ठर-ग्रीय-वश्य-वश्य-त्य-प्रीय-त्य-प्रीय-त्य-प्रीय-ति-त्य-प्रीय-त्य-प्राय-प्रीय-त्य-प्रीय-प्रीय-प्राय-प्राय-प्र

 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{$ 

### ग्रिषाया(क्टेक्स)दी

अधिवात्तरान्नेयात्वात्तरान्नेश्चरात्त्रम् वात्तरान्नेश्चरान्यस्यर्यस्यर्वेश्चरत्यस्यत्यस्यर्वेश्वर्यस्यर्वेश्चर्यस्यर्वेश्चरत्यस्यस्ययः

यम्प्राचा विष्य मुःचा दे स्वयं स्त्रीया स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं स

श्चित्रःश्चात्रः त्राप्तः त्रीत्रः त्रीत्रः त्रीत्रः त्रीत्रः त्रीत्रः त्रीत्रः त्रीत्रः त्रीत्रः त्रीत्रः त्र प्रवित्रः त्राप्तः त्रीत्रः त्राप्तः त्रीतः त्रीतः त्रीतः त्रीतः त्रीतः त्राप्तः त्रीतः त्रतः त्रीतः त्रीतः त्रीतः त्रीतः त्रीतः त्रीतः त्रीतः त्रीतः त्रत

पितं पार्थे (क्षाय क्षेत्रा ) दी

ङ्ग्याप्तविव नु प्रत्याप्तविव श्री हेव उव विष्य प्रत्ये प्रत्य विषय स्थापित स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापित स्थाप स्थापित स्थापित स्थापित स्याप स्थाप स्थाप स्थाप स्थापित स्थाप स्थापित स्थापित स्थापित स्थाप

বারীশ'শ'(র্দ্বসমূ'ন)বী

ने सूर व विषर्शे।

यित्रं प्रत्यात्रः हें प्रत्यात्रः हें प्रत्यात्रः हें प्रत्यात्रः हें प्रत्यात्रः हें प्रत्यात्रः प्रत्यात्रः हें प्रत्यात्र

८८.त्र.(श्र.पंचर.तंत्र.क्र्यंवायाःश्वर.रचिर.यः)च्री

क्षेट्र त्योलाव्यान्त्रत्र त्या श्रित्र ह्या विवास्तर् विवास्तर त्यो स्वेट्र स्था क्षेत्र स्था स्वित्र क्षेत्र स्वित्र स्वित्र

### इस्राचल्द्रा क्षेत्र क्षुद्रा

चर्ग्नित्रपर्द्रअःविषाः अह्तियः भव्याः श्रुव्याः श्रृव्याः श्रृव्याः स्वात्रप्ताः स्वात्रप्ताः स्वात्रप्ताः स्व अह्तिः पर्द्रप्ताः स्वीत्रप्ताः स्वात्रप्ताः स्वात्रप्ताः स्वात्रप्ताः स्वात्रप्ताः स्वात्रप्ताः स्वात्रप्ताः

च्चे.पर्वेच्च्चर्स्, ख्रेच्चाच्चेद्यात्पुः क्षेट्चर्याः क्षेट्चाः क्ष्याः च्याः प्रच्याः च्याः क्ष्याः च्याः च्य

त्वै शे श्रेंच पति द्वे शे श्रव्य श्रेंच प्रेंच श्रेंच प्रेंच श्रेंच श्रव्य श्रेंच प्र श्रव्य श्रेंच प्र श्रेंच श

त्रुर्राच्याय्याः सेन्द्री द्वेष्ठाः वेषा पी प्यम्पायदि वस्याः स्ट्रिष्ठा प्यम्पायः स्ट्रिष्ठाः स्ट्रिष्ठाः सेवा प्रेष्ठाः स्ट्रिष्ठाः स्

#### प्रतिषायः (त्रेषाबायः प्रत्ववायः प्रति क्ष्यावायः ) दी

ति दी अर्देव स्वरः ह्रिंच वा ची ची दी देशका स्वरं प्राप्त हैं वा स्वरं प्राप्त स्वरं स्वर

त्राः चिश्वः चार्त्वः विश्वः क्षेत्रः चिश्वः क्षेत्रः चिश्वः क्षेत्रः चिश्वः क्षेत्रः चिश्वः चिश्वः चिश्वः क्षेत्रः चिश्वः चिश्

2-विट्र-खिवाबन्तपु-विट्र-त्र-क्री-ज्ञानुबन्तपु-प्रोक्ष्य-प्रोक्ष्य-प्रोक्ष्य-प्रोक्ष्य-प्रमुख्य-प्राक्ष्य-प्रमुख्य-प

### क्यानन् भेराकुत्।

ત્રું અત્યાન્ય કે ક્ર્યું માન્ય વિષ્યાન્ય ક્રેયા સામાન્ય કર્યા સામાન્ય સામા

क्ष्रित्वन्ग्रात्वेष्ठात्वेर्त्त्र वित्ते क्ष्रित्व क्ष्रित क्ष्रित्व क्ष्रित्व क्ष्रित क्ष

પ્રાંત્ર કર્યું ત્રાન્ય કર્યા ત્રે કર્યા ત્રાન્ય કર્યા કર્યા ત્રાન્ય કર્યા ત્રાન્ય કર્યા કર્યા ત્રાન્ય કર્યા કર્યા ત્રામાં કર્યા કરા કર્યા કર્યા

વાનુદાવદ્વ છી क्रायह के विषय प्रत्य कि वाराय के कि

વાશુસાયા (તે.ખાવફેલ લયાસદ્વ ફેવાયાદ્વ ત્યાર હવા ક્રુન ત્યા ક્રુન ત્યા ક્રુન ત્યા ક્રુન ત્યા ક્રુન ત્યા કર્મ ત્યા કરમ ત્યા કર્મ ત્યા કર્મ ત્યા કર્મ ત્યા કર્મ ત્યા કર્મ ત્યા કર્મ ત્યા કરમ ત્યા કર્મ ત્યા કર્મ ત્યા કરમ ત્યા કર્મ ત્યા કર્મ ત્યા કરમ ત્યા કર્મ ત્યા કરમ ત્યા કરમ ત્યા કરમ ત્યા કરમ ત્યા કર્મ ત્યા કરમ ત્યા કર્મ ત્યા કર્મ ત્યા કરમ ત્ય

यातिषात्रा (धिरः श्रे व्यापितः र्देवः)वी

વ્યથાના તું ત્રું ત્ય

યુંમાં શ્રું ત્રાપ્તા સર્ધી. હવે. શ્રું માર્ક્સ ત્રાપ્ત કેવા માં ત્રાપત કેવા માં ત્રા માં ત્રા માં ત્રાપત

यदः स्वार्त्ता क्षेत्र न्या । द्वार्या अस्व अपे । त्वार्या निवार्य निवार्य । त्वार्य । त्वार्य

पविषायः(ध्यतः व्यवानी देवः) व्या अर्देनः तस्त्रवा क्वार्यम् । देवः तस्य प्रति। प्रतः व्यवस्य । व्यवस्य व्यवस्य

 $\frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1$ 

### মান্ত্ৰীশ্বা(₹বा)বী

न्यतः यादः न्याः याव्या । देः तद्देरः ध्रेरः श्रेः क्ष्यां प्यतः स्त्रेष्याः प्रतः स्त्रेष्यः प्रतः त्याः या । यादः स्त्रेष्यः स्त्रेष्यः यादः स्त्रेष्यः यादः स्त्रेष्यः स्त्रेष्यः यादः स्त्रेष्यः स्त्रेष

#### বাধ্যম'ন'(বল্লব'ন')বী

श्चीत् खिदे 'त्र्या'यम् कुयापदे 'त्यद 'त्र्याप् च्याप् केम स्यामा तकत् प्रमान स्यामा हे प्रमान स्यामा है। त्र

विट र्विच प्रति रहुत्य ग्री मान्य मान्य प्रति हिना मिन्न स्था निया स्था निय

पानेष'प'(इ'प')वै।

द्रवाबाह्यस्यात्ते, श्रूनः पर्ट्वनः प्राचिवायः प्रति स्वाबाह्यस्य स्वाववाह्यस्य स्वाववाह्यस्

বার্যুঅ'শ'(রেন্র্রথ'শ')বী

प्रायम् त्रिन्यत् क्षान्यम् विषय्य प्रायम् विषय्य प्रायम् विषयः प्रायमः विषयः विषयः प्रायमः विषयः विष

विष्याच्यान्त्र)यावाषुयाग्री, प्रस्ययाञ्चराचाने

यट वियार्श

### মান্ত্ৰীশ্বা(₹বा)বী

 $\begin{array}{l} |\tilde{\xi}_{1}|_{\text{MM}} = \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2$ 

 $\underbrace{\underbrace{5}_{1}}_{1} \underbrace{1}_{1} \underbrace$ 

यर्ने द्वी प्रचार्र्य्ये निकार्य्य स्वार्थ स्

#### ग्रुअपा (त्र्रेयपा) दे।

### र्देन ल नवस पदि ह्मास पर्छ म्हिमा दी।

र्द्रेन्'याव्यव्यत्त्रत्यं स्वय्यत्त्र्यतः ह्र्येव्यत्त्र्यतः ह्र्येव्यत्त्रः स्वयः व्यव्यत्तः स्वयः स्वयः स्व र्द्धेव्यः स्वयव्यत्तः स्वयः स्व चालव ची ती त्या ता ता हुन हुन हुन स्वाय हुन स्वाय ता हुन स्वर्त हुन निर्वा निर्वा निर्वा निर्वा निर्वा निर्वा हुन स्वर्त हुन स्वर्त

यो. श्रीय-त्यात्र्याः श्रीय-त्रियः व्याप्त्याय्याय्याः विवायः विव

#### डेर्स्टिन्ग्यर्ज्यानी

 $\frac{2}{3} \frac{1}{3} \frac{1} \frac{1}{3} \frac{1}{3} \frac{1}{3} \frac{1}{3} \frac{1}{3} \frac{1}{3} \frac{1}{3} \frac{1}{3$ 

### क्यानन् भेराकुत्

### पर्चेद्र'य'ल'ग्वब्रुष'यदे 'ह्रग्रुष'ग्वेष'वे।

### क्रॅबायक्रियायायव्यायते म्यावाया हिया दी।

दे.ज.वोबबानपुर बुश्चान्तर्यस्थान्यर हुंब क्ष्यां विषय विषय हुंच निष्य हुंच हुंच निष्य ह

पविषायः(अर्वेदःप्यक्षायः क्षेत्रः विष्कृतः पाः) ता व्यविष्ठः या स्वर्तः प्रस्ति । व्यविष्ठः प्राप्तः प्रस्ति । व्यविष्ठः प्राप्तः प्रस्ति । व्यविष्ठः । व्यविष्ठः प्रस्ति । व्यविष्ठः । विष्ठः । विष्वः । विष्ठः । विष्रः । विष्ठः ।

देबायमायनुन्यते वेबार्के ।

#### गहेशरा(इन)दी

য়्व। अर्वेट्यति त्यस्य प्रम्पत्य विषय्यते स्नून्य स

 $\frac{2}{4} - \frac{1}{4} + \frac{1}{4} - \frac{1}{4} + \frac{1}{4} - \frac{1}$ 

खब्याच्यात्रः क्षेत्रः स्वेतः स्व स्वाच्याः स्वेत्रः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेत्रः स्वेत्र

वासुस्रायः(विश्ववायः)दी

प्रिवानम्य प्रस्वान्य प्रति । स्याप्ति । स्यापति । स्याप्ति । स्यापति । स्यापति

अप्रक्षिताः अदि विषाः श्री।

गहेश'य'(ह'च)ही

कृत्यान्यक्षी ह्यां स्वत्याक्षेत्र स्वत्याक्षेत्र स्वत्याक्ष्य स्वत्याचे स्वत्यचे स्वत

णशुअरपः(त्र्चेत्रायः)त्य क्रुश्चर्यरःचत्र्वत्यः)त्य वित्रेत्यर्ये। ह्रूणःचतेत्रःग्रीः ङ्गूणःचतेत्रःग्रीः ङ्गूणःचतेत्रःग्रीः ङ्गूणःचतेत्रःग्रीः ङ्ग्याःचतेत्रःग्रीः ।

### इस्राचल्द्रा क्षेत्र क्षुद्रा

चित्रेयायात्राच्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र स्वात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र स्वात्र्यात्यात्र्यात्यात्य

भुक्षान्तु । व्यान्त्र स्वान्त्र स्

### वासुयायातर्वेवायते स्नून् रहेवायायवि है।

र्ण्यत्येत्रः स्वरः चरः चुः चः गृत्यः गृत्यः गृत्यः चत्त्रुत्यः यः स्वरः यः क्षेत्रः ग्रीः सः स्वा वित्यः चुः चः चित्रः चुः यः वित्यः चुः चः चित्रः चुः चः वित्यः चुः चः चित्रः च

अर्दे.वी वालंजा क्री.क्री विश्वासी क्रिंग्या क्रिंग्य क्रिंग्य क्रिंग्या क्रिंग्य क्रिंग्या क्रिंग्या क्रिंग्या क्रिंग्या क्रिंग्या क्रिंग्या क्रिंग्या क्रिंग्या क्रिंग्य क्रिंग्य

### नवि'रा'यय'ग्री'ॠ्र्र-रेग्'य'नवे'वे।

विष्णत्मः भ्रेटः भ्रीकाक्यां ।
विकारमः भ्रेटः भ्रीकायां भ्रेटः भ्रीक्यां ।
विकारमः भ्रेटः भ्रीकायां भ्रेटः भ्रीक्यां ।
विकारमः भ्रेटः भ्रीकायां भ्राप्तः भ्रापतः भ्राप्तः भ्राप्तः भ्राप्तः भ्रापतः भ्राप्तः भ्राप्तः भ्रापतः भ्राप्तः भ्रापतः भ्राप्तः भ्रापतः भ्राप्तः भ्रापतः भ्राप्तः भ्रापतः भ्रापतः

### गहिषाया (র্বিশ্বর্থ বতর্ব ব

ત્રેન્યન ત્ર્વેન્યન ત્ર્વેન્યન ત્રિયાન ત્રિય

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{$ 

र्चूचाराःजाः सूर्वाबाराबाः जीबारचाः ची वा क्षेट्रा विट्रान्तरः छवः चक्षेट्रान्तावाचे वा वा त्यां त्यां विवारा विव

सर्वरायक्षः स्वरायक्षः स्व

यद्भावा अर्ष्ट्रायाम् वर्ष्ट्रायाम् वर्ष्याचिताः वर्ष्याचिताः वर्षः क्षेत्रायाम् वर्ष्याः वर्षाः वर्ष्याः वर्षाः वर्षः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षः वर्षः वर्षाः वर्षः व

विष्ठायि क्षियायि हिवाका क्षेत्र क्

५८-त्र्.(व्रवाक्रिय-क्र-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्र-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्र-क्र-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय

५८:र्से:(क्ष्रांव्ययाची:वित्रक्ष्य)व्याचाराख्याची:तटार्से अळ्य्ययाचीटान्यं

यब्दिः त्यस्य छितः स्री क्ष्यां यो क्ष्यां प्राप्त क्ष्यां क्

#### নার্ধ্রমান্ (বর্লিশান)বী

म् निस्त्रम् निविद्दे निकासि । विद्यानिकासि । विद्

यविश्वास (विर्वाविःश्वेष्य अस्र ) भाषा शुक्षा श्वी प्रस्ति अस्र अरा श्वी प्रस्ति ।

दे सूर विषार्शे| गढ़ेशय (इप) व

#### ग्रुअ'रा'(त्र्मेल'रा')वै।

च्याः क्षेत्रः त्यां स्वात्तः त्याः त्यः

बुद्दाचितः विकारमा क्षेत्राची स्वेतः देवा का क्षेत्राची क्षेत्र क्

ण्युअःयः(क्ष्र्यःव्यःश्चेःन्वेःवः)व्य न्वेःवःन्देषःन्तः। र्हेन्यःश्वरःवर्दे। वित्रःवःन्ते। वित्रःवःन्ते। वित्रःवःन्ते।

र्झें अ'या अ'दे 'इस या दु 'बिया के 'वा या वा या या विषा ग्री 'दूर र्ये ('इ'व') वी

ॾॱन। ने ने क्व कवाब भेदा प्रते हिन | क्व प्रति प्रति प्रति प्रति । न्हे न भेव | इसप्रवास इसप्र न्व र प्रति प्रति ।

विवाः केवाः क्यां व्यां क्यां व्यां व्यां विवाः क्यां व्यां विवाः विवाः

### বাধ্যম'থ'(এর্থথ'শ')বী

धरः चुः दर्षे बः धवेः देवः दे।

યાલળાનું એન્ડાન્દ્રના જન્એન્ડાનું સુત્રાન્યના સુત્રાના સુત્રાન્યન સુત્રાન્યના સુત્રાન્યન સુત્રાન્યન સુત્રાન્યન સુત્રાન્યન સુત્રાન્યન સુત્રાન્યન સુત્રાન્યન સુત્રાન્યન સુત્ય

पविषायायवायापविषाग्री:न्दार्थें (इपा)वी

યોશેટ. પ્રયાન સામાર ક્રિયાન સૂત્રાન સુત્રાન સુત્રાન

मित्रेषाया (विशेषाया) भी दें व प्राया हैं का है हिमाबा आ श्रीपाया प्राप्ता श्री व स्थिताया आ श्रीपाया के विशेषाया विशेषाय विशेषाय

સૂંચાયતું.પાચાળવે.તારાબા ડ્રેવ.વંશાત્રાયા શૈયાયતું.સાંચાયતું.સુંચા પાયા ત્રાંથીયાત્રાયા સુંચાયતું.પાચાળવે.તારા ત્રાંથીયાત્રાયા સુંચાયતું.પાચાળવે.તારા ત્રાંથીયાત્રાયા સુંચાયતું.પાચાળવે.તારા ત્રાંથીયાત્રાયા સુંચાયતું.પાચાળવે.તારા ત્રાંથીયાત્રાયા સુંચાયત્રા ત્રાંથીયાત્રાયા સુંચાયતું.પાચાળવે.તારા ત્રાંથીયાત્રાયા સુંચાયતું.પાચાળવે.તારા ત્રાંથીયાત્રાયા સુંચાયતું.પાચાળવે.તારા ત્રાંથીયાત્રાયા સુંચાયતું.પાચાળવે.તારા ત્રાંથીયાત્રાયા સુંચાયતું.પાચાળવે.તારા ત્રાંથીયાત્રાયા સુંચાયતું.પાચાળવે.તારા ત્રાંથીયા ત્ર

प्रिमान्य (गुवार्स्य पाष्ट्रमाया सम्मान्य प्रते प्यवः) वि

દ્વાનું ગાંવ દ્વાનું હિયાના સાન્યત્રાનું સુંચાયત્રા સુંચાયત્રા

पितृषाया (ब्रेन्याया र्हेन्या श्वराया) भी र्नेत्रात्या त्रेंश्वराया हैं स्वराया है स

स्त्रीयात्राम् विषयात् विषयात

### प्रातेशस्य(इत्रा)दी

हान। न्रेंबर्यं नर्हेन्न् अन्यामा विश्वस्य न्रिंव विवार्धित। विश्वस्य न्रिंव विवार्धित। विश्वस्य न्रिंव विवार्धित।

क्ष्र्यात्रेयः व्याप्त्रः व्याप्तः व्याप्त्रः व्याप्तः व्याप्त्रः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्यापत्रः व्याप्तः व्यापत्रः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप

#### ग्रुअ'रा'(त्र्मेल'रा')वै।

यदेव्ययमञ्क्रीद्रायते क्रियाचे प्रत्याचे प्रत्याच प्रत्याचे प्रत्

णिक्षाया (व्यक्षाया) मासुआ ग्री प्रस्थाया असंस्था श्री स्रिम् प्रिक्ष्या श्री विष्या प्रस्था श्री विष्या प्रस्था श्री विषया श्री विषया श्री विषया श्री विषया श्री विषया श्री विषया विषया श्री विषया व

र्द्व-द्वअन्य-त्वेय-विक्निः चित्र-विक्निः विक्निः विक

गशुअ'रा'(त्र्येल'रा')भा

बःয়ৢॸ्ॱॸॖॱॿॖॎॸॱय़ॱয়ॱॻॗॸॱय़ॱॸॣॸॱऻॗॸॕक़ॱॸॖ॓ॱढ़ॸॕॸॱऒढ़ॱॿॕऻ। ॸ॔॔ॸॱय़ॕॱ(ॿॱॿॢॸॱॸॱॹॼॖॸॱय़ॱॵॖज़ॱय़ॱऄॵॖॱॸ॔ॸॱय़ॕऻज़ऄॱॸॿॣॖॸॱय़ॱॿॆऻ

स्याञ्चिताञ्चात्राच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच

यहिषाया (ईवःयः श्वरःयः) दी

<u>५२</u>:५:प्रेचित्रपु:पर्क्केंश्रयःप्रयास्त्रस्त्रस्त्रम्, सुयापु:स्वरायदे:प्रयापित्रप्रयापित्रम्, प्रयापित्रप्रयापित्रम्, प्रयापित्रप्रयापित

# इस्राचल्दा क्षेत्र कुत्

ક્રુ : ક્રેવ : ક્રેવ : ક્રેલ : ત્યારા સ્થાય : ત્યારા સાથી વારા ક્રેલ : ત્યારા ક્રેલ : ત્યારા

### यानिषाम (दिवान्यायान्त्रेषाने वर्देनायवा) दी

र्ट्रेब-द्यायर क्षय्याययेषा च्चेट्रायर च्या चित्र के प्याप्य के प्राप्य के

पानेश्वर्ता (वःश्वर्तायाः क्षेत्रायते स्त्रित् स्वर्ता)या स्त्रित्यात्रा पानेश्वरा ची ।

प्राची पानेश्वरायाः क्षेत्रायते स्तर्भाताः स्तर्ता ।

प्राची पानेश्वरायाः स्वर्तायाः स्वर्तायाः स्वर्णायाः स्वर्णायः स्वर्णायाः स्वर्णायाः स्वर्यायः स्वर्रे स्वर्णायः स्वर्या

गहिषाया(इस्मा)दी

### ञ्चान। राया वे क्या वित्र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्

ગ્રીયાન ક્રિયાન ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ક્રિયાના કર્માં કરમાં કર્માં કર્માં કરમાં કર્માં કરમાં કરમાં કર્માં કર્માં કર્માં કરમાં કર્માં કર્માં કર્માં કર્માં કરમાં કર્માં કર્માં કરમાં કરમાં કરમાં કર્માં કર્માં કર્માં કરમાં ક

#### বার্ষ্ষাম'(বের্বাঝম')বী

ત્રું ત્યાના ત્રાના ત્રાણ ત્રાણ

चिष्ठान्तः(ज्वन्)लाचाश्वराश्ची-दर्श्वाश्चर्यात्रिस्त्रः विष्ट्राच्याः विष्ट्राचः विष्ट्राच्याः विष्ट्राचः विष्ट्राचः विष्ट्राचः विष्ट्राचः विष्ट्राच्याः विष्ट्राच्याः विष्ट्राचः विष्याः विष्याः विष्यः विष्ट्यः विष्ट्राचः विष्ट्राचः विष्ट्राचः विष्ट्राचः विष्ट्राचः वि

है :ब्लून्प्यत्रः हैंन्यः ने विकार्वे । महिकायः (हानः) वै।

স্ত'ন। सर सेते 'द्ये 'धी र्स्व पा ग्री षा दी। वर सेंदि र्से बा दे द समा पा प्रमुद्दा।

महास्रायः (त्रेवायः )या हिंदायते यावादिका द्वायः प्रत्या देवायः विकास वितास विकास वितास विकास वि विकास विका

५८.५ू.(क्ष्यंत्रप्रें संग्रेच)जाविकामीः सर्पा श्रितः कृषाः सरास्त्रां संग्रें का स्रोतः स्रोत्ता स्रोतिका स्रो

प्रतिषाया (भूत्रक्षाया विकासका वेष्ट्रका स्रोत्र प्रति से स्रोत्र प्रति ।

ર્વા ત્રીન્યાના ક્રિલ્સાના ક

### ग्रिकार्य (क्ष्र्वाव्यक्ष्याः विष्यक्षेत्र प्रते प्रते

### ग्रिषाया (५२१६४ व मुराया) दी

સ્તાનું ત્રાસ્તાનું ત્રાસ્તાનું સુતાનું સુતાનું ત્રાસ્તાનું સુતાનું સુતાનુ

प्रित्राव्य प्रमान्य प्रमान्य

 $\hat{\xi} : \frac{1}{2} + \frac{1}{2$ 

यविद्यारा(इ.य.)वी

ગુત્રાના ત્રેનાના સુંત્રાના સ્ત્રાના સુંત્રાના ત્રાના ત્રાના ત્રાના સુંત્રાના સુંત્રાન સુંત્રાના

यर् वे दे दे त्राप्त विव ति त्या पर्चे ते हे कि ता ह्या त्या व क्ष्या क्ष्या व क्ष्या क्ष्या व क्ष्या व क्ष्या व क्ष्या व क्ष्या क्ष्या व क्

# इस्राचल्द्रा क्षेत्र क्षुत्र

च्य-विवान्य-जिर्दे क्षुयानु की त्राक्षेत्र प्राप्त की त्रिक्ष की विकाली । किषाली । किषाली विकाली । किषाली विकाली । किषाली किष्य की स्थित जिर्चे की स्थित ज

पासुस्रायः (त्र्वेतायः)त्प च्यास्रिते स्तित्ता दे हिंग्सायः ह्यासासुः त्युरः स्त्री । प्रास्ति । दे सिंग्सितः स्ति।

द्यावार्यः च्यावार्यः द्यावार्यः द्यावार्यः द्यावार्यः विष्यः प्राप्तः विष्यः प्राप्तः विष्यः प्राप्तः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विषय

ત્રેયાના સંત્રાના સંત્રાના સંત્રાના સંત્રાના સંત્રાના સાથે ત્યાના સાથે ત્યાન સાથે ત્યાના સાથે ત્યાન સાથે ત્યાના સાથે ત્યાન સાથે

સુંુિંત્યઃ ત્રાન્યાન્ય ત્રાન્ય ત્ર

विष्यासुः सेन्या चरार्थे र्हेवाषायान्य स्वानि र्वेषान्य यान्य विष्यासुः सेन्य स्वानिष्य सुः सेन्य स्वानिष्य सु

श्चितार्च खेयाचा ता अर्देव सुधा तु सुवाया सु सुद राये सुरा

ત્રાં માં ત્રાસ્ત્રાનું સ્ત્રુપ્ત સ્ત્રુપ્ત

प्रिक्षायः(देःह्र्याबार्यःह्रयाबासुःत्युक्तःस्त्र्यः)दी

ग्रुअ'रा'(धुरःश्चःक्ष्व'यदेःह्वाबाग्रीः)र्देव'र्स्यूर्यादी

श्चॅ्रचयातेषार्श्वा

८८:र्रे (अळअषाञ्चराय)दी

ट्र्मूबर्ग्यक्षःश्चित्तात्वेबर्ग्न्यं। विषयःश्चेर्त्यव्यक्षःश्चित्तात्वःश्चर्यः। विषयः। विषय

यविश्वर्या(इन्ना)या नर्देशःग्रीःर्नेवर्ना यावागाःश्वरःचर्ते।

५८:र्थें (५६० के के के

स्रु स्यायर त्येणायया वेषा द्वायते स्रु न्।

स्रु स्यायर त्येणायया वेषा स्रु न स्याय स्रु स्यायर त्येणाय स्रु स्यायर त्येणाय स्रु न स्यायर त्येणाय स्यायर स्यायर त्येणाय स्रु न स्यायर स्याय स्यायर स्यायर स्यायर स्याय स्यायर स्याय स्यायर स्याय स्या

বারীশানা (মুরাশাস্থ্রদান)বী

 $\frac{1}{4} \int_{0}^{1} \left( \frac{1}{2} \right)^{2} d^{2} d^{$ 

५८.स्.(यब.म.)ची

ग्रिश'रा'(এব')বী

यातिषार्या (भूनिते सुषा ईन्यान्देवा) वि

ત્રું ત્રેત્ર ત્રું ત્રાસ ર્ફ્સાય સ્ટ્રેંદ ત્ર ત્રાસ લાગ ત્રાસ્ત્ર ત્રું ત્ય

ঘান্তম্ম'(এব:)বী

वासुस्रासः(अरः ५८: तवायः वःश्वरः व) या वावः गाः ५८। यवः वी ।

८८.सूर्यः(यवन्यः)दी

न्तेत्र प्रमाण्या वर्षा वर्षा

### यातेषाया(यवः)वी

বৰি'ব'(क्'ভ্ন'দ্ৰশ্ৰ'ন')আ শ্লব'শা'ব্ন'। অব'ৰ্বী। ব্ন'ৰ্ব্ব'শ্')বী।

ঘান্তবানে (এব.)থা

र्वे चे स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वापति

पितुषान्य (चुस्रमान्य त्यातात्व त्याता) वी

स्वार्त्ता विश्वस्य प्राप्त क्षेत्र क

ण्तुअर्थः(विशेष्यः)यो न्रेस्यःश्चेः र्नेत्रा स्त्रतः मार्श्वरः या नेयः श्वापः यतः र्नेतः र्ने। न्रियः श्वापः यतः र्नेतः र्ने। न्रियः श्वापः यतः र्नेतः र्ने। न्रियः श्वापः यतः र्नेतः र्ने।

યાલીયાયાયાયું તાર્સુતાલેયાલી સામિત્રાસી સ્ત્રામાં સ્રામાં સ્ત્રામાં સ્ત્ર

થેવ-તતુ. દ્વેય જેત્- લે ત્રાં ક્ષેત્રન્તું નિત્રેવ-તદ્વેય ગ્રીશ્વન્તું સ્ત્રન્તું સ્ત્રન્ત્યાન્ત

न्नु-स-प-पा-पा-सिक्द-स-पर-प्रमुद-पर्दे।

५८.स्. (वेब.स्याराज्यवीयातप्राचीयातप्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्या

मूँ द्वान्यायते द्वान्यायते न्यान्याया वित्याया वित्याया वित्याया वित्याया वित्याया वित्याया वित्याया वित्याया

त्रेन्यः भ्रात्त्रः भ्रात्तः भ्रात्तः भ्रात्तः भ्रात्तः भ्रात्त्रः भ्रात्त्रः भ्रात्त्रः भ्रात्त्रः भ्रात्त्रः भ्रात्तः भ्रात्त्रः भ्रात्तः भ्रातः भ्रातः

च्ये ने प्रवित् न्तु प्रवित् न्तु प्रवित् न्तु ने क्षण्या व्यक्षण्या विष्यक्षण्या व्यक्षण्या विष्यक्षण्या विष्यक्षण्यक्षण्या विष्यक्षण्या विष्यक्षण्यवेष्यक्षण्यक्षण्यवेष्यक्षण्यवेष्यक्षण्यवेष्यक्षण्यवेष्यक्षण्यवेष्यवेष्यवेष्यवेष्यवेष्यवेष्यवेष

ગુનવે તું કે ઋંતન્વત્ત્વન ત્રાં ક્રિયાના ક્રિયાના ક્રિયાના ક્રિયાના ક્રિયાના ક્રિયાના સ્થાન ક્રિયાના સ્થાન ત્રાં ક્રિયાના સ્થાન ક્રિયાના ક્ર

ग्राट्स स्नून पति स्वत् स्वते स्थाय पुरान्त्र । विष्य पति ।

यान्यायत्रः क्षेत्रायत्रः क्षेत्रायत्रः क्षेत्रः वित्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः कष्णे क्षेत्रः वित्रः क्षेत्रः कष्णे कष

महिषाया (न्ये अ मुन्यते त्यवः) भा नृतु अ न्यः भान्ये अ मुन्यः मुन्यः मुन्यः व न्यः मुन्यः मुन्यः व न्यः मुन्यः मु

यद्भः त्री स्वाप्तिः विष्णः विद्यात् स्वाप्तिः त्यत् द्वाप्तिः स्वाप्तिः स्वापतिः स्वापति

ग्रियापा (द्वाञ्चानायाप्यायाम्या)वी

च्याने प्राप्त प्र प्राप्त प्

ग्रुअप्(देशःश्वरपदेःद्वः)दी

प्रति स्वाकासारेकान्नि स्वान्यते स्

### गतेशया(इन)वी

য়्व। बेंबबाक्तः विद्वाने विद्

#### বাধ্যম'থ'(এর্নিশ'্ম')বী

ब्रिट्रमायतः क्र्रेंट्रम्प्रस्था म्यान्त्रम्था म्यान्त्रम्यान्त्रम्था म्यान्त्रम्था म्यान्त्रम्यान्त्रम्था म्यान्त्रम्यान्त्रम्था म्यान्त्रम्था म्यान्त्रम्यान्त्रम्था म्यान्त्रम्था म्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्था म्यान्त्रम्था म्यान्त्रम्था म्यान्त्रम्था म्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम

र्श्वेर-पर्वः धुयावे :धुयाद्र-विषार्शे । श्वेंर-पर्वः र्रेन्दे श्वेंर-पर्वः विषय्वे । श्वेंर-पर्वः द्वेः विषय्वे ।

न्गः इस्रमः शम्यः देः त्रमः प्राप्तः विषायः वषः व्यवसः शम्यः प्रति क्ष्यः प्राप्तः विष्यः प्राप्तः विष्यः प्रा गसुस्रायः (विष्यः प्राप्ते विष्यः प्राप्ते विष्यः प्राप्ते विष्यः प्राप्ते विष्यः प्राप्ते विष्यः प्राप्ते विषयः प्

क्यावरःक्ष्मीं पाश्चार्यात्र विषात्र पात्र विषात्र पात्र विष्य पात्र विष्य पात्र विषय प

चाट्रत्यक्षः चार्त्यत्वे विश्वास्त्रः विश्वस्त्रः विश्वस्त्रः विश्वस्त्रः विश्वस्त्रः विश्वस्त्रः विश्वस्त्य

विषान्त्रविष्ण्याः स्रांत्रायाः स्रांत्रायाः स्रितः विष्णः स्रितः चित्रः विष्णः विष्णः विषणः स्रितः विषणः स्रित स्रित्यः प्रितः चित्रः त्याः स्रितः विषणः स्रितः चित्रः विषणः चित्रः विषणः चित्रः विषणः विषणः विषणः विषणः स्रि स्रितः चित्रः चित्रः चित्रः विषणः विषणः स्रितः चित्रः विषणः विषणः विषणः विषणः विषणः विषणः विषणः विषणः विषणः वि

चेवा-पःळेवःर्यः चःध्वेरःश्चःश्चेवाःवीःह्वाश्चर्याः व्यव्यः द्वेतः चुतः चतुतः प्रवायः व्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः व चतुत्रः वाववः वाशुग्रः रवावायः प्रवायः द्वायः वितः व्यव्यः द्वेतः चुतः चतुतः प्रवायः वितः वितः वितः वितः विवाय

સ્ત્રા કોમ્યાન્ય સ્ત્રા ત્રા ત્રા કોમ્યાન્ય સ્ત્રા વાય ત્રા કોમ્યાન્ય સ્ત્રા કોમ્યાન્ય કોમ્યાન્ય સ્ત્રા કોમ્યાન્ય કોમ્યાન્ય સ્ત્રા કોમ્યાન્ય કા

# क्यानन् भेराकुत्

क्र-त्यन्त्र-प्राक्ष-प्राक्

#### वासुयःपः(भ्रवन्नःवः)दी

ॻॖॱॸॱॴॴ इसःगुवःसर्वःपरःहॅग्वःपरःस्वाकःपरःहॅग्वाकःपर्वःभ्रान्वःपर्वेकःसर्वःपरःहॅग्वाकःपर्वः क्ववःर्वेकः चुःनःपत्वा इसःगुवःसर्देवःपरःहॅग्वाकःपरःहॅग्वाकःपर्वःभ्रान्वःपर्वेकःसर्वेवःपर्वे॥॥

श्रीयमः यवि यः र्ह्यामः स्वी

### 

५८.५.(श्र. १५८.५.५) ली ट्रॅट. की. डे. हीं नी डे. हीं नी हे. हीं नी हे. हीं नी हे. हीं नी हे. हीं ने हैं ने हीं ने

हणन्। हो त्यायान्य प्याप्त होना हो त्यायान्य होना हो स्वाप्त हो स्वाप्त होना हो स्वाप्त हो स्

हैं स्प्राचित्रपतिः ह्यां प्राचित्रपतिः ह्यां स्वाक्ष्यस्य प्राचित्रपतिः ह्यां स्वाक्ष्यस्य प्राचित्रपतिः ह्या स्वाक्ष्यस्य प्राचित्रपतिः ह्यां स्वाक्ष्यस्य प्राचित्रपतिः ह्यां स्वाक्षयः स्वावक्षयः स्वावक्षय

यदःतपुः भ्रेचबः शुः क्रूंदः क्षेदः त्याद्यः स्वावः शुः विवाः यद्वाः स्व्याः स्व्याः स्व्याः स्व्याः स्वयाः स्व विवायः विवायः स्वयः स्

स्त्री रवाद्विरावाराच्चराक्षेत्रः स्वाद्याच्यात्रः स्वाद्यात्रः स्वाद्यात्रः स्वाद्यात्रः स्वाद्यात्रः स्वाद्य वर्षा वर्ष्ट्रस्वरादिकारे स्वराद्यात्रः स्वराद्यात्रः स्वराद्यात्रस्व स्वर्थः स्वर्धात्रः स्वर्धः स्वर्धः स्वर स्वाद्यात्रः स्वर्धः स्वराद्यात्रः स्वराद्यात्रः स्वराद्यात्रः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः

### विश्वास (विश्वस्यः) दी

इस्रायात्रकुः विदेश हो हो स्वायात्रकार्य स्वायात्र हो वायात्र स्वायात्र स्वय

# क्यानन्द्रभ्रेटःकुवा

ब्रम्भारत्ये । स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर

र्से स्वापायि स्वापाय स्वापा

ପ୍ରଶ୍ରୁପଂପ୍ରମିଂର୍ଦ୍ଧଶ୍ୱୟଂଧା ह्रण्याचे । स्वायाचे । स्वायचे । स्वायाचे । स्

न्द्रीयाबासान्ता। बाद्याः क्रुबाः ग्रीः सुः तसुः वाद्याः याद्याः वाद्याः व

यद्वारायः प्रमुषाय्ये प्रमुषायात्रे व प्रमुषायात्रे व प्रमुष्ठा प्

ब्रुट्टि स्वाबार्स्ट्रियायते स्वीया

ग्रियापा (इ.श्व.इ.श्वर.)पाग्ययाग्री र्ट. त्री यक्ष्ययाश्चिरापादी

ने सूर लेश र्शे।

### गहेषाय'(हान)दी

 $\frac{1}{3}$ ન્સંતિ  $\frac{1}{3}$ ન્સંત્ર ત્યાના ત્રામાં ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામા

### मासुस्रायः(त्रम्यःभ्री

हैं स्रितः हैं हुँ र विवायि जवसाम्भवसावहुः दुवा वी र्रे र्वे दि रहे रहे स्रितः स्रितः

चरु:त्वार्थःगटःवेःवा

नश्चितः चुतिः क्रूष्यः स्थाप्ता ह्रण्याचित्रायाद्वीतः प्रमाण्याचितः प्रमाण्याचः प्रमाण्याचितः प्रमाण्याचितः प्रमाण्याचः प्रमाण्याचः प्रमाण्याचितः प्रमाण्याचितः प्रमाण्या

ૢૺ.ઌૹ.લિએ.ત્ર-ત્ર-કું.કુંસ.ગ્રી.કૂંયજા.ગ્રીશ.સેન.તર્સ્યાન્યસ્તિ.તર્સ્યાન્યસ્તિ.તર્સ્યાન્યસ્તિ.તર્સ્યાન્યસ્તિ.તર્સ્યાન્યસ્તિ.ત્રાસ્ત્રિયાન્યસ્તિ.ત્રાસ્ત્રિયાન્યસ્તિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્તિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્તિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્તિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્તિયાન્યસ્તિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્તિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત્રિયાન્યસ્ત

# क्यानन् भेरामुना

इसमार्देव'न्स'यर'सै'न्सेग्नायर'र्हेग्नायपते'स्त्रेर्

यह्त्राचि.धुट.वी.बुत्राच.लब.कुब.विट.त्य.टी.प्यवीब.त.सूच्यात.ट्ट.तब्बाव्य.विट.त्य.विवाय.कुत्य.विट.त्य.विवाय.विट.त्य.विवाय.विट.त्य.विवाय.विट.त्य.विवाय.विट.त्य.विवाय.विट.त्य.विवाय.विट.त्य.विवाय.विचाय.

त्तुन्नित्रित्र्त्त्र्यः स्वरः वर्षः वर्षः स्वरः स्वर

ग्रुअ'र्'(पर्वेर्'पर्वे हे र्बेर')याग्रुअ'ग्री'र्र यर्केअल'ह्युर'राजे।।

हे स्रितः चे हुँ र ग्री तिंगानु रे स्वर्य र पहले प्रायम् पर्वे प्रायम परवे प्रायम पर्वे प्रायम पर्वे प्रायम

गहेष'य'(हरा)दे।

# भूतराष्ट्रमा हे सेंदे सुँरना

য়'न। गुवःअद्वेवःवेदःपासुअःकेंबःइअबःग्री। पिंदबःसुःहेंपाबःयःत्रुः सेदःय। बिस्रवःरुवःर्देवः पिंदबःश्रेःगर्हेदःय। विह्वःयःवेषःवेःसर्देवःयरःवर्हेद।।

च्रेच-क्रव-क्र्य-प्रत-ह्रेच-क्रय-चर्चन-प्रत-क्रय-क्रय-चर्चन-प्रत-क्रय-चर्चन-प्रत-क्रय-प्रत-क

देश्च्याः श्रीत्रा वित्रायतः तम्ब्रायतः श्रे श्रीय्याः वित्रायते श्रीयः श्रीयः वित्रायते त्याः श्रीयः वित्रायते श्रीयः श्रीयः श्रीयः श्रीयः वित्रायते वित्रायते वित्रायते श्रीयः श्रीयः

યુષ્યત્રના તમ્યા ત્રાસ્ત્રના ત્રાસ્ત્રના ત્રાસ્ત્રના સ્ત્રામાં સ્ત્રામાં સ્ત્રામાં સ્ત્રામાં ત્રાસ્ત્રના ત્રામાં ત્રામા ત્રામાં ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત્રામાં ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત્રા

पवि'प'(र्र्ड्स'अर्र्डन्'हें क्रुंर')त्यं मुख्याची प्रदर्भ अर्द्ध्यम् क्रुंर प्रवी

चह्रवःपतिः हे : व्याप्तः विवादिः विवा

गतेषाया(इसा)दी

# क्यानन् भेराकुना

क्ष्यः अर्क्षेपः स्टें स्व स्व न्य स्व स्व न्य स्व न्

અદ્વાર્શ સ્વાયા સ્વાયા સ્વાયા ત્રાપ્ત ત્રાપત ત્રાપ્ત ત્રાપત ત

$$\begin{split} & -\zeta \zeta_{M} \cdot \omega_{M} \cdot \omega_{M$$

यातेशयः(र्द्वन्वश्चरा)वी

### ८८.स्. (अक्ष्रब्ध्यस्यः)

देशन्यर त्र हो न्यते क न्य स्वात स्व

मिलेश प्राचित्र मिलेश संस्था देश प्राचित्र प्राचित्र

### पानेशपा(इपा)ने।

सुन। तह्यायाद्यत्ये क्वायात्। वात्यः प्रति क्वायात्। वात्यः प्रति क्वायः क्वायः विवायः विवाय

विद्याः त्रियः त्रियः प्रस्ति । विद्याः । विद्याः प्रस्ति । विद्याः । विद्याः प्रस्ति । विद्याः । विद्य

#### चार्षुस्रासः(त्र्मेयासः)दी

यद्याचराश्राह्मात्राष्ट्राङ्क्ष्रीराश्चेश्वाश्चाह्मात्राह्मण्यात्यात्राह्मण्यात्रात्राह्मण्यात्राह्मण्यात्रात्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्यात्रात्यात्रात्रात्रात्य

ब्राल्य स्थान्त्र म्यान्त्र म्या

पविषाय (वह क हैंग अर्दर प्रमुक ) या पासुया ग्री न्दर्ये। अर्ळ अषा श्रुर पासी

देःसूरःवेषःश्र्रा

# क्यानन् भेराकु

#### गहिराया(रापः)दी

न्याः तृः तर्देत्। । इंग्ना क्रिंके वें तर्यवाकान्ते प्रका विषयकारुव स्वान्य प्रकार्य प्रमा । इसिंके वें प्रदेव प्रमा

ङ्गन। ने न्वार्क् क्रॅरन्तु चन्वा क्रेन्। विश्व क्रेन्। ने न्वायान वी विदेश विद्या विदेश विद्या विदेश विदे

दे.र्वाःश्रॅंस्र्र्र्य्याः विद्र्याः विद्र्यः विद्र्याः विद्र्याः विद्र्याः विद्र्याः विद्र्याः विद्र्याः

#### पासुअ'रा'(त्रोल'रा)दी

हुन लेकाई के यान्यविदासक्ष्यकान्त्र विदान स्वानियां विद्यान स्वानियां स्वान

यद्मुः र्षेत्रः विक्रित्ता के स्वित्त के स्वित्त के स्वत्त के स्व

न्त्रं (ववटक्वाक्वर्यक्षर्)ण यहिवास्वविटक्षेव व्यित्यास्वविटक्षेव विष्यास्व

# भूनराष्ट्रमा हे सेंदे सुँरना

#### गहेराया(इन)दी

द्धकानुःय। विद्वापितः क्षेत्रकान्यः हेव क्ष्यः भी विद्यान्तः विद्यानः विद्यान्तः विद्यान्तः विद्यान्तः विद्यान्तः विद्यान्तः विद्यानः विद्यान्तः विद्यानः विद्

ગ્રીયા વ્યાપાલ માં માં માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રામ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રામ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રામ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રામ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રામ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રામ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રામ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રામ માર્ગ પ્રામ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રાથમ માર્ગ પ્રા

#### বার্যুঝ'শ'(বের্রাঝ'শ')বী

विषायक्षेत्रः भी द्वाराय्येत्रः स्वार्यः स्वरं स्वार्यः स्वरं स्वरं

> यविश्वाय (७५:४२)या यस ग्री:क्यु:५८। दें र्च:५८। दन्न वर्ज्य पुर्दे। । ५८:र्थे (यस ग्री:क्यु:)वि

यार्स्रवामान्यः त्यात् व्याप्ताः स्वाप्ताः स्वापताः स्वा

# क्यानन् भेराकुता

पविषाया (प्रमान्नी संस्का) प्राया प्रसान्त्र प्राया प्रसान्त्र । प्रसान्त्र प्राया प्रसान्त्र । स्राया प्रसान । स्राया । स्

दे.क्र्यान्यस्य विष्यान्यस्य विषयः विषयः

বারীশ্বানের ব্রিক্রান্ত্র বিষ্ণান্ত্র বি

विषायते न्रीवाषायायायात् व्यापानायान् येवाषायायीव हो। क्रेंबा स्रय्या उत् खूटा यक्तृवार्यया विष्टा नु

ग्रासुस्राय'(सूरानुःवर्ह्स्यमायवे नुमाय)दी

याशुस्रायः(व्यवःश्चेःव्यव्यव्यः)व्य| रटःर्देवःद्राः। याववःर्देवःर्हे। । प्रदःर्देवः।वी

इस्रायितः क्रेंत्रः क्रेत्रा विवाः क्रेत्रः राष्ट्रीः हैंवासः याय्यवरः व्यवाः यायः विवाः विवाः विवाः विवाः विवा क्रियः यायः विवाः क्रेत्रः क्रेत्रः क्रेत्रः क्रेत्रः क्रेत्रः क्रेत्रः क्रेत्रः क्रेत्रः क्रियः विवाः विवा

यादेशःयः(णवनःर्न्नः)या याववःर्न्नःचेन्यतः तुषःयःन्नः। यशःन्नः। यञ्चः नुर्दे। ।
न्नःर्यः (णवनःर्न्नःचेन्यते तुषःयः)वै।

वेग्-पळेव-पॅर-रेग्बर-देश-पःक्ष्यापः क्ष्यापः क्ष्यापः विद्यापः विद्य

श्रेयायमाण्वतः द्वा भे द्वा भे त्या प्रतास्त्र भे त्या प्रतास्त्र भे त्या प्रतास्त्र भे त्या प्रतास्त्र भे त्य भ्रेयायमाण्यवतः द्वा भे द्वा भे त्या प्रतास्त्र भे त्या प्रतास्त्र भी स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप

वासुस्राय (वन्न वन्तु)दी

देवाबारुवाचाराचेत्राधीःश्चे चें वसबारुत्श्चात्वाचार्यः वित्राचेत्राचार्यः वित्राचार्यः वित्राचीत्राचीत्राचीत्र देवाबारुवाचाराचेत्राचीश्चे चें वसबारुत्श्चात्वाचार्यः वित्राचीत्राच्याचार्यः वित्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राची

# भूनराष्ट्रमा हे सेंदे सुँरना

यह्रीरायुः

प्रविद्याया प्रमास प्रम प्रमास प्रम प्रमास प्रमास

#### यादेश'य'(हम्भ)दी

बिषार्स्रण्यास्त्री। विषार्स्रण्यास्त्री, त्यात्रीं त्यात्रीं त्यात्रीं विषायात्रया प्रत्यात्री स्वाप्त्रात्री स्वाप्त्रात्री विषायात्रया प्रत्यात्री स्वाप्त्रात्री स्वाप्त्र त्यात्रीं स्वाप्त्र त्यात्र क्षेत्र त्यात्र कष्टित क्षेत्र क्षेत्र त्यात्र कष्टित क्षेत्र क्षेत्र त्यात्र कष्य कष्टित क्षेत्र क्षेत्र त्यात्र कष्टित कष्

#### पार्श्वस्यः(पर्ग्रेयस्यः)दी

ત્રાયું.તાત્રાન્ની ત્રાયું સ્ત્રાપ્તર ફ્રેવાના ત્રાયું સ્ત્રાયું ત્રાયું ત્

# क्यानन् भेराकुता

तृत्र प्रतः क्रिंच क्र

यातिषां पार्वा क्रिक व्याप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत

त्रअः वित्रः यत्रः रहतः श्रीकः र्येत्वः सुः दिद्देतः यः येत्रः यथितः हो। त्रो प्रदे प्रदेशः यथिकः यात्रवः यात्र व्यथः प्रदेशः स्त्रेतः श्रीकः स्त्री

५८.द्रं (पावव र्द्व मुन परे विचया द्राव पर) दी

णवित्रः र्नेतः श्चितः प्रतिः त्यायाः स्वरः प्रतः प्रवरः तेतः श्चितः प्रतः त्यायाः स्वरः त्यायाः स्वरः त्यायाः वित्रः श्चितः प्रवरः स्वरः त्यायाः वित्रः स्वरः त्यायाः स्वरः त्यायः स्वरः स्वरः त्यायः स्वरः स्वरः स्वरः त्यायः स्वरः स्वरः

प्रतिषार्य (स्टार्नेब क्षुन यदे वनका नुस्रव या) दी

 $\hat{a}_{1}$ ન્યાં ત્રાન્ય ત્ર

८८.स्.(श्रम्बर्गरान्यवस्यः)वी

ग्रीयार्स् । श्वाद्यायाः के क्षे प्रतिः त्यायाः ग्रीः म्रीदाः प्रताः स्वादाः स्वादाः

यात्रेश्वर्य (ह्रॅग्रयः न्यवः)दी

 $\frac{ \left[ \mathbb{E} \mathcal{L}_{\mathcal{A}} \cdot \mathbb{E}_{\mathcal{A}} \cdot \mathbb$ 

# भूनराष्ट्रमा हे सेंदे सुरान

#### ८८.त्र.(जन्नाधर्नत्र-१८४.वर्ष्यास्यान्यमानेश्वर्

#### অবিশ্বামান্ত্র প্রাপ্তর বিশ্বর বিশ্বর

र्श्वातः भ्रुः चितः विषार्शे ।

#### यातेषाया(इत्रा)दी

चित्रेव प्राप्त विदेश विदे

यस्त्रः म्ह्रीत्रः यस्त्रः स्वायः प्रत्यः विवायः व

सूर्य्याच्यापःङ्ग्यापःङ्ग्यापःङ्ग्याप्तःङ्ग्याच्यापः स्वायापः स्वायापः स्वायापः स्वायापः स्वायापः स्वायापः स्व

#### বাধ্যমান্ত (বর্ষান্ত না

# क्यानन् भेराकुत्

पदिग्तर्नुः चुक्राक्ष श्वरः चुदेः त्वरः चीक्षः पविवः दितः श्वरः क्ष्यः स्वरः पवितः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्व यथः हो श्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः यथः स्वरः स्व यदे । त्वरः स्वरः स्वरः

च्याचीयाययाची क्रिंत द्वान्त स्वान्त स्वान स्वान्त स्वान्त

५८.५(ब्रिंस्यायालेकारा)या सिटार्ट्र्स्य. विवास स्टा देवा गावा श्रीटा यदेवा स्टा येता या स्टा देवा विवास स्वीमालाकी

५८:र्सें (ब्रूटर्नेर-५:बेब-यः)वी

ર્દ્વ ન્યાયત્ર એન્ ગુન ર્ટ્સન જ્ઞુયાનિવાનું અપ્તિવાનું ત્રાપ્તિ ક્ષેત્ર પ્રાપ્ત એન્ પ્રાપ્ત એન્ પ્રાપ્ત એન્ પ્રાપ્ત એન્ પ્રાપ્ત એન્ પ્રાપ્ત એન્ પ્રાપ્ત પ્રાપ્ત એન્ પ્રાપ્ત પ્રાપ્ત પ્રાપ્ત એન્ પ્રાપ્ત પ્રાપ્ત પ્રાપ્ત પ્રાપ્ત એન્ પ્રાપ્ત પ્રાપ્ત પ્રાપ્ત એન્ પ્રાપ્ત પ્ર

वाव्याः भुवायः ग्रीः देवः प्यतः द्वाः यः क्षेतः पुः प्यतः यो व्यतः य

বার্ষ্ত্রেমে (देवे लेब प्रश्नेष्य ) বী

चनेवःयरःधेनःयःचेवःयर्वे । चःयःयंत्रवार्चेन्यःयर्वेवःयर्वे ।

मिथेशना (भेषा चारा केवारा) यो नहें कार्या याने वार्य स्विवारा निवारी निवारी निवारी निवारी निवारी स्वारी स्वारी

नुःबेवःधर्दे।।

५८.सू (८६४.सू.ज.यहेब.सर.खेब.स.)

क्रॅबायम्बर्यान्त्र-स्र्रेटायान्त्रेन्-नुःर्हेवाबायायान्त्रीःवावबायबायनेवायस्यान्त्रन्ता

यात्रेषाय (यदेव से न प्तः वेव पा) वी

र्देन'न्यायर'ह्रबाखु'र्येन्'याक्षेन्'याकार्क्कबाध्यकारुन्'चानुग्वाबायार्थ्यानु विदानु कुन्'यावार्येद्रबाखुँन्'या

पासुअर्थः (श्वरःषाने वःषः वे वःषः) भा श्रेः अद्युवः श्रेंपायः भः वे वः धः प्रदः। पाने वः र्थः भः वे वः धर्मा । प्रस्थितः श्रेंपायः भः वे वःषः वे वःषः वे वः पर्वे वः धर्मा ।

यात्रमात्राचीमात्राची दे वित्र के दे के मान्य स्थान स्यान स्थान स

यातेषाया (पानेव र्या तावेव या)वी

र्क्ष म्यम् तहेव पर्ति।

पविषान्। (त्रव्यान्। इसासिक्ष्यान्। की

चाव्रबासुग्नावानीः देवाह्ने प्राचानीः विषय्यानीः विषय्यानीः विषयः स्वाच्यान्यः स्वाच्याः स्वच्याः स्वाच्याः स्वाचः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः स्वाच्याः

पविषायः (प्रमायः विषास्। । पदिवायः इयाप्यः हेवायः विषास्। ।

गहेश'य'(ह'य')दे।

चन्नान्तुः प्रतिः स्वेत्रा । क्षेत्रान्तुः प्रतिः प्रतिः प्रत्यान्त्रेत्रा । क्षेत्रान्तुः प्रतिः प्रतिः प्रतिः प्रतिः प्रतिः प्रतिः प्रतिः प्रतिः स्वान्तिः स्वानिः स्वान्तिः स्वान

# इस्राचल्द्रा भ्रेटा कुत्रा

यहित्त्वी रचः ति देन् विष्यः प्राप्ति । विष्यः प्राप्ति । विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः विषयः

યાં ત્રાસ્ત્રીનું ત્રાસ્ત્રાને ત્રાપ્ત ત્રાનું ત્રાસ્ત્રા ત્રાપ્ત ત્રાસ્ત્રા ત્રાસ્ત્રા ત્રાસ્ત્રા ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રાસ્ત્ર ત્રામ્ત્ર ત્રામ્ય ત્રામ્ત્ર ત્રામ્ત્ર ત્રામ્ત્ર ત્રામ્ત્ર ત્રામ્ય ત્રામ્ત્ર ત્રામ્ત્ર ત્રામ્ત્ર ત્રામ્ત્ર ત્રામ્ત્ર ત્રામ્ત્ર ત્રામ્ત્ર ત્રામ્ય ત્રામ ત્રામ્ય ત્રામ્ય ત્રામ્ય ત્રામ્ય ત્રામ્ય ત્રામ્ય ત્રામ્ય ત્રામ્ય

न्या यादावायात्री व्यवस्त स्वर्त्त स्वर्ति स्वर्त्त स्वर्ति स्वरति स्वर्ति स्वरति स्वर्ति स्वरति स्वर्ति स्वर्ति स्वरति स्वरति स्वरति स्वरति स्वरति स्वरति स्वर्ति स्वर्ति स्वरति स्वर्ति स्वर्ति स्वरति स

५८.स्.(प्रच्याचीत्रस्ट्रीत्तात्रम्वाचीत्रः स्त्राच्याः)दी

स्त्रिन्यते त्य्वर्यस्य प्रत्ये स्वर्यस्य स्वयस्यस्य स्वयस्यस्य स्वयस्यस्य स्वयस्यस्यस्यस्यस्य स्वयस्यस्यस्यस्यस्यस्य

पवित्राया (ब्रिवाके व्यापात क्षेत्राया) या या या ख्रीता के व्यापात क्षेत्राच प्राप्त क्षेत्राच प्राप्त क्षेत्र के व्यापात के व्यापात के व्यापात क्षेत्र के व्यापात के व्यापात क्षेत्र के व्यापात के व्यापात क्षेत्र के व्यापात क्षेत्र के व्यापात क्षेत्र के व्यापात के व्यापात क्षेत्र के व्यापात के व्यापात के व्यापात क्षेत्र के व्यापात क्षेत्र के व्यापात के व्य

तृत्रः र्वेत्रः स्टः वीः अर्देत् ः परः तर्देत् ः पत्रः त्याः ययः त्याः व्ययः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्य परः तर्देत् ः पः तः क्षेत्रेत्रः चतृत्वात्राः यः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः वितः पर्वे।

यात्रेयापा (विषानुः याः द्वीदाः हेः वर्षणः तुः विदाय) या

न्वावाःश्चितः यन्ति । यन्ति । यहिकः यन्ति । विकासिकः यहिकः यहिकः यहिकः यहिकः यहिकः यहिकः यहिकः यहिकः यहिकः यहिक यहिकः यहिक

५८:र्थे (न्वावाः श्रुवायने वायर वहें वाया) वी

# भूतराष्ट्रमा हे सेंदे सुँरना

त्रच्यानुः क्षे नान्ता कुर्वानायागुदार्स्य ग्री रेन्स्य न्याव्य स्थाय रेव न्याय विद्याय स्थाय क्षेत्र स्थाय स्थाय क्षेत्र स्थाय क्षेत्र स्थाय क्षेत्र स्थाय क्षेत्र स्थाय क्र स्थाय क्षेत्र स्थाय क्षेत्र स्थाय क्षेत्र स्थाय क्षेत्र स्थाय स्थाय क्षेत्र स्थाय क्षेत्र स्थाय क्षेत्र स्थाय क्षेत्र स्थाय स

प्रतिषाया (क्षिण्य्व से स्व प्रतेव प्रतः सिव प्रा ) दी

$$\begin{split} & \neg \vec{q}_{\vec{q}} \cdot \vec{q}_{\vec$$

> दण्याः क्रेवः यीषः नेवः पर्दे । इतः र्येः (द्यवः पर्वः देण्यः व्यवः पर्दे ।

વાલું જાત્માં ત્રાહ્ય ત્રા ત્રાહ્ય ત્રાહ્ય ત્રાહ્ય ત્રાહ્ય ત્રાહ્ય ત્રાહ્ય ત્રાહ્ય ત્રાહ્ય ત્રાહ્ય

ঘর্না

५८:र्से (वड्यबन्दुन्ध्यरः ठवः वः र्वेव विवेरः सेट्रयः) वी

ग्रिकार्य (दिवे क्यु मेर क्ये दाये दाय) दी

र्देव प्रथायि प्रतेव प्राया प्रहेव व्या क्युं भेर ध्रिव प्रश्लें अप्या अत्या प्रश्ले या सुरा प्रति प्राया के व प्राया (विष्या के व्या क्या के व्या क्या के व्या के व

বাশ্যুঅ'य'(র্ব্ব'বশ্বু'ব')दी

# क्यानन् भेराकुत्।

यविरायह्म्याविष्याण्येयाय्यक्ष्याच्या विषय्यायः भ्रात्ते विषय्यायः भ्रात्ते विषयः व

५८.त्र्.(अव्ट.जन के.क्रें.क्रें.क्रें.के.के.जे.के.जे.क्रें.त्र.क्रें.व्रक्ष्य क्रें.त्र.क्रें.व्रक्ष्य क्रें.त्र.क्रें

गतेशय'(इन)दी

हान। न्यान्य वित्रह्मायाम्बन् ह्र्वित्यान्ता । ने भी ह्याने प्रत्यामित्रान्ता । ने हिंदान्य क्रिन्य वित्र हिंद ह्या । प्रत्य व्यवस्थान स्वित्य क्षित्र व्यवस्थान स्वित्य क्षित्र व्यवस्थान स्वित्य व्यवस्थान स्वित्य व्यवस्थान

য়য়तेॱॻॖ८ॱळेवॱॻॖऀॱॹॗॱॴ८ॱॺॣॕवॱय़ॱऒॺॱॲ॔॔॔ॱॻॖऀ। ॻऻॺॺॱॠॕॻॺॱॻॖऀॱॻॖ८ॱॡॖॸॱळेवॱय़॔ॱॺॺॕ॔॔॔ॱॴॴऄॱॿॕॗ॔॔॔ ॱॻऀॱॹॗ

यर्ने ने रेश्रयापित्रे ना गुन्द्रप्य स्वापायर त्र्यत् मुन्द्री तेषाप्त गुन्द्रियापित्र स्वापायर विकास गुन्द्री विकास गुन्द्री गुन्द्रियाय स्वापायर विकास गुन्द्रीय व

# भूनशःष्ट्राया हे स्रिवे र्श्वेराया

र्बे.पट्रे.ब्रिट्र.ज.चेथ्य.चेट्र.क्षेत्र.त्य.क्षेत्र.चे चेत्र.च्य.क्षेत्र.चे चेत्र.च्य.क्षेत्र.चेत्र.

য়ৢঢ়ড়ৢয়৽য়৽য়ঀৗ৾ঀ৽য়৽ঢ়ঢ়ঀ৾য়য়ৣ৽য়৽য়ঀৗ৾ঀ৽য়৽ঢ়ঢ়ঀ য়ঢ়৽য়ৢয়৽য়৽য়ঢ়৽য়ঢ়৽য়য়ৢ৽য়য়ৢ৾য়য়য়৾ঀৄ। য়ঢ়৽য়ৢয়৽য়৽য়৽য়ঀয়৾ঀ৽য়৽৻য়য়ঢ়য়য়ৢ৽য়য়ৣ৾য়৽য়য়৾ঀৢঢ় য়ৢঢ়৽য়ৢয়৽য়৽য়৽য়৽য়য়য়ঢ়৽য়য়ঢ়৽য়য়ঢ়৽য়য়ৢ৽য়য়ৣ৾য়৽য়য়৾ঀৢঢ়

યોલું અત્યાન ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપત્ર ત

বাধ্যম'ন'(নদন্ট্রন্ন-মন্ত্রন্ত্রন্ত্র্র্মন্ত্র্র্মন্ত্র্

यर्षितः त्यस्त हो द्वास्त विद्यात्त होत् स्वत्त स्

पविषा (अर्घर त्या हे ह्यूं र ग्री तत्र व तु ग्री र हिन के व र पे ) त्य

# क्यानन्। क्षेराक्र्या

### रेअप्तिव रु:वेशपर है।

 $\frac{2}{3}$ नः पर्देवः द्रअः परः चरः अरः परः द्रा द्रवः द्रअः परः श्रुः प्रअरः प्रवेषः परिः श्रुः प्रअरः परः चरः श्रुः परिः श्रुः श्रुः परिः श्रुः श्रुः परिः श्रुः श्रुः परिः श्रुः श्रुः परिः श्रुः परिः श्रुः परिः श्रुः श्रुः परिः श्रुः परिः श्रुः श्रुः परिः श्रुः परिः श्रुः परिः श्रुः श्रुः परिः श्रुः श्रुः श्रुः श्रुः श्रुः श्रुः श्रुः परिः श्रुः श्रुः

अर्दे नि गुक्दिणतः र्से निक्षः विकास्त्र निक्षः न

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac$ 

श्चीनःयः इस्रश्चार्क्तं स्वान्यः स्वत्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्

च्यान्त्रमण्डितः स्वान्त्रमण्डितः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्त्रमण्डितः स्वान्तः स्वान्य

५८.र्स.(द्वाबाराच्टाववावाचः)ताचाश्रुयाचीः ५८.र्स्। यक्ष्ययाचीराचानी

#### गहेराया(इन)दी

विगाचन्। भ्रिः योन्यायः योन्यायः के विगायर्थेन। । स्थान्या । भ्रिः योन्यायः योन्यायः के विगायर्थेन। ।

विषायः केव र्येते : अर्वेट : वेव ग्युपः श्चेर : विषायः श्चेर : विषायः श्चेर : विषायः केव : येते : विषायः विष्यः विषायः विषायः विषायः विषायः विषायः विषायः विषायः विषायः विषयः व

#### মার্ম্যমান্(বের্ল্রান্মান্)বী

प्राचना निकास्त्र प्राचन विष्ण स्वाचन स्वचन स्वाचन स्वचन स्वाचन स्वचन स्वाचन स्वचन स्

पविषापा (विषान्न प्रताया प्रवाया प्रवाया प्रवाया प्रवाया प्राया सुरा मी स्वाया प्रवाया प्रवाया प्रवाया प्रवाया प्रवाया प्रवाया स्वाया प्रवाया प्रवाय प्या प्रवाय प्य

# क्यानन् भेराकु

ઋષ્ટ્રીયા ક્રિયા ક્રિ

#### गहेराया(इन)दी

यादा । दे.जार्य्य्य अक्षरायु पर्या । स्था वावव ग्री क्ष्या अक्षरायु पर्या ।

$$\begin{split} & -\zeta + \tilde{\chi}_{1} + \tilde{\chi}_{2} + \tilde{\chi}_{3} + \tilde{\chi}_{4} + \tilde{\chi}_{5} +$$

ण्युस्य (त्रेव्यायः) या प्री हितः इस्य स्य स्ववासः नित्र केवा की दिवः की वित्र की वित्

स्टार्यतः क्षेत्रः स्ट्री ।

ब्राह्म स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार स्वार्त स्वार्त स्

प्रश्नित्र मिन्न स्वाद्य स्वा

# भूनराष्ट्रमा हे सेंदे सुरान

त्रकात्त्रियः विद्यास्त्राचित्र रह्मात्रावित्र रह्मात्रावित्र रह्मात्रावित्र रह्मात्रावित्र रह्मात्र वित्र रह्मात्र वित्र रह्मात्र रहमात्र रह्मात्र रहमात्र रह्मात्र रह्मात्र रहमात्र रहमात्र रह्मात्र रहमात्र रह

ब्रेंब्रब्रंच्यायते क्षुंच्यावित् शुः प्यत्येच्यायः वी क्षुत्रः क्षेणः प्रत्ये व्यव्यत्यः वी क्षुत्रः क्षेणः प्रत्ये व्यव्यत्यः वित्रं वित्रः वित्रं वित्रः वित

र्त् व अप्तयति प्राप्त प्राप्

त्र-प्रमुत्तान्त्री नित्तिश्चान्त्री क्षेत्र-कष्टेत्र-क्षेत्र-कष्टेत्र-क्षेत्र-कष्टेत्र-क्षेत्र-कष्टेत्र-क्षेत्र-कष्टेत्य-कष्टेत्र-कष्टेत्

# क्यानन्। क्षेराक्र्या

# વાલેશ્વાં (ઋવાદ્વાં સાવાદ્વાં સાવાદાદ્વાં સાવાદા સાવાદાદ્વાં સાવાદા સાવાદાદ્વાં સાવાદાદ્વાં સાવાદા સાવાદાદ્વાં સાવાદા સાવાદાદ્વાં સાવાદાદ્વાં સાવાદા સાવાદાદ્વાં સાવાદા સાવાદાદા સાવાદાદા સાવાદાદાદા સાવાદાદા સાવાદાદા સાવાદાદા સાવાદા સાવાદા સાવાદાદા સાવાદાદા સાવાદાદા સાવાદા સ

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \int_{\mathbb{R$ 

শ্র্রীম্য মের 'মের মার্নি | ব্যামি 'মের মার্নি |

दे सूर वि वावर्षाया पहेव वर्षा वादा वा वी पद्या के दि सूक्षा पु अवस्था वाव्या कि प्रस्थित वर्षा वा वा वि वा कि वर्षा वा वि वा वि वर्षा वा वि वर्षा वा वि वर्षा वा वि वर्षा वा वर्षा वर्षा वर्षा वा वर्षा वर वर्षा वर वर्षा वर वर्षा वर वर्षा वर्षा वर्षा वर वर

यक्ष्यः त्राच्चित्रः क्षेत्रः त्राच्चित्रः त्राच्चित्रः त्राच्चित्रः त्राच्चित्रः त्राच्चित्रः त्राच्चित्रः त्र त्राच्चित्रः त्राच्चितः त्राच्चित्रः त्राच्चत्रः त्राच्चत्रः त्राच्चत्रः त्राच्चित्रः

देश्याची स्वास्त्र स्वास्

# भूनराष्ट्राया हे सेंदे सुराना

प्रिमः प्राप्तः (प्रमुद्दः वहेष्यः वहितः वहेषः वहेषः

र्यतः श्रीम् । व्रिकार्यतः ह्वाकायः यहेत् र्यतः श्रीति रक्ष्यः यदः श्रीत् व्यवः स्वावः प्रतः श्रीतः व्यवः स्वावः प्रतः श्रीतः स्वावः प्रतः स्वावः स्वावः प्रतः स्वावः स

ग्रियापा(क्ष्याचुरामी क्षाप्त क्षेत्र)वी

र्बेन्यं तिन्ते ने ने अअन्तर्य विन्ति प्रत्या ने निष्य के प्रत्य के प्रत्य

#### वास्रुअ:पः(क्ष्र्य:पतिःतन्त्र्यःनः)दी

 $\begin{matrix} \alpha \in \{a, \forall \alpha \in \mathcal{A}, \exists a, \forall \alpha \in \mathcal{A}, \exists a, \forall \alpha \in \mathcal{A}, \exists \alpha \in \mathcal$ 

म्बिरायस्वास्त्राधान्त्राण्णे सङ्ग्रायां प्रतिक्ष्याः व्याप्त्रायाः विष्याः प्रतिक्ष्याः व्याप्ति विष्याः विष्यः विष्याः विषयः विष्याः विष्याः विषयः विषयः

प्रतिष्यः प्रतिष्यः वित्रः वित

क्ष्यादे त्याद्यात्र क्षेत्र त्यादे व त्यादे क्ष्यात्य त्यादे त्

# क्यानन् भेराकुत्

र्वे म्नुसानु देशायमानुषान्य वर्षाधिनायानेन पर्वे ।

चित्रस्त क्ष्या क्ष

#### ग्रुअपा (क्ष्रिं यायते त्य्य या पुः) वै

यानिविद्युं। ।

यानिविद्युं।

#### हे सेंदे हैं राग 취고성.하고기

वी विवाय र्हेर हेव तहोय ह्या अर सूट वर तर्हें दाय या दी द्वा अर्थ हैं उद्य यद से दिया अर्थ हैं वा देव ही : र्नोट्यायायार्क्रेवयायविवानुः ध्रेवाके विवानुः स्वापान्य स्वापान्य स्वापान्य स्वापान्य स्वापान्य स्वापान्य स्व ब्रुवःयरः तर्देनः यः यदः नृतुः अः यः केवः यें त्यः श्लूरः यः तदेवन्यः यरः चनः दी।

पातेनार्भः (सः नवे केंगः र्ने व स्थान्त्र न्या)त्या

श्चित्रपर्देवत्यानुः व्यान् व्यान् व्यान् वित्राचित्रप्तसूवायान्या ने विषयायेवायान्याने विषयश्चिताः श्चिताः व्यायम्यत्रित्रयावनात्रम्

५८ र्से (क्विन यर्ने व न्यानु व्यन्य या मर्वे न क्वेन यम् व या) वी

यदे रदा वी दें वें तहें वायर वाया श्वीयाय पदे वाया श्वेंदा या दें भ्वाया थे वा के दें वाद्याय र वेंदा यदे श्वीय पदे र ব্-দুৰ্বাধ্যৰাত্ত্ব-দু-বেদুৰ্বাধ্য-দুৰ্বাধ্য-বিব্যাখনতৰ গ্ৰী:ধ্ৰামান্তৰ গ্ৰী:ক্ৰামান্তৰ গ্ৰী:ক नुर्ते। । तर्नेन वा श्रम् पाने व में व म्याप्य गुराय में ते के पाने व में पाने व मे पाने व में पाने व मे पाने व में पाने वेषायार्थयाग्रीः रॅंग्नेन्ता वेषानुते अळव लेन् श्चेताया इयषाणया हे र्नेवन्ययमः वेन्ता स्त्रीत् ग्रीमायते श्चेमा

प्रतिष्यः (दे । प्रमाणे व र प द र ने माञ्चे प ग्री मार्चे व र्श्वे र तु मायर । यह दे र पा । प्रमाण मार्चे ।

चर्चेअ'स्व'त्रन्त्र'ग्री'नेष'चिते'क्षेच'पाइअ'पावस्राय'ठ्यान् सुट्यापावस्य प्राच्याचादाधिव'पाद्या' सुट्यानेव'ग्री'र्केष' इस्रमः गुर-र्देव-दस्र-पर-पर्न-पर-प्रमः विकायेव-पान-प्रिव-पर्ने विज्ञान स्वतः स्वतः स्वतः प्रवायः परि देव-प्रमाय है। ८र्ट्यर्ट्र, श्चि.प.पावव ८पा वीयापर्ट्यात्वेय त्यन्य श्चिया वेया श्चित श्चित श्चित स्वराह्य व्याप्त श्वरा पवितर् वेया द्यायरागुनायराविषान्नद्रवायान्यान्तिषा दिःर्देवाद्यायराधेन्त्वार्देवाद्यायते द्रिवार्यरायदे विषा पति श्चेत्र रहे त्या के र्स्वा प्रमार्थे | दे सूर र्वेद र दु प्रमुव पर देते श्चेर दे त्या श्चिम पर र्वे स्वरं स बिषानु नाधिव र्वे।।

८८१म् अस्यमाञ्चरायाती

য়ৼ৾৾ঀ৾৽ঢ়য়৽য়য়৽য়৾য়য়য়৽য়ৢয়৽য়য়য়৽য়য়য়৽য়ঀ৽য়ঢ়৽য়ঢ়য়ড়৾ঢ়৽য়ঀ৽য়৾ঀৢ चित्रेयारा(इन्न)भा चित्रे न्ट्रियार्ये दे जावया श्वीचयान्ता ने में चाया प्रति स्थान नि स्थान में अया प्रति स्व

# क्यानन् भेराकु

# नुर्दे।

५८.सू. (वीषु. ८६ अ.सू.सू. वीष्य अ.सू. वीष्य अ.सू. वीष्य

#### 

ાવઅષ્યઃ મદઃ चित्रे चुः श्र ह्म स्थः यमः चृताः यः तदिः त्यः श्रू मः धूनः चित्रः चुः च्याः तद्यः चित्रः चुः च्याः चित्रः च्याः च्याः चित्रः च्याः च्याः च्याः चित्रः च्याः चित्रः च्याः च्याः

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1$ 

#### अ'न। पवणायरामुपासुरामदासेदा।

ची.या.श्राणु व्ययः या क्षेत्र ह्या व्यव्या त्यः विवाद्या स्तर्भेत्र त्या विश्वात्य त्या विश्वात्य विश्वात

णयः मृतः या निष्ठेषः या नृतः र्वेषः चर्निन्यः ने निष्ठेषः या व्यतः निष्ठेषः या व्यतः निष्ठेषः या व्यतः विष्ठेषः या विष्ठेषः य

त्वे त्राची प्रत्या मुद्देश प्रमुद्देश मुद्देश विद्या मुद्देश प्रत्ये प्रत्ये

स्यान्त्रम् वाचेत्राविषाः व्यवेषाः विष्णः विषणः व

य पश्च य प्याचित्र वि

यातेषायः (दः ह्रेंग्रायः यदेः सूः यः) दी

अन् भराद्याकेरायायराद्याक्षा

पार्युयान्य (सून में अव मदि तह्यव नुः) दी

स्न भर्द्या अर्थेट व्यास्य स्मार्थेय ।

ग्रुअ'रा'(མङ्गःप्अःक्टे:क्वॅुरःक्)रां पृदेशःप्रः। श्वर्षःयःयःपःप्राप्तः क्वेतःयं। पृद्धःयःपःप्राप्तः क्वेतःयं। प्रक्ष्यः क्वेत्रःयं। श्वर्ष्यः क्वेतःयं। श्वर्ष्यः विष्यःयःयः। श्वर्ष्यःयः विष्यःयः। श्वर्ष्यःयः। श्वर्ष्यःयः। श्वर्ष्यःयः। श्वर्ष्यःयः। श्वर्ष्यः विष्यःयः। श्वर्ष्यःयः। श्वर्षे। श्वर्ष्यःयः। श्वर्षे। श्वर्ष्यःयः। श्वर्षे। श्वर्ये। श्वर्षे। श्वर्ये। श्वर्षे। श्वर्ये। श्वर्ये। श्वर्ये। श्वर्ये। श्वर्ये। श्वर्यः श्वर्ये। श्वर्ये। श्वर्ये। श्वर्ये। श्वर्ये। श्वर्ये। श्वर्ये।

মান্ত্ৰশ্ম'(₹ম')বী

# क्यानन् भेराकुत्।

यःभ्रम् । ह्युवःयः यः र्वेषावः रे रे र वि । दे प्रवाः यवः स्व्वः प्रसूचः यः वादः । । भ्रदः रेवाः विरुवः प्रदे प्रवेदः प्रवेदः

यर्ने दी रवः वर्षेत्रः वर्ने त्यः चीतः केवः चीवः यः चीवः यः वर्षेत्रः यः वर्षेत्रः यः वर्षेत्रः यः वर्षेत्रः य विदः चीवः यः चीवः वर्षेत्रः वर्षेत्र

> वासुस्रायः(विशेषायः)या न्देशन्दा नेतिःश्चेन्यर्वे । न्दःस्(न्द्र्यः)वी

र्सःस्ट्रिन्यः प्यत्याचित्रः स्ट्रिन्यः स्ट

ત્રેયાસીના ગ્રીઃ ત્રાન્ત્ર્યાના સ્ત્રાત્સ્ત્રાત્સ્ત્રાત્સ્ત્રાત્સ્ત્રાત્માં ત્રાત્માં ત્રાત્માન ત્રાત્માં ત્રાત્મા ત્રાત્માં ત્રાત્મા

यात्रेषाया (देव क्षेत्या) दी

यर्षेट्राय्यः हे हुँ र दे हुँ का व्यवस्था विद्या है वा प्यान्त है वा प्यान्त है वा प्यान्त है वा प्यान्त है वा प्यान है वा प्

# भूतरुष्ट्राया हे सेंदे सुँराया

चित्रं त्राप्तं त्राप्तं प्रस्ता त्राप्तं त्रप्तं त्राप्तं त्राप्तं त्राप्तं त्राप्तं त्राप्तं त्राप्तं त्रप्तं त्राप्तं त्र

स्वा देव्याक्ष्यम् । देव्याक्ष्यम् । स्वायक्ष्यम् । स्वायक्षयम् ।

यहूर्यात्राङ्गः हुँरागुन्यान् । विषयान् । विष

$$\begin{split} &\alpha_0^2 C_1 - \alpha_0^2 C_2 -$$

प्रतिवास्त्रास्त्रे स्वास्त्रास्त्रे स्वास्त्रे स्वास्त्रे स्वास्त्रे स्वास्त्रे स्वास्त्रे स्वास्त्रे स्वास्त्र स्

বার্ধ্রম:বা:(এর্থরে)থা

यव्याम्विम् मित्राच्यूत्राचित्राच्यूत्राचित्राचेत्राचित्राच

# क्यानन् भेराकु

#### ५८.र्र. (अवेश.माविया.मीबानमूबारावे.अह्रटायाअ.झे.झूँर)वी

स्त्राचित्रः क्षेत्रा व्यावेयायः क्षेत्रः प्रति । स्त्राचित्रः स्त्राचित्

म्दिरान्तिः हेवायार्वेन प्रतिः वेवायर्वेन विवायर्वेन विवायः विवायस्य विवायः विवायः

त्राक्तीः या क्रीट्राया क्रीट्राय क्रीट्राया क्रीट्राया क्रीट्राया क्रीट्राया क्रीट्राय क्रीट्राय क्रीट्राया क्रीट्राया क्रीट्राया क्रीट्राया क्रीट्राया क्रीट्राया क्रीट्राय क्रीट्राया क्रीट्राय क्रीट्राया क्रीट्राय क्रीट्र्र्राय क्रीट्र्र्र

 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{$ 

वार्येश्वाता (ध्रुंशालश के क्रियः) ता

વાલે વર્ષ : ક્રિંચ પાયા શુદ્દ છું મેં વાયા વાલે વર્ષ સંદ્વા સામાર છું શુદ્દ ત્ર પાયે પાય સું પાયા વાલે વર્ષ સામાર છું શુદ્ધ ત્ર પાયે પાયે વાલે વર્ષે સામાર છું શુદ્ધ ત્ર પાયે પાયે પાયે પાયા સું સામાર પાયે પાયા સું સામાર પાયા સું

# भूतरु:खु:या <del>हे</del>:स्रेदे:सुर्-ना

र्श्वान्याः हो। हित्रः स्वत्यायान्यः र्ष्ट्वान्यः योज्ञानः योज्ञा

#### चावेद्य.त.(≆.य.)जी

अर्दे' त्यम् नम्भव र्स्या नम्भव नर्स्य ग्री नम्भूम रस्य । व्यव्य मित्र म्या श्री मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र इया विवादित हिंगा कि वार्षित स्वासी स

लायर्ट्र-अश्रमाञ्चीलाययुः स्ट्राचिष्ठवाः स्थ्रमाण्यात्वाः स्ट्रियाः प्राचिष्ठवाः प

#### पश्रव पर्देश यश दी

म्रीटायान्त्र क्षेत्र क्षे

#### र्वेदःम्यःश्चैःरदःप्रविदःदी

चाटायटाचरानुः याच्छुवायिः याद्रात्याक्ष्यायिः याद्रात्याक्ष्यायाः याद्रात्याः याद्रात्यायः याद्रात्यायः याद्रात्यायः याद्रात्याः याद्रात्

#### गहिषाया (क्षेण देवा) दी

# क्यानन् भेराकुत्।

यरुबःयते क्रेंश्रबःयहिवादिवार्यावा विः क्रियःयदिः श्रीता । यरुवःयते क्रेंश्रबःयहिवादिवार्याविः क्रियःयदिः श्रीता ।

અર્દેન્દ્રી ત્યાવર્શ્વ સ્થિત સ્થેને સ્થાન સ્થિત સ્થેને સ્થાન સ્થિત સ્થ

यर्नेन्यरः वर्षेन्यसः व्यवसः व्यवसः स्वेत्रायः अवसः व्यवपः अवस्थतः स्वेतः यदेः अवस्थतः व्यवसः व्यवसः वर्षे स्व वर्षेन्ने अर्रातेन्यसः व्यवसः व्यवसः स्वेत्रायः अवस्य व्यवपः अवस्थतः स्वेतः यदेः अवस्थतः व्यवसः स्वेतः वर्षे

चर-रु-श्चे प्रचेष-र्प्ता । स्वेष-र्प्ता । स्वेष-र्पता । स्वेष-र्प्ता । स्वेष-र्पता । स्व

#### ग्रुअर्प (त्रोवर्प)या र्चेन्या प्रेन्यावी अह्वा प्रश्रुपर्दे । प्राचित्राचा प्राचित्राच्या प्राच्या प्राचित्राच्या प्राच्या प्राचित्राच्या प्राचित्राच्या प्राचित्राच्या प्राचित्राच्या प्राचित्राच्या प्राच्या प्राचित्राच्या प्राचित्राच्या प्राच्या प्राच्या प्राच्या प्र

अन्यानिक्ष्मानिक्षानिक्ष्मानिक्ष्मानिक्षानिक्ष्मानिक्षानिक्ष्मानिक्

# भूतर्थाञ्चा हे सेंदे सें राजा

अर्देशन्देशसुःचश्रृवःपदेःग्नादः पद्मात् स्वादः स

हीयान्तरे क्रेन्थिया ग्रीन्त्या ग्रीन्त्या

पश्चित्रात्तवे श्चित्रः स्वात्त्रः श्चित्रः स्वात्त्रः स्वात्त्रः त्यात्त्रः त्यात्त्रः त्यात्त्रः त्यात्त्रः स्वात्त्रः स्वात्तः स्वात्

 $\begin{array}{l} \int_{\mathbb{R}^{3}} d^{3} d^$ 

यवयाःसःसर्दे।

#### पासुअ'रा'(अह्वानक्रु'रा)दी

વાલેયાતા.(શ્રામ્યાના)ના શ્રુવિ. ત્રાજ્યયા. શ્રુપ્તા મુંત્રાત્યા. ત્રાજ્ય માં શુંતે. ત્રાજ્યયા. શુંત્રા મુંત્રા મુંત

ने भूर हेत क्षें अपि श्रास्त श्री क्षें र पर्हेन त्र या ने श्री श्री र प्रति क्षेर स्वास्त स्वास स्वा

चित्रं (प्रह्माः प्रम्मा प्रम्मा प्रम्मा प्रम्मा प्रमान प्रम्भा प्रमान प्रम प्रमान प्रम प्रमान प्र

रे.विवाःवाञ्चरःचदेःइस्यःसरःहेवाःसःदरःसँ।वुःतकदःदी।

गहेषाया(इसा)वी

चतः इस्म अर्द्र-प्रमुखः क्रुवः त्या । वित्रः विद्या विद्या विद्या । विद्या विद

लेवाबाराये त्या के स्वार्या वाबुयाता विकास के स्वार्या वाबुया प्रति वाबुया वाब

म्बूंचाबाक्रीःचावबाङ्गाच्याः स्वाद्धाः स्वत्वाद्धाः स्वाद्धाः स्व

यर्चे वी द्रश्रासान्विव निम्ने स्वर्धिय स्वर्ये स्वर्धिय स्वर्धिय स्वर्धिय स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्धिय स्वर्धिय स्

# भूनराष्ट्रमा हे सेंदे सुरान

वियःश्वी। वियःचित्रः यात्रः वित्रः श्वीतः यात्रः श्वीतः श्वीतः यात्रः श्वीतः श्वीतः श्वीतः यात्रः श्वीतः यात्रः श्वीतः श्वीतः

#### पासुस्रायः(विश्ववायः)दी

चर्च्चाबःग्रीःप्रायःक्ष्मचबःपर्देरःश्चरःचरःचुःचःक्ष्मः । त्र्याबःग्रीःप्रायःक्ष्मच्यःभ्रेत्यःक्ष्मच्यःपर्देरःश्चरःचरःचुःचःक्ष्मः । त्र्यःभ्रायःच्यःभ्रव्यःभ्रव्यःभ्रव्यःचित्रःभ्रवःचित्रःभ्रवःचित्रःभ्रवःचित्रःभ्रवःचित्रःभ्रवःचित्रःभ्रवःचित्रःभ्रवःचित्रःभ्रवःचित्रःभ्रवःचित्रःभ्रवःचित्रःभ्रवःचित्रःभ्रवःचित्रःभ्रवःचित्रःभ्रवःचित्रःभ्रवःचित्रःभ्रवःचित्रःचित्रःभ्रवःचित्रःचित्रःचित्रःभ्रवःचित्रःचित

द्वाःशःइश्रवःत्रात्तः स्वायःश्चीरः प्रतिवाद्यः स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1$ 

યુંન્યતે. ત્વન: તે. તે ત્વન: શ્રેવન્સ કે. ત્રેન્યન્સ તે. ત્રુંન્યતે. ત્રુંને ત્રુંન્યતે. ત્રુંને ત્

# क्यानन्। भ्रेटा मुना

नुरायदेवायर वेवायवें।

ત્યસાની દ્વાના વાલા તે કેવાના વાલા તે કેવાના વાલા તે કેવાના તે ક

ने सूर विषार्शे।

#### ঘাণ্ট্ৰশ্ব:(₹'च')থা

ક્રિયાના સ્થિયાના ત્રું સાત્રાત્માને સાત્રાત્માની ત્રું સાત્રાત્માને સાત્રાત્માની સ્થિયાના સ્થિયાના

श्रुट्यायाः स्थाना श्रुव्या श्रुव्या श्रुव्या स्थान स्यान स्थान स

કુવ.ખ.કુ્રેટ્ટી કુય.શ્. કુંચ.લ્યાયાત્વર.કુંચ.લુ.પ્યસ.વુંટ્ટ.કુંગ લુય.ટ્ટ. કુંગ.જુંગ.કુંગ.ત્ય.લુંગ.ત્ય.ત્રક્રેય.ત્ર.કુંગ.ત્ય.કુંગ.ત્ય. કુંગ.ત્ય.ત્રક્રેયો કુંચ.ત્ય.ત્રક્રેયો કુંચ.ત્ય. કુંચ.

#### বাষ্যুশ্রম্ম (বের্রাঝন্ম)বী

ची.म.धुर.ग्रीकाङ्गी अत्रकालकाचिटानायदेवी.मान्यराक्यराष्ट्रीयात्त्राचिकाञ्चेत्रवाच्यात्राचे क्षेत्राचा विकाञ्चेत्रवाच्यात्त्राची विकाञ्चेत्रवाच्यात्त्राची विकाञ्चेत्रवाच्यात्रवाची विकाञ्चेत्रवाच्यात्त्रवाची विकाञ्चेत्रवाच्यात्त्रवाची विकाञ्चेत्रवाच्यात्त्रवाची विकाञ्चेत्रवाच्यात्त्रवाची विकाञ्चेत्रवाच्यात्त्रवाची विकाञ्चेत्रवाची विकाञेत्रवाची विकाञेत्यवाच विकाञेत्रवाची विकाञेत्रवाची विकाञेत्रवाची विकाञेत्रवाच विकाञेत्रवाची विकाञेत्य

# भूनर्याष्ट्राया हे स्ट्रीटे स्ट्रीया

प्रवेष-तं अर्ध्यायर-ते क्ष्यायप्त चिर-क्ष्या ग्री क्षेत्र क्ष्या क्षेत्र क

विद्रायरार्ट्रायस्वीयायाञ्चरात्र्या । विद्रायरार्ट्ट्रायस्वीयायाञ्चरात्र्यात्र्याः विद्रायराञ्चरात्र्यात्रः विद्रायराञ्चरात्रः विद्रायराञ्चरः विद्रायराञ्चरात्रः विद्रायराञ्चरः विद्रायराञः विद्रायराञ्चरः विद्राययः विद्

ਕੁਤ ਬੇੱਕਾ ਹੈ। ਬੁੱਤ ਦਪਾਘੇਤ ਜੀ ਸਟਾਕਟਕਾ ਗੁਕਾ ਹੈ। 'ਸੇਗਕਾ ਦੇ ਕਾਦਾ ਸਨ ਹੈ। 'ਕੁਤ 'ਬੇਂਕਾ ਦੇ ਕੇ 'ਬੇਂਕਾ ਦੇ ਕੇ 'ਕੇ 'ਸੇਗਕਾ ਦੇ ਕਾਦਾ ਸਨ। ਪਾਘੇਤ 'ਸੇ। ਕੁਤ 'ਬੇਂਕਾ ਹੈ। 'ਸੇਗਕਾ ਦਰ 'ਕੇ ਸਾਹੀ 'ਬੇਂਸ਼ ਸੇਗਕਾ ਦੇ ਕਾਦਾ ਸਨ। ਗੁਕਾ ਬੁੱਤ ਦਪਾ ਸੰਦਾ ਦੇ ਕਾਦਾ ਸੇਹਿ 'ਪਾ ਹੈ ਸ ਬੇਗਾ ਪਾ ਲਵੇਂਤ 'ਸੁ 'ਬੇਂਸ਼' ਪਾ ਘੇਤ 'ਸੇ। ਸਟਾਕਟਕਾ ਗੁਕਾ ਹੈ। 'ਸੇਗਕਾ ਦਰ 'ਕੇ ਸਾਹੀ 'ਬੇਂਸ਼'

વિ.च.चर्चूर्-ता वृच-चे-ता-कुच-स्त्र-कुच-वृक्ष-अर्च्द-ता-कुच-कुच-ता-कुच

ढ़ॖॺॱॺॖॕॺॱॺॣॖॕ॔ॺॱॴॺॱॻॱक़ॕॕॺॱॸॺऻॗ ऄॸॱॺॖॖॆॺॱॻॖऀॱॻऻॿॖॻऻॺॱॻक़ॖॺॱॺॣॕॕॺॱय़ॱफ़ऀॺॱॸॖ॓ऻॎॾॣॕॕॕॕ॔॔॔ॸॱढ़॓ऀॸ॔ॱॸॣॕॕॻऻॺॱॻढ़ऀॱऄॺॱॸॻॱ ॻॖऀॺॱॺॱॿॖॆॺॱय़ॸॱॹऀॱॾ॓ॻॱॺॣ॔ॻऻॺॱॺॸॣॕॺॱय़ऒड़ॱॻॹॺॱय़ॱॸऺॸॱॻॖॺॱॹॣऻ। ढ़ॺॱॺॣ॔ॺॱॸॻऀॱॻ॔ॾॣ॔ॺॱय़ ढ़ॕॺॱॸॺऻ ॻऻॺॺॱऄॻऻॺॱॻॖऀॱॸॣ॔ॺॱॻॹॣॕॺॱय़ॱॹॖऺॸॱग़ॹॺॱय़ॱऄॖॸॱॹॖ॓ॺॱॹॣऻ।

धुयःग्रीः द्वरः दुवः व्यतः देवः व्यतः विवः यतः विव

देवः पत्रेवः प्रते हैं पाराः क्ष्वः क्षेत्रः वित्रः वित्र

# क्यानन् भेराकुन्

# याने अप्या(तहे वाहें पायम् प्रायम् प्

ने सूर विषार्शे।

#### पानेश'(हत्रा)ध'वी

য়्व। बेअबःठवःचन्नवायःयतेः श्चेंद्रःध्याद्रः ने विषय्यः चन्नवायः विद्रात्रः व

#### দার্ধ্বস্থান্য (বের্রান্য না)বী

ર્ચાયા સ્ટ્રિયા ત્રાણા સ્ત્રાયા ત્રાણા ત્

त्याःच्यात्वः विद्यात्वः द्वात्यः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः विद्यात्वः विद्यत

# भूनर्याष्ट्राया हे स्ट्रीटे स्ट्रीया

ब्रुँ न्यतः न्यतः नु च्यतः विश्व वि

पितृषाया (वितृष्याया वितृष्या वितृष्या वितृष्या । यो विष्या यो विष्या यो क्षेत्रा वितृष्या वित्या वितृष्या वितृष्या वितृष्या वितृष्या वितृष्या वित्या वितृष

ने सूर विषार्शे।

गतेषाया(इना)वै।

ण्युअ'रा'(त्रोल'रा)ते। बोब्रबर-इन्द्रम्म्यायर-जन्नायरे कुःसुट-चेर-इब्रायर-जन्नायरे

प्रिमः विकासः (प्रमानः प्रवेषः मृतः प्रमानः प्रविषः प्रकासः प्रविषः प्रवेषः स्वारः प्रविषः प्रवेषः स्वारः प्रव

ग्रिषाया(इन्ना)वी

इस्तर् चित्राकृतःहिःचित्रेत्रःशुः अदिः त्या विश्वरःशुः श्री विश्वरःशुः श्रीचायः स्वरः विश्वरः विश्वर

#### বাধ্যম'থ'(এর্থ এন্। বী

यःअर्द्ध्यस्य स्वर्ध्य विकाले विकाल वि

# भूनर्याष्ट्राया हे स्ट्रीटे स्ट्रीया

दे क्रिंग रुवा विवाय प्रवाय प्रत्य विवाय क्रिंग प्राप्त प्रवाय क्षेत्र प्रति प्रवाय क्षेत्र क्षेत्र

यव्यत्याप्तिः श्चान्ते प्रत्याची व्यत्याची व्यव्याची व्

 $\tilde{a}$ યા ત્રાપ્ત ત્રાપત ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપત ત્રાપ

ગુવઃર્સેન્સન્વુંન્યઃસેન્સ્યુન્યઃશું સ્વાન્યત્યાં સ્વાન્યું સ્વાન્યત્યાં સ્વાન્યત્યાં સ્વાન્યત્યાં સેન્યત્યાં સેન્યત્યા સેન્યત્યાં સેન્યત્યા સેન્યત્યાં સેન્યત્યાં સેન્યત્યાં સેન્યત્યા સ

યાલું ત્રાફેલ છે. ક્રું સાયત્ર ફેંગાયા ત્રિલે પાલેલ પ્રાયત્ર છે. ક્રું સાયત્ર ત્રિલે છે. ક્રું સાયત્ર ત્રિલે પાલેલ પ્રાયત્ર છે. ક્રું સાયત્ર ત્રિલે પાલેલ પ્રાયત્ર છે. ક્રું સાયત્ર ત્રિલે ક્રું માર્ચે કર્મે માર્ચે ક્રિયે માર્ચે કર્મે કર્મેલ કર્મેલ કર્મેલ કર્મે કર્મેલ કર્મે કર્મેલ કરિયા કર્મેલ કરિયા કર્મેલ કરિયા કર્મેલ કર્મેલ કર્મેલ કર્મેલ કર્મેલ કરિયા કર્મેલ કર્મેલ કર્મેલ કર્મેલ કર્મેલ કર્મેલ કર્મેલ કર્મેલ કર્મેલ કર્મેલ

ग्रुअप्राप्ता(श्वरामुःश्वरकार्यकार्वेदार्यादे व्यव्यक्तान्त्राचा)ग्रुअप्रोमुः प्रस्थानाः स्वाप्तान्त्रा

 $\frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1$ 

## क्यानन् भेराकुत्

### দান্ত্ৰশ্ব'(₹'ব')বী

च्या प्रथम विषय स्था विषय स्या विषय स्था विषय

याः स्रान्त्राचाश्वराचीः श्वन्त्राचे त्याचे त्याच त्याचे त्याचे त्याचे त्याचे त्याचे त्याचे त्याचे त्याचे त्याचे

### নার্ধ্যমান্(দের্ল্রন্মান্)বী

चतः क्रमःसम्बन्धे व स्यः में निर्मा में स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स

चन्नात्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्ष

८८ मे बार्ट पानवित्र दुर्वे॥

गतेषाया(इचा)वी

#### বার্ষ্যেম'(বর্ষ্রন্ম')বী

चर्यात्र व्यवस्थाः व्यवस्थाः स्थितः स्थितः स्थाः स व्यवस्थाः स्थाः स्

## क्यानन् भेराकुत्

धिव पाने प्रमास्त्री प्रमास्त्

(यद्) या विषयी प्राप्ति (स्वा) दी

हान। यर् भारत्रेषायायार्द्यायात्रेषाया वित्वार्यात्रवायाः भवित्वार्याः वित्वार्याः वित्वर्याः वित्वर्याः वित्वर्याः वित्वर्याः वित्वर्याः वित्वर्यायः वित्वर्याः वित्वर्यायः वित्वर्ययः वित्वर्यायः वित्वययः वित्वयः वित्वययः वित्वययः वित्वयः वित्वयः वित्वययः वित्वययः वित्वययः वित्वययः वित्वययः वित्वययः वित्

चनेव'पते'न्देंब'येन्'चुते'र्छेब'य्यब्यब'रुन्र्छेब'रुव्या चर्राक्ष्म्'येन्देव'र्येव वर्षेव'र्ये

જાવારું જુવાયલતે :શ્રું માવતે પાયા શું જાવાસુ જાય તે : દ્વવાય છેવા : છેવા :

> मह्मुख्यायः(विश्वेषायः)या न्रेंबान्यः। मह्मुब्याये । न्यास्याः (विश्वेषायः)या न्रेंबान्यः। मह्मुब्याये ।

चित्रावित्रावित्रात्वायाः प्रत्यात् श्चायाः चित्रावित

# भूतरुष्ट्राया हे सेंदे सेंद्राया

चन्नयःचर्न्न्यःचन्न्न्यःचन्न्न्यःचन्त्रःचन्यःचन्त्रःचन्यःचन्त्रःचन्यःचन्त्रःचन्यःचन्त्रःचन्यःचन्त्रःचन्यःचन्त्रःचन्यःचन्त्रःचन्यःचन्त्रःचन्यःचन्त्रःचन्यःचन्त्रःचन्त्यःचन्त्रःचनन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचनन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचनन्त्रःचन्त्यःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्यःचन्त्यःचन्त्यःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्रःचन्त्य

पविषापा(र्यवाईवाप्त्रव्यानः)यापासुसाग्रीप्तरार्थी सक्स्यास्त्रम्पानी

पानेषाया(इपा)नी

कृत्व। त्रियायरप्तवन्द्रप्तर्वे भी दिर्दे ते द्राप्त मुंबर्ध क्षेत्र क्षेत्र

चलाचामुक्रेणाची।

यर्रे दी। वर्षेयः पः पर्वेयः स्वः तन्याचे व्यावाया इयः पः वयया व्यवः विवः पः विवः पः विवः पः विवः पः विवः पर्वे

## क्यानन् भेराकुत्

५८.सू (चळल.चे.जूव.कूव.सूव.स्थ.चर्च.च.)

त्रह्मां त्राप्त्। ।

त्रह्मां त्राप्त्। त्राप्त्र्। त्राप्त्रप्त्। त्राप्त्। त्राप्त्याप्त्। त्राप्त्। त्राप्त्। त्राप्त्। त्राप्त्रप्त्। त्राप्त्याप्त्याप्त्। त्राप्त्याप्त्याप्त्। त्राप्त्य

यदे.वे.द्व.त्य.स्व.च्व.व्य.स्व.व्यव्य.स्व.व्यव्य.स्व.व्यव्य.स्व.त्य.स्य.स्व.त्य.स्व.त्य.स्य.स्व.त्य.स्य.स्व.त्य.स्व.त्य.स्व.त्य.स्व.त्य.स्व.

इयायायार्येषायरार्द्रेषायादी द्रिषायाये र्देश्वर्त्तात्वे राष्ट्रेषाय्याया स्वार्त्तात्वे स्वार्याये स्वार्याय

# भूतराष्ट्रमा हे सेंदे सेंट्रमा

पर वर्षा क्रेंबागुव इयायावयषा उदानु रदा प्रविव योदायवे द्वीरा

दिः भर्ते द्वार्यः स्वार्यः स्वरः स्वार्यः स्वरः स

यिः है वार्ने वार्ने ने स्वया चे स्वया वर्षे ने गुवार्से वार्ने ने स्वया में वार्ने वार्ने वार्ने वार्ने स्वया चे स्वया वार्ने ने स्वया वार्ने ने स्वया वार्ने स

त्र्वमःतुःयःर्येग्।यःराङ्गेग्।यःवै। त्र्वमःतुःङ्ग्यःयःव्यमःउत्यविवःयःवेतःग्रीःये।वेषःश्चेःतवितःयःवय। नर्देषःर्यःत्रःन्देषःर्यःश्चेन्यःश्चे।त्र्वमाषःयशःर्ये॥

चनेव प्यापितेव प्रवास्थित प्रत्येत प्रत्य प्रत्येत प्रत्य प्रत्येत प्रत्येत प्रत्येत प्रत्येत प्रत्येत प्रत्येत प्रत्येत प्रत्य प्रत्येत प्रत्येत प्रत्येत प्रत्येत प्रत्येत प्रत्येत प्रत्य प्रत्येत प्रत्येत प्रत्येत प्रत्येत प्रत्येत प्रत्येत प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्येत प्रत्येत प्रत्येत प्रत्येत प्रत्येत प्रत्य

निःमिनेश्वानाः व्यवित्यः स्त्रीत्वान्त्रः स्त्राचित्यः स्त्रीत्वान्त्रः स्त्रीत्वः स्त्राचित्रः स्त्रीत्वः स्त्री

श्चेंद्रायते दें त्या विष्ण्या स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त स्वाप्

য়ৼ्यः ध्रेत्राक्षात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् च्यात्रात्त्राक्ष्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र

## क्यानन् भेराकुत्

र्केषान्त्रअषाण्ची' अर्क्षव् 'तेन्' त्या र्येषा' प्यरः हैंषा' पा' वे । केषाण्ची 'यर 'न्ने हिं ते 'अर्क्षव् 'तेन्' श्री 'तह्यन् 'प्यरः हाथा । अर्क्षव् 'पावि' केषा 'ठव' श्रेन् 'यर्षा वि ।

### प्रित्राचा (दे:प्रमाण देश प्रमाण क्रमाय मार्क प्रमाण के में के में के प्रमाण क्रमाय के प्रमाण क

च्यात्रात्राक्ष्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र् च्यात्रात्राक्ष्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र

यदेव्याविक्षःश्चिः स्वर्धात् विक्षः स्वर्धः स्वरं स्वरं

# भूतराष्ट्रमा हे सेंदे सेंद्रमा

चनेत्रः पानेत्रः त्यात्रः त्यात्रः त्यात् व्यात् व्यात्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्या

बर्च्व-र्राची-र्र्बाव्याश्चित्रा होता स्थान्त्र वित्या होता व्यवित्य स्वाच्या वर्ष्य स्वाच्या वर्ष्य स्वाच्या वर्ष्य स्वाच्या सर्व्य स्वाच्या वर्ष्य स्वाच्या वर्ष्य स्वाच्या वर्ष्य स्वाच्या सर्व्य स्वाच्या वर्ष्य स्वाच्या वर्ष्य स्वाच्या वर्ष्य स्वाच्या सर्व्य स्वच्या सर्व्य स्वाच्या सर्व्य स्वच्या सर्व्य स्वच्या सर्व्य स्वच्या सर्व्य स्वच्या सर्वाच्या सर्व्य सर्व्य सर्व्य सर्व्य स्वच्या सर्व्य सर्व्य स्वच्या सर्व्य सर्वे स्वच्या सर्वे सर्वे स्वच्या सर्वे सर्वे स्वच्या सर्वे सर्वे स्वच्या स्वच्या स्वच्या स्वच्या सर्वे स्वच्या स्वच्या

 $\frac{1}{4} \frac{1}{4} \frac{1$ 

चःच।वेषःर्यःश्चेषःप्रः हेवषःपदेः अवः त्वाचीः पश्चवः वर्षः अर्देवः यरः हेवषः यदेः क्ववः वेषः चः चः यवा हेः श्वेदेः अर्देवः यरः हेवषः यदेः अवः त्वाचीः पश्चवः पर्वेषः अर्देवः यरः हेवषः यदेः क्ववः वेषः चः

<sup>अ</sup>पश.र्ज.प.र्रूगश.श्र्रा

## क्यानन् भेराकुना

श्रीत्र द्वारा अधर ग्रे क्वें र त तक र र र र र

৩৩| বিবিশ্বান্যন্ত্র্বান্ত্র্র্বান্ত্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্বন্ত্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্ব্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্ব্বান্ত্ব্ব

५८.त्र्रा.(पर्यकात्रम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्

हैं श्रेंदि अर्देव प्यतः हैं वाबाय प्यति निवास क्षेत्र क्षेत्

यातेषाया (विदुदेःवाबुदःचन्द्रायः)व्यायातेषायीः दृदःर्ये। (इतः)दे।

평'२| 월국'간위제'조디'디자'디미'디다' | 제도제'편제'진'(현대' 전'전') 원제'다 | 원물자'원제'건'원'고자'다려다 |

कृषान्यः ग्रीषाची व्याप्तः । कृषान्यः महित्रः प्राप्तः भूषान्यः भूष्यः भूष्यः भूष्यः भूष्यः भूष्यः

ત્રાર્શના ક્રિયાના સ્ત્રાના સ્ત્રાન સ્ત્રાના સ્ત્રાના સ્ત્રાન સ્ત્રાના સ્ત્રાન સ્ત્રાન

सःवाशुं अः संवाश्यः स्वाश्वः स्वाशः स्वाश्वः स्वाशः स्वशः स्वाशः स्वाशः

ત્ર-ક્રિશ-વર્શ્ય, બેશ્વ-લ્રિશ-તાલું | ત્રાપ્ત ક્રિય-તાલું | ત્રાપ્ત ક્રિય-તાલું ત્રાપ્ત ક્રિય-તાલું ત્રાપ્ત ક્રિય-તાલું | ત્રાપ્ત ક્રિય-તાલું ત્રાપ-તાલું ત્રાપ-તાલું

### पविश्वाय (विश्वाय प्राचि

ર્જ્યન્યું અંગ્વર્જુ વાલું અંગ્વર્ગા વાલુવા અંગ્યર્સિવા અંગ્યર્થને ર્જ્યા ક્ષત્ર અંગ્યર્ગ કું ત્રાન્ય અંગ્રેલું વાલું અંગ્યું અંગ્યર્થને ર્જ્યા ક્ષત્ર અંગ્યર્થને ત્રામ્ય સામે કું ત્રાન્ય અંગ્રેલું વાલું અંગ્યર્થને સામે પ્રાથમ કું ત્રાન્ય સામે કું ત્રાન સામે કું ત્રાન્ય સામે કું ત્રાન સામે કુ

યા અર્ટ્રે. ખ્યાન ક્ષેત્ર. તાર્યુ સાર્ટ્સ પ્રાપ્ત ક્ષેત્ર તાર્યા ક્ષેત્ર. તાર્ય ક્ષેત્ર. તાર્યા ક્ષેત્ર. તાર્યા ક્ષેત્ર. તાર્ય ક્ષેત્ર. તાર ક્ષેત્ર. તાર્ય ક્ષેત્ર. તાર ક્ષેત્ર તાર તાર ક્ષેત્ર તાર ક્ષેત્ર તાર ક્ષેત્ર તાર ક્ષેત્ર તાર ક્ષેત્ર તાર ક્

# क्यानन् भेराक्र्या

क्षेत्राचिव निर्मे का श्री त्रव निर्मे क्षेत्र व का निर्मे व का निर्मे का

पासुस्रायः(भ्रायक्षःपः)दी

યાના મુન્ન માત્ર અર્દેવ ત્યર ફ્રેંવા અત્વાસ્ત્ર ત્યાને મુન્ન પ્રત્યા મુન્ન મુન્ન પ્રત્યા મુન્ન મુન્ન પ્રત્યા મુન્ન પ્રત્યા મુન્ન મુ

चेत्र-र्ना ग्री-त्र-रूप्त-भेव-त्र्युव-त्र्य

श्रेयम् द्वारार्ड्यम् ।

শ্লবশ্বন্ত্র্বাদ্ধির ক্রিয়ার ক্রেয়ার ক্রিয়ার ক্রেয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়া ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক

२० | वित्रेषः पान्त्रवः पार्चेनः पाञ्चनः स्विषः अदिः श्वेषः न्याः वित्रवः पान्तः । वित्रवः पान्तः वित्रवः पान्त

५८.स्(पड्रेज.तम्दर्भर.तम्

યદ્યત્ર શ્રેયાના ત્રાફ્રેયા સામાના ત્રાફ્રેયા સામાના ત્રાફ્રેયા સામાના ત્રાફ્રેયા ત્રાફ્રેયા ત્રાફ્રેયા ત્રાફ્રેયા ત્રાફ્રેયા સામાના ત્રાફ્રેયા ત્રાફ્ર

मिलेश्वास्य (११९८० मालुर प्रमृत्यः) या प्रविति प्रस्ति । इस द्वी व्यासी प्रमृत्यः (११९८० मालुर प्रमृत्यः ) या प्रविति प्रस्ति । विद्यासी प्रमृत्यः विद्यासी प्रमृत्यः विद्यासी । विद्यासी प्रमृत्यः विद्यासी । विद्यासी प्रमृत्यः विद्यासी । विद्यासी विद्यासी विद्यासी । विद्यासी विद्यासी विद्यासी । विद्यासी विद्यासी विद्यासी । विद्यासी विद्यासी विद्यासी विद्यासी विद्यासी । विद्यासी विद्यासी विद्यासी विद्यासी विद्यासी । विद्यासी विद्यासी विद्यासी विद्यासी विद्यासी विद्यासी विद्यासी । विद्यासी विद्यासी विद्यासी विद्यासी विद्यासी विद्यासी विद्यासी विद्यासी । विद्यासी विद्यास

गहेषाया(इस्ता)दी

यदिवारात्ये। क्वित्रायात्र्यवात्रात्रे त्रेत्रायात् । विवायेत् क्वित्राय्ये भूता विवायये भूत्ये भूता विवायये भूत्ये भूता विवायये भूता विवायये भूता विवायये भूता विवायये भूता व

ण्यात्राच्यात्रच्यात्रच्यात्यात्रच्यात्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात

सर्ने वी चिट के वर्ने भूत प्राया र्श्वेन पर वी बेस स्पन्ने न प्राया के वा वी साम र्से पर मुन्य पर स्वार स्व

ग्रुअ'रा'(विश्वायः)दी

चर्रायर्श्वरक्षरायाः क्षेत्राचित्र प्रत्यत् क्षेत्र क्षेत् कषेत्र क्षेत्र क्ष

चनेव्राचित्रेश्वर्स्तं व्यान्त्रात् देवायते द

यटःहिःसूरःवःविषःर्शे।

### गहेशरा(इ.य.)वी

स्निन है 'ह्नेर'क्नेब'र्चे क्रुव'क्चुन्। हिंग'घनब'गठिग'गैब'रक्केंन्'याव। विस्रव'ठन'गठिग'ठर' दग्यान'ने है 'ह्नेर'क्नेब'र्चेक्केंन् क्रुव'क्चुन्। हिंग'घनब'गठिग'गैब'रक्केंन्'याव। विस्रव'ठन'गठिग'ठर'

ब्रैवःसवदेःणःभेषःश्चरःदिगःपविवःद्वेषःपवेषःचवःस्येःस्येःभेषःवस्यवःस्टःभेषःवुषःहे। हैःस्ट्रःश्चेषःपुषः वैषःसदेःद्वेःदेःदेःदेवविवःदुःभेषःवुषःसदेःश्चेरा

### দাধ্যুম্ম'মে'(বের্রাঝ'ম')বী

मुद्रायविष्य क्रिया क्र

### गहेशपः(इपः)है।

यावर्गः भ्रम्या विराक्ते :क्रॅस्प्रम्यायः व्ययसः उपः ग्री | प्रतः प्रविषः भेषः रघः प्रः स्यः ध्रेषा | क्र्यः श्लेषा | व्ययः भ्रम्या स्थः क्रेष्यः विष्यः श्लेषा |

થી તારા તારા કરે તારા તારા કરે તારા તારા કરે તાર કરે તારા કરે

अर्दे'त्री दे'त्यर सेअयाग्री'यया इयापर श्लीव्यापति रहेवा उत्तर्था । वियार्था ।

#### বার্যঝানা (বের্বানানা)বী

ट्टाचल्चयः क्रुंच्यापृः च्चित्रत्त्रं स्वात्रः क्षेत्रः चवित्रः द्वातः चयः स्वात्रः क्षेत्रः वित्रः चवितः स्वात्रः क्षेत्रः वित्रः स्वात्रः क्षेत्रः चवितः स्वात्रः क्षेत्रः स्वात्रः कष्णेत्रः कष्णेत्रः कष्णेतः स्वात्रः क्षेत्रः स्वात्रः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेत्रः कष्णेतः स्वात्रः कष्णेतः स्वात्रः कष्णेतः स्वातः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः स्वतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः स्वतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः स्वतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः कष्णेतः स्वतः कष्णेतः स्वतः कष्णेतः कष्णेतः क

ग्रुंबर्पं बळव् किन् बेन् प्रेन् प्रेन् क्षेत्र किंग् क्षेत्र क्षेत्र

दे सूर ग्रेन राम्य प्रमान

पितृश्यः(इत्रा)दी

য়'न। श्चेत्रायाः र्येवाकार्श्चेत्रायाध्या विष्यागावाः श्चेत्रायाध्या विषयाः श्चेत्रायाध्या विष्यागावाः श्चेत्रायाः श्चेत्रायः श्चेत्रयः श्चेत्रयः श्चेत्रयः श्चेत्रयः श्चेत्रयः श्चेत्रयः श्चेत्रयः श्चेत्रयः श्चेत्रयः श्चेत्यः श्चेत्रयः श्चेत्रयः श्चेत्रयः श्चेत्रयः श्चेत्रयः श्वेत्रयः श्

પ્રીવ-ક્ષુ-પ્રસાદ ત્રાન્ય સ્થિતાના ત્રાના વેશન સ્થાન ત્રાને ક્ષું ત્રાના સાથત ક્ષું ત્રાના સાથત ક્ષું ત્રાના ત્રાના

यर्दे वै। चट के व ने र खेव त्या केंद्र र प्रे के से त्या केंद्र र ते व केंद्र ते व केंद्र र ते व केंद्र र ते व केंद्र र ते व केंद्र र ते व के

বাধ্যম'থ'(এর্থথমা)বী

हेट्यूश्रश्चर्यं से से स्वास्त्र क्षेत्र विश्व स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्व स्वास्त्र स्व

चित्रः वित्रः वित्र वित्रः वित्र

पानेशय'(इन्न)ने।

याची हि.धेर.श्रेर विचाचिवाचीवायाँचा विवाचीवायाँचा विवाचीवायंचा विवाचेवायंचा विवाचीवायंचा विवाचीवायंचा विवाचीवायंचा विवाचेवा

यर्ने वित्रक्षेत्र वित्र क्षेत्र प्रते के क्षेत्र के क्षेत्

पश्चिम् प्रति स्वाविव प्रत् । क्रै स्वाविव प्रत् अस्व स्वावि प्रति स्वाविव स्वाव स्वाविव स्वाव स्वाविव स्वाव स्व स्वाव स्व स्वाव स्व स्वाव स्व स्वाव स्वाव

च.जब्रीसेट.कुवे.ज.वे.कुवे.तपु.अष्ट्व.तर्म्वाय.तप्तेचे.चक्रेय.तपु.सेव्यतपु.स

चेश्वर्याचीरक्षेट्र्यत् क्वित्र्यत् अवर्याची प्रमृत्याचित्र वर्षेत्र स्वेत्य प्रति । विश्वर्याची प्रमृत्य प्रति । विश्वर्याची प्रमृत्य प्रति । विश्वर्याची । विश्वर्याची

भ्रम्य प्रमृत्य पर्स्वाय र्शे

### 

७७। विश्वयायाळ्यात्राच्यात

पविट.चन्द्रियःचर्ग्द्राच्याः अवयःच्युःचर्त्। । न्दःच्रिः(वर्वयःचर्ग्द्राच्याः अवयःच्युःचर्त्)

ર્સિવાયાન્ય ગ્રેટ્સ્યાયા ત્રીટ્સ્યાયા સ્થાન્ય સ્થાન

र्क्षान्ते भुः ने प्यटार्क्क्षारुव। इस्रायायि पेत्राने दिः पेत्राने भुः भुः यार्श्वावायाय प्रति पेत्राने प्रति

महिन्नायः (येद्वेःम्ब्राःम्बरःयः)या स्नुतेः इयःम्ब्रमः निष्ठेन श्चेतः प्रस्तायः स्वा प्रतः स्वाप्तवमः)यः महिन्ना श्चेतः र्देन प्रतः या स्वाप्याः में र्देन र्हि।

न्दःर्यः(क्वेकेन्तः)वाषास्त्रम् व्यवस्तुःवस्तुनःयतेःनुकास्रस्यस्य स्तरः। क्रुःमस्रसंस्यः स्त्रः स्त्रः व्यवदान

<u>५८.मू.(पर्यंब.यी.पर्यंत.प्यंच.सक्त्र्यंत.)यु</u>

बन्तुः क्रुवः क्रुः वाववः स्वतः स्

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{N}} \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{N}} \frac{1}{2$ 

$$\begin{split} & - L = - \int_{\mathbb{R}^{N}} \underbrace{\mathbb{E}_{[X, X]} \cdot \mathbb{E}_{[X, Y]} \cdot \mathbb$$

 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \sqrt{\frac{1}{2}} \sqrt{\frac{1}2}} \sqrt{\frac{1}2} \sqrt{\frac{1}2} \sqrt{\frac{1}2}} \sqrt{\frac{1}2} \sqrt{\frac{1}2} \sqrt{\frac{1}2}} \sqrt{\frac{1}2} \sqrt{\frac{1}2} \sqrt{\frac{$ 

ગ્રી સું, પ્રાંતિ માત્ર માત

 $\tilde{\chi}_{i} = \tilde{\chi}_{i} + \tilde{\chi}_{i}$ 

## इस्राचन्द्रा भ्रुटा मुद्रा

र्दे.च.कुवी.चूब.किट.ट्र.च्र.धेट.कु.भेर.विब.चेटब.त.त.तवील.च.कु.लूटी प्र्.च.पटेब.क.चीब.बी.चेत.कु.ची ठेग'र्वेष'य। यट'सळव'पवट'र्य'सुस'रु:स'गवेष'द्रट'। द्ये'चुद्रचवट'र्य'पकुद्रहेंग्रब्यर्र्य संदर्भव यरम्बर्गार्थे। दिवर्देदावादी कियार्वेषाग्रमावर्देदायषा इसायाग्वर द्वासार्थे।

दे.जूटबार्झेट्र्स्चिषात्तपुर्यः भीषुराक्तिवात्ति क्रिवाबारात्यातर्देवाबाराबार्स्स विः वा

दे.लट. ट्र. च्र. ध्रेट. क्री. श्री प्र. क. चेबा लेव. क्री ट्रेट्य अ. लेव. हो। ल. चेबा क्रिया श्री प्र. हेट. ट्र. ट्रा प्राप्त क्री विश्व स्था क्रिवाबायायायर्देवाबायये क्षेत्रःर्दे।

देवाववायाः विवार्केवाक्षेत्रः क्षेत्रः प्राप्तेवा प्राप्ता प्राप्ता विवार विवा र्ट्री ग्रिट्यःश्चेंदःह्वायःतपुःश्चे द्वपदः चेवःया सक्वाःवीःश्चेयःतपुःश्चे वे तार्वेयःक्वयःग्रीःश्चःवेदःवायः क्रिवाःलःलटः अर्क्षवः द्वेषः श्रुषः पदिः वाञ्चवाषः ग्रीः भ्रुपः च्युटः पः द्वादः स्वरः ग्रीः वावषः द्वेषः द्वादः स्वरः स रेबायबानुटाळुवाग्री वेटानुटानु अर्देवायरार्ह्याबायरातळटानु विते र्ख्यानु विद्वारा देविन देवि

वासुअःयः(देःयःर्यवायरःह्वायःवस्यःव)दी

यटबाक्यकार्ये द्राप्तु द्राप्तु भू यटबाक्य या स्वर्धि द्राप्त स्वर्धि स्वर्ये स्वर्धि स्वर्ये <sup>क्षे</sup>वाःक्षे। नवायःवित्रास्वःक्षेःक्षुःताःक्षुरःचःचहनःयवेःक्षेत्र। नेःक्ष्व। नेःर्धेवःहवःर्रवःवायेवःयरःवय। र्धेवःहवः सबर-विचा-क्या-भाष्या दे-भुष-तद्य-विष्य-भ्रीनश्व-क्षेत्र-विद्य-भाष श्रेव मानुस्र सामा वर्दे दात्र श्वर सामा सहर श्वर मित्र मित्र सामा सहर श्वर मित्र मित्र सामा सहर सामा सहर सामा 31

योचीयाराञ्ची,यापुरायादिजानीपुः योषयाञ्चेराः द्वाताच्याची याद्याः भिष्यः मिष्यः स्वाताः स रट.क्रिंट.क्रीय.पर्जंय.ताज्ञट.तप्री विषाञ्च.ता.यु.चि.य.याज्ञ्य.प्रीय.पे.यु.क.क्षी यटय.क्रिय.क्री.वाचीवाय.क्री.श्ली.वापय. श्रेन्-नु-व्या वस्रबन्द्र-सिव्यान्य-सर्द्रवन्तुसन्नुसन्तुन्य-वाव्यान्य-सिव्यान-सिव्यान्य-सिव्य-सिव्यान-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान-सिव्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्यान्य-सिव्य-सिव्य-सिव्य-सिव्य-सिव्य-सिव्यान्य-सिव्य-सिव्य-सिव्य-सिव्य-सिव र्जा |बर्म क्रुम दे ह्वा मृत्रे प्वेद दे प्यायवियायम् प्रविवायाये विष्या दे दे विषय विषय प्रवित्य विषय विषय वि धेव वें। वि व। दे धर बे त्वर पर क्र प्रम्य प्रमुद विव हें।

चित्रवाराञ्चात्रेयात्रवाराञ्चवार्याचाराची प्यतास्त्रवाराय्या द्वात्रवाराय्या द्वात्रवाराय्या व्यवाराज्ञा क्वात्रवाराज्ञा क्वात्रवारवाराज्ञा क्वात्रवाराज्ञा क्वात्रवाराज्ञा क्वात्रवारवाराज्ञा क्वात्रवारवाराज्ञा क्वात्रवाराज्ञा क्वात्रवाराज्ञा क्वात्रवाराज्ञा क्वात्रवाराज्ञा क्वात्रवाराज्ञा क्वात्रवाराज्ञा क्वात्रवाराज्ञा क्वात्रवाराण्या क्वात्रवाराच्या क्वात्रवाराच <u> चर्ष्र्यायर तर्रेत्। दट. त्रु. क्षेर. ये विट. क्ष्य. युष्यय त्रायय त्र्यायाय मुवेर. या विरूट. या तर्रेट. या व</u> <u> ज्रुवाया-४८.कैंटे.ज.चूलयान्य-२.वियाताज्ञयान्य वियाता</u> सूचाताञ्चातान्य । यान्य वियाताञ्चात्र वियाताञ्चात्र विया

र्थ्यः प्राच्यः क्षेत्रः व्याः व्यः व्याः व्या

यस्तवाबान्तर्यः अवेशाविवाः वः भ्रूं अप्राप्तान्यः विवान्यः विवान्यः विवान्यः विवान्यः विवान्यः विवान्यः विवान्य चनः ग्रीमः त्यक्षेत्रः अवेशः विवान्यः भ्रूं अप्यान्यः विवान्यः विव

क्रिट्यं प्रत्यान्त्र विकास्य विकास विकास

चित्रेश्वर्पा (ध्वर् विचानि द्वर्) वि हैं र्स् किट की स्त्री ध्रिश्वर के श्री स्त्रे स्वानि स्वर्ण की स्त्रे स्वानि स्वर्ण की स्वर्ण की

५८ र्रे (१ क्षेत्र के १ के अर्थ के अर्

भु पवितः प्रार्थि से में निप्री भी

ঘান্ত্ৰশ্ব'(₹'ব')বী

द्यायते दे ते कि त्या कि त्या

याशुस्राय('त्रम्चेत्यय')त्याविश्व दर्देशन्दा र्केशस्त्रव म्यी:श्लुग्वाशुस्र केंश्व मुन्य स्वीयाय स्वीयः स्व

च्याप्तिः चित्रप्रः क्षेत्रेचानित्रः च्याप्तः च्याप्तः स्थाप्तः स्थापतः स्

 $\underbrace{ \check{\tau} \cdot \check{\tau} \hat{\alpha} \cdot [ \exists \Gamma \cdot \mathsf{u} \cdot \mathsf{u} \cdot \check{\tau} \cdot \check{\alpha} \cdot \mathsf{u} \cdot \mathsf{u} \cdot \check{\tau} \cdot \check{\alpha} \cdot \mathsf{u} \cdot \mathsf$ 

याने याने याना विकार व राष्ट्री सुरावा सुरा केंया हो द राष्ट्री सुराय व राष्ट्र राष्ट्रीय व राष्ट्रीय राष्

ર્જ્ય જ્વા શું સું સુવા સાવાશુસ ર્યે :ર્જ્ય જ્વા દે :વેં :લેન : શું માર્ચ સું માર્ય

$$\begin{split} & = \sum_{i=1}^{n} \frac{1}{2^{n}} \sum_{i=1}^{n} \frac{1}{2^{n$$

द्रंचं त्रेन् ग्री क्षु न्दर्स्च वन्त्र अव त्री विद्रक्ष क्षेत्र त्री विद्या विषय विद्या विद

प्रातेशस्य (इ.य.)वी

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1$ 

यति श्रीत्रा यति स्वर्षेत्रा स्वर्षेत्रा स्वर्षेत्रा स्वर्षेत्रा स्वर्षेत्रा स्वर्षेत्रा स्वर्षेत्र स्वर्णेत्र स्वर्षेत्र स्वर्णेत्र स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वर्णेत्र स्वर्षेत्र स्वर्णेत्र स्वर्णेत्र

અર્દ્રેન્દ્રી ગ્રદ્ભારા મુંગુલ્લા મુંગુલ્લા સુરાન્દ્રાન્દ્રાત્વે ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત સ્ત્રાન્દ્રાત્વે માના મુંગુલ્લા સ્ત્રાન્દ્ર સ્ત્ર સ્ત્રાન્દ્ર સ્ત્રાન્ર સ્ત્રાન્દ્ર સ્ત્રાન્દ્ર સ્ત્રાન્દ્ર સ્ત્રાન્દ્ર સ્ત્રાન્દ્ર સ્ત્ર સ્ત્રાન્દ્ર સ્ત્રાન્ર સ્ત્રાન્દ્ર સ્ત્રાન્દ્ર સ્ત્રાન્દ્ર સ્ત્રાન્દ્ર સ્ત્રાન્દ્ર સ્ત્ર સ્ત્ર સ્ત્રાન્દ્ર સ્ત્ર સ્ત્ર સ્ત્રાન્દ્ર સ્ત્ર સ્ત્ર સ્ત્રાન

वासुस्रायः (विश्ववायः)या नुष्ठे नान्ता ने निवाधि वेत्रार्केत्रः सुराचववायर्वे । न्यास्यः (नुष्ठे नः)वे।

योष्ट्रयान्त्रे.य्यान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रय संद्यत्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान् इत्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रय

त्यः प्रस्तः स्वाध्यः प्रस्तः स्वाध्यः प्रस्तः स्वाधः स्वाधः स्वाधः प्रस्तः स्वाधः स्वधः स्वाधः स्वधः स्वाधः स्वधः स्वाधः स्वाधः स्वधः स्वाधः स्वधः स्वाधः स्वधः स्व

इंश्राध्याणुत्रायाची प्राप्ताचित्राणुत्राची व्याध्याण्याची व्याध्याण्याची व्याध्याण्याची व्याध्याण्याची व्याध्याण्याची व्याध्याण्याची व्याध्याण्याची व्याध्याच्याची व्याध्याच्याची व्याध्याची व्याध्याच्याची व्याध्याच्याची व्याध्याच्याची व्याध्याच्याची व्याध्याची व्याध्याच्याची व्याध्याची व्याधी व्याधित्यची व्याधी व्याधी

यावमः म्नद्रमः विद्राधिः भ्रमः विद्राधिः विद्

इं.क्थ.त्वं.त्यं व्याप्तं व्यापतं व्यापतं

स्यानिक स्यानिक स्वाप्त स्व स्वाप्त स

स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त

## इस्राचल्द्रा क्षेत्र क्रुवा

चन्यरः मदे अळव् अपि भू क्षे में श्रु प्रतरः निर्वे त्यायः भवि श्रु अव्ययः स्वावः है । सूरः वर्षे नियः स्वावः स भू प्रतः चि अर्च व अर्थे। सूरः प्रते व व स्वावः स्व

કૃષાસ્યાં | કૃષ્ણ સામાર્થિયા કૃષ્ણ સામાર્થિ

चन्यरः श्री श्री चन्यरः हो। अप्युष्ययरः श्रिनः यरः चेन्यरः श्री विद्युः य्यायाः स्त्रीतः विद्यायाः स्त्रीतः स्

चर्यर से 'वियायर चे राय भी ने 'या प्राप्त का कि राय प्राप्त के स्वाप्त स्वाप्

प्रतिषात्प्रात्म विष्णविष्ठित्र । विष्णविष्ठित्र । विष्यत्र विष्ठित्र । विष्यत्र विष्ठित्र । विष्

इस्राध्याप्त्राचित्राचित्राच्या विष्णावित्तात्त्राच्या विष्णावित्तात्त्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात् विष्णावित्तात्त्राच्यात्राच्य

त्रांबर्ग्य क्षेत्र क

યાતાત્વેત્રાનો મુંત્રાયાનું તાત્રા છે. ત્યા છે. ત્યા છે. ત્યા મુંત્રા તાત્રા તે ત્યા છે. ત્યા મુંત્રા તાત્રા મુંત્રા તાત્રા છે. તા મુંત્રા તાત્રા મુંત્રા તા મુંત્રા માં મુંત્રા તા મુંત્રા તા મુંત્રા તા મુંત્રા તા મુંત્રા તા મુંત્રા મુંત્રા તા મુંત્રા તા મુંત્રા તા મુંત્રા તા મુંત્રા તા મુંત્રા મુંત્રા તા મુંત્રા મુંત્રા તા મુંત્રા મુંત્રા મુંત્રા મુંત્રા મુંત્રા મુંત્રા મા મુંત્રા મુંત્રા

ङ्गे:र्क्षत्र:द्वाप्य:वी

चल्राह्मअर्थ्यत्राह्म प्रत्यात्र विष्णा क्षेत्र क्

स्वयावयास्त्री है। स्रेरावर् नेया स्वाप्त स्य

दे.चब्रिन्द्र-स्थान्न-स्थान्य स्थान्य स्थान्य

न्तृव राक्षेव क्षेंट्य क्षेत्र स्ति कि तिर हे ति हैव की

न्यते क्विन न्याते क्विन प्रते कित्ते त्र स्विन क्विन न्याते क्विन क्विन प्रते क्विन स्विन प्रते क्विन स्विन प्रते क्विन स्विन प्रति क्विन स्विन स्वि

यदः म्वान्यः त्युक्षः त्याः वी न्यक्षः मुद्दाः विकान् विकान्य विकान् वि

न्गु'य'वै।

स्ट्यान्तर, पहुंचा हुंचा कुंचा न्या हुंचा हुंचा

বস্তু'ঘ'ৰী

यम्द्राचुःद्रम् तळद्राचुद्राद्रवायाः र्बे र्बे प्यम्द्रवायम् देवायायवे द्रम्

पञ्ज्याठिया य दी।

यद्वास्त्रविद्याः विश्वस्य स्वाप्त्रविष्यः प्राप्तः विश्वस्य स्वाप्तः स्वापतः स्वापतः

বস্তু'বান্ত্রম'ম'বী

क्रें.चञ्चलायदे.चर.पे.हे.क्षेर.पर्ट्रे.तर.वोवबावेबात्रक्र.ज.रेचर.च.रेटा ध्रेर.प्र.पहेंव.वॉरबाड्यर.त.ज.

યાલેશ-દો-પ્રાયત્નાનું સામાન્ય સ્થાન્ય સ્થાન્ય સામાન્ય સામા

<u> पर्रु मासुस ५८% पर्रु पर्वे। पर्रे स्पर्ध दी</u>

ढेबाराचक्यायराच्च्राचन्न्राचन्न्यत्याचे क्ष्याचि वर्ष्ण्याचे विषाचु न्याचन्नु न्याचन्ने व्याचन्त्र क्ष्याचन्त्र विषायाचे वर्ष्ण्याचे वर्ण्याचे वर्ष्ण्याचे वर्ष्णे वर्ष्णे वर्ष्णे वर्ष्णे वर्ष्णे वर्ष्णे वर्ष्णे वर्षे वर्ष्णे वर्षे वर्णे वर्षे वर्ये वर्षे वर्ये वर्षे वर्ये वर्षे वर्ये वर्षे वर्ये वर्ये वर्ये वर

पञ्जुनुषायः दी।

यः श्रव्यात्रात्तर्भः भ्राक्ष्यात्र श्रित्रः विश्वात्र स्त्र स्त्

নন্তু নন্ত্ৰ ন্য কী

বর্ষ্ঠ'বস্তুদ্'ঘ'বী

বস্তু'ব্য়ু'ম'বী

योष्ट्रमा अध्यात्त्र स्वात्त्र स्वत

ने श्रायाची

र्भर प्रमित्रप्रि स्वर्था क्रिया ग्री क्रिया सार हे साय हैं प्रकृत प्रमुत्र प्रमुत्र प्रमुत्र प्रमुत्र प्रमुत्र

नेर'गठिग'य'दी

 $\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1$ 

यादिषाया (देन्या भेशक क्षेत्र सुर चलवा या) दी

તાર્યું વાયાના કુવાની તાલુ તારામાં મુંવાયતા ક્રિયાની ક્રિયાના કુવાની તાલુ તારામાં મુંચાયતા કર્યાની સ્થિયતા કર્યાની તાલુ તારામાં કર્યા ક્રિયાના કુવાની કર્યા કરાય કર્યા કર્યા

यादिकारा (वर्त्र पुरक्षे वर्ते द्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प्त

च्र-ॱॻॖऀॱळेग्रयात्रन्यः वित्रात्रेत्रः त्रेन्। वित्रः त्रेन्। वित्रः वित

५८.५ (क्र.क्) क्रवाबाचर्य के बीच विकास कर्त कि की बीच के बीच के कि की कि

तस्याबाराज्ञ्यावे स्वाविवार्यावे वितायते विवायते विवायते विवायते क्षेत्राचार्या क्षेत्राच्या कष्या कष्या क्षेत्राच्या कष्या कष्य

 $\hat{q}_{A} \cdot \hat{q}_{A} \cdot \hat{q}_{A}$ 

ञ्जु-र्र-र्त-तृत-ग्री-ञ्जु-प्यमाञ्च-पावव-तु-पञ्चव-पाहे-पर्युव-ग्री-पवित-ग्री क्रेंग्य-पठत-सृष्टी-पञ्चव-प्यत-तु-चेत-पाक्ष-प्यत-र्त्त-वित्वा

યક્રિવાર્ફ્રાન્યત્વરાત્વેત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્વેત્રાત્

म्दिराया (भ्रु. श्रे. त्र्राचा तृत्रे वार्ते व्यव्या प्रति वार्ते वार्ते

यक्ष्यात्त्रःक्षेत्र। विपानाविषान्त्रात्त्रः स्वित्रः प्रक्षियात्रः स्वित्रः प्रक्ष्यः स्वित्रः प्रक्षियः प्रक्षियः

श्रुयापश्रूयार्से वि वा

द्रेन्याय्यात्वराष्ट्रियाचित्रात्वात्वरात्वर्षः वित्यायाः केत्राय्याः कृत्याय्याः वित्याय्याः वित्यायाः केत्रायः कित्यायाः केत्रायः कित्यायाः केत्रायः वित्यायाः केत्रायः वित्यायाः केत्रायः वित्यायाः केत्रायः वित्यायाः केत्रायः वित्यायाः केत्रायः वित्यायः व

 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{$ 

<u>पासुक्ष'रा'(भे:वेबार्क्रबाञ्चानुबुकाः सबादानुनःनुः सर्देनुः यः सर्हिन्यः स्वार्ट्ना भाष</u>

₹५'य'५८'| व्यव'र्वे। ५८'र्थे'(₹५'य')वे।

 $\frac{1}{2}$  क्यान्त्रन्त्रः त्र्रेत्रः त्रित्रः क्षेत्रः त्रित्रः त्रित्रः क्षेत्रः त्रितः त्रित्रः क्षेत्रः त्रितः त्रितः

चित्रस्य क्ष्यः भ्रावेष्यः स्वाप्तः स्वापतः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वापतः स्वपतः स्वापतः स्वापतः स्वापतः स्वापतः स्वापतः स्वप

### ঘান্ট্ৰশ্বাথ (এব:)বী

કૃષા ક્રિયા સુંતા ત્રાર્થન ત્રાપ્ત ક્રિયા કૃષા ત્રાપ્ત ક્રિયા કૃષા ત્રાપ્ત ક્રિયા સુંતા ત્રાપ્ત કૃષા ત્રાપ્ત કૃષા ત્રાપ્ત કૃષ્ણ ત્રાપત કૃષ્ણ કૃષ્ણ ત્રાપત કૃષ્ણ કૃષ્

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1$ 

रैण्यान्द्रात्री त्यायाच्यात्र त्यान्याच्यात्र स्वार्यान्य स्वार्यान्य स्वार्यान्य स्वार्यान्य स्वार्यान्य स्व

मुक्तेश्वरादेवे वित्राचित्राच्यराच्यत्राया

क्रॅव ऑट्य अट्ट पति हिट टे प्यहें व प्टा क्रॅव पाव व या अडिव पति हिट टे प्यहें व हिं। प्टार्थे (क्रॅव ऑट्य अट्ट पति हिट टे प्यहें व ) या पा शुआ छी प्टार्थे। अळ अया क्रुप्त पति हि

वृद्रः विषायाः विषायां ।

गहेशपः(इपः)है।

तृत्र र्वेत्र ग्री क्रिंत र्वेत् व्या स्थान स्य

पासुस्रापः(विष्यान)दी

विवःह्याताः स्वायायायः विवानि इताः स्रा

गहेराया(हता)दी

## इस्राचल्दा क्षेत्र कुत्

तकन्यन्ता वे कें अवस्थान्त्र सेवायम्य स्ति। वित्र वे स्वायी क्षेत्र वित्र सेवाय वित्र सेवाय सेव

### নাধ্যম'শ'(এর্থাথ'ন')বী

देन्यः स्ट्राच्यः स्वाद्ध्यः प्रत्याचे स्वाद्ध्यः स्वाद्धः स्वतः स्वाद्धः स्वतः स्वाद्धः स्वतः स्वाद्धः स्वाद्धः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्व

वाशुक्षाया (दे.काईट्यार्श्वराया)या केंबाशुं ह्वायाया सेंद्रायार्श्वराया विद्याह्वाया विद्याह्वाया विद्याह्याया

 $\frac{1}{8} \cdot \Box = \frac{1}{8} \cdot \Box =$ 

विवेशन्य (विवः)या बेश्रबारुव रूटः क्रुट्-ग्री क्रिंवाबाग्री विट्-यर या हिंबाया दि बेश्रबारुव रूटा क्रुट्-ग्री

मुक्ति यास्तरम् भुग्तर्देषासु स्री स्रूट पार्चेषा प्रमृत्यर्दे ।

५८.त्.(अत्रब.२८.कै८.के.वे.१८८.त.वे.१८८.त.वे.१८८.त.वे.१८८.त.वे.१८८.त.वे.१८८.त.वे.१८८.त.वे.१८८.त.वे.१८८.

ड्र.च। क्रै.वृ.लूटबारी विट.टेट.विट.ल.विट.व्यट.खे। विट.क्र.चे.च.सव.क्रै.न्त.सव.क्रि.न्त.सव.क्रै.न्त.क्रै.न्त.सव.क्रै.न्त.सव.क्रै.न्त.क्रै.न्त.सव.क्रै.न्त.क्रै.न्त.क्रै.न्त.क्रै.न्त.क्रै.न्त.क्रै.न्त.क्रै.न्त.क्रै.न्त.क्रै.न्त.क्रै.न्त.क्रै.न्त.क्रै.न्त.क्रै.न्त.क्रै.न्त.क्रै.न्त.क्रै.न्त.क्रै.न्त.क्रै.न्त

ગુ.ન.જાદ્દ્રન.જીન.જૂનાજાન્યનાજાનું સ્ત્રેન્ટ્રનાજીન્યાનાજાનું સ્ત્રેન્ટ્રનાજીન્યાનાજીન્ય

### पविश्वाय (वर्षेयायः)दी

स्ति।

यत्त्रश्च श्ची श्चित्रश्च स्त्राचे स्त्राच स्त्राचे स्त्राचे स्त्राचे स्त्राचे स्त्राचे स्त्राचे स्त्राच स्त्राचे स्त्राच

पविषायः (त्रेय्यार्क्ष्याः स्वाप्तः क्षेत्रः कष्टि क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टि क्षेत्रः कष्टि क्षेत्रः कष्टि कष

देन्हेन्सुनुनियाः डेकार्का।

गहेशपा(इन)वी

### দাধ্যম'ন'(বেল্রথ'ন')বী

 $\frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac{$ 

यविष्यः (धियः ह्वा विष्या। यः ईनः श्वरः) यः यविष्यः ग्रीः न्दः र्यो द्वे प्रा

 $\frac{(\sqrt{2} - \sqrt{2})^2}{(\sqrt{2} - \sqrt{2})^2} = \frac{(\sqrt{2} - \sqrt{2})^2}{(\sqrt{2} - \sqrt{$ 

चरःभ्रम्यशःग्रीःक्षेयाशःशुःमरुद्रःयशःगशुद्रशःया

### गतेषाया(इना)वै।

યાન્યાનું ત્રામાં ત્રામા ત્રામા ત્રામાં ત્રામા ત્રામા ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામાં ત્રામ

#### নার্যুঅ'শ'(নেন্র্ন'শ')বী

ક્વા-તાલુયાત્રાદ્ધના માર્ગ્યા કિ.સેન્-તાલુયાત્રાદ્ધના માર્ગ્યા ક્વા-તાલુયાત્રાદ્ધના માર્ગ્યા ક્વા-તાલુયાત્રાદ્ધના માર્ગ્યા ક્વા-તાલુયાત્રાદ્ધના માર્ગ્યા ક્વા-તાલુયા માર્ગ્યા માર્ય

चर्'प'र्थ'स्रद्रत्परि'धुर्

पांचुयाया (बॅटकार्ड्डेन् हॅप्प्यायि क्रु.)या यर्क्षव किन् ग्री क्रिंच्यायार्देन पांच्या प्रेंव क्रिंच्यायार प्रमिन् पांचुयाया (बॅटकार्ड्डेन् हॅप्प्यायि क्रिंच्याया प्रक्रिक्च प्राप्त क्रिंच्याया प्रक्रिक्च प्राप्त क्रिंच्याया प्रमिन्

गहेशपः(इपः)है।

ર્સના સર્જન તે. શૈસા શૈસા વૈક્ષાની સાર્ટના વિત્રા કરિયાના ક

मासुस्रायः(त्र्येयःयः)दी

ત્રાયુ. શ્રેમ સ્થ્યુમ્યા શ્રુપ્ત સ્થાને ત્રાયુ સ્થાને સ્થાને ત્રાયુ સ્થાને સ્થાને

વૃत्तिकानुःश्रळ्वः)या व्यव्यानुःश्रळ्वः।यावश्यानुःयः।यावश्यानुःयः।यावश्यानुःयः।यावश्यानुःयः। श्रुःयान्यः। श्रुःयः। श्रुःयःयः। श्रुःयःयः। श्रुःयः। श्रुःयः। श्रुःयःयः। श्रुःयः। श्रुःयः। श्रुःयः। श्रुःयः। श्रुःयः

यक्त्र सुया हु सामित्र विवार्से ।

गहेष'य'(हरा)वै।

મુંત્રા ક્રિયા.લેવયા.પ્રાંત્ર.પ્રાંતુ.ત્રાસ્ત્રાલેવ.તે.સ્યાસ્ત્રાલેવામાં વિત્રાલેવામાં સિયા.લેવયા.સ્યાલેવ.તે.સ્યાસ્ત્રાલેવ્યાસે પ્રાપ્તિ સ્થાસેત.લેવમાં સિયા.વે.તે.સ્યાસેત.લેવમાં સિયા.લેવમાં સિયા.વે.સ્યાસેત.લેવમાં સિયા.લેવમાં સિયા.વે.સ્યાસેત.લેવમાં સિયા.લેવમાં સિયા.લેવમા.લેવમાં સિયા.લેવમા.લેવમાં સિયા.લેવમાં સિયા.લેવમા

द्रे. अर्च्च. अर्चट. श्रीच. श

र्ष्ट्रवायर त्यार्त्त विकाला ।

श्वाप्तर त्यार त्यार्त्त विकाला ।

श्वाप्तर त्यार्त्त विकाला ।

श्वाप्तर त्यार त्यांत्र विकाला ।

श्वाप्तर त्यार्त्त विकाला ।

श्वाप्तर त्यार्त विकाला ।

श्वाप्तर त्यार्त्त विकाला ।

श्वाप्तर त्यार्त्व विकाला ।

श्वाप्तर त्यार्त विकाला ।

श्वाप्तर त्यार त्यार्त विकाला ।

श्वाप्तर त्यार त्यार विकाला ।

श्वाप्तर त्यार त्य

#### বাধ্যুষ্ণ শে (বেরীবাশ )বী

स्रात्वित्त्वति भ्राक्षण्यायक्षेत्र प्राप्ता क्ष्रात्त्र क्ष्र क्ष्रात्त्र क्ष्रात्त्र क्ष्रात्त्र क्ष्रात्त्र क्ष्रात्त्र क्ष्र क्ष्रात्त्र क्ष्र क्ष्रात्त्र क्ष्रात्त्र क्ष्र क्

स्त्री। स्रिया-वित्यकाग्री-स्र्र-स्रिय-वित्य-वित्य-वित्य-पि

द्राप्तान्त्राचीलकाश्चारपष्टिकानाः कुर्तार्थात्राच्यात्रच्यात्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच

यस्त्रात्तेत्रप्तः त्रेत्रप्तः स्वात्ते प्रात्ववः ग्रीकाः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्त यक्षः स्वात्ते स्वात्ते प्रात्ते स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात

प्रत्येव क्ष्यं म्यव्यं क्ष्यं म्यव्यं विषय क्ष्यं प्रत्या क्ष्यं प्रत्या क्ष्यं प्रत्या क्ष्यं प्रत्या क्ष्यं प्रत्या क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्ष

हेब.की. विश्वसाध्यसाध्यस्य स्वर्तात् क्षेत्रस्य स्वर्तात् स्वर्तात् स्वर्तात् स्वर्तात् स्वर्तात् स्वर्तात् स्व पिष्ठिवायः भेटा वाय्यतात् प्राप्त् प्राप्तात् स्वर्तात् स्वर्त्त स्वर्तात् स्वर्त्यः स्वर्ति स्वर्यत् स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ते स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्त

त्र-प्रक्ष्यत्रक्षन्त्रक्षेत्र-प्रचीट-प्रपृत्ति-प्रक्षित्र-प्रचीट-प्रपृत्ति-प्रक्षित्र-प्रचीट-प्रक्षित्र-प्रचीट-प्रक्षित्र-प्रचीट-प्रक्षित्र-प्रक्षित्य-प्रक्षित्र-प्रक्षित्य-प्रक्षित्य-प्रक्षित्य-प्रक्षित्य-प्रक्षित्य-प्रक्षित्य-प्रक्षित्य-प्रक्षित्य-प्रक्षित्य-प

ग्रेषर्भः(क्रुप्तव्यक्षक्षेर्प्रवेष्यमः)भःग्रुसःग्रेप्दर्भे सक्स्यमःश्रुर्भः

यक्ष्य.ग्री.श्रु.ग्रीय.तथाख्यास्र्री।

प्रातेशस्य (इ.य.)वी

अक्षत्र विराध्यक्षत्र विराधारामा भिष्यास्य क्षेत्र विराधारा क्राधारा क्षेत्र विराधारा क्राधारा क्षेत्र विराधारा क्राधारा क्षेत्र विराधारा विर

र्यात्रभुः ति ने त्यां स्त्राचि त्याया स्त्रीत स्वर्धि विश्व स्त्रीत स्त्रीत

यक्षत्रःग्नरःमीःबेषःहि। सःचःक्ष्ररःक्षुरःर्दे।।

ग्राह्म प्राप्त (क्रायादे प्राया प्रविद्यान प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप

यक्षवःश्रीःश्रुःदेःग्राटःधेवःवेःवःवेषःर्शे।

पानेषाय'(हरा)वै।

ग्रुअर्पः(विशेवाराः)वित्रः क्रुवार्यरः श्चेःवळप्रायते क्रुः अळव् वे।

दे सूर अर्ळव इस्र शबिश श्री।

पानेषाय'(इनः)वै।

ञ्चान। विटाराषु सेव र्या वार्यायर्गा निर्मा विद्या स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्य ॻॖऀॺॱॾੑॱॸॱॸ॒ॸॱऻॖॾॱऄॱॺॸॕढ़ॱॸ॒ॸॱॺॸॖॸॱय़ॱऄॸऻॗऒॕॎॸॱय़ॖॱऄॱॺॸॕढ़ॱॿॸॺॱॺढ़ॺॱॸ॒ॸॱऻॗऄॸॱॻ॓ॱग़ॗॸॱक़ॆढ़ॱ चि.रट.थ्री वि.अक्ट्र्य क्षेत्रयाचेचायाचालया क्षेत्रयाय निर्मा विष्या विषय विषय विषय विषय विषय विषय ब्रि.ट्रें. चेब.पट. दुश.तर. पक्षा विद्र. र्ट. प्रह्म. र्ट. र्चा. प्रतु. श्री विक्र. र्वे. पूर्व से ह्वी ब.त. ८८. भि.तु.त्राचा.लटब्र.चुट.चन्। व्रिंश.सूँशब्र.त.८८.श्चेष.वाधेब्र.ची। रिवा.८८.वार्ष्य.च.२४.धेर. । म्बेम्बर्यः क्षेत्रः सेन्द्रम्यः प्रत्रः । प्रम् विष्यः भ्रायः क्षेत्रः सः क्षेत्रः प्रत्रः । । श्वरः देशः प रटान्यायमार्स्चेन्यायादियाचार्या ।गावावस्याद्वावस्याद्वाचार्याच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्याया वायवा.यवा.श्रर.त.रटा विवा.यु.ध्रट.तजा.क्षेत्र.प्यह्य.रटाविवा.र्युय.श्रर्यट्य.सूर.चटा.प्रिवा. वै.रु.ठट.शु.रुट.र्ना विकु.वै.र्नुयापासूरान्यरान्ता विवायायानेवायानेवायान्ता विवायायानेवायान्ता त्रचुण'गे' भ्रु'केर'र्र'। विश्वर्यं अहेर्यं रह्यं र्रं स्थळे र्यः ह्या विष्ट्रं र्या स्थान्या विष्ट्रं र्या विष्ट्रं ग्रीमासान्द्रान्द्राम् वर्षे प्रत्या वर्षे वार्ष्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्र य.पर्य.प्र.प.रेटा अर्थेवेथ.सूर्वेथ.सूर्यंतर्प्यस्थ.त्रा.पेटा अर्थेश.पेटा अर्थे.यंथ्यंत्रेयात्रेयात्रेयात्रेया श्रुवःअव्यान्दा। वियवायाः इयायरः श्रुद्वायाः नृत्यायः येवावायरः विद्वेवायः नृत्यः । ५८:५५:कुष:५८:। ।५५:भ्रु:५८:५:ववग:५८:। ।क्रुग:५८:८ह्य:५८:य:५६:८ष:५८:। ।वेःगर्वेर:ई: विभः भ्रेष्यानुः भी । भिन् दिः वर्ष्यवाः यनः म्रेनः यः नृतः । निययः म्रेषः नृतः नृतः वर्षः म्रायः म्रायः म्रायः नवट र्धेर निवेत्।।

ग्रुअर्प (विशेषाया) । प्रमुद्द । प्रमु प्रमु प्रमु प्रमु ।

ત્રાં ત્રાથમાત્રા શક્યા કુવાના તેટા કુવાના તું છું તે તેટા કુવાના સુધાના સુધ

કુંત્રાના કું

चरुःळवःगवेषःयःवी

योचेत्रायः छेट. ग्रीका क्यां । विलयः क्षेत्रायः अप्तान्त विवाद्यः प्राच्यायः क्षेत्रः कष्टे कष्टे कषेत्रः कषेत्रः कष्टे कषेत्रः कष्टे कषेत्रः कषेत्रः कष्टे कषेत्रः कषेत्रः कषेत्रः कष्टे कषेत्रः कष्टे कषेत्रः कषेत्रः कष्टे कषेत्रः कष्टे कषेत्रः कषेत्रः कष्टे कषेत्रः कषेत्रः कष्टे कषेत्रः कष्टे कषेत्रः क

द्राच्यक्षत्रयात्त्रक्ष्यक्ष्र्वाचात्र्वाक्ष्र्याचात्रक्ष्याच्यक्ष्याच्यक्ष्याच्यक्ष्याच्यक्ष्याच्यक्ष्याच्यक्षयाच्यक्ष्यच्यक्ष्याच्यक्ष्याच्यक्ष्याच्यक्ष्याच्यक्ष्याच्यक्ष्याच्यक्ष्यच्यक्षयच्यक्ष्यच्यक्षयच्यक्यच्यक्षयच्यक्यवच्यक्षयच्यक्षयच्यक्यव्यवच्यक्षयच्यक्षयच्यक्षयच्यक्षयच्यक्षयच्यक्षयच्यक्षयच्यक्यव्यवच्यक्षयच्यक्षयच्यक्षयच्यक्यव्यव्यवच्यक्यव

নন্তু:ৰ্চ্চৰ্ নাৰ্যুম্য:ঘ:ৰী

भुः इस्रायर द्वायमावर्ष त्या केत्र द्वा भुः द्वा वास्तर द्वा स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्

# क्यानन् भेराकुत्

বস্তু:ৰ্চ্চৰ্ বাৰী:ঘাৰী

क्रियः अर्थे वित्रास्त्र भ्रीत्र स्वर्यात्र स्वर्यात्य स्वर्यात्य स्वर्यत्य स्वर्यात्य

ગ્રુંત્ર-ત્ર-કુર-ગ્રુંત્ર-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-કુર-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-કુર-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-કુર-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-કુર-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-કુર-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-કુર-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-કુર-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-કુર-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-કુર-ક્ષ્યન્ત્રનું નિસ્ત-કુર-ક્ષ્યનનું નિસ્ત-કુર-ક્ષ્યનનું નિસ્ત-કુર-ક્ષયના કુર-ક્ષયના કુર-કષ્યન કુર-કષ્યન

বস্তু:ৰ্চ্চৰ্ ন্থ:ম:ৰী

ત્રીયાના ત

શ્રુण'ची'ने'र्शे'अन्द्रण'ण्यायायार्थेन्'र्प'केन्'न्ट्'खेत्र'हे। र्ट्ट'ची'क्कें'चें'न्ट्र'ण्यावित्र'ची'क्कें'चें'र्शें अव्यायार श्रुण'ची'ने'र्शें अव्यायार श्रुण'ची'ची'चित्र श्रुण'ची'चित्र श्रुण'ची'चित्र श्रुण'ची'चित्र श्रुण'ची'चित्र श

क्रॅब-तर-श्रद्धन्यः व्यावश्वरात्त्रः स्वित्वाची से स्वावस्य स्वस्य स्वावस्य स्वावस्य स्वत्य स्वयस्य स्वयस्य स्वयस्य स्वयस्य स्वस्य स्वयस्य स्यवस्य स्वयस्य स्वयस्य स्वयस्य स्वयस्य स्वयस्य स्वयस्य स्वयस्य स्व

नशुःर्ळवः दुषाः यः वै।।

# क्यानन् भेराकुत्।

ह्या श्रिक्तात्वर्ति स्वित्वर्ति क्षेत्रव्यात्वर्यात्वय्यात्वय्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वर्यात्वर्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वर्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वय्यात्वर्यात्वर्यत्वय्यात्वययात्वययात्वययात्वययात्वययात्वययात्वययात्वययात्वययात्वययात्वययात्वययात्वययात्वययात्वययात्वययात्वययात्

বস্তু:ৰ্চ্চব্যবন্তুদ্যবি

च्यान्त्रम् क्रियाच्यान्त्रम् विकास्त्रम् विकास्त्रम् विकास्तर्भ । विकास्तर्भ विकास्तर्

पति'प'(अर्क्चन्ने'क्षुयापदे'क्षु')यान्त्रुयाग्री'प्टर्मे अर्क्यवाक्षुर'प'दी।

ने सूर लेश र्शे।

## गतेषाया(इया)वी

ह्यन्। व्यापितः श्रीत्राचित्रः श्रीत्राचन्। विर्चे व्याप्यवायाः श्रीत्रं व्याप्यवायाः व्याप्यवायाः श्रीत्रं व्याप्यवायाः व्याप्यवायाः व्याप्यवायाः व्याप्यवायाः व्याप्यवायाः व्याप्यवायाः व्याप्यवायाः व्याप्यवायाः व्याप्यवायाः व्याप्यवायः व्याप्

য়ुःয়ৢ८ःत्रमःसदेग्वीत्वामःग्रीःয়ुःवामःग्रीःयतःपःश्वःस्वामःग्रीःয়ुःवादःवीमःविभःवद्येतःवमःग्रीःয়ुतःयतःसदिःपदेः देमःपःश्वःश्वेतःग्रीमःয়ुःदेःत्वेःस्कारुवा श्वुवःपदिःয়ुःवीनःग्रीःश्वेतःपद्यः। सुग्राःश्वेतःयदेग्वेत्वास्त्रीःसुःवान्यवामःग्रीःसुःवादःवीमःविभःविभःयद्येतःवसःग्रीःस्वःविनःविःविःवःविःवःविःवः

#### বাধ্যম'থ'(এর্থ'ন')বী

तृण्णः हुतः सः तः विवाद्ये विष्णः विषणः व

गुरुषात्र (सह्त्यात्र वेष्ट्राचात्र वेष्ट्राचात्र )या

यातिषारा (तद्येव त्यवातकर यर प्रमूव पः) वी

ત્વા સાર્વાના નાતિ તાર્સુન કર્યા છે. સ્ત્રું ત્વા સાર્વાના સાર્વ

# 

ક્રિયાનું ફુવાસે જિત્યાનું ત્વિવાનું તિર્વેત્ર વાદ્દે સ્ત્રીન ત્વર્સ્યાનું તિર્વેત્ર ત્વેત્ર સ્ત્રુપ્ત સ્ત્રુપ્

ક્ર.વ.પત્રવાયત્વાયત્વ્રામાં ત્રાં ક્રિયા ત્રામાં ત્રાં ત્રામાં ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત્રામાં ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત્રામા

र्ट.सू. (क्र्येब्यक्षक्षक्षक्षक्षक्ष्रक्षेट्रक्ष)जी

प्रमास्त्र के विषय विषय विषय क्षित्र क्षित्र

८८.स्.(यथकातासीय.क्र्यावातात्व्यूट.ता.)यी

# स्ना पर्गे स्थानिया वि निर्देश्य मिन्ति ।

ૹટ્રે.વું રવ.ૡટ્રેર.પટ્ર.વશ્ચન્ય.ૹેશ.કૈવ.વર્જાય.ઉ.કૈવ.વં.છું ત્યાં ક્યા.લંશાં મે સ્ત્રાન્ય.વોટ્રાય.વં.છે.સેવ.તું.વો.છે.સેવ.તું.વેય.છું.ત્યા.લંશાં કેવ.છે.ત્યા.લંશાં કેવ.છે.તે.લંશાં કેવ.છે.લંશાં કેવ.છે.તે.લંશાં કેવ.છે.તે.લંશાં કેવ.છે.તે.લંશાં કેવ.છે.તે.લંશાં કેવ.છે.તે.લંશાં કેવ.છે.તે.લંશાં કેવ.છે.લંશાં કેવ.છે.તે.લંશાં કેવ.છે.તે.લંશાં કેવ.છે.તે.લંશાં કેવ.છે.લંશાં કેવ

ग्रियारा (ग्रव्यक्ता श्चर श्चेत्र श्चेत्र श्चेत्र प्राचेत्र

## स्ना नरू इयानवे यान्वें नायान्या

यविषः श्चितः श्चेतः स्वारा प्रविष्या प्रविष्या प्रविष्या । श्चेत्र प्रविष्या स्वार्था स्वार्थी स्वार्यी स्वार्थी स्वार्थी स्वार्थी स्वार्थी स्वार्थी स्वार्थी स्वार्थी स्वार्थी स्वार्

ग्रुअर्'(नदेव निवे क्षिप्य स्ति क्ष्य निवास मि

हान। गावावकार्वेवार्वेदार्वेदकायककायाथी विषयपरामुदायार्हेणकायाद्वा।

# इस्राचन्द्र भ्रेट कुत्

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{3}} \int_{\mathbb{R}$ 

तर्तः तरः तश्चुरः चारे स्वः तुः तग्वादः धरः अळ्ळ शः ऋषे विषः ऋषि

यविषायः(श्विरःप्यस्यायविष्ट्यः)या प्रवास्यस्य स्वेतः स्वेत् वाषान्तः। स्टः श्वेतः श्वेतः श्वेतः श्वेतः श्वेतः स्वारं

रवा.ज.पब्र्रेर.तप्री

५८:र्से (पन्नयायासुव केंग्ना )वी

শ্র'ন। শ্রমশতব র্মশর্দির ই নির্বিগ্রী। বিবিদ্

यावव र्देव प्रवास्य प्राप्त द्वारा त्याप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्

અર્દે ત્રી દ્વાના અત્વર્યાના ત્રેમ ત્રાહ્ય ત્રા ત્રાહ્ય ત્રાહ્ય ત્રા

न्दःर्थें (न्द्र्यः)वी

ð'ㅋ1

.....य:र्रेश:ध्रे**व:5ुण**:८८।।

 $\underbrace{\xi}_{\text{d}} = \underbrace{\xi}_{\text{d}} =$ 

यर्रें दी पर्वाग्यर श्चेव प्राविहें र प्रावेदा विषार्थे।

यात्रेयाया (वात्रेयार्चे वाश्ची ह्या निष्यायायाय विष्याया विष्यायायाय

यर्ने निवाणिट्रियाच्छेत्रात्यस्त्रीःत्रस्याचीःत्रस्य स्वाप्त्रस्य स्वाप्त्रस्य स्वाप्त्रस्य विष्यं स्वाप्त्रस्य स्वाप्त्र

স্ত'ন। মেনেবিব'গ্রীশ। স্থিনিমেনিদেন

क्षेत्रः इस्यान्वाः भान्वीन् स्यत्रः द्वाः ह्वे। नेवान्यास्य स्यत्यविवः श्री वाः ह्वेन् स्यते ह्वेयः स्वाः ह्व

वेषःरयःग्रीषःहेवाषःयःयः प्वर्वेदःयरः ग्रःपदेः ध्रेरा

याद्युअन्यः(अर्वेदःयअन्यःवितःग्री । वित्रःश्री च्रितःयअन्यःवितःग्री । वित्रःश्री । वित्रःश्री । वित्रःश्री । वित्रःश्री । वित्रःश्री । वित्रःश्री ।

স্ত'ন। """ ব্যক্তিম ন্রন্দ্র্

यर्ने वै। च्राः केवः राग्यविवः क्षें राणः वेतः ग्रीः स्वरः श्रीवः क्ष्यवः यः क्षें प्राध्यायः वर्षे प्राध्यायः वर्यायः वर्षे प्राध्यायः वर्षे प्राध्यायः वर् प्राध्यायः वर्षे प्राध्यायः वर्षे प्राध्यायः वर्षे प्राध्यायः वर् प्राध्यायः वर्यायः व

बाह्ने आश्चेत्र पार्वे व्याप्त विष्ठ प्राप्त प्रति । यात्र विष्ठ प्राप्त विष्ठ प्राप्

#### ₹55

पितियः (बानिवासं स्वायानासुसाया सर्वे द्रापः) दानि

#### च्च'न। ..... न्रीम्बर्गरासेन्यन्।

स्ना श्रमारुव इसमाने पॅरमा ह्वीव र्रा

देवःर्द्रणःमुःषःचनुवःयःयःवर्षेदःयवेःवद्येवःयवःअह्दःदो बःदेवःचसूवःयवेःव्यवःअविवःग्रीःयरःध्रेवः

यों क्षें व्याप्या उव क्ष्यय वे प्राप्त शु क्षेत्र प्र यह प्र प्रेश

चित्रे सं (बाचक्कित्या वार्षेत्या)या

५८:द्रीं (लब्स न्त्रुब्ध ने बायते लब्ध ने बायत ल्याने वायात में प्राया ) दी

#### ॖॖॖॹॱॸऻॗ ॻॖॸॱॡॖॸॱऒॺॴॸॖॺढ़ॱॴॴॸॖॸॱढ़ॗऻऻ

 $\frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \sum_{j=1}^{n} \sum_{j=1}^{n} \sum_{j=1}^{n} \sum_{i=1}^{n} \sum_{j=1}^{n} \sum_{i=1}^{n} \sum_{j=1}^{n} \sum_{j=1}$ 

यर्ने दी। रपः पर्चेर प्यरः धेरः द्वणः देः चुरः कुपः ग्रीः श्ययः र्वे विषः र्वे। ग्रिकः पः (प्रदेवः पर्देवः विषयः) दी

## अन्। अर्देव प्रतः वेव प्राचर्त्तेषापाद्रा ।

चनेवःपरः अर्देवः परः लेवः पः अर्देवः शुरः र्स्वाः पः तः तर्वेदः पदेः श्वेरः दृदः।

यर्ने वी चटःक्ष्यःग्रे त्यस्यः र्श्वेन् प्रस्ति । स्वतः स्वान्यः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्व विष्णं स्वतः स

<u>पासुअःपः(बदबःक्वबःदर्गेवःबर्क्वाःचन्नवश्यःचःवर्वेचःयः)वि</u>

#### 

स्याः मुस्यान्त्रीत् अर्केषाः तुः चतृषाकायतेः चुदः स्तृष्यः र्वेषायः याः यात्रीत् यतिः स्त्रीतः स्त्राः यात्रा स्राम्याः स्त्राः स्त्रीत् व्यक्षेषाः तुः चतृषाकायतेः चुदः स्त्रुष्यः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर

प्रवि पा (बिट प्रवायि क्षें र प्राय वर्षे प्रय) दी

# ॖॖॖॖॖॖॖॺॱॿॣॸॱऻॗॾॣॺॱॸॣॸॱॸॣॺॱॸॣॸॱ

षद्याः क्रुषाः ग्रीः विदः इस्रायरः द्याः याः याः वर्षेदः यदिः ष्टीरः र्रे।

स्ट्रिंदीरियो.पपु.झ.प.ट्रे.रियो.क्येर.अश्वास्त्र्य.वश्वास्त्र्य.विय.सूर्याचीर.विय.सूर्याची.विय.सूर्याचीर.विय.सूर्याची.विय.सूर्याची.विय.सूर्याची.विय.सूर्याची.विय.सूर्याची.विय.सूर्याची.विय.सूर्याची.विय.सूर्याची.विय.सूर्याची.विय.सूर्याची.विय.सूर्याची.विय.सूर्याची.विय.सूर्याची.विय.सूर

भू:पः(बन्नुवायायवर्षिन्यः)य| रदःसदस्यः कुःचरःदेशयः)वै। नूरः र्षेः (रदःसदसः कुःचरःदेशयः)वै।

#### 

देवःर्वे म्हान्यः स्वाप्तः वर्षे द्रायते श्री वाष्यः अस्ति हो। यादेवः वर्ष्ण्यः स्वाप्ते स्वाप्तः विवापाविवः द

# अपना शेयशरहतर्देव वे क्रिन्येट प्रा

क्रॅबर्न्स्वाबर्ग्न्यस्थरम् अस्त्राच्चेत्रस्थरम् विषर्भ। विषर

च्याया (बानकुष्याया वर्षेत्या) याक्षा चर्रुः यक्षा चर्रुका यक्षेत्रा यक्षेत्रा चित्रा चित्रा वर्षेत्रा यक्षेत्रा वर्षेत्रा वर्येत्रा वर्षेत्रा वर्येत्रा वर्षेत्रा वर्षेत्रा वर्षेत्रा वर्येत्रा वर्येत्रा वर

८८.दूर.(य.पर्व.तम्ब.पर्व.पर्व.पर्वेब.पावेब.पर्वेब.पर्वेच.पर्वे

## ञ्च'न। यदयः क्युयः पङ्गेवः वेषायः व्यवः पृतः पृतः ।

म् । चर्चियःचेषुःक्ष्यःयः स्वायःचेरःक्रायः प्रस्ति । यस्यायः स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स्वयः

चित्रं त्रः त्र्वेतः त्र्वेतः त्रः त्रवेतः त्रः त्र्वेतः त्रः त्र्वेतः त्रः त्र्वेतः त्रः त्रवेतः त्रः त्रवेतः त्रः त्रवेतः त्रः त्रवेतः त्रः त्रवेतः त्रः त्रवेतः त्रवेतः त्रः त्रवेतः त्रवेतः त्रः त्रवेतः त्रवेतः त्रः त्रवेतः त्

#### ञ्चान विटःकुनःयन् यानाः .....

# क्यानन्। क्षेत्रक्रा

#### ਰਾ**ਤ।** """ਪ੍ਰਕਾੜ੍ਹਕਾਰੀ ਕ੍ਰਿਟ੍ਰਾ ਕੈ ਤਾਰ੍

यमाङ्गयमाङ्गे स्थानम् विष्याप्यात् स्थानम् विषयम् । विष्याः विषयः विषयः विषयः विषयः । विषयः विषयः विषयः । विषयः विषयः विषयः विषयः । विषयः विषयः विषयः । विषयः विषयः विषयः । विषयः विषयः विषयः । विषयः विषयः । विषयः विषयः । विषयः विषयः । विष

यर्ने विष्याची विषयाची विषया

# 

परेव पतिः ईपाय पर अर्देव सुय रु अर्वेद पाय तर्वेद पति स्वीरा

# चित्र सम्बेष्ठ से विष्य चित्र स्था त्र विष्य स्था त्र विषय स्था त्र विष्य स्था त्र विषय स

# স্ত'ন। গ্রীব কি শ্রেলা বী শ্বেদ শ্বাদেশ।

वर्षा विषःश्वी विषःश्वी विषःश्वी वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः विषः वर्षाः वर्षा

# स्यमिवे सेन्य तर्वे न्य देवी

# इन देवि अर्भित्र स्थान

धुन्दिः र्योगः प्रवि प्रञ्जेतः प्रति प्रवि प्रदेने प्रति व स्व अद्गायतः स्व प्रतः प्रति । स्व प्रते प्रति प्रवि प्रति । स्व प्रति प्रति । स्व प्रते प्रति । स्व प्रते । स्व प

# विवासम्बरानुदार्स्वाबासायायावर्षेदासावी

#### 평'위 ( 폭리'작곡'원도'<u>주도'''''</u>

# ॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॗॗॗॗॖॗॗ

चक्चर्याः श्चीराविष्ठव्याः वेर्त्याः स्वास्त्रः विष्यायः व्याविष्यः स्वास्त्रः स्वास्त्

त्तृबःचुबःतिर्वरःचःन्दःतिब्बःअःचुबःशुःदवःतन्बःयःयःनित्वःचःयरःधःन्नःनुःर्धेदबःशुःशेःवेबःवेदः। र्देवःन्यःयरःधःश्चेःन्नःयर्दवःशुअःनुःवेबःयःयःयःतर्वेन्यतेःधुर।

यदिन्द्रमः मुन्द्रमः मुन्द्रमः स्वाप्तः व्याप्तः व्यापतः व्याप्तः व्यापतः वयापतः वयापतः वया

अन्। शुःरवः तद्यः यः दर्गेदः यः हे।

त्री श्री वर्षियाची तर्षेश्वास्त्र त्यात्र क्षेत्र त्यात्र कष्ण त्यात्र क्षेत्र त्यात्र कष्ण त्यात्र क्षेत्र त्यात्र क्षेत्र त्यात्र कष्ण त्यात्य कष्ण त्यात्र कष्ण त्यात्य कष्ण त्यात्य कष्ण त्यात्र कष्ण त्यात्य कष्ण त्यात्य कष्ण त्यात्य कष्ण त्

अपना केंबाग्री:भु:धी:वर्धेव:यबादी। इस्यायाने: शु:प्तुव:दु:पलेता।

यहेन्यते भ्रीत्रः में न्या के क्ष्या के क्ष्या के क्ष्या के स्थाप के स्थाप

मह्मुस्य प्राप्त के के स्वार्थ के स्वर्थ के स्वार्थ के स्वार्थ

श्चेषानु त्रीटा वी प्रष्याया घराया देवा वितराया तर्वे दाया वे

અદેવઃઅર્ૹેઃવઃવર્જોન્:પતિ:ह्रेशःशुःन्दःशॅरःधरःपःनेंवःणिकेरःशुःःवश्वसःपःवर्षिन्।परःश्रह्नःने। तर्शेःवःवःवरःशेंःवनेःवर्शेःनःवेनःवर्शेःवःवर्षःवर्शेःवःवर्शेःवर्शेनःवर्शेःवर्शेनःवर्

# इस्राचन्द्रा भ्रुटा मुद्रा

मिलेर मिलेर मिला स्वाप्त स्वाप वरायार्देवाचानेरायातर्वेदायदे तसीवायशायसूवार्ते।

यविषायान्यूपविष्यादर्गेन्यादी

देःर्चयः चर्रायः याधिव हि|बेयषा रुवः सूर्याय से हिर्यायः से विषयः याधि विष्याय सि स्वर्थः प्रति दिसारी प्रविषय ने तस्विन यमा सहं न प्रते स्विन्

## मह्यस्य प्रमित्र प्रवेशिक प्रमाय विष्टि प्रमित्र प्रमित्य प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र प्रमित्र

दें दंशन् : चर्या अपीव है। वेंबाय अवा चुराय द्यापवाय या प्राप्त वर्षेयाय अवा चुराय अविवाय दें से व पन्नःश्चाः सह्यन्तः र्स्थेनानाः सूनाः गावः नावेनाः नदः नावेवः र्से त्यमेनाः प्रसानिन स्वानः निन्नः स्वानः स चरः चुःचते ःङ्क्षें व्याः ह्रेंग्यायरः सर्ह्नः यते ः धुरा

## नित्रं पाविदःर्देवःश्चे निष्यायायायात्रविदःयादी

तस्रव तमाने रह्म निष्या माने निष्या माने विष्य माने विषय चःथः र्सेवाषः यषः इसः यरः द्वेदः यः वेदः ग्रीषः सेस्रषः उदः ग्रीः द्वेदः है। वावदः ग्रीः द्वेदः ग्रीस्राधः यः संवाषः यः स्ट् बेन्'निवेते'सळ्व'हेन्'हे'सू'निते'न्न्या'हेन्'य'निर्मेन्'ने'त्रेव्यव याष्ट्रा

## <u>क्यार्ड्</u>येनयायातर्वेनयात्री

ब्रुॅंद्र-पाष्ट्रद्रापर रुवाया वर्षेद्रदे देवे हेबाय रदा वी देवाय वा ची देवाय ही ही देवें राष्ट्र वा बुधा इसाय रदा वा पर <del>ढ़</del>ॕ॔ॻऻॺॱय़ॸॱॸॻॱॸॖॱॺॖॆॱॻढ़ॆॱख़ॱॸॕ॔ॴॸॖॱॺॖऀॺॱय़ॱॸॗॻॱॴॱॺॊ॔ॺॺॱय़ॱॴढ़ॺॊ॔ॸॱय़ढ़ॆॱॺॖऀॸऻ

# इ्वायर्देवयावेषाञ्चययियवित्यत्वेद्र्यते

देवै र्वेग रु र्थेव न्व गाव श्री पावि त्य वर्षे द रावे त्य हो व राय वाव व श्री र्वेव श्री स्व रावे व विटःश्चितःग्रिटःटेबःसरःन्वे्बःसदेःबट्बःश्चिषःग्रीःलयःश्चे नवेःचःचठुदेःलबःग्रीःलयःलःवर्वेन्यदेःश्चेर् पितृशाया (क्विंस त्याया तर्वे दारा) दे।

क्षेंपाबायायायाचींन्यते हेबाने वबार्श्वेराययायायर्पेन्ने। ने वबार्केवाययबारुन्नें वान्यायरार् 

#### ग्रुअपा (अर्वेट श्वर शाय वर्षेट्य) दे।

देवे हेब था अर्घेट या अप्यादि दे। ह्ये व पारे पार्ट या देव द्वार पार्ट व व व व पारे पारे व व व व व व व व व व व <del>֍</del>্বৰাপ্তৰাঘ্যৰ প্ৰত্ৰ-লে:গাঁব-টি-ডেট্ৰ্য-নেনাৰ্ব-টি-ট্ৰনাৰ নেত্ৰ-জিব-নাৰ্বি-ডেট্ৰ্ড্ৰ-নাণ্ডৰ:গ্ৰি-নেন্ত-জ্ৰুৰ ह्रेंवाबायायायातर्वेद्रायते ध्रिम्

वासुअयाकाचनुन्यायातर्वेन्यानी

नवि'य'स'न्जुन्य'शयतर्वेत्'य'श्र

र्श्वेन्याष्ट्रन्यः उत्तर्भावर्षेन्यः वर्षेत्रः वर्षेत्

તાલનું તાલનું તાલના તાલનું તાલના તાલનું ત

म्विषाया (यदेव प्रहेव अर्देव श्रूर चर्य प्राप्त पर्मेर पा) दी

વેશ્વર્યન કોર્યો | સ્ટ્રેસ્સન્ડ સ્ત્રાહ્મ ત્રાહ્મ ત્રાહમ ત્રાહ્મ ત્રાહ્મ ત્રાહમ ત્રા ત્રાહમ ત્રાહમ ત્રાહમ ત્રાહમ ત્રાહમ ત્રાહમ ત્રાહમ ત્રાહમ ત્રાહમ

स्याम्यान्यायायायान्यान्यान्यान्या

देवःह्रायाः सान्वाः यायां सान्वाः यायाः द्वीतः यायाः द्वीतः यायाः द्वीतः यायाः वित्रायाः यायाः यायाः वित्रायाः यायाः वित्रायाः यायाः वित्रायाः यायाः वित्रायाः यायाः वित्रायाः वित्रायः वित्

यात्रुःपःर्वेदाःअःववाःपःतःत्वेद्दाःपःद्वः। श्चेःचात्रवाःवीयःर्वेवायायःपःद्वः। श्चेदःपःवःअःपःतःवर्वेदः यर्वे।

યુક્તાનું માર્ચન ત્રાહ્યું માર્યું માર્ચન ત્રાહ્યું મા

यिष्ठेशस्यविष्ठःर्देवःश्चित्रः युद्यः त्यादि स्यादी

दे.ज.प्यूर्यत्राच्चेरा ठवःश्चैवःत्यःद्वः अरूवःत्यः चेबःत्यः स्विबःत्यः स्विवःत्यः स्विवःत्यः स्विबःत्यः स्विबःत्यः स्विवःत्यः स्विबःत्यः स्विवःत्यः स्वतः स्वत

वार्षुअःपः(श्चिन्यःष्टःस्यःयःत्यःतर्वेन्य)त्।

ब्रुम्पर्यः व्याप्तः व्यापतः व्याप्तः व्यापतः व

「「まった」、「日本では、日本では、日本では、日本では、日本では、「日本には、「

યા માર્યા ક્રિયા માર્યા ક્રિયા માર્યા ક્રિયા માર્યા માર્યા માર્યા માર્યા ક્રિયા માર્યા માર

खेट्रेब्र-प्य-जेट्र-प्यते क्रॅब्र-जेट्र-जेट्र-क्रुच-जेर्ज व्यव्य-जेट्र-क्र्य-जेर्ज व्यव्य-जेर्ज व्यव्य-जेर्

য়ৢঀৢয়য়য়৻৻ঀয়ড়ৢঢ়য়য়য়য়য়য়য়ৢয়য়)ঽৢৢৢৢয়য়য়

यर्चेन्यते क्षेत्र-त्रा विषय्त्र क्षेत्र-त्रा विषयः क्षेत्र-त्रा विषयः विषयः

पविषयः (ह्निष्ययते विष्ययः) या है ख्रेष्ट्रायः हेषाष्ययः यः वर्षेट्रायः हेषाष्ययः वर्षेट्रायः हेषाष्ययः यः वर्षेट्रायः हेषाष्ययः यः वर्षेट्रायः हेषाष्ययः यः वर्षेट्रायः हेषाष्ययः वर्षेट्रायः हेषाष्ययः यः वर्षेट्रायः हेषाष्यः यः वर्षेट्रायः हेष्ट्रायः हेष्ट्रायः हेषाष्यः यः वर्षेट्रायः हेषाष्यः यः वर्षेट्रायः हेष्ट्रायः हेष्ट्रायः वर्षेट्रायः हेष्ट्रायः वर्षेट्रायः हेष्ट्रायः वर्षेट्रायः हेष्ट्रायः वर्षेट्रायः हेष्ट्रायः वर्षेट्रायः हेष्ट्रायः वर्षेट्रायः हेष्ट्रायः हिष्ट्रायः वर्षेट्रायः हिष्ट्रायः वर्षेट्रायः हिष्ट्रायः हिष्ट्रायः हिष्ट्रायः वर्षेट्रायः हिष्ट्रायः हिष

पदेव पापति ते प्रें व्यव्यव उपापत्व प्रें प्रव्यव उपापत्व प्रें प्रें प्रवास विवास के प्रें प्रवास के प्रवास के

प्रतिषायः (हे सुः चः हैं वाषायायः वर्षे प्रायः) दे

ક્રાઝ્રા-વેર-બ્રેન્ડ્રેન્સ્સ્યાન્ડ્રેન્સ્સ્ટ્રેન્ડ્રેન્ડ્રેન્ડ્રેન્ડ્રેન્ડ્રેન્ડ્રેન્ડ્રેન્ડ્રેન્ડ્રેન્સ

णशुस्राय(श्वरक्षयते वित्रप्यः)या ध्वेत्र के र्येण चत्रप्यः दिः प्रति प्रति चत्र चत्र यात्र प्रति । त्रि प्रति वित्रप्य वित्रप्य

ध्रेव के लेंग मी मिले पदेव पदें व चर् पर स्ट्रिय स्वर्थ पर से पर स

प्रवे प्र (प्वायदे कुळेंवाब कु कि प्यर या दर्वे प्या) या

२८:चित्र क्राप्त वि क्रिंग क्री ते क्रुं कें विषय त्या तर्वे प्राप्त प्राप्त क्रिंग क्रां त्या क्रिंग क्रि

2દ્રાન્ત: $\frac{1}{2}$ : $\frac{$ 

प्रतिषात्र (म्निः नुरुद्वा नुरुक्त व्या विकार वि

# क्यानन् भेराकुत्

#### विविश्वारात्म्याः श्रीः तद्य्वाः सुः ताः तर्वे दिः याः दी

देवे र्यम् म्या विकास्य विकास्य विकास्य विकास वि

#### यात्रेश्वर्पः (र्द्वर्पश्चर्यः) दी।

दे.क्षेत्र.व.क्ष्य.ग्री.श्ले.ब्रीव.श्ले.प्यत्तिव.दे.क्ष्य.श्ले.प्यत्तिव.प्

म्विषाया (क्षेत्राप्त्रं वात्ववराष्ट्री वीत्रवायम् विष्ठायम् विष्रायम् विष्ठायम् विष्रायम् विष्ठायम् विष्रायम् विष्रायम् विष्रायम् विष्रायम् विष्रायम् विष्रायम् विष्र

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{$ 

पच्चेत्र'र्यत्र'त्यम् न्यास्त्रं प्रायः म्वान्य प्रायः प्

ર્શ્વેર-ત્ર-ક્રિયો શુજ્યના છે. ત્રુપાત્ર ત્યાત્ર ત્રુપાત્ર ત્રુપાત્ર ત્રુપાત્ર ત્રુપાત્ર ત્રુપાત્ર ત્રુપાત્ર ત્રુપાત્ર ત્રુપાત્ર ત્રુ

याववः पुःचञ्चवः यः इस्रमः भ्रानमः देः यावेषः सुः पुर्देषः सुः भ्रेवः वः वी देरः स्रदेवः यरः भ्रेवाषः याववः याववः प्रान्ते । सुर्वः । सुर्

इस्रमाञ्चीतमानाटानु प्याटा से से वाचा से वाचा

 $\frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac{1}{2} \sum_{i=1}^{n} \frac{1$ 

्र्रेच्यायात्र त्यापः वृद्दान्त्र त्यात्र वृद्दान्त्र त्यात्र त्यात्य त्यात्र त्यात्य त्यात्य त्यात्य त्यात्य त्यात्य त्यात्य त्यात्य त्यात्र त्यात्य त्यात्य त्यात्य त्यात्य त्यात्य त्यात्य त्यात्

वासुअःधः(भ्रवकःवश्रुःव)दी

ॻॖॱॴॴ॔ऴॣॴऄॣय़ॱऄॣॻॺॱॸॖ॓ॱॻक़ॗॖॖॖॖॖॖज़ॱय़ढ़ॣऻ॥ ॾॖॱॴॴ॔ऴॣॴऄॣय़ॱऄॣॻॺॱॸॖ॓ॱॻक़ॗॖॖॖॖॖॖज़ॱय़ढ़ॣऻ॥

चेषःरचःग्रेःषःर्यतः मुद्देवःपते अवःद्वान्यः विष्यः च्याः विषयः व

श्रीचरायमुन्यःयः र्ह्यायः र्स्या

# इस्राचन्द्रः भ्रेटः मुद्रा

# महास्राप्त स्वाप्त स्

र्देवःश्चिःश्चेंब्यःयःश्च्यःयः व्याप्तः विश्वः विश

য়्व व्यक्ष्य निष्ठ विश्व विश्

वासुस्रायः (विशेषायः)या सिस्त्रायम् प्याप्तायः प्राप्ता देवः वासुस्रायः विशेषाः व

ल्च स्त्री विस्तवीयात्तप्ति स्वर्णात्तप्ति स्त्रीयात्त्र स्त्रीयात्त्र स्त्रीयात्र स्त्री

पीश्वयःश्चीः इस्रायः वस्रवाशः येदः यदिः र्ह्मेणवायः रहेणवायः यदिः रह्मेष्यः यदिः रह्मेषः यदिः

चीराक्ष्याचे स्थापाचर्स्स्यापाया क्ष्रीया चुटाराचे याची स्थापादे क्ष्रीया प्रति स्थापादे क्ष्रीया चीराया क्ष्रीया चीराया क्ष्रीया चीराया क्ष्रीया चीराया क्ष्रीया चीराया क्ष्रीया चीराया चीराया क्ष्रीया चीराया चीर

# नशुरान्त्र नावत नश्रुव न।

मुब्रुंबाक्की:इब्रायाया:निम्दि:कुम्निक्तिकी:कुम्

त्रेश्व हेर्स्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य

ત્મન્યત્રા વિશ્વસ્થાન્ય છે. ત્રું ત્રાન્ય સ્થાન વિશ્વસ્થાન વિશ્યસ્થાન વિશ્વસ્થાન વિશ્વસ્થાન વિશ્વસ્થાન વિશ્વસ્થાન વિશ્વસ્થાન વિશ્યસ્થાન વિશ્વસ્થાન વિશ્વસ્યાન વિશ્વસ્થાન વિશ્વસ્થાન વિશ્વસ્થાન વિશ્વસ્થાન વિશ્યસ્થાન વિશ્વસ્થાન વિશ્યસ્થાન વિશ્યસ્થાન વિશ્યસ્થાન વિશ્યસ્થાન વિશ્યસ્થાન વિશ્

प्रवासायम् अत्याप्तम् अत्याप्तम् वित्राचीत्रः वित्राचीत्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वि याः च्याः चीः वित्रः वित्र याः च्याः चीः वित्रः वित्र

गहेराया(इन)दी

हान। तीता है स्थाया वीश्वार्या ही । हिंद्या प्राप्त हो । हिंद्या हो । हिंद्य हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्य हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्य हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्य हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्य हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्य हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्य हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्य हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्या हो । हिंद्य हो । हिंद्य हो । हिंद्या हो । हिंद्य हो । हिंद्या हो । हिंद्य हो ।

#### पासुस्रायः(त्र्येयःयः)दी

યदि श्रुपा शुक्षा शुक्षित प्राप्त क्षित्त प्राप्त श्रुप्त स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्व भुष्त स्वत्य प्राप्त स्वत्य स्वत्य

र्देव पशु पानी

# नस्यार्नेत्रानाव्यानस्या

ঘম'রেক্সুম'দ্বী

लट्ट्यट्स् क्रिंट्स क्रिंट्स क्रिंट्स व्याचित्र क्रिंट्स व्याचित्र क्रिंट्स क्रिंट्

યાનક્ર્યુન્સન્ત્રેન્સ્યાનિવાનો સ્ત્રેવાચન્સન્ત્રાનું સાધાના સ્ત્રાન્સન્ત્રાનું સાધાના સ્ત્રાન્સન્ત્રાનું સાધાના સ્ત્રાન્સન્ત્રાનું સાધાના સાધાના સ્ત્રાન્સન્ત્રાનું સાધાના સાધ

यर्श्वसः त्र्वाची त्राच्या क्ष्याच्या विष्टाच्या च्या विष्टाच्या विष्या विष्टाच्या विष्या विष्टाच्या विष्या विष्टाच्या विष्या विष्टाच्या विष्टाच्या विष्टाच्या विष्या विष्टाच्या विष्टाच्या विष्या विष्टाच्या विष्टाच्या विष्टाच्या विष्टाच्या विष्टाच्या वि

श्रे अर्द्ध्दर्भाने। दे र्च्या ग्रीका प्यवा ग्रीका प्यवित ग्रीक्षेता देव र याका पायित दिश्चेत प्रदेव स्वर्भ प्र

ਧਮ੍ਰਤਰਾਨਲਰ ਹੈਰਾ ਹੈ। ਇਤਾਪਤਾਰਤਾ ਹੁਝਲਕਾਪਨੇ ਤ੍ਰੀ 'ਚ ਚਣ੍ਹਾ ਗੁਲਗ ਰਮ੍ਰਤਰਾਨਲਰ ਹੈਰਾ ਹੈ। ਇਤਾਪਤਾਰਤਾ ਹੁਝਲਕਾਪਨੇ 'ਚ੍ਰੀ 'ਚ ਚਣ੍ਹਾ ਗੁਲਗ ਹਾਣੂੰ 'ਚਨੇ 'ਗੁਲਨਾਰ' ਹੈ।

५८.तू.(चर्थर.व.४४.वृ.व.४४.व्य.)जा नर्थर.वृष्टु.व्य.५८.। व्यट.ज.चहेब.व्य.क्.ज.ह.त.च्य.

५८.स्.(यथर.बिध.बिर.तर.)यी

અર્દે: -દાનું ત્રાન્સ્ત્યાન્સ્ત્રાન્સ્ત્યાન્સ્ત્રાન્સ્ત્યાન્સ્ત્રાન્સ્ત્યાન્સ્ત્યા

यात्रेषाया (वादावाने वाव वाक्या है । भूरायम् प्राप्ता

अर्देवःयरः हेंग्रबःयते : क्रुवः क्रुः क्रेंग् । यादः त्यः यहेवः व्यवः यहः त्ये त्यः यहेवः याव्यः यहः व्यवः यहः बेदः यो : प्रच्यः देवः व्यवः क्रुं । यादः त्यः यहेवः व्यवः युवः यहः त्ये वः य्यवः यवः यवः यवः यवः यवः यवः यवः य

# नशुरान्त्र नाव्य नश्र्य न।

तस्त्रवास्यः स्याप्यः में त्राच्यः स्थाप्यः विष्यः व्याप्यः प्रम्यः स्थाप्यः स्थाप्यः स्थाप्यः स्थाप्यः स्थाप्यः स्थाप्यः स्याप्यः स्थाप्यः स्थापः स्यापः स्थापः स्थाप

स्वायतः श्रीत्रा स्वायतः श्रीत्रा स्वायत् प्रमायत् प्रमायत् प्रमायत् प्रमायत् प्रमायत् प्रमायत् प्रमायतः स्वायत् प्रमायतः स्वायत् स्वयत्यत् स्वयत् स्व

#### प्रतिषारा (प्रस्थाय प्रति प्रवी प्रापर्के प्रा) दी

द्योभःपःर्देवःवाब्रभःदेःचब्रैचबःपःभवाधुदःचदेःद्योःचःबेदःयोःचच्यःद्यःचद्याःवीबःवादःर्वेवःधेवःधेवःधेवःविद्यःपःदेःधेवःश्चेः वित्रभःषःह्यःव्यव्यवःपःभविवावःपदेःशेवःस्वःश्चेवःश्चेःविदःश्चेःविद्यःपरःर्शेवाःहेवःपद्यः। विद्यश्चेदःविदःव्येभःपःर्श्वःवदःश्चेवःवःश्चेवःवःश्चेवःव्यःव्यःश्चेवःविदःश्चःव्यव्यः।

વિદ્યાસું દાવાના વૈદ્યાયા વર્લેન્યાના વર્ષે ભાવાના ભાવ

रट केट क्रें प्रवासकी

चन्न्द्रम् । व्यक्ष्यः मुद्रम् त्यात् चन्न्याची अर्द्रम् स्वर्यः मुद्रम् विष्यः स्वर्यः स्वरं स्वर्यः स्वरं स्वर्यः स्वरं स्व

यानेनायावुरार्देवार्ह्मयानायायायाचा

चस्रव चर्रेक में व वे अ अ अ स्पानिया की असे व सुअ की खुल का कि निवा के निवा क

म्विषाय (ब्रिट्याय पर्वेत् यस म्बर्धिय परा) दी

यदि त्योलायाला केंद्र्यायति स्वायति स्वायत् वित्यात् वित्य

ग्रविः भ्रम् । यात्र विकार्स्य विकार वि

पार्षुस्र'प्'(त्रो्वपयः ईंसयर हूँ प्रते क्रुःसळव् ) दी

યાં ત્રાંત્રા ત્રાદ્ધાના ત્રામાં ત્રાપ્તા ત્રાધાના ત્રામાં ત્રાપ્તા ત્રાધાના ત્રાપ્તા ત્રાપતા ત્રા

पिट्रियास्य (प्राचीयान्यभुरान्यते स्था) दी

क्यान्तः श्री अविदः र्यः निद्यान्तः याद्याय्यः याद्याः स्वान्यः याद्याः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्व श्वा । दे : द्रान्यः श्वी : अविदः र्यः द्रान्यः स्वान्यः स्वायः स्वान्यः स्वान्यः स्वयः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वयः स्

સૂંત્ર-ત્યત્ર-ત્રજ્ઞેન્-ત્રત્યું ત્યાં ત્રેત્ર-ત્રત્યા ત્રામાં ત્ર્યું ત્યાં ત્રામાં ત્ર્યું ત્યાં ત્રામાં ત્ર્યું ત્યાં ત્રામાં ત્રામા ત્રામા

# नश्रू अ'र्ने ब'नाब्र नश्रू ब'रा।

প্রথমেশ্রর্ম।

रुषाम्बुयाक्कितानामुवाक्कित्वर्षे नर्षे प्रक्षेतालय। क्विताळ्यान्यान्यते मुख्यान्यते निवास्य तपु.श्रावयाताः मैला ख्रायाचारा द्वपु. लीवाया विवायाला या पर्देया मू. ख्रीपु. तवा वीया तप्ति । विविद्य स्त ग्रवाची क्षेट र्येते र्देव दट की विवा केव त्यस ची तेस यदि वादस्य रादि खुया हिंवाब यर सदर दिते। अर.अ.सर्ट.ज.स्वाया विश्ववाययाञ्चारे वा.ये.च क्रि.त. प्राया विश्वाय प्राया विश्वाय प्राया है. ग्रीयाग्राम् विष्याः द्विताः द्विताः द्विताः विष्या । याववः द्वाः यद्वाः यद्वेदः याववः द्वेदः द्वोदः यः यञ्चेवा । युवायः यद्वेदे स्वः द्यः ह्रेवाबायरायायहितावबा विया ग्री दे दे ग्रीत्वाद्यात्रात्यां रेया स्वावावाद्यात्रात्या विया स्वावाद्यात्र जुवाबार्युटबान्नेटा विवालान्टायात्राचायाः भूबानागावात्राचायाः स्वाचान्त्राचार्याः स्वाचान्त्राचायाः स्वाचान्त्र चर-चर्यन् । इंद-तर्देन-ब्रुंग्रायः सुःसुद-चर्ते-धेन्यः सेन्। । व्याप्यः सेन्। प्यः पास्यः पास चःगावःग्रीःन्यःयतेःर्केषःवहेवःयाञ्चःयःदेःयःचन्यावेःस्र्याःवर्धयःर्वे।विदेरःवचनःन्योःचःरचःन्यारः के.लूर्ट्रेया । श्रुर्ट्रात्यु प्रमुख्ययात्र प्रमुख्यात्र विषयात्र स्था । श्रियाया श्रुर्ट्रात्ये विषयात्र ग्रीया चठन्वर्ग गाविः अष्टिवः क्वराः चरिः क्वरः स्वरः स्व र् । ।यसन्वरादिःदर्वस्यायर्भे त्वयाविरा ।विषासर्केषाद्वो निष्यादेशस्त्री स्वर्था मुल'नते'न्यर्केष'अ'लुब'तहें व'गुरुठिग

# क्यानन्दः श्रेटः कुत्।

# यश्रूबार्नेव पावव पश्रूव रास्वाबार्

# धर:ग्रुट:र्श्चेत्र:क्वेंग

इ.स.लूट्य.पश्चिट.जुवीय.यथेट.य2ेट.कु.पट्टी। कुवी.वी.चुवाय.या.प्र्य.क्ष्य.प्रेय.वीश्य.वी. वीर्ष्य.यपु.सवय.लय.क्ष्य.क्ष्य.प्रेय.विवय.धीट.।। इ.स.लूट्य.पश्चित.वु.यपु.मी.यक्ष्ट्र.पट्टि.वु.पट्टी।

द्य-तु-नश्चुत्र-प्रदेश-स्त्र-प्रदेश-स्त्री।

याद्र-र्थ-क्रेन-क्रेन-क्रेन-क्रेन-स्त्र-स्त्र-स्त्री।

याद्र-र्थ-क्रेन-क्रेन-क्रिन-क्रेन-स्त्र-स्त्र-स्त्री।

याद्र-र्थ-क्रेन-क्रेन-क्रेन-क्रेन-स्त्र-स्त्र-स्त्री।